



मानव संसाधन विकास मंत्रालय
भारत सरकार
भाग 3
युवा कार्यक्रम और खेल विभाग

Ministry of
Human Resource Development
Govt. of India
Part 3
Department of Youth Affairs & Sports

वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
1991-92



म. श्री राजीव गाँधी की स्मृति में उनके जन्म दिवस 20 अगस्त, 1991 को लोगों के बीच आपसी भाईचारा बढ़ाने के लिए यह दिवस "सद्भावना दिवस" के रूप में मनाया गया।

प्रधानमंत्री श्री पी. वी. नरसिम्हा राव कार्यक्रम प्रारंभ करने के लिए समारोह के अवसर पर ज्योति प्रज्वलित करते हुए। केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह बाईं ओर खड़े हुए हैं।

To perpetuate the memory of late Shri Rajiv Gandhi, his Birthday on August 20, 1991 was observed as the 'Sadbhawana Diwas', a day to promote mutual goodwill amongst the people.

The Prime Minister, Shri P.V. Narasimha Rao is lighting the ceremonial lamp to start the programme. At left is Shri Arjun Singh, the Union Minister of Human Resource Development.

विषय सूची

पैरा संख्या	पृष्ठ संख्या
अध्याय-1 — भूमिका	1
अध्याय-2 — युवा कार्यक्रम	
2.1.1 राष्ट्रीय युवा नीति	5
2.2.1 राष्ट्रीय युवा कार्यक्रम के लिए समिति	5
2.3.1 साहस का विकास	5
2.4.1 युवाओं के लिए प्रदर्शनी	6
2.5.1 राष्ट्रीय एकीकरण का विकास	7
2.6.1 राष्ट्रीय सेवा योजना	8
2.7.1 राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक योजना	11
2.8.1 युवाओं को प्रशिक्षण	12
2.9.1 राष्ट्रीय युवा पुरस्कार	12
2.10.1 युवा क्लबों को सहायता	13
2.11.1 युवा छात्रावास	13
2.12.1 स्वैच्छिक संगठनों को सहायता	14
2.13.1 पिछड़ी जनजातियों के युवाओं के लिए विशेष योजना	15
2.14.1 स्काउटिंग तथा गाइडिंग	15
2.15.1 नेहरू युवा केन्द्र	17
अध्याय-3 — खेल तथा शारीरिक शिक्षा	
3.1.1 प्रस्तावना	19
3.2.1 बुनियादी खेल सुविधाओं के सृजन हेतु अनुदान	20
3.3.1 ग्रामीण स्कूलों को अनुदान	21
3.4.1 सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक/कृत्रिम परत	21
3.5.1 विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में खेल-कूद	22
3.6.1 राष्ट्रीय खेल संघों को सहायता	23
3.7.1 पुरस्कार राशि के जरिए स्कूलों में खेलों का विकास	23
3.8.1 अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार	24
3.9.1 खेल छात्रों/अनुसंधानकर्ताओं को यात्रा अनुदान	24
3.10.1 खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष	24
3.11.1 अर्जुन पुरस्कार	25
3.12.1 पांचवें एस.ए.एफ. खेल	25
3.13.1 1991-92 के दौरान खेलों में विशिष्ट उपलब्धियाँ	27
3.14.1 भारतीय खेल प्राधिकरण	

अध्याय-4 — अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग

4.1.1	सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम/खेल नयाचार	35
4.2.1	राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम	36
4.3.1	युवा शिष्टमण्डलों का अन्तर्राष्ट्रीय विनिमय	37
4.4.1	संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक	38

अध्याय-5 — संगठन

5.1.1	सचिवालय	40
5.2.1	हिन्दी का प्रयोग	40
5.3.1	प्रकाशन और पुस्तकालय	41
5.4.1	बजट आबंटन	41
5.5.1	सामाजिक संघटन अभियान	41
	कम्प्यूटरीकरण	42

आवरण पर

सामने का आवरण (बीच में) — राष्ट्रीय युवा प्रतीक ।

फोड़े के आवरण पृष्ठ पर — संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक योजना की बीसवीं वर्षगांठ की यादगार हेतु निर्मित पोस्टर ।

परिशिष्ट

पैरा संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
2.3.8	क. माहस संवर्धन के लिए अनुदान	47
2.5.10	ख. राष्ट्रीय एकीकरण के संवर्धन के लिए अनुदान	52
2.9.4	ग. युवा पुरस्कार विजेताओं की सूची	56
3.1.5	घ. युवा और खेल मंत्रियों के चौथे सम्मेलन की सिफारिशें और निष्कर्ष	61
3.2.2	च. अधूरी बुनियादी खेल सुविधाओं की स्थिति	65
3.4.1	छ. सिंथेटिक ट्रैक तथा कृत्रिम परत के पूर्ण होने की स्थिति	66
3.5.6	ज. पिछले तीन वर्षों के दौरान खिलाड़ियों को दी गई खेल छात्रवृत्तियां	67
3.5.7	झ. विश्वविद्यालय क्षेत्र में खेलों के विकास के लिए अनुदान	68
3.6.1	त. मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों की सूची	68
3.6.4	थ. राष्ट्रीय खेल संघों के प्रस्ताव जो सरकारी लागत पर मंजूर किए गए	70
3.6.4	द. राष्ट्रीय खेल संघों के प्रस्ताव जो बिना सरकारी लागत के आधार पर मंजूर किए गए	73
3.8.3	ध. अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में उपलब्धियों के लिए विशेष पुरस्कार प्राप्त खिलाड़ियों की सूची	78
3.11.3	न. अर्जुन पुरस्कार 1989 प्राप्तकर्ताओं की सूची	81
3.12.2	प. एस.ए.एफ. खेल 1991	81
3.14.8.4	फ. भा.खे.प्रा. — एन.एस.टी.सी. प्रशिक्षणार्थियों की उपलब्धियां	82
3.14.9.3	ह. भा.खे.प्रा. — एस.ए.जी. प्रशिक्षण प्राप्त खिलाड़ियों की उपलब्धियां	86
3.14.11.2	ब. भा.खे.प्रा. — खेल छात्रावास योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षणार्थियों का विवरण	87
3.14.12.2	भ. देश में अनुमानित एस.पी.डी.ए. केन्द्रों की संख्या	88
3.14.12.2	म. भा.खे.प्रा. — एस.पी.डी.ए. केन्द्रों में प्रशिक्षार्थियों की संख्या	89
3.14.13.3	य. सेना में बाल खेल कम्पनियों में खिलाड़ियों की संख्या	90
3.14.22.2	र. विदेशी विशेषज्ञ/प्रशिक्षक जो भारत के दौरे पर आए	91
5.1.3	ल. प्रशासनिक चार्ट	91-A
5.4.1	व. बजट आबंटन	92

भूल सुधार

निम्नलिखित को पृष्ठ 37 के आखिर में शामिल समझे

- (vi) विभाग द्वारा बाल भवन सोसायटी बड़ौदा, गुजरात के सहयोग से "बच्चों के लिए युवा" विषय पर 14 से 20 नवम्बर, 1991 तक द्वितीय एशियाई रैनेबों सप्ताह समारोह आयोजित किया गया। सप्ताह भर के कार्यक्रम में बच्चों के लिए विभिन्न खेल-कूद, सांस्कृतिक कार्यक्रमलाप, प्रदर्शनी तथा विचार गोष्ठी आयोजित की गई थी। 9 देशों के लगभग 150 बच्चों ने हमारे देश की यात्रा की तथा देश के भिन्न-भिन्न भागों के बच्चों के साथ विचार-विमर्श किया।
- (vii) 9 सदस्यीय भारतीय शिष्टमण्डल ने 8 जनवरी से 11 मार्च 1992 तक जापान, सरकार द्वारा आयोजित "विश्व युवा कार्यक्रम के शिप" में भाग लिया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत उन्होंने जहाज द्वारा जापान, सिंगापुर, कोलम्बो (श्रीलंका), एलेक्जेंड्रिया (मिश्र), मसकट (ओमान) तथा बरसीलोना (स्पेन) की यात्रा की। जहाज पर उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमलापों जैसे सम्मेलन, सेमीनार, वाद-विवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम आदि में भाग लिया।

भूमिका

1.1.0 मानव संसाधन विकास मंत्रालय शिक्षा, युवक, महिला और बच्चों, कला, संस्कृति और खेल-कूद के क्षेत्र में मानव क्षमता का विकास करने के लिए सभी प्रयासों को एकीकृत करने के लिए 1985 में बनाया गया था। इस रिपोर्ट में चार विभागों, जो मंत्रालय के घटक हैं, के कार्यकलापों दिये गये हैं। ये रिपोर्ट निम्न चार भागों में प्रस्तुत की गई हैं:—

भाग-1	शिक्षा विभाग
भाग-2	संस्कृति विभाग
भाग-3	युवा कार्य और खेल विभाग
भाग-4	महिला और बाल विकास विभाग

शिक्षा विभाग

1.2.1 राष्ट्रीय शिक्षा नीति (रा.शि.नी.) संसद में 1988 में स्वीकृत की गई थी और इसके तुरन्त बाद इसका कार्यान्वयन शुरू कर दिया गया था। राष्ट्रीय शिक्षा नीति और केब (केन्द्रीय शिक्षा सलाहकार बोर्ड) के अंतर्गत नीति संबंधी समिति श्री एन. जर्नादन रेड्डी आंध्र प्रदेश के मुख्य मंत्री, की अध्यक्षता में स्थापित की गई थी। समिति को राष्ट्रीय शिक्षा नीति से जुड़ी उन सभी घटनाओं को जिनका इस नीति पर प्रभाव पड़ा हो, तथा राष्ट्रीय शिक्षा नीति समीक्षा समिति की रिपोर्ट को ध्यान में रखना था। इस समिति ने 22 जनवरी, 1992 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की। इस रिपोर्ट पर केब द्वारा विचार किया जाना है। केब की सिफारिशें प्राप्त होने पर सरकार इस नीति को संशोधित किये जाने के संबन्ध में अपने दृष्टिकोण को अंतिम रूप देगी।

1.2.2 प्रारम्भिक शिक्षा के सर्वसुलभीकरण, शैक्षिक अवसरों की समानता, महिला शिक्षा और विकास, स्कूली शिक्षा के व्यावसायीकरण, उच्च शिक्षा के समेकन, तकनीकी शिक्षा के आधुनिकीकरण, सभी स्तरों पर शिक्षा की प्रक्रिया और कोटि सुधार राष्ट्रीय शिक्षा के क्षेत्र में राष्ट्रीय प्रयासों के मुख्य अंश बने रहे।

1.2.3 प्रारम्भिक शिक्षा में पहले दाखिले पर बल दिया जाता था किन्तु अब स्कूल में बनाए रखने और उपलब्धि पर स्वतः बल दिया जाने लगा। यह एक ऐसा बदलाव था जिससे निवेश की प्रभावोत्पादकता में सुधार लाने और साथ ही कार्यक्रमों का मूल्यांकन करते समय उनसे लाभान्वित हुए व्यक्तियों की संख्या तथा कार्यक्रमों पर किए खर्च को ही आधार मानने की बजाय उनके परिणामों को ध्यान में रखने के प्रति नया सोच परिलक्षित होता है। साथ ही पहले मात्र स्कूली शिक्षा पर महत्व दिया जाता था जिसे अब एक व्यापक दृष्टिकोण में परिलक्षित कर दिया गया है जिसमें ऐसे कामकाजी बच्चों और बालिकाओं को जिनके लिए स्कूल सुलभ नहीं होते, समतुल्य स्तर की वैकल्पिक शिक्षा पद्धति मुहैया कराने पर बल दिया गया। सहभागी सूक्ष्म आयोजना और स्तर क्षमता निर्माण की अवधारणाओं को व्यापक समर्थन दिया गया और प्रयोगात्मक परियोजनाओं के माध्यम से उनकी जांच परख की गई। शिक्षा के सर्वसुलभीकरण के उद्देश्य की प्राप्ति की कार्यनीति के लिए ये महत्वपूर्ण तत्व होंगे।

1.2.4 प्रौढ़ साक्षरता के क्षेत्र में पूर्ण साक्षरता अभियानों (पू.सा. अभि) में प्रारम्भिक शिक्षा के और अधिक सर्वसुलभीकरण के लिए सामुदायिक सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। केरल राज्य का अनुसरण करते हुए संघशासित क्षेत्र पांडिचेरी, पश्चिम बंगाल का बर्द्धवान जिला, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग और कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिलों ने अभियान के माध्यम से पूर्ण साक्षरता प्राप्त कर ली है। ये अभियान देश के सौ से भी अधिक जिलों में या तो पूरी तरह से या आंशिक रूप से चल रहे हैं। इसके परिणाम 1991 की जनगणना के अन्तिम आंकड़ों में झलकते हैं जिनसे यह पता चलता है कि साक्षरता की दर पहली बार 50 प्रतिशत से

अधिक हो पाई है। यह एक गौरव की बात है और साक्षरता के मोर्चे पर प्राप्त सफलता का परिचायक है कि लगातार दूसरे वर्ष भारत ने गौरवशाली नोमा साक्षरता पुरस्कार प्राप्त किया है, इस बार यह पश्चिम बंगाल सरकार को मिल रहा है।

1.2.5 शिक्षा की विषय वस्तु में, राष्ट्रीय एकता, धर्मनिरपेक्षता, महिलाओं को और अधिक अवसर प्रदान किये जाने जैसे बुनियादी मूल्यों के प्रोत्साहन और विकास पर तथा पर्यावरणीय और जनसंख्या शिक्षा आदि पर बल दिया जाता रहा।

1.2.6 अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भारत ने अक्टूबर-नवम्बर, 1991 के दौरान पेरिस में आयोजित यूनेस्को के 26वें महा-सम्मेलन में भाग लिया। इस सम्मेलन ने यूनेस्को के अधिकार क्षेत्रों में 1992-93 के दो वर्षों के लिए कार्यक्रम और बजट अनुमोदित किए। इक्कीसवीं शताब्दी में अंतर्राष्ट्रीय शिक्षा आयोग स्थापित करने का महत्वपूर्ण निर्णय किया गया है। इसके अतिरिक्त सभी के लिए शिक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय परामर्शदात्री तंत्र की दिसम्बर, 1991 में बैठक हुई जिसमें सन् 2000 ई. तक "सभी के लिए शिक्षा" प्राप्त करने के लिए जाँमियना सम्मेलन में स्वीकृत उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए विभिन्न विकासवात्मक एजेंसियों और यूनेस्को के सदस्य देशों द्वारा की गई प्रगति की समीक्षा की गई।

1.2.7 शिक्षा के क्षेत्र में लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए विचार की गई कार्यनीतियों में निम्नलिखित की आवश्यकता स्वीकार की गई:—

- (I) कार्यक्रम/योजना के कार्यान्वयन में राज्यों/संघशासित क्षेत्रों का सहयोग और भागीदारी
- (II) स्वैच्छिक प्रयासों/एजेंसियों का सहयोग जुटाना।
- (III) अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग और भागीदारी।

संस्कृति विभाग

1.3.1 वर्ष 1991-92 में राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तरों पर कला तथा संस्कृति के प्रोत्साहन, विकास और प्रसार पर निरन्तर बल दिया जाता रहा। क्षेत्रीय सांस्कृतिक केंद्रों ने विभिन्न क्षेत्रों के लोगों में सांस्कृतिक जागरूकता लाने के लिए क्षेत्रीय सीमाओं का अतिक्रमण किया। इन केंद्रों में कतिपय मृत कला रूपों के प्रलेखन और परिरक्षण पर बल देते हुए लोक, जनजातीय तथा ग्रामीण कला की ओर ध्यान दिया और साथ ही राष्ट्रीय एकता और सद्भावना के लिए अन्तः क्षेत्रीय सांस्कृतिक समारोह भी आयोजित किए गए। वर्ष के दौरान हंगरी, पेरू, कोरिया जनवादी जन गणराज्य, मंगोलिया, ओमान, कोलम्बिया, जार्डन, श्रीलंका और जिम्बावे के साथ सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों पर हस्ताक्षर/नवीकरण करने के अलावा जर्मनी में प्रदर्शनियों, सेमिनारों, निष्पादन कलाओं और एक फिल्म समारोह सहित सितम्बर, 1991 में भारत उत्सव आयोजित किए गए। इस महोत्सव ने जर्मनी के लोगों के लिए हमारी संस्कृति की खिड़कियां खोलने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

1.3.2 हमारी संस्कृति विरासत अर्थात् हमारे ऐतिहासिक स्मारकों और पुरातत्व के संरक्षण और रख-रखाव के लिए उत्तरदायी विभागीय संस्थाओं ने वर्ष के दौरान अपने कार्यकलाप जारी रखे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने वर्ष के दौरान केन्द्रीय रूप से सुरक्षित स्मारकों के वार्षिक रख-रखाव के अतिरिक्त प्रमुख संरचनात्मक संरक्षण के लिए 490 स्मारकों का काम अपने हाथ में लिया। देश के भिन्न-भिन्न भागों में गांव-गांव के सर्वेक्षण के दौरान खुदाई के क्षेत्र में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा कुछ नये स्थानों की खुदाई की गई। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण ने बिहार, गुजरात, हरियाणा, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, उड़ीसा और तमिलनाडु में अनेक स्थानों की खुदाई का काम किया। जिला मुजफ्फरपुर (बिहार) में कोल्हवा में किए गए खुदाई कार्य में अनेक भक्तिपूर्ण स्तूपों का पता चला जो कि मठ-परिसर तथा ईंट से बने मंदिर के अंग थे।

1.3.3 जहां साहित्य अकादमी साहित्य की प्रोत्ति, विद्वानों को मान्यता प्रदान करने, साहित्य तथा साहित्यिक आलोचना के स्तरों में सुधार लाने के अपने लक्ष्यों की पूर्ति के लिए प्रयास करती रही वहां संगीत नाटक अकादमी ने संगीत, नृत्य, नाटक तथा जनजातीय/लोक संगीत के स्वरूपों, नृत्य और नाटक के पुनरोत्थान, संरक्षण, प्रलेखन और उसके प्रसारण सम्बन्धी अपने क्रियाकलाप जारी रखे। ललित कला अकादमी ने भी प्लास्टिक कलाओं को बढ़ावा देने के लिए अपने कार्यक्रम और परियोजनाओं को आरंभ किया।

युवा कार्य एवं खेल विभाग

1.4.1 वर्ष 1991-92 को, वर्ष 1985-86 के दौरान सरकार द्वारा प्रारंभ किए गए युवा कार्यक्रमों को पुर्नगठित करने के वर्ष की संज्ञा दी जा सकती है। युवा कार्यक्रमों पर पर्याप्त बल दिया गया ताकि युवाओं को अपनी शक्ति राष्ट्र निर्माण संबंधी कार्यकलापों में लगाने के लिए नए अवसर प्रदान किए जा सकें। खेलों को विस्तृत आधार प्रदान करने और प्रतिभाओं का पता लगाने पर विशेष बल दिया गया ताकि निष्पादन में उत्कृष्टता प्राप्त करने और अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में बेहतर उपलब्धियां प्राप्त करने के उद्देश्य से इन प्रतिभाओं को विकसित और प्रोत्साहित किया जा सके।

1.4.2 युवा कार्य एवं खेल मंत्रियों के सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें, अन्य के साथ-साथ सभी राज्यों एवं संघ शासित क्षेत्रों के युवा एवं खेल प्रभारियों ने भी भाग लिया। सम्मेलन में, कार्यक्रमों की गुणवत्ता एवं कवरेज में सुधार लाने के तौर तरीके सुझाए गए। युवा कार्य एवं खेल के क्षेत्र में वर्ष के दौरान, अन्य मुख्य कार्यकलाप नीचे दिए गए हैं :

- (i) अपनाए गए गांवों में विश्वविद्यालय के छात्रों के कार्यक्रम, राष्ट्रीयसेवा योजना के माध्यम से सामुदायिक विकास के लिए प्रयत्न जारी रहे। विश्वविद्यालय के छात्रों ने राष्ट्रीय साक्षरता मिशन में भाग लेना जारी रखा। उन्होंने, एच.आई.वी. विषाणु और एड्स के संबंध में जागृति उत्पन्न करने के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन की मदद से एक परियोजना शुरू की।
 - (ii) नेहरू युवा केन्द्रों के शासी निकाय का पुनर्गठन किया गया और कार्यक्रमों के लिए निधियां प्रदान करने की पुनः शुरुआत की गई। बोर्ड ने देश के सभी जिलों को शामिल करने के लिए अपने कार्यकलापों का विस्तार करने और बड़े जिलों तथा जनजातियों के बाहुल्य वाले जिलों में अतिरिक्त केन्द्र स्थापित करने का निर्णय लिया।
 - (iii) राष्ट्रीय एकता शिविर, विश्वविद्यालय छात्र-समारोह, साहसिक कार्यक्रम एवं युवाओं के लिए प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। जनजातीय युवाओं को सतत सहयोग देने और उनके लिए विशेष कार्यक्रमों को वित्त-पोषित करने पर विशेष ध्यान दिया गया।
 - (iv) बच्चों/युवाओं के व्यक्तित्व को विकसित करने के उद्देश्य से स्काउट्स व गाइड्स आंदोलन ने अपने कार्यकलापों एवं कार्यक्रमों में वृद्धि करना जारी रखा।
 - (v) इस विभाग ने राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम को सहयोग देना और संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवी कार्यक्रमों तथा विशेष रूप से एशिया में संयुक्त राष्ट्र सहभागिता विकास कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने के अपने प्रयास जारी रखे। इससे युवाओं में अंतराष्ट्रीय समझ बूझ तथा भाईचारे की भावना उत्पन्न हुई।
 - (vi) खेल के क्षेत्र में, योजनाओं को अद्यतन बनाने तथा जहां कहीं आवश्यक हो उनको और अधिक सुकर बनाने के लिए योजनाओं की समीक्षा करने का एक अभियान शुरू किया गया। इसके साथ ही खेलों में स्वीच्छक निकायों, तथा खेलों में रुचि लेने वाले सरकारी और निजी उपक्रमों तथा खेलों की समझ रखने वाले व्यक्तियों के बीच विचारों का और अधिक आदान प्रदान किया गया। इसके परिणामस्वरूप, कई नए विचार उभर कर आए जो कि विद्यमान योजनाओं तथा नई योजनाओं की अवधारणा में उपयुक्त रूप से शामिल करने के लिए विकसित किए गए हैं।
 - (vii) चूंकि खेलों का विकास केवल सरकारी स्त्रोतों से प्राप्त आर्थिक सहायता के आधार पर नहीं हो सकता इसलिए विभिन्न खेलों के लिए राष्ट्रीय अकादमियां शुरू करने के उद्देश्य से निजी और सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों की विशेषता और सहयोग को जुटाया गया है।
 - (viii) प्रशिक्षण शिविर आयोजित करने, भारत में राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने तथा विदेशों में भाग लेने के लिए राष्ट्रीय खेल संघ को (31.12.1991 तक) लगभग 238.00 लाख रुपए की सहायता मंजूर की गई है।
- वर्ष के दौरान खेलों की कुछ खास उपलब्धियां निम्नलिखित हैं :
- अक्टूबर के दौरान कोलम्बो में आयोजित पांचवें दक्षिण एशियाई संघ खेलों में भारत ने 64 स्वर्ण, 59 रजत तथा 41 कांस्य पदक जीते।
 - अक्टूबर के दौरान न्यूजीलैंड में आयोजित चौथी राष्ट्रमंडल कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय दल ने 3 स्वर्ण, 1 रजत तथा 5 कांस्य पदक जीते तथा 8 देशों में दूसरे स्थान पर रहा।
 - जून, 1991 के दौरान, अमेरिका में आयोजित जूनियर अमेरिकी ओपन टेनिस चैम्पियनशिप भारत के मि. लैंडर पैस ने जीती।
 - इन्डोनेशिया में अगस्त के दौरान आयोजित चौथी महिला तथा पांचवी पुरुष जूनियर एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारत ने 8 रजत तथा 5 कांस्य पदक जीते।
 - जनवरी, 1992 में नई दिल्ली में आयोजित छठी इन्दिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हार्की टूर्नामेंट में भारत विजयी रहा।
 - जनवरी, 1992 में इटली में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में श्री विश्वनाथ आनन्द ने ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की।
 - जून, 1991 में नई दिल्ली में आयोजित विश्व महिला पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में भारत की टीम तीसरे स्थान पर रही।
 - विश्व महिला भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारत ने रजत पदक जीता।

महिला एवं बाल विकास विभाग

1.5.1 महिला तथा बाल विकास विभाग ने, महिला एवं बाल विकास के क्षेत्रों में अपने कार्यक्रमों को जारी रखा। इस प्रयोजन के लिए अपनाई गई कार्यनीति में महिलाओं में शिक्षा एवं जागृति पैदा करके उनके अधिकारों की प्राप्ति सुनिश्चित करना है। इस नीति

में व्यावसायिक प्रशिक्षण एवं रोजगार पर जोर दिया गया है ताकि पुरुषों के समान आर्थिक विकास की मुख्य धारा का अंग बन सके। प्राथमिकता का एक अन्य क्षेत्र है जिसमें बालिका शिशु की ओर विशेष ध्यान देते हुए स्त्री/पुरुष के बीच भेद भाव बरते जाने वाली विभिन्न पद्धतियों पर नए सिरे से प्रहार किया गया है। महिलाओं को प्रदत्त संवैधानिक और कानूनी सुरक्षा उपायों से सम्बद्ध सभी मामलों की जांच पड़ताल करने तथा मौजूदा विधानों की समीक्षा करने के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग ने राष्ट्रीय महिला आयोग अधिनियम 1990 के अधीन राष्ट्रीय महिला आयोग की स्थापना की गयी। महिलाओं के अधिकारों के लिए आयुक्त का कार्यालय स्थापित करने का भी निर्णय लिया गया है। महिलाओं के मामले के लिए प्रवर्तन एवं प्रशासनिक तंत्र को संवेदनशील बनाना भी एक ऐसी महत्वपूर्ण पहल है, जिसे गति मिल पाई है। सार्क सम्मेलन के बालिका दशक के लिए एक व्यापक कार्रवाई योजना को भी अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

1.5.2 बाल विकास एवं कल्याण के क्षेत्र में भी विभाग ने समेकित बाल विकास योजना (आई.सी.डी.एस.) नामक विश्व का सर्वाधिक विशाल पोष्टिक आहार कार्यक्रम विकसित किया है। इस कार्यक्रम में देश भर की 2594 परियोजनाओं (जिसमें राजकीय क्षेत्र की परियोजनाएं भी शामिल हैं) के अधीन 138 लाख बच्चों और 27 लाख गर्भवती और दूध पिलाने वाली महिलाओं को शामिल किया गया है। आलोच्य वर्ष के दौरान इस कार्यक्रम के अंतर्गत दी जाने वाली सेवाओं की कोटि में सुधार लाने तथा साथ ही देश भर में महिलाओं एवं बच्चों की सेवाओं को मिला कर कार्यक्रम के वास्तविक घटकों की उपादेयता में सुधार लाने का प्रयास किया गया है। किशोर बालिकाओं से स्वास्थ्य, पोष्टिक आहार और व्यावसायिक जरूरतों को जुटाने तथा भावी सामाजिक प्रहरियों के रूप में उनकी अन्तःशक्ति को उभारने के लिए उनकी ओर ध्यान देना, इस नीति का एक अनिवार्य अंग है। बाल विश्व सम्मेलन और उत्तर जीवन सुरक्षा और बाल विकास पर विश्व घोषणा की अनुवर्ती कार्रवाई के रूप में, बच्चों के लिए एक व्यापक राष्ट्रीय कार्यक्रम को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

1.5.3 यह विभाग अब इन्दिरा महिला योजना का ब्यौरा तैयार कर रहा है जिसका मुख्य उद्देश्य वर्तमान कार्यक्रम रूपरेखा की आमूलचूल पुनर्संरचना तथा महिलाओं एवं बच्चों के लिए प्रदान की जाने वाली सेवाओं की व्यापक प्रणाली का सृजन तथा महिलाओं को आर्थिक अधिकार प्रदान करना है। इस योजना में ग्रामीण स्तर पर लाभग्राही वर्ग के सृजन की परिकल्पना की गई है जो सुविधाएं प्रदान करने की समेकित प्रणाली पर निगाह रखेगा तथा महिलाओं एवं बच्चों की चिन्ताओं को अभिव्यक्त करेगा।



लॉन्गवर्क समस्याओं का समाधान करने एवं युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के कार्यक्रमों में तीव्रता लाने के लिए एक संयुक्त नीति तैयार करने हेतु सभी राज्यों और संघ शासित क्षेत्रों के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रियों का चतुर्थ सम्मेलन नई दिल्ली में 18 नवम्बर, 1991 को आयोजित किया गया।

मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह (बायें से दूसरे) जलपान के दौरान सम्मेलन में सहभागियों के साथ बात-चीत करते हुए।

To sort out the pending problems and to evolve a common strategy for speedy execution of the programme of Youth Affairs and Sports, the 4th National Conference of Ministers of Youth Affairs and Sports of all the States and Union Territories was organised on November 18, 1991 at New Delhi.

The Human Resource Development Minister, Shri Arjun Singh, (second from left) chatting with the participants in the Conference during tea break.

युवा कार्यक्रम

राष्ट्रीय युवा नीति

2.1.1 सरकार ने राष्ट्रीय युवा नीति तैयार की और इसे दोनों सदनों के समक्ष नवम्बर-दिसम्बर 1988 में रखा। तथापि, दिसम्बर 89 में बनी राष्ट्रीय मोर्चा सरकार ने घोषणा की कि एक नई राष्ट्रीय युवा नीति बनाई जाएगी। विभिन्न फोरमों में इस मामले पर चर्चा हुई लेकिन कोई अन्तिम निर्णय नहीं लिया गया।

2.1.2 वर्तमान राष्ट्रीय युवा नीति तथा प्रस्तावित संशोधन नीति, जिन पर पिछले कुछ वर्षों से कुछ कार्य किया गया है, के विस्तृत विश्लेषण से नीति के उद्देश्यों या समन्वय और कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के विचार से दोनों में कोई वास्तविक अन्तर नहीं पाया गया। कुछ इसमें अवश्य जोड़ा गया है जिससे नीति संशोधन की आवश्यकता नहीं है। नीति के कार्यान्वयन से उत्पन्न प्रचालन मार्गदर्शी रूपरेखाओं तथा कार्यक्रम में ऐसे संयोजन किए जा सकते हैं। अतः प्रस्तावित संशोधित नीति के युवा कल्याण और विकास के विचार से कोई मुख्य सुधार आवश्यक नहीं है। सरकार ने पर्याप्त विचार करने के बाद निर्णय लिया है कि 3 वर्ष पहले अपनाई गई वर्तमान राष्ट्रीय युवा नीति को ही जारी रखा जाए। इसके कार्यान्वयन के लिए पर्याप्त अवसर भी नहीं दिए गए हैं। वर्तमान नीति युवाओं, उनके कल्याण, उनके विकास से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों के लिए पर्याप्त विस्तृत है और उन्हें राष्ट्र निर्माण कार्यकलापों में भाग लेने के लिए नए अवसर प्रदान करती है।

राष्ट्रीय युवा कार्यक्रम के लिये समिति

2.2.1 राष्ट्र युवा नेता सम्मेलन की सिफारिशों पर सरकार द्वारा राष्ट्रीय युवा परिषद का गठन दिनांक 10.10.1990 के संकल्प द्वारा किया गया था।

प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में राष्ट्रीय युवा परिषद भी गठित की गई है जिसके विचारार्थ विषय निम्नलिखित हैं:-

- युवाओं के लिए नीतिगत उपाय और कार्यक्रम सुझाना,
- राष्ट्रीय युवा नीति की कार्य योजना के कार्यान्वयन के लिए सरकार को सलाह देना।
- केन्द्रीय/राज्य सरकारों के विभिन्न विभागों तथा उनसे संबंधित समस्त स्वैच्छिक संगठनों/अन्य एजेंसियों के मध्य समन्वय की समीक्षा।
- राष्ट्रीय युवा कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के संबंध में पुनर्निवेशन प्रदान करना।

2.2.2 परिषद में राष्ट्रीय तथा राज्य स्तर की विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक पार्टियों की युवा शाखा, विश्वविद्यालयों के कुलपति, महाविद्यालयों के प्रधानाचार्य, छात्र नेता, स्वैच्छिक युवा संगठनों आदि के 222 सदस्य हैं।

2.2.3 सरकार ने हाल ही में परिषद के राष्ट्रीय युवा कार्यक्रम के लिये समिति के रूप में पुनर्गठन तथा इसकी सदस्य संख्या 50 तक सीमित करने का निर्णय लिया है ताकि युवाओं का बेहतर और प्रभावी समन्वय प्राप्त हो सके। राष्ट्रीय युवा नीति के किए गए प्रबन्ध के अनुसार यह युवा कार्यक्रमों के समन्वय के लिए एक समन्वय समिति होगी या राष्ट्रीय स्तर का अति कार्यात्मक निकाय होगी और बैठकों के आयोजन की लागत को घटाएगी।

साहस का विकास संवर्धन

2.3.1 यह योजना युवाओं में जोखिम लेने की भावना पैदा करने, सहनशीलता, सहयोगी तौर पर टीम कार्य करने, चुनौतीपूर्ण

परिस्थितियों में सक्रिय रूप में कार्य करने को प्रोत्साहित करने और उनमें अनुशासन और धैर्य की भावना पैदा करने पर लक्षित है। पर्वतारोहण, ट्रेकिंग, रो-बोटिंग, हाईकिंग, डाटा एकात्रित करने के लिए खोज, पहाड़ों, रेगिस्तानों और समुद्र में वनस्पति जीव-जंतुओं का अध्ययन, तटीय नौकायन आदि जैसे साहसिक कार्यकलाप करने के लिए तथा युवाओं द्वारा ऐसे कार्यकलाप करने के लिए संस्थाओं, समूहों, व्यक्तियों तथा स्वैच्छिक संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

2.3.2 वर्ष 1991-92 के दौरान 104 स्वैच्छिक एजेंसियों, शिक्षण संस्थाओं और व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार के साहसिक कार्यकलाप करने के लिए वित्तीय सहायता दी गई। लगभग 4000 युवाओं ने विभिन्न साहसिक कार्यक्रमों में भाग लिया।

3.3.3 कम लागत के साहसिक कार्यक्रमों पर बल देते रहने के अलावा एवरेस्ट अभियान जैसे कुछ अधिक जोखिम वाले मुख्य साहसिक कार्यक्रमों के लिए भी वर्ष के दौरान प्रोत्साहन दिया गया था।

2.3.4 विभाग ने हिमालय पर्वतारोहण संस्थान, दार्जिलिंग (पं. बंगाल) तथा जवाहर पर्वतारोहण और शरद खेल संस्थान (जम्मू और कश्मीर) के रख-रखाव के खर्च के लिए अपने भाग का अंशदान देना जारी रखा।

2.3.5 विभाग द्वारा समर्थित राष्ट्रीय साहसिक संघ ने अन्तर्राष्ट्रीय युवा छात्रावास संगठन (आई.वाई.एच.ओ.) के सहयोग से दिल्ली में युवा स्कूली बच्चों के लिए एक सप्ताह का साहसिक प्रशिक्षण शिविर लगाया। राष्ट्रीय साहसिक संघ एक स्वैच्छिक संगठन है, जो विभिन्न साहसिक कार्यकलापों के संबंध में मार्गदर्शन कराता है जहां कहीं ऐसा मार्गदर्शन या सहयोग मांगा जाता है और एक उत्प्रेरक के रूप में काम करता है।

2.3.6 जनरल थियेरा राष्ट्रीय साहसिक एकेडमी दूसरा ऐसा संस्थान है जो साहसिक कार्यकलापों के विकास के क्षेत्र में संलग्न है। इसकी स्थापना कर्नाटक सरकार द्वारा वर्ष 1989 के दौरान जनरल (सेवा-निवृत्त) पी.पी. कुमारमंगलम की अध्यक्षता में साहस के तीनों क्षेत्रों अर्थात् वायु, जल, और स्थलीय के बारे में साहसिक जागरूकता पैदा करने के विचार से की गई थी। संस्थान प्राकृतिक जागरूकता के कार्यक्रम आयोजित करने, स्कूलों और कालेजों के प्रमुखों के लिए साहसोन्मुख कार्यशाला, मानसिक रूप से विकलांग बच्चों के लिए प्राकृतिक जागरूकता शिविर, चट्टानों पर चढ़ने के शिविर, पैरा सैलिंग पाठ्यक्रम, साहस से संबंधित साहित्य के प्रकाशन, स्कूल और कालेजों में साहसिक क्लबों की स्थापना, रोवर रेफ्टिंग आदि में लगा हुआ है। वर्ष 1990-91 के दौरान स्थलीय, जल और वायु साहसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विभाग ने संस्थान को सहायता के रूप में 11.60 लाख रुपये की राशि मंजूर की थी।

2.3.7 सरकार द्वारा दिए गए प्रोत्साहनों के परिणामस्वरूप विभिन्न साहसिक क्लबों द्वारा हमारे बच्चों और युवाओं के मनोरंजन और विकास के लिए कार्यक्रम चलाना संभव हुआ है।

2.3.8 वर्ष 1991-92 के दौरान साहसिक कार्यों के विकास के लिए दिए गए अनुदानों का विवरण परिशिष्ट 'क' पर है।

युवाओं के लिए प्रदर्शनी

2.4.1 युवाओं के लिए प्रदर्शनी योजना का लक्ष्य निम्नलिखित है:-

- (क) राष्ट्रीय विकास के विविध क्षेत्रों में युवाओं द्वारा किए गए कार्यकलापों और योगदान को आगे बढ़ाना तथा मान्यता देना ताकि जो युवक अपने बौद्धिक संसाधनों को समृद्ध बनाने का इच्छुक हो अपनी आवश्यकताओं और प्राथकता के आधार पर विभिन्न विकल्पों में से एक चुनने के योग्य बन सके।
- (ख) देश के अन्य भागों की सांस्कृतिक, रहन-सहन के तौर तरीकों और जीवन के पहलुओं, भारतीय संस्कृति की जानकारी, स्वतन्त्रता संग्राम, भारतीय संविधान तथा कला, संस्कृति, शिक्षा, कृषि, उद्योग और विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीनतम विकास के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए युवाओं को सक्षम बनाना।
- (ग) लोक-नृत्य, लोक-गीत, चित्रकला और हस्तकला पर प्रदर्शनियां, युवाओं से संबंधित योजनाओं, विभिन्न विकास तथा पुस्तकों पर प्रदर्शिनियों को भी इस योजना के अन्तर्गत शामिल किया गया है।

2.4.2 योजना के अन्तर्गत भाग लेने वालों के खान पान खर्च को पूरा करने के लिए 20/- रु. प्रतिदिन प्रति व्यक्ति की दर से सहायता दी जाती है। इस खर्च का 25% संगठनात्मक खर्च के लिये दिया जाता है। भाग लेने वालों को सस्ती प्रकार का यात्रा खर्च भी दिया जाता है।

2.4.3 वर्ष 1991-92 के दौरान लगभग 125 प्रदर्शनियां इस विभाग के अनुरक्षण से देश के विभिन्न भागों में आयोजित की गई थी। कुछ प्रमुख अनुदानग्राही इस प्रकार हैं:-

- (i) पंजाब विश्वविद्यालय पंजाब में विभिन्न एन.एस.एस. एकक, एस.एस.डी. कालेज पटिडा, भारतीयदसन विश्वविद्यालय, दी है।

जिच्चूर, निश्तारिनी कालेज, पुरुलिया, लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, एस.जे.एस. विद्यालय, पुरी, नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर तथा राजकीय डिग्री कालेज, सोनभद्र ।

- (ii) सेवाव्रत, मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल
- (iii) जयहिंद आर्ट और स्पोर्ट कालेज, कोल्लम, केरल
- (iv) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति अनुसंधान और प्रशिक्षण संस्थान, उत्तरप्रदेश;
- (v) आर.के.मिशन, लोक शिक्षा परिषद, नरेन्द्रनगर, पं. बंगाल;
- (vi) जागृति सेवा संस्थान, राजपुर, मध्यप्रदेश;
- (vii) गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, मद्रुरै, तमिलनाडु

राष्ट्रीय एकीकरण का विकास

2.5.1 देश की व्यापक एकता और अखंडता की समझ तथा युवाओं का धर्मनिरपेक्ष एकीकरण उत्तरदायी नागरिक के रूप में उनके उभरने के लिए एक पूर्वपिछा है । राष्ट्रीय एकीकरण की विकास योजना देश के विभिन्न भागों में युवा व्यक्तियों के शिविरों को आयोजित करने, अन्तर्राष्ट्रीय दौड़ों के कार्यक्रम आयोजित करने, राष्ट्रीय एकीकरण के विभिन्न विषयों पर सेमिनार आयोजित करने, ऐसे विषयों पर अनुसंधान/प्रकाशन करने, विश्वविद्यालयों के जरिए छात्रों के क्षेत्रीय/जोनल महोत्सव आयोजित करने, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य इसी प्रकार के कार्यक्रमों को आयोजित करने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके विभिन्न युवा संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और स्वैच्छिक एजेंसियों के लिए एक ढांचा प्रदान करती है । इन शिविरों में एक साथ मिलकर रहने से सहभागियों को एक दूसरे की समझने और अन्तर-क्षेत्रीय परम्पराओं और रीति-रिवाजों के साथ-साथ वैभवशाली सांस्कृतिक विरासत के बारे में जानकारी प्राप्त करने के लिए उन्हें अवसर प्रदान करती है । इस कार्यक्रम का क्षेत्र अन्तर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित भारत के दूर-दराज के गांवों तक बढ़ाया गया है । इन क्षेत्रों के युवा, भारत और उसके लोगों के बारे में समझने तथा अन्य और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए देश के अन्य भागों का भ्रमण करते हैं । इससे उनके हृदय में देश की विशालता एवम् उसकी विभिन्न प्रणालियों के प्रति सम्मान पैदा होता है । मूल एकत्व तथा समानता का आभास होता है । जिससे सहभागियों में भारतीयता के प्रति गर्व पैदा होता है । युवाओं की अधिक संख्या के विचार से यह आवश्यक है कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत युवाओं की सहभागिता तथा राशि की मात्रा को बढ़ाया जाए ।

2.5.2 1991-92 में विभाग ने विभिन्न युवा कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जिनका लक्ष्य राष्ट्रीय एकीकरण और सामुदायिक सौहार्द के साथ साथ मानवतावादी कार्यक्रम अग्रसर करना था । घन राशि कई स्वैच्छिक/युवा संगठनों जैसे भारतीय युवा छात्रावास संघ, भारतीय विश्वविद्यालय संघ, भारत स्काउट और गाइड, राष्ट्रीय सेवा योजना, नेहरू युवा केन्द्र संगठन, राष्ट्रीय युवा परियोजना, बालकनजी बारी अन्तर्राष्ट्रीय, गांधी स्मृति एवं दर्शन समिति और भारतीय खेल प्राधिकरण सहित अन्य होस्ट संगठनों तथा विभिन्न विश्वविद्यालयों/शिक्षण संस्थाओं के माध्यम से दी गई ।

2.5.3 वर्ष के दौरान ग्रामीण और शहरी युवाओं के लिए लगभग 123 राष्ट्रीय एकीकरण शिविर, 18 अन्तर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम, 4 जोनल महोत्सव, विश्वविद्यालय छात्रों के लिए एक राष्ट्रीय महोत्सव तथा एक सेमीनार आयोजित किए गए ।

2.5.4 सद्भावना दिवस: (क) स्वर्गीय श्री राजीव गांधी के जन्म वर्षगाँठ 20 अगस्त, 1991 को सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया था । इस दिन इन्दिरा गांधी स्टेडियम, नई दिल्ली में एक समारोह का आयोजन किया गया जिसमें प्रधानमंत्री मुख्य अतिथि थे । मानव संसाधन विकास मंत्री ने समारोह की अध्यक्षता की तथा इस अवसर पर युवा कार्यक्रम खेल राज्यमंत्री भी उपस्थित थीं । विभिन्न युवा संगठनों अर्थात् भारत स्काउट गाइड, भारतीय युवा छात्रावास संघ, नेहरू युवा केन्द्रों, एन.एस.एस., एन.सी.सी. तथा दिल्ली स्कूलों/कालेजों के 12000 युवा छात्रों ने इसमें भाग लिया । सामुदायिक गान, सर्व धर्म प्रार्थना गान दिल्ली के विभिन्न स्कूलों छात्रों द्वारा गाए गए । मानव संसाधन विकास मंत्री ने उपस्थित युवाओं को शपथ दिलाई । प्रधानमंत्री ने सद्भावना ज्योति प्रज्वलित की । भाग लेने वालों को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने स्वर्गीय श्री राजीव जी द्वारा सद्भावना के लिए किए गए योगदान और सद्भावना की आवश्यकता को बढ़ाने पर प्रकाश डाला ।

(ख) सद्भावना दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य इस देश के युवाओं के दिलों-दिमाग में भाइचारे की भावना पैदा करना और उसे बढ़ाना है ताकि देशभक्ति, सामुदायिक सौहार्द, सुदृढ़ मानव मूल्यों सहित समृद्ध और सम्पन्न गणतंत्र, राष्ट्रीय एकता और एकीकरण और विश्व-शांति जैसे अंतिम लक्ष्य को प्राप्त किया जा सके । सद्भावना को बढ़ाने के लिए सबसे अधिक लाभप्रद निवेश हमारे बच्चों/छात्रों और युवाओं के दिमागों में इस उत्तम सोच और विचारों को भरना है ।

(ग) **सद्भावना निबन्ध प्रतियोगिता:-** उपरोक्त उद्देश्य की प्राप्ति के लिए सरकार ने छात्र युवाओं के लिए निबन्ध प्रतियोगिताओं के जरिए पुरस्कार देने का निर्णय लिया है । तदनुसार भारत सरकार ने सद्भावना निबन्ध प्रतियोगिता पुरस्कार शुरू किए हैं जिनकी मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं:-

- (i) “आधुनिक और सशक्त भारत के विकास के लिए सद्भावना” विषय पर, विभिन्न पहलुओं पर ध्यान देते हुए प्रत्येक वर्ष स्कूल/कालेज छात्रों के लिए अंग्रेजी और भारत के संविधान में उल्लिखित प्रत्येक राजभाषा में एक निबंध प्रतियोगिता होगी। वर्ष 1992 के लिए विषय होगा “राष्ट्रीय एकीकरण”।
- (ii) निबन्ध प्रतियोगिता तीन स्तरों पर होगी, पहली मिडिल स्तर तक स्कूली छात्रों के लिए, दूसरी हाई/हायर सैकेंडरी स्कूलों के लिए तथा तीसरी कॉलेज और विश्वविद्यालयों के लिए।
- (iii) विभिन्न भाषाओं में प्रत्येक वर्ग में सर्वश्रेष्ठ निबन्धों के लिए तीन नकद पुरस्कार होंगे जो प्रत्येक 25,000/-रु. (रूपए पच्चीस हजार) 35,000/-रु. (रूपए पैंतीस हजार केवल) और 40,000/-रु. (रूपये चालीस हजार केवल) होगी। नकद पुरस्कार के अलावा एक राष्ट्रीय मान्यता प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा।
- (iv) पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रत्येक छात्रों को 250/-रु., 350/-रु. तथा 400/-रु. प्रतिमाह अधिकतम 5 वर्ष की अवधि के लिए छात्रवृत्ति भी दी जाएगी ताकि वह स्कूल/कालेज/विश्वविद्यालय में अपनी शिक्षा जारी रख सके। यह तभी दिया जाएगा जबकि वह छात्र पुरस्कार प्राप्त करते समय से उच्च शिक्षा के स्तर में शिक्षण संस्था में शिक्षा जारी रखता है।

(घ) सद्भावना निबन्ध प्रतियोगिता पुरस्कार की योजना के अनुसार जिलाधीश 2000 शब्दों के निबन्ध प्राप्त करने के लिए मुख्य एजेंसी होंगे और प्रत्येक वर्ग की भाषा में से 10 श्रेष्ठतम निबन्धों की सिफारिश युवा कार्यक्रम और खेल विभाग को भेजेंगे। यद्यपि जिलाधीश प्रत्येक जिले में सम्पूर्ण कार्यकलाप का मार्गदर्शन और समन्वय करेंगे, मुख्य दायित्व जिला समन्वयक नेहरू युवा केन्द्र का होगा। इसके लिए जिला स्तर पर एक उपयुक्त समिति गठित की जाएगी जिसमें शिक्षा, संस्कृति, युवा कार्यक्रम और खेल तथा भाषा सहित नेहरू युवा केन्द्रों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। जिला समिति द्वारा सिफारिश की गई सभी निबन्धों प्रवर्धियों की जांच युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, भारत सरकार द्वारा गठित समिति द्वारा की जाएगी। सद्भावना प्रस्ताव प्रतियोगिता पुरस्कार वर्ष 1992 से शुरू किया जा रहा है।

2.5.5 राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने उत्तरप्रदेश के उत्तरकाशी, टिहरी गढ़वाल, चमौली, पौड़ी गढ़वाल, देहरादून जिलों के भूकम्प पीड़ित क्षेत्रों में आयोजित सहायता शिविरों में योगदान किया।

2.5.6 जवाहर साइकिल यात्रा:- नेहरू युवा केन्द्र संगठन ने स्वर्गीय पं. जवाहरलाल नेहरू के जन्म की वर्षगांठ 14 नवम्बर, 1991 को “आल फेथ हारमनी” के लिए जवाहर साइकिल यात्रा का आयोजन किया। 100 नेहरू युवा केन्द्रों के लगभग 1000 युवाओं ने इस यात्रा में भाग लिया जो शान्ति वन में समाप्त हुई।

2.5.7. युवा कवि पुरस्कार:- बालकन-जी-बारी अन्तर्राष्ट्रीय ने स्वर्गीय श्री राजीव गांधी की याद में “राष्ट्रीय युवा कवि पुरस्कार” की स्थापना की है। इस वर्ष के लिए 16-20 और 20-25 वर्ष की आयु वर्ग के लिए ये पुरस्कार मानव संसाधन विकास मंत्री द्वारा 12 जनवरी 1992 को दिए गए।

2.5.8. युवा मिलाप:- भारतीय युवा छात्रावास संघ ने राजघाट के निकट गांधी दर्शन ग्राउंड में जनवरी 1992 में “युवा मिलाप” नामक एक राष्ट्रीय एकीकरण शिविर आयोजित किया। विभिन्न राज्यों से लगभग 1000 युवाओं ने इस शिविर में भाग लिया जो 10 दिन चला।

2.5.9 गणतंत्र दिवस शिविर:- भारतीय युवा छात्रावास संघ ने 22.1.92 से 29.1.92 तक राजघाट के समीप गांधी दर्शन ग्राउंड में गणतंत्र दिवस शिविर आयोजित किया। देश के विभिन्न सीमावर्ती क्षेत्रों से लगभग 1000 युवाओं ने इसमें भाग लिया।

2.5.10 राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 1991-92 में दिए गए अनुदानों का ब्यौरा परिशिष्ट ‘ख’ पर है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

2.6.1 राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) का शुभारम्भ गांधी जी की जन्म शती वर्ष 1969 में किया गया था। इसका लक्ष्य समुदाय सेवा के जरिए छात्रों के व्यक्तित्व का विकास करना तथा स्थानीय समुदाय में सृजनात्मक और निर्णयात्मक रूप से कार्य करने के लिए अवसर प्रदान करना तथा उनमें सामाजिक चेतना जागृत करना है। योजना मूल रूप से कालेजों और विश्वविद्यालयों के प्रथम डिग्री छात्रों के लिए थी परन्तु शिक्षा प्रणाली के परिवर्तन से तथा उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में +2 स्तर शुरू करने से यह +2 स्तर के छात्रों के लिए भी लागू की गई।

2.6.2 राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत स्वयंसेवकों द्वारा दो प्रकार के कार्यक्रम अर्थात् नियमित कार्यकलाप और विशेष शिविर कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। नियमित कार्यकलापों के अन्तर्गत प्रत्येक राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवक से लगातार दो वर्षों की अवधि के लिए स्वयंसेवक के रूप में कार्य करने तथा उसके माध्यम से कम से कम 120 घंटे प्रति वर्ष सामुदायिक सेवा करने की आशा की जाती है। नियमित कार्यक्रमों के अन्तर्गत कार्यकलापों में परिसरों के सुधार, वृक्षारोपण, अपनाए गए गांवों तथा गंदी बस्तियों में रचनात्मक कार्य करने, कल्याणकारी संस्थानों में कार्य करने, रक्तदान, प्रोढ़ तथा अनौपचारिक शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण,



प्रधानमंत्री श्री नरसिम्हा राव गणतंत्र दिवस परेड 1992 में भाग लेने वाले राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयं सेवकों को सम्बोधित करते हुए।

Shri P.V. Narasimha Rao, Prime Minister addressing the NSS volunteers who participated in the Republic Day Parade, 1992.

परिवार कल्याण आदि शामिल है। विशेष शिविर कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक वर्ष 10 दिन का एक विशेष शिविर अपनाए गए समुदाय में विशिष्ट विषयों जैसे “अकाल के विरुद्ध युवा”, “गन्दगी और बीमारी के विरुद्ध युवा”, “वृक्षारोपण और वनरोपण के लिए युवा”, “आर्थिक विकास के लिए युवा”, “ग्रामीण पुनर्निर्माण के लिए युवा”, पर आयोजित किया जाता है। वर्ष 1989 से “जन साक्षरता के लिए युवा” विषय पर भी विशेष शिविर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

2.6.3 एन.एस.एस. के कार्यक्रमों पर व्यय केन्द्रीय और राज्य सरकारों द्वारा 7:5 के अनुपात में वहन किया जाता है। जम्मू और कश्मीर तथा विधानसभा रहित संघ शासित क्षेत्रों में सम्पूर्ण व्यय केन्द्रीय सरकार द्वारा वहन किया जाता है। केन्द्रीय सरकार प्रशासन, प्रशिक्षण, अनुसंधान, देख-रेख, मूल्यांकन तथा योजना से संबंधित प्रकाशनों पर होने वाला पूरा व्यय तथा राज्य सरकारों के संबंधित विभागों में स्थापित किए जा रहे एन.एस.एस. राज्य सम्पर्क सैलों की पूरी लागत देती है। वर्तमान खर्च दर रु. 80/- प्रति छात्र प्रति वर्ष एन.एस.एस. नियमित कार्यक्रमों के लिए तथा रु. 150 प्रति शिविरार्थी प्रति वर्ष विशेष शिविर कार्यक्रमों के लिए अब वर्ष 1991-92 से क्रमशः रु. 120/- तथा रु. 220/- संशोधित कर दिया गया है।

2.6.4 देश भर में एन.एस.एस. कार्यक्रमों को कार्यान्वित करने के लिए निम्नलिखित संगठनात्मक संरचना प्रचलित है।

2.6.4.1 राष्ट्रीय स्तर पर इस योजना के लिए नीति और मार्गदर्शन का निर्धारण मानव संसाधन विकास मंत्रालय, युवा कार्यक्रम और खेल विभाग, भारत सरकार करती है। युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के अधीनस्थ संगठन “राष्ट्रीय सेवा योजना” अपने 15 क्षेत्रीय केन्द्रों और एक कार्यक्रम सलाहकार कक्ष सहित कार्यरत है। क्षेत्रीय केन्द्र मद्रास, गुवाहाटी, लखनऊ, हैदराबाद, पुणे, बंगलौर, जयपुर, भुवनेश्वर, कलकत्ता, भोपाल, चंडीगढ़, पटना, अहमदाबाद, त्रिवेन्द्रम तथा नई दिल्ली में स्थित हैं। विभाग में “कार्यक्रम सलाहकार” व्यक्तियों के विकास के संबंधित मामलों पर भारत सरकार को सलाह देता है। राज्य स्तर पर शिक्षा/युवा सेवा मंत्री की अध्यक्षता में राज्य सलाहकार समिति और राज्य एन.एस.एस. सम्पर्क कक्ष कार्यरत हैं। राज्य एन.एस.एस. कक्ष द्वारा समय पर अनुदान देने और उपयुक्त तौर पर कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए केन्द्रीय सरकार, एन.एस.एस. क्षेत्रीय केन्द्रों, विश्वविद्यालयों, कालेजों तथा स्कूलों से सम्पर्क करना प्रत्याशित है। विभाग राज्य एन.एस.एस. कक्षों के अनुरक्षण का सम्पूर्ण खर्च वहन करता है। विश्वविद्यालय स्तर पर कुलपति की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय एन.एस.एस. सलाहकार समितियाँ और कार्यक्रम समन्वयकों की प्रमुखता में विश्वविद्यालय एन.एस.एस. कक्ष कार्यरत हैं। कालेज स्तर पर प्रिंसीपल की अध्यक्षता में एन.एस.एस. सलाहकार समिति होती है। कार्यक्रम अधिकारी ग्रासरूट स्तर का कार्यकारी होता है जो छात्रों की गतिशीलता और सभी एन.एस.एस. कार्यक्रमों को कार्यान्वित करता है। 100 छात्रों की एक एन.एस.एस. एकक का प्रभारी एक कार्यक्रम अधिकारी होता है। प्रशिक्षण, अनुसंधान और योजना के मूल्यांकन तथा कार्यक्रम अधिकारी को प्रेरित और अपेक्षित कौशल से सुसज्जित करने के लिए 4 प्रशिक्षण, दिग्विन्यास और अनुसन्धान केन्द्र (टी.ओ.आर.सी.) और 18 प्रशिक्षण और दिग्विन्यास केन्द्र (टी.ओ.सी.) स्थापित किए गये हैं। विभाग इन सभी टी.ओ.आर.सी. तथा टी.ओ.सी. के अनुरक्षण के सम्पूर्ण खर्च को वहन करता है। हाल ही में, इन टी.ओ.सी. को एक और संकाय जोड़ कर सुदृढ़ किया गया है तथा प्रो-राटा प्रशिक्षण खर्च को प्रति प्रशिक्षार्थी 40 रु. (वर्ष 1986 में स्थिर) से बढ़ा कर 80 रु. (टी.ओ.आर.सी./टी.ओ.सी.) किया गया है जो वर्ष 1992-93 से लागू होगा।

2.6.5 विगत वर्षों के दौरान एन.एस.एस. की ओर छात्रों का रुख अत्यन्त प्रोत्साहक रहा है। 1969-70 में 40,000 स्वयंसेवकों से प्रारम्भ होकर इस कार्यक्रम में अब 157 विश्वविद्यालयों में फैले 10 लाख से अधिक छात्र शामिल हैं। अद्भुत लोकप्रियता तथा मांग के कारण एन.एस.एस. को अब +2 स्तर तक भी बढ़ाया गया है।

2.6.6 हाल ही में जब भयंकर भूकम्प ने उत्तरकाशी (उ.प्र.) के पहाड़ी क्षेत्रों को प्रभावित किया तो देश के विभिन्न भागों से एन.एस.एस. के स्वयंसेवक भूकम्प पीड़ितों की सहायता के लिए आगे आए। क्षेत्रों में तुरन्त सहायता प्रदान करने के लिए चिकित्सा तथा अन्य अपेक्षित सहायता सामग्री ले कर अनेक शिविर लगाए गए। प्रभावित लोगों को सहायता और पुनर्वास प्रदान करने के लिए क्षेत्र के लगभग 1500 एन.एस.एस. सेवा कर्मियों को संगठित किया गया था।

2.6.7 वर्ष 1991-92 के दौरान (दिसम्बर, 1991 तक) राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (एन.एल.एम.) के कार्यक्रमों में कार्यात्मक साक्षरता के लिए जन कार्यक्रम में 1,76,013 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों को शामिल किया गया है। राष्ट्रीय साक्षरता मिशन कार्यक्रमों में अब तक बड़ी संख्या में छात्र स्वयंसेवकों को शामिल करने वाली यह अकेली संस्था है। इसी के एक भाग के रूप में एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा बड़ी संख्या में गांवों को पूर्ण साक्षर बनाया गया है। इसमें दिल्ली का बुद्धपुर गांव, जिला करीमनगर (आन्ध्र प्रदेश) का सीतारामपुर गांव, सोनीपत का जगदीशपुर गांव, कुमार्क का ग्वाल गांव तथा मिजोरम के 13 गांव, पांडिचेरी का सम्पूर्ण संघ शासित क्षेत्र, केरल राज्य तथा कई अपनाए गए गांव शामिल हैं। यहां एन.एस.एस. इकाईयाँ एन.एल.एम. कम्पैक्ट क्षेत्र साक्षरता अभियान के अन्तर्गत कार्यरत हैं। बिहार विश्वविद्यालय मुजफ्फरपुर के एन.एस.एस. छात्र स्वयंसेवकों ने युवाओं के लिए स्वामी विवेकानन्द फाउंडेशन के सहयोग से “साक्षर मुजफ्फरपुर मिशन” के नारे के अन्तर्गत एक समग्र साक्षरता अभियान शुरू किया। जिले के लगभग 1000 रिक्शा चालकों को इस कार्यक्रम के अन्तर्गत साक्षर बनाया जा रहा है जिनके लिए एन.एस.एस. स्वयं सेवकों द्वारा काम चलाकू साक्षरता कक्षाएं चलाई जा रही हैं।

2.6.8 1991-92 के शैक्षिक सत्र के दौरान चरणबद्ध रूप में कम से कम एक गांव को पूर्ण साक्षर बनाने के लिए प्रत्येक कालेज/स्कूल के लिए निर्धारित लक्ष्य से क्षेत्रीय आधार पर कुल साक्षरता अभियान पर एन.एस.एस. का ध्यान केन्द्रित रहा।

2.6.9 हाल ही में छात्र युवाओं में एड्स के प्रति जागरूकता पैदा करने के लिए एन.एस.एस. संगठन, स्वास्थ्य मंत्रालय और डब्ल्यू.एच.ओ. के मध्य एक सहयोगी समझौता हुआ। “यूनिवर्सिटीज टाक एड्स” कार्यक्रम जो यू.टी.ए. नाम से जाना जाता है अति लोकप्रिय हो गया है। ऐसा भारत में पहली बार हुआ है कि एड्स पर एक बृहत कार्यक्रम छात्र युवा संगठन द्वारा हाथ में लिया गया है। एड्स के बचाव पर एन.एस.एस. के कार्यों के बारे में अनेक टी.वी. इन्टरव्यू और फिल्मों विभिन्न शहरों में दिखाई गई थीं। चार क्षेत्रीय कार्यशालाएं और एक राष्ट्रीय समारोह आयोजित किए गए। इसके अतिरिक्त एड्स पोस्टर पुरस्कार प्रतियोगिता के पुरस्कार विजेताओं को बधाई देने के लिए 19 राज्य समारोह भी हुए। एड्स जागरूकता पर सामग्री और संदेश विकास प्रतियोगिता के लिए दो हजार से अधिक प्रविष्टियां थीं, जिनमें से 8 छात्रों की प्रविष्टियों को उत्कृष्ट माना गया। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अर्जुन सिंह ने पुरस्कार प्रदान किए और युवा तथा एड्स पर एक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। सभी विश्वविद्यालयों के युवा छात्रों को एड्स से बचाव कार्य में शामिल करने के लिए एक दीर्घकालीन कार्य योजना तैयार की जा रही है।

2.6.10 सभी एन.एस.एस. एककों द्वारा सम्पूर्ण राष्ट्र में राष्ट्रीय युवा दिवस/सप्ताह और एन.एस.एस. दिवस मनाया गया। 12 जनवरी 1992 को वर्ष 1990-91 के लिए 15 युवाओं को राष्ट्रीय युवा पुरस्कार प्रदान किए गए। जिन्हें सम्मानित किया गया उनमें तीन एन.एस.एस. स्वयंसेवक अर्थात् सर्वश्री एस.जी. प्रमोद कुमार (केरल), आर. मरिअपन (तमिलनाडु) और अशोक कुमार दास (उड़ीसा) शामिल थे। 8,700 एन.एस.एस. स्वयं सेवकों ने राष्ट्रीय युवा पुरस्कार समारोह को देखा। युवा सप्ताह को मनाने के एक भाग के रूप में गुजरात के 99 विश्वविद्यालयों से आए लगभग 600 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने राज्य स्तर के एक समारोह में और विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों में भाग लिया जिसमें प्रतियोगिताएं, खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रम शामिल थे।

2.6.11 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने सक्रिय तौर पर 14 से 20 नवम्बर, 1991 तक भारतीय युवा छात्रावास संघ के रेनबो सप्ताह के आयोजन में भी भाग लिया जिसमें अनेक युवा विदेशी सहभागी एक सप्ताह तक एक साथ रहे।

2.6.12 122 एन.एस.एस. एककों और 85 विश्वविद्यालयों के 156 (76 पुरुष तथा 80 महिला) एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने (21 राज्यों और 4 संघ शासित क्षेत्रों के प्रतिनिधि) अपने राष्ट्रीय कार्यों में कार्यरत क्षेत्रों की पताका दशति हुए राष्ट्रीय स्तर के गणतंत्र दिवस परेड 1992 में भाग लिया। जिसके लिए संगठन को बड़ी सराहना मिली। बढ़ते कदम नामक आर.डी. शिविर राष्ट्रीय सेवा योजना पर 21 मिनट की एक फिल्म 1.2.1992 को राष्ट्रीय टेलीविजन पर दिखाई गई। भारत के माननीय प्रधानमंत्री जी श्री पी.वी. नरसिंह राव और भारत के माननीय उपराष्ट्रपति श्री शंकर दयाल शर्मा ने एन.एस.एस. आर.डी. शिविर के युवाओं से विशेष तौर पर भेंट की और उन्हें संबोधित किया।

2.6.13 गांधीजी और उनकी शिक्षा पर विशेष रूप से केन्द्रित एक विशेष युवा प्रेरित शिविर का आयोजन अहमदाबाद (गुजरात) में किया गया। एन.एस.एस. एककों को 17 राष्ट्रीय एकीकरण शिविर स्वीकृत किए गए। एन.एस.एस. युवाओं में राष्ट्रीय एकता और भाईचारे की भावना भरने के विचार से एन.एस.एस. स्वयंसेवकों के लिए प्रदर्शनियों और साहसिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका को उजागर किया गया। 20 अगस्त 1991 को “राजोव और युवा” विषय पर सद्भावना दिवस मनाने के दौरान एक राष्ट्रीय स्तर की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें 6,000 एन.एस.एस. स्वयंसेवकों ने भाग लिया। रक्तदान, नेत्रदान शिविर, वृक्षारोपण, गांवों को अपनाना, स्लम का विकास, सामुदायिक सौहार्द, कौमी एकता तथा स्वास्थ्य शिक्षा जैसे कार्य भी विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित किए गए।

2.6.14 एन.एस.एस. संगठन ने राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम (सी.वाई.पी.) एशिया केन्द्र के सहयोग से राज ऋषि राजकीय कालेज, अलवर के एन.एस.एस. एकक के जरिए 5 विकासवात्मक परियोजनाएं शुरू की हैं जिसमें रावनडोरा गांव के टैंक की सफाई और गहरा कर उसका विकास, राज ऋषि सेवा पथ पर वृक्षारोपण और चैक डैम का निर्माण सम्मिलित हैं। इन परियोजनाओं पर कार्य पहले ही शुरू हो गया है।

2.6.15 मध्यप्रदेश के राज्य एन.एस.एस. सैल ने इन्दौर (म.प्र.) में 1990-91 से एकीकृत बंजर भूमि विकास पायलट परियोजना शुरू की है। यह परियोजना पश्चिमी मध्यप्रदेश के इन्दौर जिले के महुआ तहसील में लगभग 135 वर्ग कि.मी. संयुक्त बंजर भूमि क्षेत्र के एकीकृत विकास के लिए है। एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा प्रतिवर्ष परियोजना में दी जाने वाली श्रम शक्ति लगभग 24,000 श्रम दिवस है।

2.6.16 ग्राम विकास केन्द्र — ग्रामीण विकास अध्ययन के लिए इस केन्द्र का विकास महात्मा गांधी विश्वविद्यालय कोट्टयम के एन.एस.एस. स्वयंसेवकों के अद्भुत प्रयासों से संभव हो सका है। केन्द्र के 2.5 एकड़ भूमि का विकास एन.एस.एस. स्वयंसेवकों द्वारा आयोजित श्रमदान द्वारा किया गया। केन्द्र की स्थापना समाज-आर्थिक विकास के विभिन्न पहलुओं में युवाओं के प्रशिक्षण के लिए की गई है।

2.7.6 संगठन की योजनाओं का हाल ही में योजना आयोग द्वारा अध्ययन किया गया तथा यह रिकार्ड किया गया कि संगठन के कार्यक्रमों को करने के लिए राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवकों का कार्य चुनौतीपूर्ण है। इस योजना को और अधिक उपयोगी तथा सहभागी बनाने के लिए प्रयास किए जाएंगे।

युवा प्रशिक्षण

2.8.1 यह विभाग की एक अत्यधिक महत्वपूर्ण योजना है जो 1986-87 में शुरू की गई। इस योजना का उद्देश्य स्वरोजगार के विकास के लिए स्थानीय आवश्यकताओं और प्रतिभा पर आधारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों में भाग लेकर ज्ञान के प्रसार के माध्यम के युवाओं को प्रेरित करना है प्रशिक्षण का विषय कृषि तकनीकी, फसल प्रबन्ध, पशु-पालन, डेयरी, मुर्गी-पालन, मधु-मक्खी पालन, पीसीकल्चर, पपेट्री, प्लंबिंग, स्वास्थ्य शिक्षा, स्थानीय स्तर पर प्रबन्ध, धुआँरहित चूल्हा के उपयोग की वैज्ञानिक पद्धतियों आदि से संबंधित होना चाहिए। यह योजना स्वैच्छिक संगठनों को सहायता की योजना के पूरक के रूप में कार्य करती है क्योंकि इन दोनों योजनाओं का मूल लक्ष्य प्रशिक्षार्थियों के कौशल को उन्नत करना है ताकि उन्हें स्व-रोजगार के लिए उपयुक्त बनाया जा सके। योजना को महत्व देते हुए इस विभाग ने 1992-93 की वार्षिक योजना और आठवीं पंचवर्षीय योजना दोनों के लिए बजट प्रावधान बढ़ाने का निर्णय लिया है।

2.8.2 योजना के अंतर्गत, आवास और भोजन व्यय तथा अन्य प्रशिक्षण व्यय को पूरा करने के लिए 50/- रुपये प्रति व्यक्ति प्रति दिन की दर से सहायता दी जाती है। सबसे सस्ते यात्रा खर्च की सहायता भी दी जाती है। योजना के अंतर्गत इस विभाग द्वारा विभिन्न स्वैच्छिक संगठनों, प्रसिद्ध संस्थानों और कुछ राज्य सरकारों को भी सहायता दी जा रही है।

2.8.3 1991-92 वर्ष के दौरान योजना के अंतर्गत लगभग 5000 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। कुछ बड़े अनुदानग्राही तथा उनके द्वारा प्रशिक्षित किए गए व्यक्तियों की संख्या निम्नलिखित है: -

क्र. संगठन का नाम सं.	प्रशिक्षणार्थियों की संख्या
1. बनवासी सेवा आश्रम, गोविन्दपुर, सोनभद्रा, उत्तर प्रदेश	260
2. बंगवाणी सोसायटी, जिला नडिया, पश्चिम बंगाल	200
3. इंडिया हाऊस डेवलपमेंट, 134, पालम कालोनी, नई दिल्ली	200
4. रामकृष्ण मिशन, नरेन्द्रपुर, पश्चिम बंगाल	175
5. ए.पी. यंग एन्टरप्रायोज़ प्रमोशन डेवलपमेंट एसोसिएशन, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश	150
6. श्री अरविन्दो एजुकेशन सोसायटी, अरविन्दो मार्ग, नई दिल्ली	120
7. निदेशक, युवा सेवाएं और खेल, हिमाचल प्रदेश, शिमला	120
8. भारत स्काउट और गाइड, नई दिल्ली	100
9. कराइल युवा जन कला समिति, जिला केरल	100
10. भारतीय विकास ट्रस्ट, विनायक विहार, अनन्त नगर, कर्नाटक	60
11. जी.आर. शर्मा, अर्किटोर्जिकल सोसायटी, इलाहाबाद, उत्तर प्रदेश	60
12. युवा और विकास संस्थान, क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, बंगलौर, कर्नाटक	60
13. अंतर भारती, (त.ना.) मण्डीलिया साहीब, मद्रास, तमिलनाडु	50
14. सामाजिक सेवा और अनुसंधान केन्द्र, चिंगुल, तमिलनाडु	30
15. आन्ध्र महिला सभा ट्रस्ट बोर्ड, महिला सभा बिल्डिंग, हैदराबाद, आन्ध्र प्रदेश	24

राष्ट्रीय युवा पुरस्कार

2.9.1 युवा व्यक्तियों और स्वैच्छिक युवा संगठनों द्वारा राष्ट्रीय विकास और/या सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने और उनमें समाज के प्रति दायित्व की भावना पैदा करने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल विभाग ने 1985 में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार सहित 50 पुरस्कार तक दिए जा सकते हैं।

2.9.2 प्रत्येक पुरस्कार विजेता को उत्कृष्ट कार्य के लिए एक पदक, एक स्क्रौल और 5000/- रु. का नकद पुरस्कार दिया जाता है। स्वैच्छिक युवा संगठन के मामले में एक ट्राफी और एक स्क्रौल सहित एक लाख रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है। 1992-93 से व्यक्तिगत युवा पुरस्कार की राशि को बढ़ाकर 10,000/- रुपये का निर्णय लिया गया है।

2.9.3 पुरस्कार विजेताओं का चयन राज्य सरकारों की सिफारिशों पर, जो उन्हें जिला स्तरीय चयन समितियों से प्राप्त होती है, केन्द्रीय चयन समिति द्वारा किया जाता है। विभाग योजना का स्वैच्छिक युवा संगठनों, राष्ट्रीय सेवा योजना, राज्य सरकारों और प्रमुख सार्वजनिक व्यक्तियों तथा संसद सदस्यों में व्यापक प्रचार करता है ताकि पर्याप्त संख्या में नामांकन प्राप्त हो सके और उनमें से अधिक उपयुक्त उम्मीदवारों का चयन किया जा सके।

2.9.4 वर्ष 1990-91 के लिए राष्ट्रीय युवा पुरस्कार 15 युवा व्यक्तियों और 2 स्वैच्छिक संगठनों को 12 जनवरी, 1992 को इंदिरा गांधी इन्डोर स्टेडियम, नई दिल्ली में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किए गए जिसमें देशभर से 12,000 युवाओं ने भाग लिया। इस अवसर पर देश के विभिन्न भागों के बच्चों और युवाओं द्वारा विभिन्न रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए जिनमें योग, लैजियम, रस्सी तथा पोल मलखम्ब का प्रदर्शन शामिल है। 1990-91 तक पुरस्कार विजेताओं का ब्यौरा परिशिष्ट 'ग' में दिया गया है।

2.9.5 इस पुरस्कार की स्थापना से स्वैच्छिक प्रयास को बढ़ावा मिला है तथा युवा पुरस्कार के रूप में मान्यता प्राप्त करने के लिए देश के युवाओं में आकांक्षा उत्पन्न हुई है। अनेक राज्य सरकारों ने भी राष्ट्रीय विकास में युवाओं द्वारा किए गए प्रयास को मान्यता देने के लिए अपने योगदान के रूप में राज्य स्तरीय पुरस्कार देने भी आरम्भ किए हैं। इस प्रकार राष्ट्रीय युवा पुरस्कारों ने समाज को उन्नत करने तथा रचनात्मक कार्य करने के लिए अपने हिस्से का योगदान करने हेतु युवाओं को प्रेरित करने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य किया है।

युवा क्लबों की सहायता

2.10.1 देश में युवा क्लब आन्दोलन को नया बल देने के लिए यह योजना 1986-87 में शुरू की गई थी। युवा क्लब एक प्रारम्भिक संगठन है जो स्थानीय समुदाय के विकास में कार्यरत है। क्लब पंजीकृत होने चाहिए। वे अपंजीकृत एककों के रूप में भी कार्य करते हैं। नेहरू युवा केन्द्र संगठन, जो इस विभाग का एक स्वायत्त निकाय है, ग्रामीण युवाओं के कल्याण में लगा हुआ है तथा वह ऐसे युवा क्लबों के विकास को बढ़ावा देता है।

2.10.2 सरकार अपने प्रयासों से युवा क्लबों के विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रत्येक पंजीकृत क्लब को, जो वित्तीय सहायता के आवेदन की तिथि को दो वर्ष से अधिक पुराने नहीं है, 2000/- रुपये की दर से सहायता देती है। इस धनराशि में से 1000/- रुपये आवर्ती व्यय जैसे स्थान का किराया, समाचार पत्र आदि की खरीद तथा शेष 1000/- रुपये गैर-आवर्ती व्यय जैसे उपकरणों की खरीद, पुस्तकें, खेल-सामग्री, फर्नीचर आदि के लिए है। आवर्ती अनुदान तीन वर्षों की अवधि के लिए दिए जाते हैं बशर्ते कि इस योजना के अंतर्गत पहले दिए गए अनुदानों के परीक्षित लेखे क्लब द्वारा भेजे गये हो।

2.10.3 युवा क्लब जन साधारण तक पहुँचने में अत्यधिक उपयोगी साधन साबित हुए हैं। योजना आयोग द्वारा हाल ही में किए गए अध्ययन से युवा क्लबों की भूमिका को काफी सराहा है। रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि युवा क्लब पंचायत के पर्यवेक्षण में गाँव में मूल बुनियादी सेवाओं के सृजन के साधन हैं। युवा क्लबों ने एकीकृत ग्रामीण विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत सामुदायिक विकास के लिए ग्रामीण स्वैच्छिक संगठनों में भाग लेकर भी कार्य किया है।

2.10.4 1991-92 वर्ष के दौरान, लगभग 800 युवा क्लबों को सहायता दी गई है।

युवा छात्रावास

2.11.1 देश में युवा यात्रा को बढ़ावा देने के लिए युवा छात्रावास बनाए जाते हैं। ऐसे छात्रावासों का निर्माण केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच संयुक्त उद्यम के रूप में किया जाता है। जबकि केन्द्रीय सरकार निर्माण की लागत वहन करती है और राज्य सरकारें निःशुल्क पूर्ण विकसित भूमि, पानी और बिजली कनेक्शन, सम्पर्क सड़क तथा स्टाफ क्वार्टर उपलब्ध कराती हैं, वे छात्रावासों की प्रारम्भिक संचालन लागत भी वहन करती हैं। केन्द्रीय सरकार द्वारा 1,60,000/- रुपये की राशि फर्नीचर/साज-सज्जा के लिए प्रदान की जाती है। युवा छात्रावास प्रति वर्ष एक रुपये के नाम मात्र किराए पर प्रबन्ध के लिए राज्य सरकारों को सौंप दिए जाते हैं। इन छात्रावासों के सामान्य रख-रखाव की जिम्मेदारी राज्य सरकार की होती है तथा बड़ी और विशेष मरम्मत केन्द्रीय सरकार द्वारा करवाई जाती है।

2.11.2 सामान्यतः सेना में मेजर और उससे ऊपर की श्रेणी तथा जल व वायु सेना में समकक्ष श्रेणियों के पति-पत्नी की टीम को छात्रावास के वार्डन/सहायक वार्डन के रूप में नियुक्ति की जाती है। केन्द्रीय और राज्य सरकारों के "क" ग्रेड के सेवा निवृत्त अधिकारी भी नियुक्ति के पात्र हैं। वार्डन और सहायक वार्डन संचालन टीम के रूप में कार्य करते हैं तथा इस विभाग के तत्वाधान में समय-समय पर युवा कार्यकलापों के प्रबन्धों की देखभाल भी करते हैं। 2000/- रु. प्रति मास के मानदेय का भुगतान विभाग द्वारा युवा छात्रावासों के वार्डन तथा सहायक वार्डन को किया जाता है (उत्तर-पूर्व क्षेत्रों में युवा छात्रावासों के मामले में 2400/- रुपये)। 500/- रु. प्रतिमास की एक मुश्त राशि वार्डन/सहायक वार्डन को यात्रा भत्ते के रूप में भुगतान की जाती है।

2.11.3 विभाग द्वारा जारी की गई मार्गदर्शी रूपरेखाओं के अनुसार प्रत्येक युवा छात्रावास के लिए स्थानीय प्रबन्ध समिति युवा छात्रावास कार्यक्रमों के सुचारू रूप से कार्य करने के लिए बहुत ही निर्णायक हैं। राज्य सरकारों से भी ऐसी समितियाँ गठित करने के लिए अनुरोध किया है।

2.11.4 अमृतसर, औरंगाबाद, भोपाल, डलहौजी, पंचकुला, दार्जिलिंग, गाँधीनगर, हैदराबाद, हासन, मैसूर, जयपुर, मद्रास, मदुरै, पटनीटाप, नाहर लगुन, शिलाँग, इम्फाल, नामची, इनाकुलम, त्रिवेन्द्रम, दीमापुर, कालीकट, पोर्ट ब्लेयर, आगरा, नैनीताल, पणजी, पुरी, कुरुक्षेत्र, पाँडिचेरी तथा रूप नगर में अब तक 30 युवा छात्रावास कार्य कर रहे हैं।

2.11.5 गुवाहाटी, पटना, तुरा और जोधपुर में भी 4 युवा छात्रावास शीघ्र ही कार्य शुरू करने वाले हैं।

2.11.6 तिरुपति, विशाखापट्टनम (आन्ध्र प्रदेश), गोलाघाट, नौगाँव (असम), गुडगांव (हरियाणा), कारवार (कर्नाटक), बरवाली, कायरवाली, चुरूलिया, बुर्दवान, पोडम, मपसा, उखरूल (मणिपुर), मोलोकुंग, पटियाला, संगरूर (पंजाब), तीर्थ रामेश्वर, उत्तरकाशी, गोपालपुर-आन-सी, जोशीपुर, कोरपुट, भुवनेश्वर (उड़ीसा), त्रिची, इलाहाबाद, मसूरी, लखनऊ, रानीखेत (उ.प्र.), मनाली, बिलासपुर (हिमाचल प्रदेश), वायनाड (केरल), तेजपुर, विजयवाड़ा, एजवाल और अगरतला में 33 युवा छात्रावासों का निर्माण कार्य प्रगति पर है।

2.11.7 युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री सुश्री ममता बनर्जी की अध्यक्षता में 18.12.91 को युवा छात्रावासों के लिए केन्द्रीय नीति समिति की बैठक हुई। समिति ने युवा छात्रावासों के कार्य की समीक्षा की और इन छात्रावासों के प्रबन्ध को सुधारने के लिए निर्णय लिए। युवा छात्रावासों की उपलब्धता का व्यापक प्रचार करने तथा युवा भ्रमणकारियों को और अधिक सुविधाएं प्रदान करने का निर्णय भी लिया गया। शुल्क ढाचा (टैरफ) और वार्डन और सहायक वार्डन को भुगतान किए जाने वाले मानदेय को भी संशोधित किया गया। दूरदर्शन अधिकारियों से युवा छात्रावासों में युवाओं के लिए उपलब्ध सुविधाओं का प्रचार करने के लिए उपयुक्त वृत्त-चित्र तैयार करने के लिए अनुरोध किया गया है।

स्वैच्छिक संगठनों को सहायता

2.12.1 युवा क्षेत्र में कार्य कर रहे स्वैच्छिक संगठनों को सहायता की योजना निम्नलिखित लक्ष्यों और कार्यकलापों का संवर्धन करने के लिए बनाई गयी है: -

- (i) ग्रामीण विकास, प्रौढ़ शिक्षा और शहरी गंदी बस्तियों का विकास जैसे कार्य करने के लिए पूर्णकालिक आधार पर युवाओं को शामिल करना।
- (ii) युवा व्यक्तियों, जो सामाजिक परिवर्तन लाने के लिए उत्प्रेरक के रूप में कार्य कर सकते हैं, को प्रशिक्षित करने के लक्ष्य से व्यावसायिक प्रशिक्षण और युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के क्षेत्र में युवा कार्यक्रमों का क्रियान्वयन करने के लिए स्वैच्छिक एजेंसियों को बड़े पैमाने पर शामिल करना।

इस योजना के अंतर्गत पंजीकृत निकायों, सार्वजनिक न्यासों और अलाभकारी कम्पनियों को सहायता प्रदान की जाती है।

2.12.2 इसके अन्तर्गत कार्यकलाप का मुख्य ध्यान व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर रहा है जिनमें युवाओं के लिए रोजगार बढ़ाने के लिए कृषि आधारित उद्योग, टेलरिंग, एम्ब्रॉआईड्री, बड़ईगिरी आदि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि की गई है। यह तथ्य है कि देश की जनसंख्या का एक तिहाई भाग युवाओं का है तथा इस बात को ध्यान में रखते हुए कि युवाओं का एक बड़ा भाग बेरोजगार है, युवा व्यक्तियों की कौशल कला को उन्नत करने के लिए अवसरों की वृद्धि करने के लक्ष्य से इस योजना का बहुत महत्व है ताकि आने वाले दिनों में उन्हें स्वरोजगार में लगाया जा सके। प्रतिवर्ष विभाग में काफी बड़ी संख्या में प्रस्ताव प्राप्त हो रहे हैं जो इस कार्यक्रम की लोकप्रियता के द्योतक हैं। व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रमों के अलावा, एक पर्याप्त राशि विभिन्न युवा नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रमों के आयोजन के लिए भी दी जाती है ताकि युवा गतिशील व्यक्तियों के कांडर का विकास किया जा सके जो सामाजिक परिवर्तन के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में उत्प्रेरक की भूमिका अदा करेंगे।

2.12.3 इस योजना के अन्तर्गत, प्रशिक्षार्थियों के लिए भोजन और आवास हेतु प्रतिदिन प्रति व्यक्ति 15/- रुपए की दर से, प्रशिक्षार्थियों के लिए सस्ते साधन द्वारा यात्रा खर्च वहन करने के लिए, अनुदेशकों के लिए मानदेय खर्च वहन करने के लिए तथा पूंजी व्यय का कुछ भाग वित्त करने के लिए सहायता प्रदान की जाती है।

2.12.4 वर्ष 1991-92 के दौरान, मौटे तौर पर इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 40 संगठनों को सहायता दी गई। लगभग 10,500 व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया। 1991-92 के दौरान जिन संगठनों को अनुदान दिए गए तथा जिन व्यक्तियों को प्रशिक्षित किया गया उनकी संख्या नीचे दी गई है: -

**क्र. संगठन का नाम
सं.**

**लाभग्रहियों
की संख्या**

1. अखिल भारतीय परिवार कल्याण परिषद, नई दिल्ली ।	50
2. आनन्द निकेतन, जिला हावड़ा (प. बंगाल) ।	584
3. महिला, बाल और युवा विकास संस्थान, नागपुर (महाराष्ट्र) ।	50
4. डिवाइन लाइट शैक्षणिक और सांस्कृतिक सोसायटी, नई दिल्ली ।	60
5. इंडिया अन्तर्राष्ट्रीय ग्रामीण सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली ।	60
6. जी.आर. शर्मा पुरातत्व सोसायटी, इलाहाबाद ।	60
7. आर.के. मिशन आश्रम ।	100
8. अखिल भारतीय सेवा मंडल, लखनऊ ।	100
9. श्रीमति चन्दर कुमार शिक्षा समिति, इलाहाबाद ।	200
10. अखिल भारतीय ग्रामीण सेवा संघ, सुल्तानपुरी, नई दिल्ली ।	300
11. युवा और जनसाधारण विकास समिति ।	50
12. श्रम भारती, खादीग्राम, मंगेर (बिहार) ।	1200
13. कावुरु धर्मार्थ न्यास, आंध्र प्रदेश ।	4340

पिछड़ी जनजातियों के युवाओं में युवा कार्यकलापों का विकास करने के लिए विशेष योजना

2.13.1 पिछड़ी जनजाति युवाओं में युवा कार्यकलापों का विकास करने के लिए वर्ष 1990-91 में यह योजना प्रारम्भ की गई थी। जनजातियों और जनजातीय क्षेत्रों के आर्थिक अथवा अन्य विकास, जो राष्ट्रीय औसत से कम है, को ध्यान में रखते हुए उनका विकास करना सरकार की विशेष जिम्मेदारी है। अनुसूचित जनजातियों पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता को संविधान में मान्यता दी गई है और इसलिए उनकी सामाजिक और सांस्कृतिक विरासत को धक्का पहुंचाए बिना जनजातीय युवाओं को राष्ट्रीय मुख्यधारा में लाने के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा योजना शुरू की गई है।

2.13.2 योजना के अन्तर्गत, व्यावसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रदर्शनी, राष्ट्रीय एकीकरण शिविर और सामान्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करने के लिए स्वैच्छिक संगठनों, प्रतिष्ठित संस्थानों और राज्य सरकारों को सहायता प्रदान की जाती है। प्रशिक्षण के लिए प्रति व्यक्ति प्रति दिन 50/- रु. की दर से सहायता दी जाती है तथा सस्ते साधन द्वारा यात्रा भत्ते की प्रतिपूर्ति की जाती है। प्रदर्शनियों के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 20/- रु. की दर से भोजन, सस्ते साधन द्वारा यात्रा लागत तथा संगठनात्मक खर्चों के लिए कुछ राशि दी जाती है। राष्ट्रीय एकीकरण के अन्तर्गत, भोजन और आवास के लिए प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 20/- रु. की दर से खर्च, सस्ते साधन द्वारा यात्रा खर्च तथा संगठनात्मक खर्चों के लिए राशि प्रदान की जाती है। राष्ट्रीय एकीकरण परियोजनाओं के लिए, यदि कार्यक्रम राज्यों की राजधानियों में आयोजित किये जाते हैं, तो प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 25/- रु. की दर से भोजन और आवास की प्रतिपूर्ति की जाती है। परन्तु चार महानगरों जैसे दिल्ली, बम्बई, कलकत्ता और मद्रास के लिए यह दर प्रति व्यक्ति प्रतिदिन 50/- रु. होती है।

2.13.3 वर्ष 1991-92 के दौरान कुछ मुख्य अनुदानग्राही निम्न हैं:-

1. नेहरू शिक्षा अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति एसोसिएशन, कर्नाटक ।
2. साक्षरता सद, उत्तरप्रदेश ।
3. समुदाय संगठन, पुनर्वास और विकास के लिए कार्यवाई, तमिलनाडु ।
4. भारत स्काउट और गाइड, नई दिल्ली ।
5. सम्पौक समाज सेवी संस्थान, गुजरात ।
6. ज्ञानदीप शिक्षा समाज, गुजरात ।
7. नेहरू युवा केन्द्र संगठन ।
8. बंगवानी सोसायटी, नाडिया ।
9. गायत्री केलवानी मंडल, गुजरात ।
10. श्री सरस्वती केलवानी मंडल, गुजरात

स्काउटिंग तथा गाइडिंग

2.14.1 स्काउटिंग और गाइडिंग एक अन्तर्राष्ट्रीय आन्दोलन है तथा इसका लक्ष्य बालक और बालिकाओं के चरित्र का विकास

करना तथा उनमें राष्ट्र के प्रति निष्ठा, देश भक्ति की भावना तथा दूसरों के लिए सहानुभूति पैदा करके अच्छे नागरिक बनाना है। इससे संतुलित शारीरिक और मानसिक विकास का संवर्धन होता है। सामाजिक सेवा और समुदाय कार्य भी आन्दोलन का एक महत्वपूर्ण पहलू है।

2.14.2 देश में इस कार्यक्रमलाप को बढ़ावा देने वाला मुख्य संगठन भारत स्काउट तथा गाइड है जिसे विभाग प्रशासनिक खर्च और प्रशिक्षण शिविर, रैली और जम्बूरी जैसे कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता देता है। यह 14-17 आयु वर्ग में बच्चों/युवाओं के लिए राष्ट्रीय एकीकरण शिविर भी आयोजित करता है।

2.14.3 स्काउट और गाइड की इकाइयों ने देशभर में निःस्वार्थ समाज सेवा, स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रमों, पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रमों, युवा साहसी कार्यक्रमों, सफाई, साक्षरता, अन्तर्राष्ट्रीय भ्रातृत्व के क्षेत्रों में अपने सतत् कार्यों को तथा प्राकृतिक आपदाओं से पीड़ितों की सहायता करना जारी रखा।

2.14.4 राष्ट्रीय युवा सप्ताह, कुछ रोग जागरूकता सप्ताह, विश्व तम्बाकू रहित दिवस, विश्व पर्यावरण दिवस, भूमि दिवस, विश्व आवास दिवस, स्वतंत्रता दिवस आदि को नियोजित तरीके के स्काउट और गाइड द्वारा मनाया गया। साम्प्रदायिक गड़बड़ के दौरान देश के सभी भागों में सामुदायिक मेल-मिलाप मार्च/सभी धर्मों की प्रार्थना सभा भी इस अवसर पर संगठन द्वारा आयोजित की गई।

2.14.5 1991-92 में भारत स्काउट और गाइड ने अपने सामान्य कार्यक्रमों के अलावा, 68 राष्ट्रीय एकीकरण शिविर और साहसिक कार्यक्रम आयोजित किए। वर्ष के दौरान, स्काउटिंग और गाइड के अन्तर्गत 22 लाख बालक और बालिकाओं को शामिल किया गया।

2.14.6 भारत स्काउट्स और गाइड, नयी दिल्ली ने उत्तरकाशी में आए भूकम्प में राहत कार्य बड़े उत्साह से किया। सरकारी एजेंसियों के साथ राहत कार्य करने के लिए संगठन ने उन्हें हैम रेडियो उपलब्ध कराए।

2.14.7 दमन और दीव संघ शासित क्षेत्र में भारत स्काउट और गाइड के कार्यक्रम चलाए गए हैं।

2.14.8 विश्व स्काउट आन्दोलन के क्षेत्रीय कार्यालयों और अन्य देशों के 13 सदस्यों का एक दल भारत आया ताकि अपने क्षेत्रों में कोढ़ जागरूकता क्रियान्वित करने हेतु भारत स्काउट्स और गाइड द्वारा इस क्षेत्र में की गई सेवाओं के बारे में जानकारी प्राप्त कर सके।

2.14.9 3000 स्काउटों, गाइडों, रोवरों और रेंजर्स को रैली राष्ट्रपति भवन में आयोजित की गई जिसमें माननीय राष्ट्रपति जी ने स्वयंसेवकों और व्यावसायिकों को उनकी उत्कृष्ट और विशिष्ट सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्काउटिंग पुरस्कार तथा सहभागियों को राष्ट्रपति स्काउट/गाइड/रोवर/रेंजर पुरस्कार प्रदान किए।

2.14.10 प्रधानमंत्री जी ने 23 अप्रैल 1991 को नई दिल्ली में उन विजेताओं को शिल्डें वितरित की जिन्होंने अपने राज्यों में उत्कृष्ट समाज सेवाएं प्रदान की थीं।

2.14.11 नार्दर्न रेलवे राज्य स्काउट/गाइड रैली जोधपुर में आयोजित की गई जिसमें सभी रेलवे राज्य एसोसिएशनों ने भाग लिया।

2.14.12 आन्ध्र प्रदेश राज्य भारत स्काउट्स और गाइड ने करीम नगर में राज्य जम्बूरी का आयोजन किया जिसमें 3000 से अधिक स्काउटों/गाइडों और अन्य राज्यों के मेहमान दलों ने भाग लिया।

2.14.13 प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित करना, शिविर उपस्कर प्रदान करना जैसी मदों के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्रदान करके तथा क्षेत्रीय केन्द्र खोलकर देश में स्काउट और गाइड आन्दोलन को सुदृढ़ बनाने के प्रयास जारी हैं।

2.14.14 अखिल भारतीय बाल स्काउट संघ इस क्षेत्र में एक अन्य संगठन है जो मुख्यतः गैर छात्र युवाओं के बीच कार्य करता है। वर्ष के दौरान, संगठन ने 4 राष्ट्रीय एकीकरण शिविर और कुछ राज्य स्तरीय और स्थानीय प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए। इसने राष्ट्रीय स्काउटर्स सम्मेलन और राज्य सम्मेलन आयोजित किए जिसमें 8-11 नवम्बर 1991 तक छतारी हट, नई दिल्ली में माननीय श्री एच.आर. भारद्वाज, योजना और कार्यक्रम क्रियान्वयन राज्य मंत्री द्वारा उद्घाटित राष्ट्रीय कार्यशाला शामिल है। इसमें 250 से ज्यादा स्काउटों ने भाग लिया। संगठन द्वारा देशभर में राष्ट्रीय युवा सप्ताह/दिवस मनाया गया जिसमें काफी बड़ी संख्या में युवाओं ने भाग लिया और अध्यात्मवाद और आम-भाईचारा बढ़ाने की शपथ ली। संगठन ने संयुक्त राष्ट्र के निकट सहयोग से, जिसके साथ संगठन ने गत 6 वर्षों से समन्वय स्थापित किया हुआ है, विभिन्न महत्वपूर्ण दिवसों जैसे संयुक्त राष्ट्र दिवस, विश्व स्वास्थ्य संगठन दिवस, मानव अधिकार दिवस, धूम्रपान निषेध अभियान और नशा विरोधी कार्यक्रम भी आयोजित किए। वर्ष के दौरान, संगठन ने महत्वपूर्ण अवसरों पर विभिन्न समाज सेवा और राहत शिविर आयोजित किए। संगठन के स्काइटर और रोवर स्काउटर वन और वन्य जीवन संरक्षण के अभियान तथा वृक्षारोपण में विशेष प्रयास कर रहे हैं।

नेहरू युवा केन्द्र

2.15.1 नेहरू युवा केन्द्र संगठन युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के अधीन एक स्वायत्त निकाय है। इसे सोसाटीज़ पंजीकरण अधिनियम, 1860 के अन्तर्गत पंजीकृत किया गया है तथा इसका अपना बोर्ड आफ गवर्नर्स है जिसकी अध्यक्ष युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री हैं।

2.15.2 संगठन का लक्ष्य राष्ट्रीय विकास कार्यक्रमों में गैर-छात्र ग्रामीण युवाओं में जागरूकता पैदा करना, उन्हें संगठित और प्रेरित करना रहा है। संगठन के कार्यक्रमों का मुख्य बल राष्ट्र की समस्याओं के लिए युवाओं को प्रेरित और उन्हें सुग्राही बनाने पर है। इस समय देश में 398 केन्द्र इतने ही जिलों में हैं।

2.15.3 संगठन की नीति प्रारंभिक स्तर पर युवाओं को प्रेरित करना तथा उनमें देश के प्रति जिम्मेदारी और गर्व की भावना पैदा करना रहा है। कार्यक्रमों का नियोजन और कार्यान्वयन ग्राम-स्तरीय युवा क्लबों के सहयोग से किया जाता है। युवा क्लबों की मूल्यों, आदर्श और स्वेच्छिक कार्य पर विशेष ध्यान देते हुए विकास कार्य के लिए प्रेरित तथा प्रोत्साहित किया जाता है। युवाओं के ये स्वेच्छिक कार्य समूह ग्रामीण युवा क्लबों के रूप में एकजुट होकर ग्रामीण निर्धन लोगों को आवेष्टित कर कार्य करते हैं। युवा क्लबों का विकास करने के अलावा, संगठन, व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, युवा नेतृत्व प्रशिक्षण शिविर, प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रम और खेल/सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करने में सक्रिय भूमिका निभाता है। संगठन प्राकृतिक आपदाओं और साम्प्रदायिक दंगों के समय पर भी मुख्य भूमिका निभाता है।

2.15.4 योजना आयोग द्वारा कार्यक्रम का मूल्यांकन लम्बित होने के कारण इन कार्यक्रमों के लिए दी जाने वाली राशि मई 1990 में बन्द कर दी गई थी। योजना आयोग की रिपोर्ट से यह सिद्ध होता हुआ है कि संगठन की योजनाएं लाभप्रद हैं तथा इसने ग्रामीण युवाओं में पर्यावरण, राष्ट्रीय मूल्यों और मुद्दों के बारे में जागरूकता पैदा की है। रिपोर्ट में यह भी दर्शाया गया है कि युवा क्लब ग्रामों में ग्राम पंचायतों की मदद से सहयोगी और स्वेच्छिक तरीके से परिसम्पत्तियों का सजुन करने में एक उपकरण सिद्ध हुये हैं। हालांकि रिपोर्ट में उल्लिखित कुछ प्रशासनिक कमियां हैं जिन पर विभाग द्वारा योजना आयोग के परामर्श से कार्रवाई की जा रही है।

2.15.5 वर्ष 1991-92 के दौरान संगठन द्वारा आयोजित कुछ मुख्य कार्यक्रम निम्नलिखित हैं :-

- (i) **राष्ट्रीय साक्षरता मिशन:** संगठन ने उत्तर प्रदेश के 24 जिलों में 49 सी.डी. ब्लकों में तथा राजस्थान के 18 जिलों में 26 सी.डी. ब्लकों में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन (एन.एल.एम.) परियोजनाएं शुरू की हैं। इन दोनों राज्यों में 8000 प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र चल रहे हैं जिनमें करीब 2,40,000 निरक्षरों को भर्ती किया गया है। इस योजना का सफलतापूर्वक क्रियान्वयन करने के लिए लगभग 8956 कर्मिकों को प्रशिक्षित किया गया था। उपर्युक्त के अलावा, 540 युवा क्लबों द्वारा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के लिए उड़ीसा, बिहार और पं. बंगाल के 8 जिलों को अपनाया गया है। यह एक पायलेट परियोजना है जो केन्द्र आधारित और स्वेच्छिक आधारित दृष्टिकोण का एक मिश्रण है। कुल 26,000 प्रौढ़ निरक्षरों को भर्ती किया गया है। संगठन 1500 से अधिक जन शिक्षा निलायम (जे.एस.एन.) कार्यान्वित कर रहा है जिसमें ग्रामीण युवाओं द्वारा प्रौढ़ शिक्षा केन्द्र चलाए जा रहे हैं।
- (ii) **व्यावसायिक प्रशिक्षण:** ग्राम स्तर पर कौशल और आत्मनिर्भरता बढ़ाने तथा ग्रामीण युवाओं की आय बढ़ाने की क्षमता में मदद करने के लक्ष्य से व्यावसायिक प्रशिक्षण का आयोजन किया जाता है। ग्रामीण युवाओं के लिए कुछ कला-कौशल जैसे टेलीविजन/रेडियो मरम्मत, ट्यूबवेल मरम्मत, टेलरिंग, हस्तकरघा, पोषण/खाद्य संरक्षण पद्धतिया, कृषि निवेश का नेहरू युवा केन्द्रों द्वारा आयोजन किया जाता है। वर्ष के दौरान लगभग 35,000 ग्रामीण युवाओं को व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया गया।
- (iii) **राहत कार्यकलाप:** संगठन ने उत्तरकाशी में आए भूकम्प पीड़ितों की मदद करने के लिए योगदान किया। नेहरू युवा केन्द्रों ने राहत सामग्री एकत्रित की और कुछ न प्रभावित क्षेत्रों में अपने स्वयंसेवक भेजे। पहला राहत सामग्री से भरा ट्रक युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री सुश्री ममता बनर्जी द्वारा नेहरू युवा केन्द्र, गाजियाबाद (उ.प्र.) से भिजताया गया। इलाहाबाद क्षेत्र के नेहरू युवा केन्द्रों ने 111,111,00/- रुपए का एक चैक प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय राहत कोष के लिए सुश्री ममता बनर्जी को दिया। उत्तरकाशी राहत के लिए प्रधानमंत्री राहत कोष के लिए नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा 18.2.92 तक दी गई कुल राशि 172,793/- रुपए है। प्रधानमंत्री ने युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री को लिखे पत्र में नेहरू युवा केन्द्र संगठन को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया। एकत्र की गई अन्य राहत सामग्री में लगभग 2,000 क्विंटल अनाज, 8 क्विंटल चावल, 4 क्विंटल चीनी और अन्य खाद्य सामग्री उत्तरकाशी भेजी गई। इसके अतिरिक्त, 250 कम्बल, गर्म कपड़े और दवाइयां भी भूकम्प पीड़ितों को भेजी गई।
- (iv) **सांस्कृतिक कार्यकलाप:** सांस्कृतिक विरासत को बढ़ाने तथा उसका संरक्षण करने के लिए तथा मिली-जुली सांस्कृतिक पहचान का प्रचार करना नेहरू युवा केन्द्र संगठन का एक मुख्य कार्य है। इस प्रयास में नेहरू युवा केन्द्रों ने ग्रामीण क्षेत्रों में

ग्राम युवा क्लबों के माध्यम से सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए। कुल 1300 सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- (v) **खेल:** ग्रामीण क्षेत्रों में खेल संस्कृति पैदा करने तथा उसका प्रोत्साहन करने के लक्ष्य से देश भर में ग्रामीण खेल आयोजित किए गए। यह लक्ष्य नॉक-आउट आधार पर ब्लाक स्तरीय और अंतर-ब्लॉक खेल लीग का गठन करने के पूरा किया गया जिसमें विजेताओं को प्रोत्साहन/पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। जिन ग्रामीण खेलों को प्रोत्साहन दिया गया है वे हैं :-
वॉलीबाल, फुटबाल, कबड्डी आदि। कुल 1100 खेल कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- (vi) **राष्ट्रीय युवा सप्ताह:** देश के सभी नेहरू युवा केन्द्रों ने 12-19 जनवरी 1992 तक राष्ट्रीय युवा सप्ताह मनाया। राष्ट्रीय विकास के लिए युवाओं को प्रेरित करने तथा उनमें स्वामी विवेकानन्द के जीवन मूर्ति रूपी युवा भावना पैदा करने के लिए विविध कार्यक्रम/कार्यक्रम आयोजित किए गए थे। इन समारोहों के दौरान प्रतिदिन युवा क्षमता और प्रतिबद्धता को सशक्त रूप से उभारा गया तथा स्वामी विवेकानन्द के आदर्शों और शिक्षाओं पर आधारित विभिन्न विषयों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए।

- (vii) **जिला युवा पुरस्कार:** जिला में स्वेच्छिक संगठनों और व्यक्तियों द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्य को औपचारिक रूप से मान्यता देने के लक्ष्य से इस वर्ष जिला युवा पुरस्कार स्थापित किया गया। व्यक्ति को दिए जाने वाले पुरस्कार में एक प्रमाण पत्र के अलावा 500/- रुपये का नकद पुरस्कार है। इसके साथ-साथ इसी वर्ष से इस क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले युवा क्लबों के लिए भी संगठन द्वारा एक पुरस्कार शुरू किया गया है। केन्द्र अपने जिले में जिलाधीश की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा उत्कृष्ट युवा का चयन करेंगे।

- (viii) **जवाहर साइकिल यात्रा:** पं. जवाहरलाल नेहरू के जन्म दिवस के अवसर पर सर्व धर्म सौहार्द के लिए 12 से 17 नवम्बर 1991 तक नई दिल्ली में एक राष्ट्रीय स्तरीय साइकिल यात्रा आयोजित की गई। भारत के प्रत्येक राज्य से कुल 800 से ज्यादा युवाओं ने इस श्रेष्ठ देशभक्त और आदर्शवादी को श्रद्धांजली देने के लिए साइकिल पर दिल्ली तक यात्रा की। साइकिल यात्रा के लक्ष्य थे :-

- (अ) अपने देश और देशवासियों के बारे में अधिक से अधिक जानकारी दिलाने के लिए सीमित साधन वाले युवा साहस प्रेमी व्यक्तियों को शिक्षित करना;
(आ) सभी धर्मों के लोगों में मैत्री संबंधों को बढ़ावा देना;
(इ) सभी लोगों द्वारा प्रकृति, सृजन, साहस तथा श्रम का आदर करना; तथा
(ई) शिविर के घरेलु और स्वास्थ्य वातावरण में बिना किसी जाति, रंग, धर्म, क्षेत्र, भाषा, समाज और संस्कृति भेद के एक बैठक मंच का संपरण करना ताकि युवाओं और अन्य लोगों में अन्तर-राज्यीय संबंधों को प्रोत्साहित किया जा सके। तथा इसके द्वारा सर्व धर्म सौहार्द को बढ़ावा देना।

- (ix) **जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल व्याख्यान:** जवाहरलाल नेहरू जन्म शती समारोह के एक भाग के रूप में 16 नवम्बर, 1991 को नई दिल्ली में प्रथम जवाहरलाल नेहरू मेमोरियल व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान डा. करण सिंह द्वारा "भारत में युवा और प्रजातंत्र पर नेहरू का स्वप्न" विषय पर दिया गया था।

Human Resource Development Minister Shri Atiun Singh talking to some of the Players of Indian Hockey Team which won the Sultan

श्री अतीन शर्मा :

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री श्री अतीन सिंह (बीए) भारतीय हॉकी टीम के कुछ खिलाड़ियों से बातचीत कर रहे हैं। इस टीम ने सुल्तान-अज़लान, 1991 में मलेशिया में आयोजित हुलान अज़लान ग्राह



खेल और शारीरिक शिक्षा

भूमिका

3.1.1 यद्यपि भारत की खेलों और शारीरिक कार्यक्रमों में एक लम्बी परम्परा रही है, लेकिन वास्तव में 1947 में स्वतंत्रता के बाद से ही हमने उत्कृष्टता के विकास के लिए खेलों पर विशेष ध्यान दिया है। परन्तु खेलों को उच्च प्राथमिकता 1982 के एशियाई खेलों से थोड़ा पहले ही दी गई थी। अन्तर्राष्ट्रीय मान्यता की स्पर्धा के लक्ष्य से आधुनिक प्रतियोगी खेलों के विकास की इच्छा शक्ति की प्रबलता को 1984 में घोषित प्रथम खेल नीति में सुदृढ़ किया गया। अन्तर्राष्ट्रीय खेलों में पदक विजय क्षमता को प्रोत्साहित करने के हमारे प्रयास एक दशक से भी कम पुराने हैं। अतः खेलों में देश के प्रदर्शन को इस संदर्भ में रखकर देखना चाहिए न कि कुल जनसंख्या के आधार पर।

3.1.2 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान विभाग और भारतीय खेल प्राधिकरण की उपलब्धियों और प्रोत्साहनों को संगठित और सुदृढ़ किया गया। परन्तु वित्त मंत्रालय द्वारा खर्च पर लगाई गई 10 प्रतिशत की आदेशात्मक कमी से विविध कार्यक्रमों पर गम्भीर असर पड़ा है।

3.1.3 आठवीं पंचवर्षीय योजना के प्रारम्भ होने से पूर्व अपेक्षित संयोजनों या परिवर्तनों की जाँच करने के विचार से खेल नीति-1984 और चल रही योजनाओं की समालोचनात्मक जाँच करने का निर्णय लिया गया था। खेल नीति तथा राष्ट्रीय खेल संघों के प्रचलित दिशा निर्देशों की समीक्षा करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी। एक अन्य समिति युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के सचिव की अध्यक्षता में सभी खेल योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा करने के लिए गठित की गई थी। इस समिति की तीन सहायक उप-समितियाँ थी — एक खेलों में उत्कृष्टता के विकास की योजनाओं की समीक्षा के लिए; एक खेलों का प्रसार करने के लिए; तथा एक प्रोत्साहन पुरस्कार और छात्रवृत्ति योजनाओं की समीक्षा के लिए। दोनों समितियों ने अपनी रिपोर्टों को लगभग अंतिम रूप दे दिया है। अनुवर्ती कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है और सम्पूर्ण कार्य अप्रैल, 1992 के अंत तक पूरा कर लिए जाने की आशा है।

आठवीं पंचवर्षीय योजना का दृष्टिकोण

3.1.4 इसे काफी विचार-विमर्श के बाद अंतिम रूप दिया गया था। उसमें शामिल खेल कार्यक्रमों को अद्यतन/संशोधित बनाया गया है तथा उसमें वर्तमान कार्यक्रम और कुछ नई योजनाएँ भी शामिल हैं। आठवीं योजना के लिए 727 करोड़ रुपये के आवंटन की मांग विस्तृत प्रारूप योजना दस्तावेज के आधार पर योजना आयोग से की गई है।

खेल मंत्रियों का सम्मेलन

3.1.5 तृतीय खेल मंत्री सम्मेलन दो वर्षों के अंतराल के बाद 17-18 नवम्बर, 1991 को आयोजित किया गया था। सम्मेलन में की गई सिफारिशें परिशिष्ट “घ” में दी गई हैं।

जन-संचार माध्यम

3.1.6 जनसंचार माध्यम की स्थायी अंतर-विभागीय समिति को विभाग और भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रचार और प्रसार करने के लिए क्रियाशील बनाया गया। 31.1.92 को आयोजित बैठक में खेलों को तेज जनसंचार

फोकस के अंतर्गत लाने का निर्णय लिया गया। सूचना और प्रसारण मंत्रालय, दूरदर्शन और आकाशवाणी के साथ निकट सम्पर्क बनाए रखा जाएगा। दूरगामी विकास में दूरदर्शन ने सहमति दी है कि महानिदेशक, भारतीय खेल प्राधिकरण समन्वय करेगा और तिमाही आधार पर खेल स्पर्धाओं की कवरेज करने का सुझाव देगा।

सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के उद्यमों की भागीदारी

3.1.7 खेलों के विकास के लिए महत्वपूर्ण निजी/सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों के शीर्ष प्रशासनों की मदद लेने के लिए उनके साथ आयोजित दो दिवसीय सम्मेलन में खेल मंत्री की पहल काफी सफल रही। अनुवर्ती कार्य की समीक्षा करने के लिए सचिव की अध्यक्षता में एक टास्क फोर्स गठित किया गया। एक या अधिक खेल विद्या अपनाने तथा एकल समर्पित खेल अकादमी स्थापित करने की जिम्मेदारी वहन करने के लिए मुख्य उद्यमों को सहमत किया जा रहा है। टास्क फोर्स की पहली बैठक 4.2.92 को बुलाई गई थी।

वित्तीय प्रोत्साहन

3.1.8 खिलाड़ियों को खेल उपस्कर आयात करने पर सीमा शुल्क में छूट, पुरस्कारों/इनामों पर आयकर में छूट जैसे वित्तीय प्रोत्साहन दिए जाते हैं। तथापि, खेलों के विकास के लिए उदारतापूर्वक अंशदान करने की उद्योग/व्यवसाय उद्यमों की असमंजसता उनको मिले शुल्क/आयकर प्रोत्साहनों की कमी के कारण है। कुछ मान्यता प्राप्त खेल निकायों को दान देने पर पचास प्रतिशत आयकर छूट उद्योग/व्यवसाय उद्यमों को प्रेरित करने के लिए अपर्याप्त है। खेलों पर किए गए खर्च को वाजिब खर्च प्रभार की अनुमति नहीं दी जाती। अतः विभाग ने बुनियादी खेल सुविधाओं के सृजन, खेल उपस्करों की खरीद, खेल अकादमियों का संचालन, प्रशिक्षण के लिए प्रायोजक टीमों/व्यक्तियों तथा देश या विदेश में खेल स्पर्धाओं में भाग लेना, देश में राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय खेल टूर्नामेंटों के प्रायोजन और आयोजन के माध्यम से खेलों के विकास पर उद्यम/व्यावसाय हाऊसों द्वारा किए गए व्यय को आयकर की पूर्ण छूट लेने के लिए पहल की है। विभाग ने राष्ट्रीय अकादमियों और अन्य में विशिष्ट खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के लिए उद्यमों द्वारा खेल उपस्करों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट की मांग की है।

कालेजों और विश्वविद्यालयों में रोजगार/प्रवेश हेतु प्रोत्साहन

3.1.9 कालेजों और विश्वविद्यालयों में प्रवेश देने तथा रोजगार में खिलाड़ियों को दिए जाने वाले प्रोत्साहन और विशेष महत्व का सुझाव देने के लिए युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के सचिव की अध्यक्षता में एक ग्रुप गठित किया गया था। गत कुछ माहों के दौरान इस ग्रुप की कुछ बैठकें आयोजित की गई हैं तथा रिपोर्ट को अंतिम रूप दिया जा रहा है।

भारतीय ओलम्पिक संघ विचार-गोष्ठी

3.1.10 विभाग की ओर से, देश के लिए खेलों में श्रेष्ठ संभावनी परिणाम हासिल करने के लिए प्रत्येक एजेंसी के समन्वित कार्यों को पूरा करने के लिए भारतीय ओलम्पिक संघ, खेल संघों, भारतीय खेल प्राधिकरण और विभाग के दायित्वों पर मुख्य ध्यान देने के लिए 21.2.92 को भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा एक विचार-गोष्ठी का आयोजन किया गया।

महत्वपूर्ण योजनाएं

खेल की बुनियादी सुविधाओं के सृजन के लिए अनुदान

3.2.1 यह योजना काफी महत्वपूर्ण है और इसलिए सातवीं योजना के दौरान खेलों की अन्य योजनाओं में इसको 60 करोड़ रुपये का सर्वाधिक आवंटन किया गया था। लागत में वृद्धि के कारण प्रति इकाई उच्चतर अनुदान तथा खेल की बुनियादी सुविधाओं का संवर्धन करने के लिए केन्द्रीय सहायता की बढ़ती हुई मांग को पूरा करने के लिए आठवीं योजना में अधिक आवंटन की आवश्यकता है।

3.2.2 आज तक 2045 परियोजनाओं को केन्द्रीय सहायता दी गई है। दुर्भाग्यवश उनमें से अधिकतर (करीब 1752) राज्य सरकारों और प्रायोजकों द्वारा अभी पूरी की जानी है। विस्तृत व्यौर परिशिष्ट “ब” पर दिए गए हैं। ये परियोजनाएं मुख्यतः राज्य सरकारों द्वारा केन्द्रीय सहायता के लिए आवेदन करते समय दी गई प्रतिबद्धता के अनुसार परियोजनाओं के लिए वित्त देने की उनकी असमर्थता के कारण अधूरी हैं। इस समस्या पर सभी राज्य सरकारों के साथ गहन विचार-विमर्श हुआ है। हमारे प्रयासों के कारण, अब राज्य इन परियोजनाओं को पूरा करने के बारे में अधिक चिंतित है। परिणामस्वरूप, गत तीन वर्षों के दौरान 200 से अधिक परियोजनाएं पूरी हुई हैं। परियोजनाओं को पूरा करने के लिये विभाग ने यह नीति अपनाई है कि उन अधूरी परियोजनाओं को केन्द्रीय सहायता में वृद्धि हो, जिन्हें केन्द्रीय सहायता की केवल प्रथम किस्त दी गई है। ऐसा इस शर्त पर है कि और आगे निवेश केवल

खिलाड़ियों की अति आवश्यक समझी जाने वाली सुविधाओं के लिए ही किया जाएगा। जहाँ पूरी केन्द्रीय सहायता का लाभ ल लिया गया है वहाँ राज्य सरकार/प्रायोजन को अपने संसाधनों से परियोजनाएं पूरी करनी होगी।

3.2.3 विभाग इस बात से सचेत है कि परियोजनाओं के लिए अब उपलब्ध केन्द्रीय सहायता अपर्याप्त है। चूँकि, केन्द्रीय सहायता की सीमा 1986 में निश्चित की गई थी, बुनियादी सुविधाओं की श्रेणियों को बुद्धिसंगत बनाने तथा वित्तीय सहायता में वृद्धि करने के लिए इस योजना को संशोधित किया गया है। इस पर वित्त मंत्रालय की स्वीकृति की प्रतीक्षा है।

3.2.4 वर्ष 1991-92 में 9 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान है। लगभग सम्पूर्ण राशि फरवरी, 1992 तक खर्च हो चुकी है, और अधिक राशि की आवश्यकता है क्योंकि हमें काफी बड़ी संख्या में परियोजना प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

3.2.5 इस योजना की सबसे बड़ी महत्वपूर्ण विशेषता प्रत्येक राज्य में एक राज्य खेल प्रशिक्षण परिसर का संवर्धन करना रहा है। इस प्रकार के परिसर के अभाव में राज्य के खिलाड़ियों को अपनी कोचिंग आवश्यकताओं/प्रशिक्षण के लिए केन्द्रीय सरकार की ओर देखा पड़ता था। ऐसे 6 परिसर मंजूर किए जा चुके हैं। ये आशा की जाती है कि राज्य सरकार शीघ्र ही ये सुविधाएं पूरी कर लेगी और विशिष्ट राज्य खिलाड़ियों के लिए गृहित समर्पित प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेगी। इस योजना के अंतर्गत एस.पी.डी.ए. केन्द्रों में खेल सुविधाएं उन्नत करने के लिए केन्द्रीय सहायता भी प्रदान की जाती है। इन केन्द्रों की संचालन और देख-रेख लागत भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा वहन की जाएगी। 20 एस.पी.डी.ए. केन्द्रों (कुल 78 ऐसे केन्द्र) के लिए प्रथम चरण की अवस्थापनात्मक सहायता पहले ही दी जा चुकी है। प्रारम्भिक स्तर पर खेलों का उच्च स्तर बढ़ाने के लिए यह योजना काफी सक्षम है।

ग्रामीण स्कूलों को अनुदान

3.3.1 इस योजना का तात्पर्य ग्रामीण स्कूलों में खेल सुविधाओं का संवर्धन करना है। ग्रामीण स्कूलों में आधारभूत खेल सुविधाएं प्रदान करने के लिए 1 लाख रुपये तक का अनुदान दिया जाता है। बराबरी के अंशदान की कोई शर्त नहीं है, परन्तु राज्य सरकार/स्कूल को इस योजना से सृजित सुविधाओं को बनाए रखना होगा। ग्रामीण स्कूलों में खेलों के बहुत निराशाजनक स्तर के कारण बहुत से स्कूल, पात्रता मानदण्ड जैसे भूमि की मांग, दाखिल छात्रों की संख्या, लगाए गए शारीरिक शिक्षा अध्यापकों की योग्यताएं तथा खेलों पर वार्षिक व्यय की प्रतिबद्धता को पूरा न कर सकने के कारण, यह सहायता प्राप्त न कर सके। अब इस पात्रता मानदण्ड में भारी शिथिलता कर दी गई है। अतः ये आशा की जाती है कि आठवीं योजना में इस योजना का अधिक से अधिक लाभ ग्रामीण स्कूल उठा सकेंगे।

3.3.2 फरवरी, 1992 (1991-92 में 301 प्राप्त) के अंत तक हमें 1278 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। दुर्भाग्यवश अधिकतर आवेदन पत्र उन स्कूलों से प्राप्त हुए जो अपने आवेदनों में प्रस्तुत सूचना के आधार पर अपात्र पाए गए। परिणामस्वरूप 816 आवेदन पत्र दोषों/कमियों के सुधार के लिए लौटाये गए, 220 आवेदन-अस्वीकृत किए गए तथा केवल 121 आवेदन मंजूर किए जा सके। इनमें से 1991-92 में 68 को मंजूरी दी गई है जिसके लिए केन्द्रीय सहायता 58.32 लाख रुपये हैं। जो आवेदन राज्य सरकारों को वापस भेजे गये थे उन पर उदारतापूर्वक पात्रता मानदण्ड के मामले में पुनः जाँच की जा रही है और यह आशा की जाती है कि कुछ और मंजूर किए जाएंगे।

3.3.3 इस योजना को काफी लोकप्रियता मिली तथा उत्साहवर्धक प्रतिक्रिया हुई है। इस योजना के प्रभाव से संभवतः ग्रामीण क्षेत्रों में खेल सुविधाओं में वृद्धि होगी।

सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक/कृत्रिम सतह

3.4.1 सिंथेटिक खेल सतह की उपयोगिता आज की आवश्यकता है। हालाँकि, कुछ विधाओं में यह अनिवार्य है परन्तु फिर भी कई अन्य विधाओं में यह काफी प्रचलित हो गई है। सुरक्षा, गति और सुसंगति प्रदान करने के अलावा सिंथेटिक खेल सतह खिलाड़ियों को अपने प्रदर्शन में सुधार करने के लिए मददगार सिद्ध हुई है। ऐसे सतह हासिल करने और बिछाने में हम अपनी असमर्थता को स्वीकार नहीं कर सकते हैं, क्योंकि कि अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में अच्छी स्थिति बनाने के लिए यह अनिवार्य है। इस समय, योजना के अन्तर्गत केवल सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक और कृत्रिम हाकी सतहों के लिए केन्द्रीय वित्तीय सहायता दी जाती है। केन्द्रीय सहायता सतह लगाने की लागत का 50 प्रतिशत दी जाती है परन्तु प्रत्येक मामले में सीमा 50 लाख रुपये है। इस योजना के अंतर्गत ऐसे मंजूर किए गए/लगाए गए सतहों की विस्तृत सूची **परिशिष्ट "छ"** पर दी गई है। इस सूची के अतिरिक्त कुछ अन्य सतहें भी हैं जो भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा लगाई गई हैं।

3.4.2 योजना में संशोधन किया जा रहा है। बैडमिंटन, हैण्डबाल, बास्केटबाल, वालीबाल, टेनिस और क्रिकेट पिच जैसी अन्य विधाओं के लिए सिंथेटिक खेल सतह पर विचार किया जा रहा है। इनमें से कुछ आउटडोर खेल सतह हैं और देश में नहीं बनाए जाते हैं। भारतीय रुपये के अवमूल्यन होने के परिणामस्वरूप इन सतहों की लागत में वृद्धि हुई है। अतः केन्द्रीय सहायता में वृद्धि करने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं है। मूल्यों में अचानक वृद्धि होने के कारण विभाग ने चालू वित्तीय वर्ष में केवल दो आवेदन

मंजूर किए हैं। हमारा प्रयास अधिक से अधिक सस्ते सतह लगाने का होगा जो प्रशिक्षण/स्थानीय चैम्पियनशिपों के आयोजन के लिए अनुकूल हों। इससे छोटी आयु में भारतीय खिलाड़ी सिंथेटिक खेल सतह पर खेलने से परिचित हो सकेंगे। इससे उभरते हुए खिलाड़ियों के समक्ष सिंथेटिक सतह पर खेलने के अनुभव की कमी के कारण आने वाली बाधा को दूर किया जा सकेगा।

विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में खेल-कूद

3.5.1 यह योजना (जो पहले एन.एस.ओ. के नाम से जानी जाती थी) हाल ही में संशोधित की गई है। इसकी नीति तीन मुख्य खण्डों में विश्वविद्यालय खेलों को देखना है जैसे — अवस्थापना, अंतर-विश्वविद्यालय टूर्नामेंट और उत्कृष्ट छात्रों को प्रोत्साहन/छात्रवृत्ति। तदनुसार, योजना का क्रियान्वयन तीन भिन्न-भिन्न संगठनों के माध्यम से किया गया है जिनमें से प्रत्येक में एक पहलू शामिल है:—

- (i) **विश्वविद्यालय अनुदान आयोग:** विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में बुनियादी खेल सुविधाएं सुजित करने के लिए सहायता प्रदान करने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को एक मुश्त अनुदान दिया जाता है। इंजीनियरिंग कॉलेज, मेडिकल कॉलेज, व्यावसायिक संस्थान जैसे शैक्षणिक संस्थान जो विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अंतर्गत नहीं आते, उन्हें विभाग द्वारा सीधे अनुदान दिया जाता है।
- (ii) **भारतीय विश्वविद्यालय संघ (ए.आई.यू.):** अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंट आयोजित करने, प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करने तथा राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए भारतीय विश्वविद्यालय की टीमों को तैयार करने के लिए अनुदान दिया जाता है। तथापि, चूंकि भारतीय विश्वविद्यालय संघ के पास अवस्थापना और सुविधाओं का मानक नहीं है, अतः जहाँ तक संभव होगा प्रशिक्षण कार्य भारतीय खेल प्राधिकरण को सौंपा जाएगा।
- (iii) **भारतीय खेल प्राधिकरण:** को विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में प्रतिभावान खिलाड़ियों को छात्रवृत्तियाँ प्रदान करने के लिए एक मुश्त अनुदान दिया जाता है।

3.5.2 इस योजना के अन्तर्गत उपलब्ध अधिकतर राशि का उपयोग विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा किया जाता है। बुनियादी सुविधाओं के लिए केन्द्रीय सहायता की सीमा में हाल ही में वृद्धि की है। अतः प्रति परियोजना की सहायता में अब वृद्धि होगी।

3.5.3 यह महसूस किया गया है कि विश्वविद्यालयों/कॉलेजों में अशक्त खेल बुनियादी सुविधाओं के कारण 17-20 वर्ष के आयु वर्ग के युवा खिलाड़ियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया जाता है। विभाग, विशेषकर सीमित विश्वविद्यालयों और कॉलेजों को राष्ट्रीय स्तर तथा अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों में उनके पिछले खेल प्रदर्शन के आधार पर सहायता देने की नीति को अंतिम रूप दे रहा है। इन विश्वविद्यालयों/कॉलेजों को प्रत्येक में दो या तीन विधाओं का पोषण करने के लिए सहायता दी जाएगी। ऐसे विश्वविद्यालयों का पता लगाने का कार्य भारतीय खेल प्राधिकरण और विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को सौंपा गया है।

3.5.4 भारतीय विश्वविद्यालय संघ अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों का आयोजन करते हैं। इन टूर्नामेंटों के लिए सहायता की मात्रा को अच्छी तरह परिभाषित करके और उपयुक्त तौर पर तैयार किया गया है। जोनल आधार पर टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं जिसमें आखिरी और अंतिम चरण में प्रवेश करने के लिए एक जोनल विजेता होता है। जोनों की संख्या विविध खेल विधाओं की लोकप्रियता पर निर्भर करती है। मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी समग्र विजेता विश्वविद्यालय को प्रदान की जाती है। खेलों में विश्वविद्यालय के लिए प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थानों का निर्धारण करने के लिए स्पष्ट नियम/मानदंड निर्धारित किए गए हैं। समग्र विजेता विश्वविद्यालय को मौलाना अबुल कलाम आजाद ट्रॉफी देने के अलावा प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पाने वाले विश्वविद्यालयों को क्रमशः 50,000/- रुपये, 20,000/- रुपये तथा 10,000/- रुपये के नकद पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं। अंतर विश्वविद्यालय टूर्नामेंटों में खेलों की 13 विशिष्ट विधाओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर भी क्रमशः 50,000/- रुपये 30,000/- रुपए और 20,000/- रुपये की राशि के नकद पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

3.5.5 चूंकि भारतीय खेल प्राधिकरण खिलाड़ियों के प्रशिक्षण/कोच के लिए सर्वश्रेष्ठ सुसज्जित संस्थान है अतः जैसा कि ऊपर लिखा जा चुका है यह निर्णय लिया गया है कि, जहाँ तक सम्भव हो, विश्वविद्यालय/कालेज छात्रों के लाभ के लिए प्रशिक्षण शिविरों को आयोजित करने का उत्तरदायित्व भारतीय खेल प्राधिकरण को सौंपना चाहिए। भारतीय खेल प्राधिकरण को विभिन्न राष्ट्रीय/अन्तराष्ट्रीय खेल टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए संयुक्त विश्वविद्यालय टीम भी तैयार करनी होगी। यह ए.आई.यू. के निकट सहयोग के अनुसार करना होगा।

3.5.6 प्रत्येक वर्ष 300 छात्रों को 3600/- रुपये प्रति वर्ष के हिसाब से नई खेल छात्रवृत्तियाँ भी दी जाती हैं। इसके अलावा

वर्तमान छात्रवृत्तियों का नवीकरण भी किया जाता है बशर्ते कि धारक उपलब्धी का उच्च स्तर बनाये रखे। छात्रवृत्तियों का राज्य-वार विवरण परिशिष्ट “ज” में दिया गया है।

3.5.7 इस योजना के अंतर्गत दिए गए अनुदान का ब्यौरा परिशिष्ट “झ” में दिया गया है।

राष्ट्रीय खेल संघों की सहायता

3.6.1 ये स्वायत्त संगठन हैं जिन्हें अनेक खेल विधाओं में मान्यता दी गई है। 51 राष्ट्रीय खेल संघों (परिशिष्ट “झ”) को मान्यता प्राप्त है। इस योजना के अंतर्गत समर्थन और सहायता के उद्देश्य से भारतीय ओलम्पिक संघ के रूप में ही माना गया है।

3.6.2 खेल संघों को राष्ट्रीय चैम्पियनशिपों का आयोजन करने, अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में भाग लेने के लिए टीमों को तैयार करने हेतु प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करने और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंटों में उनकी टीमों के भाग लेने हेतु वित्तीय सहायता दी जाती है। राष्ट्रीय खेल संघों को खेल उपस्कर खरीदने के लिए भी विभाग द्वारा आर्थिक सहायता दी जाती है। संघ के संयुक्त/सहायक सचिव को भुगतान किए गए वेतन की प्रतिपूर्ति के रूप में सीमित सचिवालय सहायता भी दी जाती है।

3.6.3 विभाग द्वारा जारी की गई मार्गदर्शी रूपरेखाओं के अनुसार सहायता के अनुरोध पर कार्रवाई की जाती है। यह रूपरेखा 1988 में तैयार की गई थी। भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक की अध्यक्षता में मार्गदर्शी रूपरेखाओं की समीक्षा करने के लिए समिति गठित की गई है।

3.6.4 1991-92 वर्ष के दौरान संघों को 31.1.92 तक लगभग 378 लाख रुपये की सहायता दी गई है। इसमें सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम/खेल नयाचारों पर व्यय भी शामिल है। संघों के विदेशी प्रदर्शन/प्रमण के 47 प्रस्तावों को सरकारी खर्च पर और 111 प्रस्तावों को गैर सरकारी खर्च पर मंजूरी दी गई। इनका विवरण क्रमशः परिशिष्ट “ख” तथा “द” पर दिया गया है।

पुरस्कार राशि के जरिए स्कूलों में खेल-कूद को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहन योजना

3.7.1 यह योजना स्कूलों में खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 1986 में शुरू की गई थी। 10,000/- रुपये प्रत्येक उन माध्यमिक/उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को वार्षिक दिए जाते हैं जो एथलेटिक, हॉकी, बास्केटबाल, बालीबाल (लड़कों और लड़कियों के लिए) तथा फुटबाल (केवल लड़कों के लिए) की खेल विधाओं में भारतीय विद्यालय खेल संघ द्वारा आयोजित जिला अंतर-विद्यालय टूर्नामेंट जीतते हैं। इस प्रकार प्रत्येक जिले में स्कूलों को हर वर्ष अधिकतम 90,000/- रुपये दिए जाते हैं। घनराशि को खेलों के विकास जैसे खेल मैदानों का सुधार/निर्माण, खेल उपस्करों आदि की खरीद के लिए खर्च करना अनिवार्य है।

3.7.2 मूल कमी यह है कि सभी जिलों द्वारा सभी खेल विधाओं में टूर्नामेंट आयोजित नहीं किए जाते हैं। बड़ी संख्या में विद्यालय, विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों में, संसाधनों की कमी की वजह से भाग नहीं ले पाते हैं। संसाधनों की कमी की वजह से ही उनकी सभी 9 खेल विधाओं में टीमों नहीं हैं। महिला खेलों की स्थिति भी बहुत खराब है। इसका आंशिक कारण अनेक स्कूलों में महिला टीमों का न होना है।

3.7.3 इन बाधाओं के होते हुए भी योजना का विस्तार और अनुसरण स्कूलों को फुसला कर एवम् प्रेरित कर किया जा रहा है। योजना का अच्छा स्वागत हुआ है तथा इसे व्यापक सम्मान मिला है क्योंकि बुनियादी स्तर पर खेलों का विकास करना ही इसकी मुख्यता है। 214 लाख रुपये का अनुदान इस योजना के अंतर्गत वितरण के लिए 1991-92 में भारतीय खेल प्राधिकरण को दिया गया है।

अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक विजेताओं को नकद पुरस्कार

3.8.1 सभी खेल विधाओं, जो ओलम्पिक, एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में शामिल हैं, में विशिष्ट अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में पदक जीतने वालों को 50,000/- रुपये से 5 लाख रुपये तक की श्रेणी के पुरस्कार दिए जाते हैं। ये पुरस्कार शतंज तथा बिलियर्ड्स/सूकर में भी दिए जाते हैं।

3.8.2 इस पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य उपलब्धियाँ प्राप्त करने वालों को प्रोत्साहन तथा अन्य खेल मनोवृत्ति के युवाओं को प्रेरित करना है। इसका लक्ष्य उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सहायता प्रदान करना भी है ताकि वे अपने गौरव को बनाए रखें तथा खेल के क्षेत्र में और बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

3.8.3 ये पुरस्कार 1986 में शुरू किए गए। ये पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए खिलाड़ियों में प्रबल इच्छाशक्ति भरने का एक साधन है। अब तक 209.28 लाख रुपये की घनराशि पुरस्कार के रूप में दी गई

है। इसमें 39.62 लाख रुपये की धनराशि के पुरस्कार भी शामिल हैं जो 49 खिलाड़ियों को 12 जनवरी, 1992 को दिए गए हैं। इन 49 व्यक्तियों की सूची हर एक को दी गई धनराशि सहित परिशिष्ट "ख" में दी गई है।

खेल छात्रों/शोधकर्ताओं को यात्रा अनुदान

3.9.1 विदेशों में विशिष्ट प्रशिक्षण/अनुसंधान करने के लिए राष्ट्रीय खेल नीति, 1984 के संकल्प के अनुसरण में VIIवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान खेल छात्रों/अनुसंधान कर्ताओं को यात्रा अनुदान देने की योजना शुरू की गई। इस योजना का उद्देश्य खेल और शारीरिक शिक्षा के क्षेत्र में अनुसंधान और विकास को बढ़ावा देना है। इस योजना के अंतर्गत यह विभाग महत्वपूर्ण शैक्षणिक सम्मेलनों आदि में भाग लेने के लिए अंतर्राष्ट्रीय यात्रा के लिए हवाई भाड़ा भी देता है।

3.9.2 आरम्भ में इस योजना के प्रति प्रतिक्रिया बहुत अच्छी थी क्योंकि बड़ी संख्या में आवेदन पत्र विशेषकर खेल विषयों पर सेमिनारों से सम्बन्धित भ्रमण के लिए प्राप्त हुए थे। अब यह कम हो गए हैं। वर्ष 1990-91 के दौरान केवल 3 छात्रों ने और 1991-92 के दौरान फरवरी, 1992 तक केवल एक छात्र ने ही यह अनुदान प्राप्त किया है। योजना का क्षेत्र अकादमिक्स/कौशल उन्नत करने के लिए विदेशों में भ्रमण के लिए कोचों/अभ्यासों तक फैलाने के लिए विचारधारा है।

खिलाड़ियों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष

3.10.1 खिलाड़ियों और उनके परिवारों के लिए राष्ट्रीय कल्याण कोष की स्थापना 1982 में मुख्य-तौर पर विगत वर्षों के उत्कृष्ट खिलाड़ियों को सहायता देने के लक्ष्य से की गई थी, जिन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में देश को गौरव दिलाया लेकिन जो अब बदकिस्मती से दरिद्र अवस्था में रह रहे हैं तथा उन्हें वित्तीय सहायता की आवश्यकता है।

3.10.2 यह वित्तीय सहायता साधारणतया: 1500/- रुपये तक मासिक पेंशन के रूप में दी जाती है। चिकित्सा उपचार के लिए एक मुश्त अनुदान भी दिया जाता है।

3.10.3 उन खिलाड़ियों को भी, जिन्हें खेल प्रतियोगिताओं या प्रशिक्षण के दौरान भाग लेने पर गहरी और घातक चोट लगी है, को भी सहायता दी जाती है। युवा खिलाड़ियों को भी गम्भीर बीमारी होने पर सहायता दी जाती है।

3.10.4 1991-92 वर्ष के दौरान हमने फरवरी, 1992 तक 19 आवेदन पत्रों पर अनुकूल दृष्टि से विचार किया तथा 42 आवेदन पत्रों को स्वीकृत दी। 9 मामलों में पेंशन स्वीकृत की गई और शेष मामलों में एक मुश्त अनुदान दिया गया। अब वार्षिक व्यय लगभग 3.00 लाख रुपये है। फरवरी, 1992 तक 2,46,500/- रुपये खर्च किए गए हैं।

3.10.5 सरकार एक लाख रुपये का वार्षिक अनुदान देती है जो 1991-92 में बढ़ाकर 2.00 लाख रुपये कर दिया है। लगभग 37.00 लाख रुपये डाकघर में जमा किए गए हैं जिन पर 11.5 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से छमाही ब्याज प्राप्त होता है। कोष की दूसरी ओर कोई आय नहीं है।

3.10.6 कोष काफी हद तक खिलाड़ियों के प्रति अपने सामाजिक उत्तरदायित्व का पालन करने में सक्षम हुआ है। अनेक खिलाड़ियों और उनके परिवारों को धीरे-धीरे विपत्तियों और अवमानना से बचाया गया है। उन्होंने धनराशि की सहायता के प्रति अत्यधिक आभार प्रकट किया है। बड़ी संख्या में अब आवेदन-पत्र प्राप्त हो रहे हैं जिनमें अनेक अयोग्य आवेदन-पत्र भी शामिल हैं। उचित मामलों में सहायता करने के लिए नियमों में छूट भी दी गई है।

अर्जुन पुरस्कार

3.11.1 अर्जुन पुरस्कार अति विशिष्ट खिलाड़ियों को खेल क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान देने के लिए वर्ष 1961 में शुरू किए गए थे। पुरस्कार में अर्जुन की कांस्य प्रतिमा, एक स्क्रोल और 20,000/- रुपये की नकद धनराशि के अलावा एक मोनोग्राम और एक टाई भी प्रदान की जाती है।

3.11.2 पुरस्कारों के लिए नामांकन राष्ट्रीय खेल संघों द्वारा किया जाता है तथा इनका चयन विभाग द्वारा गठित चयन समिति द्वारा किया जाता है। इस पुरस्कार की पात्रता के लिए उम्मीदवार द्वारा पुरस्कार वर्ष और पुरस्कार वर्ष से पूर्व तीन वर्षों में लगातार राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया होना चाहिए तथा उनमें अनुशासन की उच्च भावना और खिलाड़ीपन और नेतृत्व के उत्कृष्ट गुण होने चाहिए।

3.11.3 अब तक 391 खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है। 10 अक्टूबर, 1991 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित समारोह में वर्ष 1989 के लिए 12 खिलाड़ियों को पुरस्कार दिए गए। इन खिलाड़ियों की खेल विद्या सहित सूची परिशिष्ट "ड" में दी गई है। चूँकि विभाग अर्जुन पुरस्कारों को वर्षवार देने में एक वर्ष पीछे रह गया है अतः यह निर्णय लिया गया है कि वर्ष 1990 और 1991 के पुरस्कार देने के लिए वर्ष 1992 में दो पुरस्कार समारोह आयोजित किए जाएं।

पांचवे एस.ए.एफ. खेल

3.12.1 पांचवे एस.ए.एफ. खेल कोलम्बो में 22-31 दिसम्बर, 1991 में आयोजित किए गए। 223 खिलाड़ियों/अधिकारियों का एक अभी तक का सबसे बड़ा दल पूरी सरकारी लागत पर वहां भेजा गया। ये खेल सार्क देशों के बीच दो वर्ष में एक बार आयोजित होते हैं।

3.12.2 भारत ने 164 पदक (64 स्वर्ण, 59 रजत, 41 कांस्य) जीते और पदक तालिका में सबसे ऊंचा स्थान प्राप्त किया। भाग लेने और जीते गए पदकों के बारे में खेल विद्या-वार व्यौरा “परिशिष्ट-प” में दिया गया है।

3.13 वर्ष 1991-92 के दौरान खेलों में विशिष्ट उपलब्धियों का वर्णन

एथलेटिक्स

- i) अक्टूबर, 1991 के दौरान कुआलालम्पुर में आयोजित 9वां एशियाई ट्रैक और फील्ड प्रतियोगिता में भारत ने दो स्वर्ण, 4 रजत, और 2 कांस्य पदक जीते।
- ii) सितम्बर, 1991 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित पांचवी अन्तर्राष्ट्रीय परमिट प्रतियोगिता में भारत ने 5 कांस्य पदक जीते।

तीरंदाजी

दिसम्बर, 1991 के दौरान कलकत्ता में आयोजित द्वितीय फेडरेशन का अन्तर्राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतियोगिता में भारत ने चैम्पियनशिप जीती।

केनोडिंग और क्याकिंग

नवम्बर, 1991 के दौरान ताक्यो में आयोजित एशियाई केनोई चैम्पियनशिप में श्री जोनी रोमल एस.ए.जी. प्रशिक्षार्थी ने 1000 मी. सी-1 में रजत पदक जीतकर देश को इस विद्या का पहला पदक दिलाया।

कैरम

अक्टूबर, 1991 के दौरान दिल्ली में आयोजित प्रथम विश्व कैरम चैम्पियनशिप में भारतीय पुरुषों और महिलाओं ने वैयक्तिक और टीम चैम्पियनशिप जीती।

शतरंज

श्री विश्वनाथ आनन्द ने जनवरी, 1992 के दौरान इटली में आयोजित एक अति महत्वपूर्ण अन्तर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट जीतकर ऐतिहासिक सफलता प्राप्त की।

क्रिकेट (पुरुष)

आस्ट्रेलिया में आयोजित भारत-आस्ट्रेलिया टैस्ट श्रृंखला के दौरान श्री कपिल देव ने 400 टैस्ट विकेट प्राप्त करके विश्व के ऐसे द्वितीय खिलाड़ी तथा प्रथम भारतीय खिलाड़ी बने।

घुड़सवारी

1991 के दौरान जापान में आयोजित 8वीं एशियाई शो जम्पिंग प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने रजत पदक जीता।

हैंडबाल

अगस्त, 1991 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्र मण्डलीय जूनियर हैंडबाल प्रतियोगिता में भारतीय बालक और बालिका हैंडबाल टीम ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

हॉकी (पुरुष)

- i) जुलाई-अगस्त, 1991 के दौरान मलेशिया में आयोजित सुल्तान अजलम शाह हॉकी टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने भाग लिया और टूर्नामेंट जीता।
- ii) अक्टूबर 1991 के दौरान ऑकलैंड में आयोजित प्री-ओलम्पिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने भाग लिया और द्वितीय स्थान प्राप्त किया जिससे 1992 ओलम्पिक के लिए टीम अर्हता प्राप्त कर सकी।
- iii) जनवरी 1992 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित छठा इन्दिरा गांधी अन्तर्राष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट भारतीय टीम ने जीता।

जूडो

नवम्बर 1991 के दौरान जापान में आयोजित एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में श्री संदीप बयाला ने कांस्य पदक जीता।

शक्तितोलन

- i) जून, 1991 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित विश्व महिला शक्तितोलन चैम्पियनशिप में भारत टीम के रूप में तृतीय रहा।
- ii) सितम्बर, 1991 के दौरान आबिदजान में आयोजित 9वीं विश्व जूनियर शक्तितोलन चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने एक रजत और दो कांस्य पदक जीते।

टेनिस

श्री लिंडर पाइस ने सितम्बर, 1991 के दौरान अमेरिका में आयोजित जूनियर यू.एस. ओपन टेनिस चैम्पियनशिप जीता।

भारोत्तोलन

- i) अगस्त, 1991 के दौरान कार्डिफ में आयोजित सिल्वर ड्रैगन इंटरनेशनल भारोत्तोलन प्रतियोगिता में भारतीय पुरुष टीम ने 3 स्वर्ण पदक जीते।
- ii) अगस्त, 1991 के दौरान इंडोनेशिया में आयोजित चतुर्थ महिला और पांचवी पुरुष जूनियर एशियाई चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने 3 रजत पदक जीते।
- iii) सितम्बर-अक्टूबर, 1991 के दौरान जर्मनी में आयोजित पांचवी विश्व महिला भारोत्तोलन चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने रजत पदक जीता।

कुश्ती

- i) अक्टूबर, 1991 के दौरान न्यूजीलैंड में आयोजित चतुर्थ राष्ट्रमण्डल कुश्ती चैम्पियनशिप में भारतीय टीम ने 3 स्वर्ण, एक रजत और 5 कांस्य पदक जीते और 8 देशों में दूसरा स्थान प्राप्त किया।
- ii) अगस्त, 1991 के दौरान सोवियत संघ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कुश्ती टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने 7 रजत और 3 कांस्य पदक जीते।
- iii) सोवियत संघ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ग्रीको स्टाइल जूनियर कुश्ती टूर्नामेंट में भारतीय टीम ने एक रजत और एक कांस्य पदक जीता।

याटिंग

बम्बई में आयोजित विश्व एन्टरप्राइज चैम्पियनशिप भारतीय टीम ने जीता।

अक्टूबर, 1991 के दौरान हांगकांग में आयोजित छठी एशियाई रिगेटा चैम्पियनशिप में भारत ने एक स्वर्ण और एक रजत पदक जीता।

भारतीय खेल प्राधिकरण

3.14.1 भारत सरकार द्वारा भारतीय खेल प्राधिकरण की स्थापना 16 मार्च 1984 को पंजीकृत सोसायटी के रूप में देश में खेल-कूद के संवर्धन तथा दिल्ली में एशियाई खेल 1982 के लिए सृजित अन्य खेल सुविधाओं और विभिन्न बुनियादी सुविधाओं के उचित प्रयोग, प्रबन्ध और अनुरक्षण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई थी।

3.14.2 भारतीय खेल प्राधिकरण के निम्नलिखित चार कार्यात्मक विंग हैं जिनके कार्य के विशेष क्षेत्र हैं:-

- प्रशिक्षकों के प्रशिक्षण तथा खेलों में आर.एण्ड.डी. के लिए शैक्षणिक विंग, जो एन.एस.एन.आई.एस. पटियाला में स्थित है;
- शारीरिक शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा में आर.एण्ड.डी. के लिए शैक्षणिक विंग है। यह लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कालेज, ग्वालियर और त्रिवेन्द्रम में स्थित है;
- सामान्य खेल संवर्धन तथा युवा प्रतिभाशालियों का पता लगाने तथा उनका पोषण करने के लिए संचालन विंग; और
- लक्ष्यबद्ध अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए विशिष्ट विधाओं में विशिष्ट खिलाड़ियों तथा राष्ट्रीय टीमों के दीर्घकालीन प्रशिक्षण के लिए टीम विंग (विशिष्ट एथलीट प्रशिक्षण और प्रबन्ध सहायता)।

3.14.3 1987 में नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला के क्षेत्रीय केन्द्र का पुनर्गठन किया गया था। देश के विभिन्न क्षेत्रों में खेल संवर्धन कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन और समन्वय को सुनिश्चित करने के लिए अब भारतीय खेल प्राधिकरण के छः क्षेत्रीय केन्द्र बंगलौर, गांधीनगर, कलकत्ता, पटियाला, दिल्ली (अस्थायी लखनऊ में होगा) और इम्फाल में स्थापित किए गए हैं। बंगलौर का दक्षिणी केन्द्र रूस और सोवियत संघ के अन्य गणराज्यों तथा अमेरिका के सहयोग से उत्कृष्टता के केन्द्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

भारतीय खेल प्राधिकरण के दो उप-केन्द्र भी हैं — उत्तर-पूर्वी केन्द्र के अंतर्गत गुवाहाटी तथा पश्चिमी केन्द्र के अंतर्गत औरंगाबाद/शिलारू (शिमला के निकट) में ऊँचे स्थान पर प्रशिक्षण प्रदान करने वाला केन्द्र भी बनाया जा रहा है।

3.14.4 प्रत्येक क्षेत्रीय केन्द्र का प्रभार एक निदेशक के हाथ में होता है। प्रत्येक क्षेत्र में भारतीय खेल प्राधिकरण तथा केन्द्रीय सरकार की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में निरीक्षण करने और सलाह देने के लिए सलाहकार समिति है। केन्द्रों की कार्यप्रणाली को सुधारने और मामलों के शीघ्र निपटाने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण ने अपनी विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों की प्रक्रियाओं का विकेन्द्रीकरण किया है। अपने क्षेत्र की विभिन्न योजनाओं के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए क्षेत्रीय निदेशकों को उत्तरदायी बनाने के लिए उनके "डेलेगेशन ऑफ पावर्स" को 1988 में संशोधित किया।

3.14.5 बंगलौर, कलकत्ता तथा गांधीनगर के क्षेत्रीय केन्द्र खिलाड़ियों को प्रशिक्षण देना, और प्रशिक्षक (कोच) बनाने के अलावा प्रतिभाशाली छोटे बच्चों की भी प्रशिक्षण प्रदान करते हैं। क्षेत्रीय केन्द्र राज्य, क्षेत्र तथा राष्ट्रीय स्तर की खेल प्रतियोगिताएं एवं कोचिंग शिविर आयोजित करने वाले केन्द्र बन गये हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान इन केन्द्रों में ऐसी अनेक प्रतियोगिताएं तथा शिविर आयोजित किए गए थे। इसके अतिरिक्त इन केन्द्रों में चरणबद्ध रूप में खेल सुविधाओं का निर्माण किया जा रहा है। हाल ही में प्रारम्भ की गई अनेक सुविधाएं पहले ही पूरी कर ली गई हैं और उनका उपयोग शुरू हो गया है अथवा शुरू होने वाला है।

3.14.6 भारतीय खेल प्राधिकरण के पास अनेक खेल योजनाएं/कार्यक्रम हैं जैसे — राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता (एन.एस.टी.सी.) विशेष क्षेत्र खेल छात्रावास योजना, राष्ट्रीय प्रशिक्षण योजना आदि। साथ ही साथ प्राधिकरण कई केन्द्रीय खेल योजनाओं जैसे — खेल परियोजना विकास क्षेत्र योजना (एस.पी.डी.ए.), छात्रवृत्ति योजना, महिलाओं में खेलों के संवर्धन, अखिल भारतीय ग्रामीण खेल योजनाएं आदि — के क्रियान्वयन के लिए भी उत्तरदायी है।

एन.एस.टी.सी., एस.ए.जी. खेल छात्रावास जैसी योजनाओं ने पहले से ही उत्साहवर्धक परिणाम दर्शाने प्रारम्भ कर दिये हैं।

झलकियाँ

3.14.7 वर्ष 1991-92 के दौरान अनेक उपलब्धियाँ/कार्यकलाप हुए। संक्षेप में इनका विवरण निम्नप्रकार है:-

नीति और आयोजन

— भारतीय खेल प्राधिकरण का 1991-92 का बजट आबंटन योजनागत: 26.78 करोड़ रुपये और योजनेतर: 13.30 करोड़ रुपये।

- भारतीय खेल प्राधिकरण के शासी निकाय की 27 जनवरी, 92 को बैठक हुई।
- भारतीय खेल प्राधिकरण की वित्त समिति की 28 जनवरी, 92 को बैठक हुई।
- जून, 1991 में क्षेत्रीय स्तर पर आयोजित राज्यों/संघ प्रदेशों के खेल निदेशकों का सम्मेलन।
- भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा लगभग 60 नयाचारों/सांस्कृतिक आदान-प्रदानों का क्रियान्वयन।

नये प्रयास

- भारतीय खेल प्राधिकरण के 17वें खेल छात्रावास का कालीकट में 7 सितम्बर, 91 को उद्घाटन किया गया।
- दिसम्बर, 91 तक 23 एस.पी.डी.ए. केन्द्र शुरू हो गये हैं।
- सेना में “बायज स्पोर्ट्स कम्पनियाँ बनाने की एक योजना प्रारम्भ की गई है। दिसम्बर, 1991 तक 8 केन्द्रों ने कार्य प्रारम्भ कर दिया है।
- प्रामोण खेल टूर्नामेंट का नाम बदलकर “डा. बी.आर. अम्बेडकर टूर्नामेंट” रखा गया है।

भारतीय खेल प्राधिकरण की योजनागत योजनाएं तथा केन्द्रीय योजनाएं

- | | |
|--|---|
| एन.एस.टी.सी. | — अब तक 66 विद्यालयों को अंगीकार किया जा चुका है तथा दिसम्बर, 91 तक 1217 प्रशिक्षुओं को इन विद्यालयों में प्रवेश दिया जा चुका है। |
| खेल छात्रावास | — भारतीय खेल प्राधिकरण के पास 17 खेल छात्रावास हैं जिनमें 742 छात्र रहते हैं। |
| एस.पी.डी.ए. | — 23 एस.पी.डी.ए. केन्द्र हैं जिनमें 576 प्रशिक्षु हैं। |
| सेना में बायज कम्पनियाँ | — 8 केन्द्र हैं जिनमें 271 लड़के हैं। |
| राष्ट्रीय कोचिंग योजना | — दिसम्बर, 91 तक प्रशिक्षकों की कुल संख्या 1600 है। |
| डा. बी.आर. अम्बेडकर टूर्नामेंट (1991-92) | — 3 समूहों में 13 खेल विद्यालयों में आयोजित आयोजित करा गया टूर्नामेंट निम्नलिखित हैं:- |

समूह i रुऊरकेला (उड़ीसा) 2-5 जनवरी, 92

ii सोनीपत (हरियाणा) 21-25 जनवरी, 92

iii लखनऊ (उ.प्र.) 16-19 फरवरी, 92

महिलाओं के लिए खेल समारोह (1991-92)

समूह i इराडे (तमिलनाडु) 30 जनवरी-2 फरवरी, 1992

ii भारतीय खेल प्राधिकरण दक्षिण केन्द्र बंगलूर, 1-4 फरवरी, 1992

उत्तरी-पूर्वी क्षेत्र के लिए खेल समारोह इम्फाल — 25-29 फरवरी, 92

खेल अकेडेमिक्स

कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम (1991-92)

दिसम्बर, 91 तक विद्यार्थियों की संख्या

— 445

1990-91 तक एन.आई.एस. डिप्लोमा उन्नोत करने वाले व्यक्तियों की संख्या — 9992

मास्टर्स पाठ्यक्रम (1991-92)

विद्यार्थियों की संख्या

— 10

भारतीय खेल प्राधिकरण तथा केन्द्र सरकार की प्रमुख योजनाएं

राष्ट्रीय खेल प्रतिभा खोज प्रतियोगिता योजना

3.14.8.1 यह योजना 1985 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य 9-12 वर्ष की आयु समूह के स्कूलों बच्चों में खेल प्रतिभाओं का पता लगाना और उनका खेल प्रतियोगिताओं में उपलब्धियाँ प्राप्त करने के लिए पोषण करना है। “प्रतिभा खोज प्रतियोगिताओं” के माध्यम से एथलेटिक, बैडमिन्टन, बास्केटबाल, जिम्नास्टिक, हॉकी, फुटबाल, तैराकी, टेबल टेनिस, कुस्ती और वालीबाल जैसे 10 खेल विद्यालयों में प्रतिभाओं का पता लगाया जाता है। इन प्रतियोगिताओं में बुद्धि परीक्षण टेस्ट होता है। ये प्रतियोगिताएं तालुका और जिला स्तर पर तथा अंत में राष्ट्रीय स्तर पर प्रति वर्ष आयोजित की जाती हैं। इस प्रकार चुने हुए बच्चों को भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अंगीकृत स्कूलों में प्रवेश दिया जाता है जहाँ उनके भोजन, आवास तथा ट्यूशन फीस का भुगतान भारतीय खेल प्राधिकरण करता है। भारतीय खेल प्राधिकरण खेल संबंधी बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए स्कूलों को

प्रशिक्षक और वित्तीय सहायता भी उपलब्ध कराता है। योजना के संचालन की देखरेख एक शक्ति प्राप्त समिति द्वारा की जाती है।

3.14.8.2 रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान तालुका और जिला स्तरीय प्रतियोगिताएं अगस्त/सितम्बर, 91 में तथा क्षेत्रीय स्तरीय प्रतियोगिताएं नवम्बर, 91 में आयोजित की गई थी।

3.14.8.3 भारतीय खेल प्राधिकरण के 66 अंगीकृत विद्यालयों में दिसम्बर, 91 तक कुल 1217 एन.एस.टी.सी. (840 लड़के + 337 लड़कियाँ) प्रशिक्षु थे।

3.14.8.4 भारतीय खेल प्राधिकरण के अंगीकृत विभिन्न स्कूलों के एन.एस.टी.सी. प्रशिक्षुओं को विभिन्न राज्य/राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लेने का मौका दिया जाता है। इस वर्ष के दौरान एन.एस.टी.सी. प्रशिक्षुओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। उनकी उपलब्धियों का विवरण **परिशिष्ट "फ"** पर दिया गया है।

विशेष क्षेत्र खेल योजना

3.14.9.1 विशेष क्षेत्र खेलों के संवर्धन की योजना भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा उस समय बनाई गई थी जब VIIवीं पंचवर्षीय योजना (1985-90) बनाई जा रही थी। इसका उद्देश्य देश के आदिवासी, दुर्गम, ग्रामीण तथा समुद्र तटवर्ती क्षेत्रों से आधुनिक प्रतियोगितात्मक खेलों के लिए प्राकृतिक प्रतिभाओं का पता लगाना और उनका पोषण करना था। इस योजना में देशी खेलों तथा मार्शल कला में पारंगत व्यक्तियों में से आधुनिक खेलों के लिये प्रतिभा चयन और उन क्षेत्रों से प्रतिभाओं का पता लगाने की ओर भी ध्यान दिया गया है जो या तो आनुवांशिक रूप से अथवा भौगोलिक दृष्टि से किसी विशेष खेल विद्या में उत्कृष्टता प्राप्त के लिए लाभप्रद हैं।

3.14.9.2 चयनित प्रतिभाओं का विशेषज्ञों की निगरानी में एक मूल्यांकन से कोचिंग शिविर होता है। इस प्रकार से अंतिम रूप में चुनी हुई प्रतिभाओं को दीर्घकालीन प्रशिक्षण हेतु "एस.ए.जी." के 11 केन्द्रों में से किसी एक केन्द्र में प्रवेश दिया जाता है जो किसी विशेष खेल विद्या के लिए होता है। ये केन्द्र दिल्ली (तैरदाजी, फुटबाल, साइक्लिंग तथा फैंसिंग के लिए), आइजोल और इम्फाल (मुक्केबाजी, कुश्ती और जूडो के लिए), राँची (हॉकी), बंगलौर, गाँधीनगर और शिलारू (एथलेटिक्स के लिए), माउण्ट आबू (हाइट हंट के अंतर्गत चुने गए खिलाड़ी), पोर्ट ब्लेयर और एल्लेपी (नौकायन, कनोइंग और क्याकिंग के लिए) तथा तेल्लीचेरी (जिम्नास्टिक्स) में स्थित हैं।

3.14.9.3 विभिन्न परियोजनाओं के अंतर्गत प्रशिक्षण पा रहे प्रशिक्षुओं ने कनोइंग/क्याकिंग में राष्ट्रीय तथा अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में सराहनीय प्रदर्शन दिखाया है। एस.ए.जी. प्रशिक्षुओं को प्रमुख उपलब्धियों का वर्णन **परिशिष्ट "ह"** में किया गया है।

राष्ट्रीय कोचिंग योजना

3.14.10.1 यह योजना विभिन्न प्रयोक्ता एजेंसियों द्वारा कोचों की आवश्यकता पूरी करती है। इस योजना के अंतर्गत राज्य/संघ प्रदेशों को क्षेत्रीय कोचिंग केन्द्रों (आर.सी.सी.), जिला कोचिंग केन्द्रों (डी.सी.सी.), यूनिवर्सिटी फील्ड स्टेशनों (यू.एफ.एस.) तथा साथ ही भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केन्द्रों, शैक्षिक विंग, गृह प्रशिक्षण केन्द्रों जैसे खेल छात्रावास, एस.ए.जी. केन्द्रों, भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा अंगीकृत स्कूलों आदि को प्रशिक्षक (कोच) उपलब्ध कराये जाते हैं। कोचिंग शिविर तथा टूर्नामेंट आदि आयोजित करने के लिए राष्ट्रीय खेल संघों/एसोसिएशनों को भी प्रशिक्षक उपलब्ध कराये जाते हैं।

3.14.10.2 दिसम्बर, 91 तक प्रशिक्षकों की कुल संख्या 1600 है।

खेल छात्रावास योजना

3.14.11.1 खेल छात्रावास योजना का प्रारम्भ भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा 7वीं पंचवर्षीय योजना के एक भाग के रूप में किया गया था। इसका उद्देश्य राज्य स्तरीय प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को अध्ययन-कार्य और खेल साथ-साथ जारी रखने में सहायता करना है जिसका पारस्परिक लाभ उनके स्वयं और टीम उत्कृष्टता के विकास के लिए मिल सके। इस योजना के अंतर्गत सर्बाधिकतम राज्य/संघ प्रदेश को केवल अग्रज सुविधा उपलब्ध करानी होती है जहाँ 50 लड़के और 25 लड़कियाँ रह सके। फर्नीचर तथा फिटिंग, आवास, मानक उपकरणों, पर होने वाला व्यय, प्रशिक्षकों की तैनाती आदि पर होने वाला आवर्ती व्यय भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाता है।

3.14.11.2 इस वर्ष के दौरान 7 सितम्बर, 91 को कालीकट (केरल) में भारतीय खेल प्राधिकरण के 17वें खेल छात्रावास

का उद्घाटन किया गया था। इस प्रकार आज की तिथि में 17 खेल छात्रावास हैं जिनमें कुल 742 खिलाड़ी हैं। विवरण परिशिष्ट “ब” में दिया गया है।

खेल परियोजना विकास क्षेत्र (एस.पी.डी.ए.) योजना

3.14.12.1 एस.पी.डी.ए. योजना 1987-88 में कार्यान्वयन हेतु मंजूर की गई थी जिसका उद्देश्य सुपरिचित माहौल में प्रतिभाओं का पोषण करना है। इस परियोजना में राज्य के 80-100 ब्लकों के प्रत्येक भौगोलिक क्षेत्र को लेकर खेल परियोजना विकास क्षेत्र बनाये गये हैं। एस.पी.डी.ए. केन्द्र खोलने के लिए सारे देश को 78 परियोजनाओं में बाँटा गया है। प्रत्येक क्षेत्र में एक केन्द्र स्थापित किया जाएगा। जहाँ खेल काम्पलेक्स बनाने के ऊपर प्रत्येक केन्द्र में एक करोड़ रुपये खर्च होंगे।

3.14.12.2 78 परियोजनाओं का राज्यवार विवरण परिशिष्ट “भ” पर देखा जा सकता है हालाँकि एस.पी.डी.ए. केन्द्रों का अनुमोदन 1987-88 में हो गया था लेकिन उन्होंने कार्य करना जून, 1991 से ही प्रारम्भ किया। आज की तिथि में 23 एस.पी.डी.ए. केन्द्र हैं जिनमें 576 प्रशिक्षु हैं। इनका विवरण परिशिष्ट “भ” में दिया गया है।

सेना में “बाँयज स्पोर्ट्स कम्पनियों” बनाने की योजना

3.14.13.1 भारतीय खेल प्राधिकरण के शासी निकाय ने 18 जनवरी, 1991 को आयोजित अपनी बैठक में 1991 के सत्र से कार्यान्वयन हेतु योजना का अनुमोदन किया। इस योजना के अंतर्गत जो कि एन.एस.टी.सी. योजना का व्यापक रूप है, सेना में सेना मुख्यालय के सहयोग से 17 बाँयज कम्पनियाँ बनाई जाएंगी जिनमें 8वीं पंचवर्षीय योजना के मध्य तक अधिक से अधिक 2,000 लड़कों को भर्ती किया जाएगा। प्रतिभाओं का चयन मुख्यतः ग्रामीण, आदिवासी, अर्द्ध-शहरी क्षेत्रों से किया जाता है तथा चयन के पश्चात् इन लड़कों को रेजीमेंटल सेन्टरों में प्रवेश दिया जाता है जो सी.बी.एस.ई. स्कूलों के साथ सम्बद्ध होते हैं। आधारभूत शिक्षा तथा सैन्य प्रशिक्षण के साथ-साथ उनके प्रशिक्षण का मुख्य बल खेल दक्षता (स्पेशियलाइजेशन) पर होता है ताकि 16 वर्ष पूर्ण होने पर उन्हें सेना में भर्ती किया जा सके।

3.14.13.2 इस योजना के अंतर्गत आवास, ट्यूशन फीस, कोचिंग आदि पर होने वाला व्यय भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा वहन किया जाता है। भारतीय खेल प्राधिकरण बुनियादी खेल सुविधाओं के निर्माण, अतिआवश्यक खेल उपकरणों की खरीद (3.00 लाख रुपये तक) तथा ट्रेनिंग किट/सामान (1.00 लाख रुपये तक) के लिए सैन्य प्राधिकरणों को एक मुफ्त अनुदान भी देगा। इसके पश्चात् इन बुनियादी खेल सुविधाओं के अनुरक्षण और उपकरणों की खरीद हेतु 50,000/- रुपए का वार्षिक अनुरक्षण अनुदान भी प्रदान किया जायेगा।

3.14.13.3 आज तक 8 केन्द्रों ने कार्य करना प्रारम्भ कर दिया है जिनमें कुल 271 लड़के हैं जिनका ब्यौरा परिशिष्ट “य” में दिया गया है।

छात्रवृत्ति योजनाएं

3.14.14.1 इस योजना के अंतर्गत प्रति वर्ष निम्नलिखित श्रेणियों में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं: -

श्रेणी	छात्रवृत्तियों की संख्या	वार्षिक धनराशि (प्रति वर्ष)
(i) एन.एस.ओ. कार्यक्रमों के अन्तर्गत	300	3600 रु.
(ii) राष्ट्रीय स्तर पर		
(क) खेल प्रतिभा खोज योजना	1200	2700 रु.
(ख) राज्य स्तर पर	2095	1800 रु.
(iii) महिलाओं में खेलों का संवर्धन		
(क) राष्ट्रीय चैम्पियन (महिलाएं)/अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिनिधित्व करने वाली महिलाएं	30	3600 रु.
(ख) एन.आई.एस. डिप्लोमा करने वाली महिलाएं	10	1500 रु.
(ग) पी.एच.डी./एम.फिल. करने वाली महिलाएं	5	1800 रु.

3.14.14.2 इन योजनाओं में एक वर्ष के लिए छात्रवृत्तियों के नवीकरण का भी प्रावधान है बशर्ते कि खिलाड़ी निरन्तर प्रगति करते रहें।

3.14.14.3 वर्ष 1991-92 के लिए विभिन्न श्रेणियों के अंतर्गत लगभग 12,000 आवेदन पत्र प्राप्त हुए हैं। छात्रवृत्ति चयन समिति के समक्ष रखने से पहले इन आवेदन पत्रों की जाँच और वर्गीकरण किया जा रहा है।

3.14.14.4 चालू वित्तीय वर्ष की समाप्ति से पहले ये छात्रवृत्तियाँ प्रदान कर दी जाएंगी।

डा. बी.आर. अम्बेडकर टूर्नामेंट

3.14.15.1 डा. बी.आर. अम्बेडकर जयन्ती समारोहों के उपलक्ष्य में अखिल भारतीय ग्रामीण खेल टूर्नामेंटों का नाम डा. बी.आर. अम्बेडकर टूर्नामेंट रखा गया है। वर्ष 1991-92 के डा. बी.आर. अम्बेडकर टूर्नामेंट निम्नलिखित सारणी के अनुसार 12 खेल विधाओं में आयोजित किये गये जिन्हें 3 समूहों में बाँटा गया है: -

समूह	स्थान	अवधि
I.	राऊरकेला (उड़ीसा)	2-5 जनवरी, 1992
II.	सोनीपत (हरियाणा)	21-25 जनवरी, 1992
III.	लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	16-19 फरवरी, 1992

उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए महिला खेल समारोह

3.14.16.1 उत्तर-पूर्वी क्षेत्र के लिए छठा महिला खेल समारोह 25-29 फरवरी, 1992 तक इम्फाल (मणिपुर) में आयोजित किया गया था।

खेल एकेडमिक्स

3.14.17.1 भारतीय खेल प्राधिकरण के दो शैक्षिक विंग हैं: -

- खिलाड़ियों को कोच बनने के लिए प्रशिक्षण देने तथा खेलों में अनुसंधान और विकास के लिए नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला, कलकत्ता, गाँधीनगर तथा बंगलौर में।
- शारीरिक शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा में अनुसंधान और विकास के लिए एल.एन.सी.पी.ई., ग्वालियर और त्रिवेन्द्रम में।

नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला

3.14.18.1 यह संस्थान निम्नलिखित पाठ्यक्रम चलाता है: -

- | | |
|-----------------------------------|-----------------------------|
| (i) कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम | (अवधि 10 माह) |
| (ii) मास्टर्स पाठ्यक्रम | (अवधि 22 माह) |
| (iii) प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम | (अवधि 6 सप्ताह) |
| (iv) खेल चिकित्सा में डिप्लोमा | (अवधि 1 वर्ष) |
| (v) पुनश्चर्चा पाठ्यक्रम | (सेवारत प्रशिक्षकों के लिए) |

3.14.18.2 संस्थान का खेल विज्ञान संकाय सम्बद्ध खेल विज्ञान तथा शारीरिक उपयुक्तता पर अनुसंधान करता है, विभिन्न खेलों में संभावित अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों पर "मेडिको-फिजियोलोजिकल टेस्ट" करता है और प्रशिक्षण एवं चयन के मापदण्ड निर्धारित करता है।

3.14.18.3 भारतीय खेल प्राधिकरण के गाँधीनगर, कलकत्ता तथा बंगलौर स्थित क्षेत्रीय केन्द्र भी कोचिंग में डिप्लोमा पाठ्यक्रम आयोजित करते हैं। 1991-92 के शैक्षिक सत्र के लिए सभी 4 केन्द्रों में डिप्लोमा पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए कुल 457 उम्मीदवारों को चुना गया था। इनमें 31 विदेशी विद्यार्थी शामिल हैं। दिसम्बर, 1991 के अंत तक सभी केन्द्रों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 445 थी। मास्टर्स पाठ्यक्रम में दिसम्बर, 1991 तक 10 विद्यार्थी थे।

3.14.18.4 "मास स्पोर्ट्स पार्टिसिपेशन कार्यक्रम" के अंतर्गत शारीरिक शिक्षा अध्यापकों तथा खेल-कूद में रुचि रखने वालों के लिए प्रति वर्ष 6 सप्ताह का एक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया जाता है। वर्ष 1991-92 के दौरान यह पाठ्यक्रम भारतीय खेल प्राधिकरण के ने.सु.रा.खे. संस्थान, पटियाला, इसके पूर्वी केन्द्र कलकत्ता, पश्चिमी केन्द्र गाँधीनगर तथा क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्र औरंगाबाद में 17 मई से 26 जून, 91 तक एक ही समय पर आयोजित किये गये। इसके साथ ही,

विद्यालयों/महाविद्यालयों की शारीरिक शिक्षा अध्यापिकाओं के लिए एक विशेष प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम आयोजित किया गया था। कुल मिलाकर 547 व्यक्तियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया।

3.14.18.5 नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान देश में अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो खिलाड़ियों को कोच बनने का प्रशिक्षण देता है। 1991-92 के सत्र तक इस संस्थान ने पटियाला तथा अन्य केन्द्रों पर विभिन्न खेल विधाओं में 9992 खिलाड़ियों को कोच के रूप में प्रशिक्षित किया।

लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, ग्वालियर और त्रिवेन्द्रम

3.14.19.1 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज ग्वालियर, जिसका एक क्षेत्रीय केन्द्र त्रिवेन्द्रम में है, शारीरिक शिक्षा तथा शारीरिक शिक्षा में अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में भारतीय खेल प्राधिकरण का एक भाग है। ल.रा.शा.शि. कॉलेज, ग्वालियर में निम्नलिखित अध्ययन-पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं: -

(i) शारीरिक शिक्षा में स्नातक	(बी.पी.ई.)	— 3 वर्ष
(ii) शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर	(एम.पी.ई.)	— 2 वर्ष
(iii) शारीरिक शिक्षा में स्नातकोत्तर	(ग्रीष्मकालीन)	—
(iv) शारीरिक शिक्षा में एम.फिल.		— 1 वर्ष
(v) समय से पहले सेवा-मुक्त सैनिकों के लिए दिग्विन्यास पाठ्यक्रम		— एक वर्ष में 4-4 माह के दो पाठ्यक्रम
(vi) डाक्टरेट कार्यक्रम की सुविधाएं	(पी.एच.डी.)	—

3.14.19.2 शैक्षिक सत्र 1991-92 के लिए बी.पी.ई.-I तथा एम.पी.ई.-I में दाखिलों को जुलाई, 1991 में अंतिम रूप दिया गया था तथा बी.पी.ई.-I में कुल 100 विद्यार्थियों (70 पुरुष - 30 महिलाएं) और एम.पी.ई.-I में 42 विद्यार्थियों (26 पुरुष + 16 महिलाओं) को प्रवेश दिया गया था। 1991-92 के दौरान समस्त पाठ्यक्रमों में विद्यार्थियों की कुल संख्या 380 (263 पुरुष + 117 महिलाएं) है।

3.14.19.3 लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कॉलेज, त्रिवेन्द्रम जिसका उद्घाटन 1985 में हुआ था, शारीरिक शिक्षा में स्नातक स्तर का 3 वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित करता है। 1991-92 के दौरान कुल 107 विद्यार्थी रोल पर थे जिनका विवरण निम्न प्रकार है:

बी.पी.ई.-I	—	37
बी.पी.ई.-II	—	38
बी.पी.ई.-III	—	32

3.14.19.4 1991 के सत्र तक इस कॉलेज से कुल 126 विद्यार्थियों ने स्नातक डिग्री उत्तीर्ण कर ली है।

राष्ट्रीय टीमों की तैयारी

3.14.20.1 भारतीय खेल प्राधिकरण का "टीम विंग" विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं के लिए राष्ट्रीय टीमों तैयार करने के प्रति उत्तरदायी है। टीमों तैयार करने के लिए संबंधित राष्ट्रीय संघ के परामर्श से एक विस्तृत प्रशिक्षण योजना बनाई जाती है तथा जहाँ संभव हो, खेल नयाचार/सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों को आमंत्रित किया जाता है। पुरुष/महिला खिलाड़ी अपने स्तर में सुधार ला सकें, इसके लिए कोचिंग शिविरों के दौरान समय-समय पर सम्पूर्ण मेडिकल तथा शारीरिक उपयुक्तता और कौशल परीक्षण आयोजित किये जाते हैं।

सामान्य

भारतीय खेल प्राधिकरण का शासी निकाय

3.14.21.1 भारतीय खेल प्राधिकरण के शासी निकाय की 16वीं बैठक सुश्री ममता बनर्जी, युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के शासी निकाय की उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में 27 जनवरी, 1992 को आयोजित की गई।

भारतीय खेल प्राधिकरण की वित्तीय समिति

3.14.21.2 भारतीय खेल प्राधिकरण की वित्तीय समिति की 22वीं बैठक तात्कालीन वित्त सदस्य तथा भारतीय खेल

प्राधिकरण की वित्त समिति के उपाध्यक्ष श्री जी.एन. टण्डन की अध्यक्षता में 28 अगस्त, 1991 को आयोजित की गई।

प्रमुख परियोजनाओं की शक्ति प्रदत्त समीति

3.14.21.3 भारतीय खेल प्राधिकरण की प्रमुख परियोजनाओं की शक्ति प्रदत्त समीति की चौथी केन्द्रीय मानव संसाधन राज्य मंत्री तथा भारतीय खेल प्राधिकरण के शासी निकाय के उपाध्यक्ष की अध्यक्षता में 3 जनवरी, 1991 को आयोजित की गई।

राज्यों/संघ प्रदेशों के खेल निदेशकों का सम्मेलन

3.14.21.4 भारतीय खेल प्राधिकरण तथा केन्द्रीय सरकार की विभिन्न खेल योजनाओं के कार्यान्वयन की समीक्षा करने के लिए राज्यों/संघ प्रदेशों के खेल निदेशकों का एक सम्मेलन प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान क्षेत्र-वार आयोजित बैठकों का विवरण निम्न प्रकार है: -

क्षेत्र	स्थान	दिनांक
दक्षिण भारत के राज्य/संघ प्रदेश	भारतीय खेल प्राधिकरण, दक्षिण क्षेत्र, बंगलौर	5 जून, 1991
उत्तर-भारत के राज्य/संघ प्रदेश	चण्डीगढ़	13 जून, 1991
पूर्वी भारत के राज्य/संघ प्रदेश	कलकत्ता	21 जून, 1991
पश्चिम/मध्य भारत के राज्य/संघ प्रदेश	गोवा	21 जून, 1991

इन सम्मेलनों में हुई परिचर्चाओं की अध्यक्षता भारतीय खेल प्राधिकरण के महानिदेशक द्वारा की गई। समीक्षा बैठकों का अगला दौर जनवरी-फरवरी, 1992 में होगा।

खेल नयाचार/सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम

3.14.22.1 युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के पास लगभग 60 खेल नयाचार तथा सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हैं जो विभिन्न देशों के साथ कार्यान्वयनाधीन हैं। खेल नयाचारों/सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों में पारस्परिक सहमति वाले क्षेत्रों में खिलाड़ियों प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों, उपस्करों, खेल साहित्य आदि के आदान-प्रदान वाली विभिन्न मदें शामिल होती हैं। कार्यक्रमों का कार्यान्वयन कुल मिलाकर आम सहमति के कार्यक्रमों के अनुसार किया जा रहा है।

विदेशी प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों की भारत यात्रा

3.14.22.2 1991 के दौरान नयाचार/सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रमों तथा अन्य कार्यक्रमों के अंतर्गत रूस, चीन, अमेरिका, जापान, कोरिया के विशेषज्ञों/प्रशिक्षकों ने भारत की यात्रा की। इन विशेषज्ञों की भारत यात्राओं का हमारे प्रशिक्षुओं ने बहुत अच्छे ढंग से उपयोग किया है। 1991 के दौरान जिन विशेषज्ञों ने भारत की यात्रा की उनका विवरण परिशिष्ट "र" में दिया गया है।

भारतीय विशेषज्ञों/प्रशिक्षकों की विदेश यात्रा

3.14.22.3 एक सामान्य फुटबाल फील्ड को सिंथेटिक हॉकी फील्ड में बदलने के लिए तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने हेतु भारतीय खेल प्राधिकरण की टीम ने इण्डो-सेइवेल्लिस सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के अंतर्गत 14-26 मई, 1991 तक सेइवेल्लिस की यात्रा की।

3.14.22.4 नामिबिया में एक राष्ट्र व्यापी स्कूल हॉकी कार्यक्रम बनाने तथा कार्यान्वित करने के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण के एक हॉकी प्रशिक्षक ने छह माह की प्रतिनियुक्ति पर नामिबिया की यात्रा की।

3.14.22.5 भारतीय खेल प्राधिकरण ने निम्नलिखित विशेषज्ञों/प्रशिक्षकों को भूटान सरकार के अनुरोध पर उनके शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों को प्रशिक्षण देने के लिए 3 सप्ताहों (5 से 23 अगस्त, 1991 तक) के लिए भूटान भेजा गया था: -

- (i) डा. राजेन्द्र सिंह, शारीरिक शिक्षा विशेषज्ञ
- (ii) श्री एच.एस. रंधावा, एथलेटिक प्रशिक्षक
- (iii) डा. मोटू देबनाथ, जिम्नास्टिक प्रशिक्षक

प्रकाशन

3.14.23.1 इस वर्ष के दौरान निम्नलिखित प्रकाशन निकाले गये: -

- (i) एन.आई.एस. वैज्ञानिक पत्रिका
- (ii) एन.आई.एस. समाचार बुलेटिन
- (iii) एन.आई.एस. सांख्यिकी बुलेटिन
- (iv) हर्बर्ट धनराज द्वारा लिखित पुस्तक "मोर्डन वॉलीबाल"
- (v) भारतीय खेल प्राधिकरण के मासिक सूचना पत्र का 10वाँ, 11वाँ, 12वाँ तथा 13वाँ अंक
- (vi) शारीरिक शिक्षा तथा खेल विज्ञान पत्रिका
- (vii) भारतीय खेल प्राधिकरण की 1989-90 की वार्षिक रिपोर्ट।

प्रदर्शनियाँ

3.14.24. भारतीय खेल प्राधिकरण ने "आधुनिक भारत के मूल्यों" विषय पर 14-30 नवम्बर, 1991 तक नई दिल्ली के तीन मूर्ति भवन में आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में भाग लिया जिसका उद्देश्य खेलों के माध्यम से टीम कार्य, दृढ़ निश्चय और साहस का प्रदर्शन करना था। भारतीय खेल प्राधिकरण ने खेल सामग्री तथा उपस्करों की शानदान प्रदर्शनी लगाई। प्रदर्शनी में भारतीय खेल प्राधिकरण के भारतीयम तथा खेल-जगत में खिलाड़ियों की उत्कृष्टता जैसे चित्र, श्रव्य तथा दृश्य कार्यकलापों की प्रस्तुति भी दर्शाई गई।

अंतर्राष्ट्रीय सहयोग

सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम/खेल नयाचारों/भारत अमेरिका उप कमीशन

4.1 गत वर्ष के दौरान सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रमों/खेल नयाचारों के अन्तर्गत अन्य देशों विशेषतः सोवियत संघ, चीन और क्यूबा अंतर्राष्ट्रीय विनिमयों के उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसके परिणाम स्वरूप हमारे खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने हेतु विभिन्न विषयों में कोच/विशेषज्ञ प्राप्त हुए।

(क) सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम

विभिन्न देशों के साथ चल रहे आदान-प्रदान कार्यक्रमों के कार्यान्वयन के अलावा इस विभाग ने अफगानिस्तान, बेल्जियम, फ्रांस, कुवैत, मालदीव, मौरिया, जाम्बिया, तंजानिया, हंगरी, मंगोलिया, जॉर्डन आदि जैसे अन्य देशों के साथ 1991-94 के लिए नए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम के कार्यान्वयन में रूचि ली है।

(ख) खेल नयाचार

चीन, तत्कालीन सोवियत संघ, क्यूबा और मारोशम जैसे देशों के साथ वर्तमान खेल नयाचारों के कार्यान्वयन की प्रगति संतोषजनक रही है। राष्ट्रमंडल के स्वतन्त्र राज्यों के साथ नये नयाचारों पर बातचीत चल रही है। 1992-93 के लिए जापान, जर्मनी और चीन के साथ नए खेल नयाचारों के प्रस्तावों को भी अंतिम रूप दिया जा रहा है।

भारत-सोवियत खेल नयाचार 1991 के अंतर्गत हमने एथलेटिक्स, रोइंग, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी, कुश्ती आदि में सोवियत प्रशिक्षकों/विशेषज्ञों की सेवाओं में लाभ प्राप्त किया है।

(ग) भारत-अमेरिका उप आयोग कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अंतर्गत खेल मनोविज्ञान में अमेरिकी विशेषज्ञ श्री जाफरी सीमोनस ने 17.1.1991 से 1.2.91 तक भारत का दौरा किया तथा हमारे खिलाड़ियों को गहन प्रशिक्षण दिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत उच्चतर अध्ययन करने के लिए श्री अरविन्द वर्मा ने अमेरिका विश्वविद्यालय में प्रवेश के लिए अमेरिका प्रस्थान किया।

(घ) लगातार सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम/खेल नयाचार

i) **खेल नयाचार** : 3 देशों, अर्थात् क्यूबा, चेकोस्लोवाकिया और मारोशस के साथ।

ii) **सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम** : 23 देशों, अर्थात् अफगानिस्तान, आस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, बेल्जियम, बुल्गारिया, क्यूबा, चेकोस्लोवाकिया, मिश्र, एफ.आर.जी., फिनलैंड, दक्षिण कोरिया, कुवैत, मालदीव, मारोशस, पाकिस्तान, पोलैंड, पुर्तगाल, नीदरलैंड, सेचिल्लीस, युगोस्लाविया, स्पेन और टुनिशिया के साथ।

iii) नए सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम : 11 देशों, अर्थात्

घाना, सीरिया, जाम्बिया, तंजानिया, हंगरी, पेरू, डी.पी.आर. कोरिया, कोलम्बिया, उगांडा, मंगोलिया और जोर्डन के साथ।

iv) नए खेल नयाचार : 3 देशों, अर्थात्

चीन, सोवियत संघ और युगोस्लाविया के साथ।

राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम

4.2.1 राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम (सी.वाई.पी.) की स्थापना का प्रस्ताव पहली बार 1969 में राष्ट्रमण्डल-शासनाध्यक्षों की बैठक में रखा गया था। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ 1974 में हुआ जिसका समग्र उद्देश्य राष्ट्रमण्डल देशों के पुरुषों और महिलाओं के विकास का संवर्धन करना था।

4.2 राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम के प्रमुख लक्ष्य निम्नलिखित हैं:-

- (i) राष्ट्रीय विकास की प्रक्रिया में युवाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहन तथा सहयोग देना;
- (ii) युवाओं द्वारा अपने समाज के आर्थिक सामाजिक तथा सांस्कृतिक विकास में दिए गये सहयोग को मान्यता प्रदान करना;
- (iii) उत्पादक कार्यकलापों का व्यापक अर्थ में संवर्धन करना, जिससे कि बेरोजगारी को दूर किया जाये और इसके दुष्प्रभावों को कम किया जाये
- (iv) युवाओं में अन्तर्राष्ट्रीय समझ-बूझ बढ़ाने के लिए अवसर उपलब्ध कराना;
- (v) उपर्युक्त उद्देश्यों को पूरा करने वाले कार्यकलापों का संवर्धन तथा प्रोत्साहन

4.2.3 उपर्युक्त उद्देश्यों की प्राप्ति के लिए निम्नलिखित कार्यकलाप राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम की मूल कार्य पद्धति का निर्माण करते हैं:-

- (i) प्रशिक्षण — इसमें युवाओं और विकास कार्यकर्ताओं के लिए डिप्लोमा स्तरीय पाठ्यक्रम, लघु पाठ्यक्रम तथा दूर शिक्षा कार्यक्रम शामिल हैं।
- (ii) युवा परियोजनाओं को सहायता — सीड फंडिंग तथा तकनीकी सहायता द्वारा
- (iii) प्रकाशन — प्रशिक्षण सामग्री, नीतिगत दस्तावेज, सूचना पत्र और युवा तथा युवा कार्य सम्बद्ध सूचना को इसमें सम्मिलित किया गया है।
- (iv) युवाओं का आदान-प्रदान — जिससे कि युवा लोग विभिन्न देशों और संस्कृतियों का अनुभव कर सकें;
- (v) अध्ययन-छात्रवृत्ति — विभिन्न देशों में युवा कार्य अधिकारियों को रुचिकर क्षेत्रों का अध्ययन करने के लिए सहायता देना।

4.2.4 राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम का मुख्यालय राष्ट्रमण्डल सचिवालय, लंदन में स्थित है। इसके अतिरिक्त चार क्षेत्रीय केन्द्र निम्नलिखित स्थानों पर स्थित हैं:-

- (i) अफ्रीकी क्षेत्र के लिए लुसाका (जाम्बिया);
- (ii) एशियाई क्षेत्र के लिए चंडीगढ़ (भारत);
- (iii) कैरिबियन क्षेत्र के लिए जार्ज टाऊन (गुआना) तथा
- (iv) दक्षिण प्रशांत क्षेत्र के लिए सुवा (फिजी)

4.2.5 राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम की समग्र नीति का निर्धारण राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम परिषद द्वारा किया गया है जिसकी बैठक दो वर्ष में एक बार होती है। जून, 1990 में हारारे, जिम्बाब्वे में हुई राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम परिषद (सी.वाई.ए.सी.) की बैठक का स्तर बढ़ा कर मंत्री स्तर कर दिया गया है। सी.वाई.ए.सी. की आगामी बैठक मई 1992 में मालदीव में आयोजित की जाएगी। मूलतः कार्यक्रम के नीति निर्धारण निकाय के रूप में बनाई गई सी.वाई.ए.सी. विगत वर्षों से मंत्रियों और वरिष्ठ नीति-निर्माताओं के मध्य विचारों तथा राष्ट्रीय अनुभवों के आदान-प्रदान के मंच के रूप में सामने आई है। सी.वाई.ए.सी. द्वारा निर्धारित नीतियों का कार्यान्वयन प्रबन्ध समिति के माध्यम से किया जाता है। वर्तमान प्रबन्ध समिति भाग लेने वाले देशों तथा राष्ट्रमण्डल महासचिव अथवा उनके प्रतिनिधि में से चयनित अधिकतम 13 सदस्यों से मिलकर बनी है। क्षेत्रीय सलाहकार निकाय क्षेत्रीय केन्द्रों को परामर्श देते हैं। 1990 में हारारे में हुई सी.वाई.ए.सी. की बैठक के निर्णयानुसार निर्णय लेने संबंधी व्यवस्था में प्रभावी युवा प्रतिनिधित्व तथा उनकी भागीदारी को सुनिश्चित करने के लिए एक युवा चौगुटा (यूथ कॉकश) अस्तित्व में आया है जो (सी.वाई.ए.सी.) बैठक का एक भाग होगा।

4.2.6 मई-जून 1990 में हारारे में आयोजित राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम परिषद की 10वीं बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ जून 1990 से मई 1996 तक की अवधि के लिए छः समान प्राथमिकता वाले कार्य क्षेत्रों का निर्धारण किया गया:-

- (i) उद्यम तथा युवा रोजगार,
- (ii) युवा महिलाएं तथा विकास
- (iii) एल्कोहल, एड्स और किशोर गर्भावस्था के विशेष संदर्भ में युवा स्वास्थ्य तथा कल्याणकारी मुद्दे,
- (iv) पर्यावरण;
- (v) साक्षरता तथा
- (vi) युवा नीति का विकास

इसके अतिरिक्त प्रत्येक क्षेत्रीय सलाहकार निकाय विशेष प्राथमिकता वाले क्षेत्र निर्धारित करेगा जो कि उसके क्षेत्र के युवाओं तथा युवा कार्य एजेंसियों के लिए विशेष महत्व रखते हैं।

4.2.7 इन कार्यक्रमों के लिए धनराशि मुख्यतः सदस्य देशों द्वारा प्रदान की जाती है। 1988 के अन्त में अफिया (पश्चिम सामोया) में आयोजित राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम परिषद की बैठक में लिये गये निर्णयानुसार युवा कार्यक्रम को नया आयाम देने के लिए सभी सदस्य देशों से अपना अंशदान बढ़ाने का आग्रह किया गया। भारत ने 1990 में हंगेरी में आयोजित राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम की बैठक में अपनी धरोहर राशि बढ़ाने की सहमति व्यक्त की और 1991-92 के दौरान 65,900 पाउंड का अंशदान किया जो कि पहले के अंशदान से 10% अधिक है। इसके अतिरिक्त एशियाई क्षेत्र के लिए क्षेत्रीय केन्द्र के मेजबान देश के रूप में भारत ने चंडीगढ़ में भवन तथा बुनियादी खेल-सुविधाएं प्रदान की हैं।

4.2.8 1991-92 के दौरान राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम के एशियाई केन्द्र चंडीगढ़ ने युवा कार्य में चतुर्थ दूरस्थ प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा किया जिसमें 31 प्रतियोगियों ने अपने पाठ्यक्रम पूर्ण किये। इस पाठ्यक्रम के दौरान पंचमढ़ी (म.प्र.) तथा तिरुपति (आ.प्र.) में प्रतियोगियों के लिए 2 व्यक्तिगत सम्पर्क कार्यक्रम (पी.सी.पी.) आयोजित किये गये थे।

4.2.9 राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम के एशियाई केन्द्र चंडीगढ़ ने राजस्थान के अलवर जिले के एवानडेर गांव में तालाब को साफ कर उसे गहरा करने, बांध के निर्माण एवं वृक्षारोपण की एक परियोजना के लिए धनराशि देने की सहमति व्यक्त की तथा इस परियोजना के लिए प्रारम्भिक अनुदान के रूप में 3.00 लाख रुपये मजूर किये।

4.2.10 एक पांच सदस्यीय भारतीय शिष्टमण्डल ने अप्रैल 1991 में कुआलालम्पुर (मलेशिया) में आयोजित स्वरोजगार तथा उद्यम में मास्टर प्रशिक्षण के प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में भाग लिया।

4.2.11 युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के सचिव ने प्रबन्ध समिति की बैठक में भाग लेने के लिए 21-22 मई 1991 को यू.के. (लंदन) की यात्रा की।

4.2.12 एक दो सदस्यीय भारतीय शिष्टमण्डल ने 6 से 15 दिसम्बर, 1991 तक बुनी में आयोजित सी.वाई.पी., आर.ए.वी. बैठक में भाग लिया।

4.2.13 राष्ट्रमण्डल का संस्थापक सदस्य तथा एक अग्रणी विकासशील देश होने के कारण भारत राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम के उद्देश्यों के प्रति और इसके कार्यक्रमों को सक्रिय रूप से सहयोग देने के प्रति पूर्ण रूप से समर्पित है।

युवा शिष्टमण्डलों का अन्तर्राष्ट्रीय आदान-प्रदान

4.3.1 1991-92 के दौरान निम्नलिखित युवा शिष्टमण्डलों का आदान-प्रदान हुआ:-

- (i) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष द्वारा कृत्रिम रॉक क्लाइम्बिंग वॉल के निर्माण हेतु इण्डो-फ्रेंच सी.ई.पी. के अन्तर्गत एक दो सदस्यीय फ्रॉन्सीसी शिष्टमण्डल मई-जून 1991 में भारत आया।
- (ii) 20-24 जुलाई 1991 तक डूस्सेलडोर्फ (जर्मनी) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय युवा टिकट संग्रह प्रदर्शनी में भारतीय शिष्टमण्डल ने भाग लिया।
- (iii) 3 सदस्यीय शिष्टमण्डल ने जुलाई-अगस्त, 1991 में वाशिंगटन (अमेरिका) में 14वें अन्तर्राष्ट्रीय मधुमेह संघ में भाग लिया।
- (iv) 10 सदस्यीय भारतीय शिष्टमण्डल ने 6 से 20 अक्टूबर 1991 तक जापान सरकार द्वारा आयोजित दक्षिण-एशियाई युवा आमंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत जापान की यात्रा की।
- (v) देश के विभिन्न भागों के 30 सदस्यीय अध्यापक शिष्टमण्डल ने 16 अक्टूबर से 12 नवम्बर 1991 तक जापान सरकार द्वारा आयोजित 21वाँ शताब्दी के लिए मैत्री कार्यक्रम के अन्तर्गत जापान की यात्रा की। इस यात्रा का उद्देश्य प्रतियोगियों को जापानी शिक्षा पद्धति के विकास तथा प्रमुख विशेषताओं को समझने और पारस्परिक विचारों एवं अनुभवों का आदान-प्रदान करने का अवसर उपलब्ध कराना था जिससे कि जापान तथा एशियाई देशों के मध्य शांति और समृद्धि के दीर्घकालीक सम्बन्धों का संवर्धन हो सके।

संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक

4.4.1 चूंकि सहयोग और भाईचारे के सभी अन्य प्रयासों में भारत संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यू.एन.डी.पी.) की संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यू.एन.वी.) योजना में अति सक्रिय रूप से भाग लेता है। अतः भारत अपने विशेषज्ञों को विभिन्न कार्यक्रमों के क्षेत्रों जैसे मेडिसिन, इंजीनियरिंग, कृषि आदि में एशिया, अफ्रीका और लेटिन अमेरिका के विकासशील देशों को उनकी विकास प्रक्रिया में गति लाने के लिए भेजता है। हम यू.एन.डी.पी. के विशेष स्वयंसेवक फंड तथा अपने वर्तमान अंशदान के रूप में 15,000/- अमेरिकी डालर का वित्तीय अंशदान भी देते हैं। 1 फरवरी, 1992 को 92 भारतीय विशेषज्ञ विदेशों में कार्यरत थे तथा 318 उम्मीदवार यू.एन.वी. रोस्टर में अनुबन्ध हेतु प्रतीक्षा सूची में हैं।

4.4.2 विदेशों में विकास कार्यक्रमों के लिए हमारे योगदान के अद्यतन प्रयासों के अनुसार, कम्बोडिया में प्रजातांत्रिक चुनावों को शुरूआत से, कम्बोडिया में पुनर्निर्माण कार्य में सहायता देने (जैसे पोलिंग अधिकारी, लेजिसलेशन, प्रबन्ध अधिकारी, स्टोर कीपर्स, परिवहन अधिकारी, प्रशासनिक और वित्त अधिकारी, कम्प्यूटर प्रोग्रामर्स, वाहन मिस्त्री, रेडियो आपरेटर्स, रेडियो टेक्निशियन, इलैक्ट्रीशियन और मानचित्रकार) के रूप में नियुक्ति के लिए स्वयंसेवकों को भेजने के लिए व्यापक कदम उठाए गए हैं।

4.4.3 यू.एन.वी. योजना के दूसरे भाग में भाग लेने वाले देशों में पिछड़े, ग्रामीण और शहरी गंदी बस्तियों के स्थानीय स्व-सहायता प्रयासों में तेजी लाने और सहायता करने के विचार से प्रारम्भिक स्तर पर कार्य करने के लिए एशिया और पैसिफिक क्षेत्रों के देशों में युवा स्वयंसेवकों के आदान-प्रदान की परिकल्पना की गई है। ऐसे स्वयंसेवकों की भारत और भारत से बाहर वर्तमान स्थिति (1.1.992 को) निम्नलिखित है :-

क्र. सं.	देश	स्वयंसेवकों की संख्या	
		भारत में	भारत से बाहर
1.	बंगलादेश	2	9
2.	इंडोनेशिया	6	7
3.	मालदीव	1	—
4.	नेपाल	3	4
5.	फिलीपिन्स	2	2
6.	श्रीलंका	6	6
		20	20

4.4.4 यू.एन.वी. योजना 1971 में स्थापित की गई थी और इसने 1991 में अपने 20 वर्ष पूरे कर लिए हैं। इस योजना की 20वीं वर्षगांठ विश्वभर में मनाई गई। भारत ने भी इस अवसर को मनाने के लिए और याद करने में विशेष रुचि ली है। "वालंटिरिज्म" के विषय पर देशभर में सभी केन्द्रीय विद्यालयों के छात्रों में एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

4.4.5 इस प्रतियोगिता में 181 स्कूलों के कुल लगभग 1300 छात्रों ने भाग लिया। प्रथम 3 विजेताओं को 1000/- रुपये, 500/- रुपये और 250/- रुपये के तीन पुरस्कार दिए गए। इसके अलावा प्रत्येक 100/- रुपये के 50 सांत्वना पुरस्कार भी निर्धारित किए गए। तथापि, इस प्रयोजनार्थ गठित विशेष चयन समिति ने सांत्वना पुरस्कार के लिए अन्ततः 94 प्रविष्टियों को सिफारिश की थी। समिति में निम्नलिखित शामिल हैं :-

UNITED
NATIONS
VOLUNTEERS

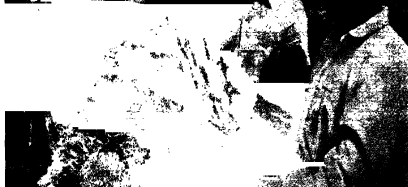


20th Anniversary
1971-91

UNV
AND
INDIA



Government of India
Ministry of Human Resource Development
DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS
Shastri Bhawan
New Delhi.



मुमुक्त एट्ट खयसेवक (यू.एन.वी.) योजना की 20वीं वर्षगांठ विश्वभर में 5 दिसम्बर, 1991 को मनाई गई।

इस अवसर पर जारी "यू.एन.वी. और भारत" स्मारिका की प्रतिपूर्ति।

The 20th Anniversary of United Nations Volunteers (UNV) Scheme was celebrated the world over on December 5, 1991.

Fascimile of the Souvenir "UNV & India" released on the occasion.

संगठन

सचिवालय

5.1.1 विभाग की स्वीकृत संख्या 199 है। इसमें 17 ग्रुप "क" (अन्यों में सचिव, 2 संयुक्त सचिव, 1 निदेशक, 1 कार्यक्रम सलाहकार, 3 उप सचिव, 8 अवर सचिव, सचिव का 1 मुख्य निजी सचिव, 72 ग्रुप "ख" (21 राजपत्रित और 51 अराजपत्रित), 81 ग्रुप "ग" और 29 ग्रुप "घ" के पद हैं। 34 व्यक्ति अनुसूचित जाति (ग्रुप "क" में 3, ग्रुप "ख" में 8, ग्रुप "ग" में 11 और ग्रुप "घ" में 11) और 6 अनुसूचित जनजाति (ग्रुप "क" में 1, ग्रुप "ग" में 3 और ग्रुप "घ" में 2) तथा 14 व्यक्ति अल्पसंख्यक वर्ग (ग्रुप "क" में 2, ग्रुप "ख" में 4, ग्रुप "ग" में 6 और ग्रुप "घ" में 2) के हैं।

5.1.2 उपरोक्त के अलावा 13 स्वीकृत पद युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री के निजी स्टाफ में हैं।

5.1.3 विभाग का प्रशासनिक चार्ट परिशिष्ट "ल" पर है।

हिन्दी का प्रयोग

5.2.1 विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की स्थापना जुलाई, 1983 में की गई थी। इसकी तिमाही बैठकें नियमित रूप से आयोजित की जा रही हैं तथा निर्णयों के कार्यान्वयन के लिए अनुवर्ती कार्रवाई की जाती है।

5.2.2 इस विभाग तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के लिए स्वतंत्र हिन्दी सलाहकार समिति के गठन का मामला विचाराधीन है।

5.2.3 इस विभाग की तिमाही प्रगति रिपोर्ट नियमित रूप से राजभाषा विभाग को भेजी जा रही हैं तथा उनकी समीक्षा करके संबंधित अनुभागों को अनुवर्ती कार्रवाई के लिए अवगत कराया जाता है। विभाग के अधीनस्थ कार्यालयों से प्राप्त होने वाली तिमाही प्रगति रिपोर्टों की समीक्षा की जाती है तथा पाई गई कमियों को सुधार हेतु सूचित किया जाता है।

5.2.4 इस समय विभाग में 18 देवनागरी मैनुअल टाइपराइटर उपलब्ध है जो कि सभी अनुभागों को उपलब्ध कराए गए हैं तथा 11 द्विभाषिक इलेक्ट्रॉनिक टाइपराइटर हैं।

5.2.5 समयोपरि भत्ते, जल-पान तथा स्टेशनरी और विभिन्न अन्य वस्तुओं की आपूर्ति के लिए लघु टिप्पणी सामान्यतः हिन्दी में प्रस्तुत किये जाते हैं। राजभाषा अधिनियम 1976 के नियम 5 के अनुसार, हिन्दी में प्राप्त होने वाले पत्रों के उत्तर हिन्दी में ही दिये जाते हैं।

5.2.6 1991-92 में विभाग के अधिकारियों द्वारा 9 अधीनस्थ कार्यालयों/स्वायत्तशासी संगठनों के कार्यालयों का निरीक्षण किया गया।

5.2.7 विभाग में 16 सितम्बर, 1991 को हिन्दी दिवस तथा 16 से 20 सितम्बर, 1991 तक हिन्दी सप्ताह मनाया गया। हिन्दी सप्ताह के दौरान क्रमशः 17, 18, 19, 20 सितम्बर को निम्नलिखित प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं :-

- i) हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
- ii) हिन्दी टाइपिंग प्रतियोगिता

- iii) हिन्दी स्लोगन प्रतियोगिता
- iv) हिन्दी टिप्पण व आलेखन प्रतियोगिता
- v) हिन्दी राजभाषा सप्ताह पुरस्कार

इन प्रतियोगिताओं में भाग लेने वालों को क्रमशः 500, 300, और 200 रुपये के नकद प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार दिए गए हैं।

इसके अलावा युवा कार्यक्रम और खेल राज्य मंत्री सुश्री ममता बनर्जी की ओर से यथासंभव अधिकतम कार्य हिन्दी में करने के लिए अपील भी जारी की गई।

5.2.8 1991-92 के दौरान 950/- रुपये की 21 हिन्दी पुस्तकें खरीदी गई हैं।

5.2.9 हिन्दी में कार्य करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु अधिकारियों और कर्मचारियों में धर्मयुग, साप्ताहिक हिन्दुस्तान (हिन्दी), इण्डिया टुडे (हिन्दी), सरिता, मुक्ता, मनोरमा, कादम्बिनी, गृहशोभा आदि हिन्दी पत्रिकाएं परिचालित की जाती हैं।

5.2.10. 17 अधीनस्थ कार्यालयों में से 8 अधीनस्थ कार्यालयों को पहले ही अधिसूचित किया जा चुका है। जहाँ 80% से अधिक कर्मचारी हिन्दी जानते हैं।

5.2.11 राजभाषा विभाग द्वारा जारी की गई हिन्दी टिप्पण व आलेखन प्रोत्साहन योजना के अन्तर्गत विभाग के श्री मनोज सुवाल, महायक और श्री आर.एस.मिश्रा, लिपिक को 500/- रुपये के प्रथम दो पुरस्कार प्रदान किए गए हैं।

प्रकाशन और पुस्तकालय

5.3.1 कुछ योजनाओं का नवीन और अद्यतन संस्करण उन सभी के लिए निःशुल्क वितरण हेतु तैयार किया गया जो उनका प्रयोग कर सकते हैं। विभाग का "युवा और खेल" नामक निमाही सूचना पत्र प्रथम दो तिमाहियों के लिए प्रकाशित किया गया। प्रायोगिक तौर पर इसमें अधिक सामग्री देने और इसे नया रूप प्रदान करने के लिए यह परिकल्पना की गई थी कि राष्ट्रीय सेवा योजना के कुछ युवा स्वयंसेवकों को इस सूचना पत्र को तैयार करने में शामिल किया जाए। हालांकि, यह प्रयोग सफल नहीं रहा। इसके परिणामस्वरूप वर्ष 1991 के अंतिम दोनों सूचना पत्रों का प्रकाशन नहीं हो सका। सूचना-पत्र का प्रकाशन वर्ष 1992 के दौरान पुनः शुरू किया जायेगा।

5.3.2 विभाग में एक अनौपचारिक पुस्तकालय है जहाँ इसके विषय से संबंधित पुस्तकें और प्रकाशन रखे जाते हैं। इसमें लगभग 1500 पुस्तकें और प्रकाशन हैं जिसमें से वर्ष 1991-92 के दौरान हिन्दी के 21 सहित 53 प्रकाशन शामिल किए गए हैं।

बजट आबंटन

5.4.1 वर्ष 1991-92 के लिए संशोधित प्राकल्पन तथा 1992-93 के लिए बजट प्राकल्पन योजना-वार परिशिष्ट "व" में दिया गया है।

5.4.2 1991-92 वर्ष के दौरान विभाग ने 75.56 करोड़ रुपये का योजनागत और 38.84 करोड़ रुपये का योजनेतर प्रावधान किया है।

5.4.3 वर्ष 1992-93 के लिए विभाग को 74.00 करोड़ रुपये योजनागत और 38.80 करोड़ रुपये योजनेतर के अंतर्गत आबंटित किए गए हैं। इसमें युवा कल्याण योजना को योजनागत में 32.29 करोड़ रुपये और योजनेतर के अंतर्गत 21.20 करोड़ रुपये मिले हैं। खेल तथा शारीरिक शिक्षा की योजनाओं के लिए योजनागत में 41.36 करोड़ रुपये तथा योजनेतर में 15.65 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

सामाजिक गतिशीलता अभियान

5.5.1 विभाग सामाजिक गतिशीलता अभियान तैयार कर रहा है जिसके अंतर्गत विभिन्न मीडिया साधनों द्वारा विभाग की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी ताकि जनता उनका लाभ उठा सके। प्रारम्भ में प्रक्षेपण के लिए निम्नलिखित योजनाओं/परियोजनाओं का पता लगाया गया है :-

- i) भारतीय कार्यक्रम : यह बच्चों का सामूहिक शारीरिक व्यायाम का कार्यक्रम है जिसके जरिए बच्चों में अनुशासन, एक रूप समन्वित कार्य और शारीरिक उपयुक्तता पैदा की जाती है।

- ii) भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रतिभाशालियों का पता लगाना तथा पोषण करना और चयन किए गए बच्चों द्वारा लक्ष्य प्राप्त करना।
- iii) सरकारी धनराशि से विकसित की गई खेल बुनियादी सुविधाओं की उपलब्धता और वह तरीका जिसके जरिए जनता उनसे लाभ उठा सके।
- iv) चुनी गई प्रसिद्ध मातृ खेल विधाओं के प्रक्षेपण की सूचना लोगों को देना और शिक्षित करना।
- v) गुरु हनुमान व्यायामशाला जैसी चुनी गई सफल खैच्छिक खेल संगठनों के कार्यकलाप।
- vi) युवाओं तथा बहुसंख्यक लोगों को मुख्य खेलों के नियमों से अवगत करना।
- vii) हाल ही में भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा स्थापित मुख्य खेल संस्थाओं को प्रक्षेपण।
- viii) राष्ट्रीय युवा नीति का विकास और कार्यान्वयन।
- ix) राष्ट्रीय सेवा योजना के नियमित और विशेष शिविर कार्यक्रम।
- x) नेहरू युवा केन्द्रों के ग्रामीण युवा कार्यक्रम।
- xi) महिलाओं के संदर्भ में नेहरू युवा केन्द्र प्रणाली के अंतर्गत विशेष कार्यक्रमों का आयोजन।
- xii) समाज कल्याण को बढ़ावा देने में युवा क्लबों की भूमिका।
- xiii) राष्ट्रीय युवा पुरस्कार।
- xiv) राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम, संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक और सार्क आदि जैसे अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के कार्यक्रमों के कार्यकलाप।

कम्प्यूटरीकरण

5.6.1 राष्ट्रीय सूचना-प्रणाली केन्द्र द्वारा विभाग में एक कम्प्यूटर सैल स्थापित किया गया है, जो विभाग के अधिकारियों के साथ निकट समन्वय से कार्य कर रहा है तथा उपयोगी डेटाबेस विकसित करने में सफल रहा है। उच्च स्तर पर शीघ्र निर्णय लेने के लिए और अधिक विश्लेषणात्मक प्रणाली का विकास करने के प्रयास किए जा रहे हैं। सूचना प्रणाली के विकास और उनके उपयोग के विकास का स्तर निम्नलिखित है :-

राष्ट्रीय सेवा योजना

5.6.2 (क) लेखों का समेकन : 1981 से 1991 तक राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों को जारी किए अनुदान और एन.एस.एस. कार्यकलापों के संचालन से बकाया अप्रयुक्त धनराशि संकलित की गई है तथा शीघ्र अनुगामी कार्यवाही करने के लिए रिपोर्ट तैयार की गई है।

(ख) राष्ट्रीय सेवा योजना सूचना पद्धति : विभिन्न विश्वविद्यालयों से प्राप्त अर्ध-वार्षिक प्रगति रिपोर्ट के कम्प्यूटरीकरण जिसमें डाटा एन्ट्री वैधता और रिपोर्ट के अद्यतन और जानकारी के लिए सूचना पद्धति विकसित की गई है। रिपोर्ट में कार्यकारियों का ब्यौरा, राशि का आबंटन और वितरण, नियमित कार्यकलापों और विशेष शिविरों के आयोजन का ब्यौरा शामिल है। कार्यक्रम सलाहकार कक्ष के स्टाफ को सॉफ्टवेयर के प्रचालन और प्रयोग में प्रशिक्षित किया गया है।

5.6.3 बजट और बढ़ता हुआ खर्च : बजट के पुनरीक्षण तथा खर्च सहित बजट के प्राकल्पन, संशोधित प्राकल्पन तथा चालू वर्ष के लिए वास्तविक खर्च के ब्यौरों के लिए सॉफ्ट वेयर का डिजाइन और विकास तैयार करने का प्रयास किया गया है। तैयार की गई रिपोर्ट विभिन्न योजनाओं में खर्च के स्तर की जानकारी में मीटिंग की पुनरीक्षा के लिए अति सुलभ रही।

5.6.4 युवा योजना : क्षेत्र-वार मूल्यांकन में विभाग की सहायता के लिए निम्नलिखित युवा योजनाओं को जारी किए गए अनुदान और लाभग्राहियों के ब्यौरों का कम्प्यूटरीकरण किया गया :

- i) युवाओं के प्रदर्शनी।
- ii) साहस का विकास।
- iii) युवा क्लब।
- iv) राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक योजना।
- v) युवाओं को प्रशिक्षण।
- vi) राष्ट्रीय एकीकरण।

ऑन लाइन क्वेरी प्रणाली विकसित की गई है जो राज्य-वार और योजना-वार ब्यौर देगी। युवा छात्रावासों के लिए वित्तीय सहायता, निर्माण के स्तर और कार्यकारिणियों के ब्यौर भी इसमें डाले गये हैं।

5.6.5 प्रलेखन सहायता : आठवीं योजना के दस्तावेजों और उनके परिशिष्टों के प्रारूपण के लिए राज्य मंत्रियों और सचिवों के सम्मेलनों के लिए कार्यसूची और कार्यवृत्त निकालने में विभाग की सहायता की जाती है।

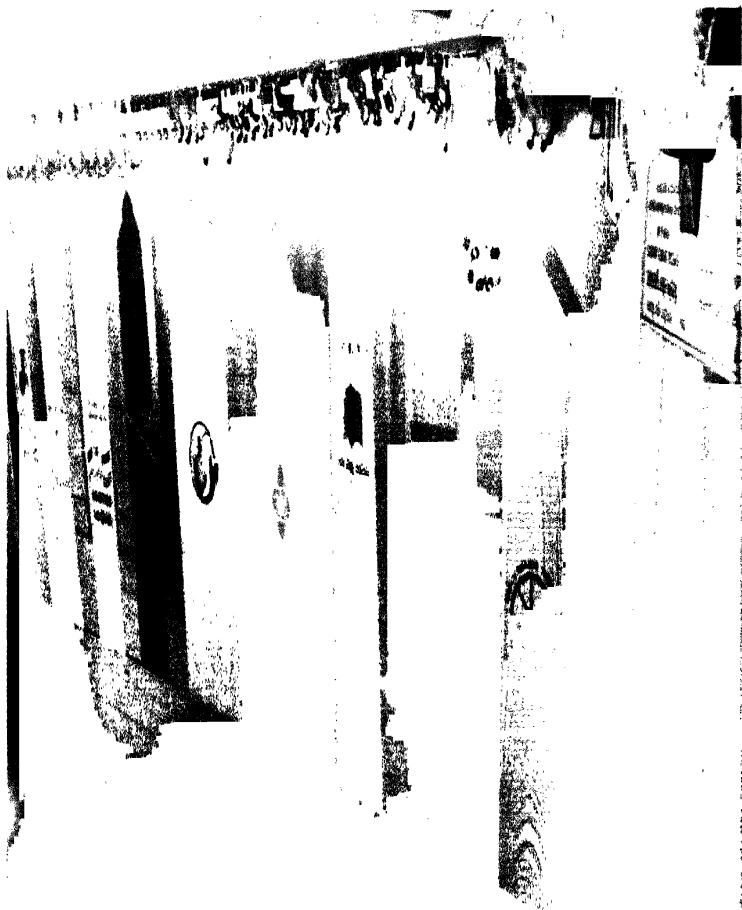
- 5.6.6 निकमेल का प्रयोग विभाग द्वारा विभिन्न राज्य सरकारी एजेंसियों के साथ सूचना के आदान-प्रदान में खेल अवस्थापना, राष्ट्रीय शारीरिक उपयुक्तताकोर जैसी विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन के स्तर और अद्यतन सूचना प्राप्त करने के लिए तीव्र संचार के रूप में किया जाता है। कुछ क्षेत्रों में लम्बित मामलों के शीघ्र निपटान में सहायता की तीव्र प्रतिक्रिया प्राप्त हुई है।
- 5.6.7 "बुनियादी खेल सुविधाओं के विकास" योजना के अंतर्गत विभिन्न राज्यों से प्राप्त प्रस्तावों का कम्प्यूटीकरण किया गया है जिसमें आवेदन पत्र प्राप्त करने की तारीख, प्रयोजक के ब्यौरे, परियोजना जिनके लिए अनुदान मांगा गया, विभाग द्वारा की गई कार्रवाई आदि शामिल हैं। लम्बित मामलों की सूचना एन.आई.सी.एन.ई.टी. के जरिए संबंधित जिलों को भेजी गई है ताकि निर्माण की प्रक्रिया को पूरा किया जा सके। संसद प्रश्नों का उत्तर भी कार्यान्वित कम्प्यूटीकृत सूचना पद्धति के प्रयोग से दिया जाता है। विभागीय अधिकारियों का उनके क्षेत्रीय निरीक्षणों में सहायता क्षेत्र वार रिपोर्ट तैयार की गई है।
- 5.6.8 "एक लाख तक की अनुदान योजना" के अंतर्गत प्रस्तावों पर सूचना को संकलित और अद्यतन किया गया है। स्वीकृत, लम्बित और अस्वीकृत मामलों पर अस्वीकृत के कारणों सहित रिपोर्ट तैयार की जाती है।
- 5.6.9 विभिन्न क्रियाकलापों के लिए बजट, श्रेणी, शीर्ष वार अनुदान स्वीकृत और जारी करने की सूचना प्राप्त करने के लिए खेल संघों को अनुदान की मानिट्रिंग हेतु एक आन लाइन सूचना प्रणाली विकसित की गई है।
- 5.6.10 विभिन्न देशों के साथ हस्ताक्षरित नयाचारों का रखरखाव उनकी प्रभावी मानिट्रिंग के लिए कम्प्यूटर द्वारा किया जाता है। प्रत्येक नयाचार के बारे में कार्यान्वयन स्तर और अनुगामी कार्रवाई को अद्यतन किया जाता है और उसकी रिपोर्ट तैयार की जाती है जो विदेशी शिप्मंडलों से चर्चा के दौरान बहुत लाभप्रद होती है।
- 5.6.11 विभाग की स्टाफ संख्या प्रत्येक अनुभाग के लिए आबंटन और भरे पदों की संख्या, रिक्त पदों की संख्या, प्रत्येक पद के विरुद्ध नियुक्त कर्मचारी, उनकी प्रतिनियुक्ति के ब्यौरे तथा वर्ग-वार कर्मचारियों के विवरण का संकलन किया गया है जो आन लाइन कर्मचारी सूचना प्रणाली पर उपलब्ध होता है।
- 5.6.12 फाइल स्तर सूचना पद्धति को विभाग में कार्यान्वित किया गया है ताकि विभाग में विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त वी.आई.पी. संदर्भों का तुरन्त निपटान किया जा सके। इस पद्धति में पत्र प्राप्ति की तारीख, की गई कार्रवाई की तारीख, विशिष्ट अधिकारी के पास लम्बित संदर्भ और क्या इसका निपटान हो किया गया है या नहीं, की सूचना होती है।
- 5.6.13 गणतन्त्र दिवस पेरड, 1991 के लिए एन.एस.एस. शिविरार्थियों हेतु प्रश्नावली का विश्लेषण किया गया है ताकि शिविर में सहभागियों के कौशल और उनके प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जा सके। टी.ओ.आर.सी. और एन.एस.एस. क्षेत्रीय केन्द्र, दिल्ली के साथ दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से अध्ययन किया जा रहा है।
- 5.6.14 संसदीय आश्वासनों के डाटा संकलित किए गए हैं। अद्यतन स्तर से रिपोर्टें तैयार की गई हैं। विभाग की आवश्यकता के अनुसार वेतन पर्चों और अन्य दूसरे कार्य जैसे लाइसेंस फीस, केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी बीमा योजना, पी.एल.आई. आदि तैयार करने के लिए प्रत्येक माह पे-रोल तैयार किया रहा है।
- 5.6.15 विभाग द्वारा एस.ए.आई. योजना, जो एस.ए.आई. दक्षिणी क्षेत्रीय केन्द्र, बंगलौर में कार्यान्वित की जा रही है, के लिए सॉफ्टवेयर पैकेज विकसित किए गए हैं। इन पैकेजों के संचालन हेतु केन्द्र के अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया गया है। केन्द्र के अन्य प्राथमिक क्षेत्रों में कम्प्यूटीकरण के लिए इसके क्षेत्रीय निदेशक के साथ विचार-विमर्श भी किया गया है। बंगलौर का एन.आई.सी. राज्य केन्द्र इन सॉफ्टवेयर पैकेजों के उपयोग में एस.ए.आई. क्षेत्रीय केन्द्र की सहायता कर रहा है तथा सॉफ्टवेयर विकास सहायता प्रदान कर रहा है।
- 5.6.16 विभिन्न स्तरों पर कम्प्यूटर प्रशिक्षण कार्यक्रम कार्यालय स्वचालन में कम्प्यूटरों के उपयोग की जानकारी देने के लिए विभाग तथा एन.आई.सी. मुख्यालयों में आयोजित किए गए हैं। विभाग में कार्यान्वित सॉफ्टवेयर पैकेजों के सुचारू और प्रभावी संचालन के लिए प्रशिक्षण भी आयोजित किया गया। लगभग 20 अधिकारियों ने कम्प्यूटर के प्रयोग पर प्रशिक्षण प्राप्त किया है।
- 5.6.17 एन.एम.सी.सी. खेल कार्यकारी दल की बैठकों की सिफारिशों के अनुसार 12 प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में यह कार्य चरणबद्ध रूप में किया जा रहा है। खिलाड़ी डाटाबेस बनाने के लिए बनाए गए प्रोफार्म पर संयुक्त सचिव (खेल) और निदेशक (खेल) से कार्यान्वयन के लिए विस्तृत विचार-विमर्श हुआ है।
- 5.6.18 एन.आई.सी. मंत्रालय समन्वय समिति की दूसरी बैठक कम्प्यूटीकरण में की गई प्रगति की समीक्षा करने और घविष्य में कार्यवाही करने के लिए सुझाव देने हेतु सचिव की अध्यक्षता में आयोजित की गई।
- 5.6.19 राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता योजना, विशेष क्षेत्र खेल, एस.ए.आई. प्रशिक्षक सूचना केन्द्र और एस.पी.डी.ए. केन्द्रों के लिए एन.आई.सी. सॉफ्टवेयर पैकेजों के प्रयोग में भारतीय खेल प्राधिकरण की सहायता की गई।

5.6.20 महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे बुनियादी खेल सुविधाओं का विकास, नयाचार विनियम, खेल संघों को अनुदान, राष्ट्रीय सेवा योजना, युवा कल्याण कार्यक्रमों को अनुदान, प्रभावी संगठन में सहायता, सूचनाओं का विश्लेषण और सुधार, लम्बित मामलों को समय पर निपटाने में सहायता, संसदीय प्रश्नों के उत्तर मैनुअल आपरेशनों में अति विलम्ब को कम करने के लिए प्रबन्ध सूचना प्रणाली का विकास किया गया है। एन.आई.सी.एन.ई.टी. और एन.आई.सी.एम.ए.आई.एल. तीव्र और आर्थिक सम्प्रेषण, में सरल है तथा राज्य सरकार के विभागों और अन्य सम्बद्ध संगठनों के साथ उपयोगी सूचनाओं के आदान-प्रदान में सहायता करती है। विभाग के अधिकारियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रदान करने के परिणामस्वरूप विभाग के लिए विकसित सॉफ्टवेयर पैकेजों का बहुदेशीय प्रयोग होने लगा है। मध्य प्रदेश और कर्नाटक की राज्य सरकारों के साथ किए गए विचार-विमर्श से यह महसूस किया गया कि सभी राज्यों और सघं शासित क्षेत्रों के लिए विभाग के लिए केन्द्रीय स्तर पर विकसित प्रबन्ध सूचना प्रणाली का कार्यान्वयन इन संगठनों द्वारा उपयोग के लिए भी किया जाए जो पहले से विकसित प्रणाली के उपयोग की देरी को कम करने तथा दोहरे प्रयासों को रोकेगा।

To perpetuate the memory of late Shri Rajiv Gandhi, his Birthday on August 20, 1991 was observed as the 'Sadbhawana Diwas', a day to promote mutual goodwill among people. Shown here are some wall Hangings depicting the programmes of the Department.

आगे रूढ़ है विपक्ष विपक्ष के अर्थव्यवस्था को स्थिर रखने है।

इस शीर्षक पर विचार करने में हमारे अर्थ-विभाग 20 अगस्त, 1991 को लोगों के बीच अपनी भावनाओं को व्यक्त करने के लिए यह दिवस "सद्भावना दिवस" के रूप में मनाया गया। यहाँ कुछ भावनाओं



परिशिष्ट



साहसिक कार्यकलापों को बढ़ावा देने की योजना के अन्तर्गत स्वैच्छिक संगठनों को दी गई धनराशि का विवरण ।

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	दी गई धनराशि	प्रयोजन	अभियुक्तियां
1.	2.	3.	4.	5.
1.	रोक्स एण्ड स्नो, 24/2 बी, हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता-700 025	5,100/-	हर-की-दून और बाली पास के लिए ट्रैकिंग अभियान	
2.	श्रीमती सरोज बालन बंसल, शिक्षा अधिकारी जोन 1/1, जिला: केन्द्रीय, बेलारोड, दरियागंज, नई दिल्ली	6,900/-	50 छात्रों का अण्डमान निकोबार का दौरा	
3.	हिमालयन एन्जोएयर्स एसोसिएशन, छितरमपन (प. बंगाल)	2,541/-	सितम्बर, 1991 के दौरान ट्रैकिंग अभियान	
4.	हनी, जनरल किन्नर कला 66, अमलेश सेनगुप्ता रोड, स्ट्रीटपली, पोस्ट असनसक, जिला-बर्धमान (प. बंगाल)	7,450/-	मई-जून, 1991 में उत्तर प्रदेश में ट्रैकिंग अभियान	
5.	मीरा मॉडल सीनियर मै. स्कूल, जनकपुरी, नई दिल्ली ।	2,500/-	नैनीताल में वनस्पति और जंतुओं का अध्ययन मई, 1991 में ।	
6.	अध्यक्ष, हरियाणा पर्वतारोहण युवा क्लब 12/5591, केला मोहल्ला, बहादुरगढ़-124 507.	19,440/-	चम्बा घाटी हिमाचल प्रदेश में ट्रैकिंग हेतु	
7.	निदेशक, खेल और युवा कल्याण, हरियाणा	2,250/-	उपस्करों की खरीद	
8.	एडवेंचर्स पंचवटी, गोहाटी-781 003.	6,300/-	उत्तर प्रदेश में ट्रैकिंग अभियान, जुलाई, 1991 में	
9.	निदेशक, युवा सेवाएं, पंजाब, एस.सी.ओ. संख्या 321-22, सै. 75-बी, चंडीगढ़	5,25,000/-	शहीद भगत सिंह साहसिक संस्थान की स्थापना	
10.	विक्टोरिया मोटर्सन स्कूल, शिक्षा समिति, डी-16, राम नगर, शास्त्री नगर, जयपुर-16.	11,250/-	तैराकी, साइक्लिंग और पर्वतारोहण	
11.	श्री डी.एस. वेन्टनी, सं.-134, उत्तर ब्लॉक, टी.आर. नगर, बंगलौर-28.	6,000/-	दक्षिण भारत का साइकिल अभियान	
12.	मालदा कॉलेज, मालदा (प. बंगाल)	3,760/-	साहस का विकास	
13.	तकनीकी विद्या, सौधा संस्थान, गोगुला, पोस्ट-बंगलौर	2,770/-	लाहोल घाटी हिमाचल प्रदेश में ट्रैकिंग अभियान जुलाई, 1991	
14.	रोक्स एण्ड स्नो, 24/2, बी, हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता	5,540/-	जुलाई-अगस्त, 1991 के दौरान ट्रैकिंग कार्यक्रम	
15.	जामिया मिलिया इस्लामिया, जामिया नगर, नई दिल्ली	19,800/-	जून, 1991 में हर-की-दून तक ट्रैकिंग 43 व्यक्तियों द्वारा	
16.	श्री संदीपुने भट्टाचार्य, 66, ठाकुरपुर पोस्ट नैहाली, जिला-24 परगना (नॉर्थ) प. बंगाल	720/-	बिहार और उड़ीसा के लिए साइकिल दौरा	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	दी गई धनराशि	प्रयोजन	अभियुक्तियां
17.	यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ मेडिकल साइंस एण्ड जी.टी.बी. हस्पताल, शाहदरा, दिल्ली-94	9,000/-	डलहौजी में आंकड़े एकत्र करना साहसिक कार्यक्रम	
18.	सी एक्सप्लोरर संस्थान आउटराम घाट, कलकत्ता, प. बंगाल	25,000/-	साहस का विकास	
19.	—वही—	35,000/-	साहस का विकास	
20.	भारत स्काउट और गाइड, फर्स्ट साउथ, कलकत्ता	3,700/-	मई-जून, 1991 में ट्रेकिंग अभियान	
21.	अधिकारी, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	11,810/-	ट्रेकिंग, वनस्पति, जीव-जंतुओं का अध्ययन	
22.	बेहरामपुर कॉलेज, एन.एस.एस. एकक बेहरामपुर, मुर्शिदाबाद (प. बंगाल)	3,090/-	11 स्वयं सेवकों द्वारा जलपादारा राष्ट्रीय वन में वनस्पति और जीव-जंतुओं का अध्ययन	
23.	एस.एम. कॉलेज, भागलपुर, (बिहार)	3,500/-	दंगाग्रस्त ग्रामीणों से मुलाकात	
24.	दी पीकरस, आसनसोल, (प. बंगाल)	1,310/-	गौरीकंड महाकोल्हा में ट्रेकिंग	
25.	आर्ट और साइंस तथा कॉमर्स, कॉलेज, चोपड़ा, जिला-जलगांव	5,830/-	साहस के विकास के लिए ट्रेकिंग	
26.	शदराकली, पदालिक, 67, अप्पर हरनाथपुर रोड, मद्रकली, जिला हुगली (प. बंगाल)	7,380/-	सितम्बर-अक्टूबर, 1991 के दौरान उत्तर प्रदेश में ट्रेकिंग अभियान	
27.	श्री भूपेन्द्र, जी.जी.-1/100 बी, विकासपुरी, नई दिल्ली	8,000/-	जून, 1991 में उत्तर प्रदेश में ट्रेकिंग अभियान	
28.	पर्वतारोहण ट्रस्ट, भोरुका	2,50,000/-	भारतीय एवरेस्ट अभियान	
29.	उपायुक्त, रोपड़ (पंजाब)	10,500/-	हेमकुंड साहिब के लिए ट्रेकिंग कार्यक्रम सितम्बर-अक्टूबर, 1991	
30.	मोना ट्रेकिंग क्लब जौद, म.नं. 3526, अर्बन एस्टेट, (समीप एच.एस.ई.बी.) जौद, हरियाणा	19,734/-	हिमाचल प्रदेश में मौहाली से मयुरा तक ट्रेकिंग अभियान	
31.	श्री सुन्दर कुमार धण्डारी, कोठी नं. 3436, सैक्टर 23 डी, चंडीगढ़	6,470/-	हिमाचल में ट्रेकिंग अगस्त, 1991	
32.	एडवेंचर फैलोशिप, बी. 1/1560, बसंत कुंज, नई दिल्ली-30	18,750/-	20 व्यक्तियों के लिए माउंट सासर कांगड़ी-11 के लिए पर्वतारोहण अभियान का आयोजन	
33.	कश्मीर पर्वतारोहण ग्रुप, 5वां ब्रिज, एस.आर. गंज, श्रीनगर	2,438/-	अगस्त, 1991 के दौरान जम्मू व कश्मीर में ट्रेकिंग	
34.	कमारहटी ट्रेकिंग संघ, 25, ए.सी. बनर्जी रोड, कलकत्ता	2,447/-	गढ़वाल हिमालय में सितम्बर, 1991 के दौरान ट्रेकिंग अभियान	
35.	भारत स्काउट एण्ड गाइड, 16, महात्मा गांधी मार्ग, आई.पी. एस्टेट, नई दिल्ली	1,50,000/-	तारा देवी ग्रुप स्थल शिमला हिल्स की मरम्मत	
36.	दून-बासको स्कूल, हेल्बी नार्थ ओहर हिल्स, असम	82,500/-	केम्प स्थल की स्थापना	
37.	एन.एस.एस., एस.एन.डी.टी. महिला विश्वविद्यालय, बम्बई	5,400/-	अगस्त, 1991 में ट्रेकिंग कार्यक्रम	
38.	ऐकन, 5 हरीश चटर्जी गली, कलकत्ता	3,120/-	अक्टूबर, 1991 के दौरान उ.प्र. में ट्रेकिंग अभियान	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	दी गई धनराशि	प्रयोजन	अभियुक्तियां
39.	फ्रेडस पर्वतारोहण और ट्रैकिंग क्लब, 38, जंगपुरा रोड, भोपाल (म.प्र.)	6,900/-	उत्तर प्रदेश में अक्टूबर, 1991 में ट्रैकिंग अभियान	
40.	सुश्री परमजीत कौर, प्लॉट नं. 151, मीनाक्षी गार्डन, नई दिल्ली-18	2,572/-	अगस्त, 1991 के दौरान ट्रैकिंग अभियान	
41.	सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विधान नगर (गुजरात)	14,340/-	नवम्बर, 1991 में हिमालय में मारकंडा हिल्स में ट्रैकिंग कार्यक्रम	
42.	दून बासको हाई स्कूल, तृण-794 002, पश्चिम कार्गो हिल्स, मेघालय	1,61,000/-	बेस कैम्प और साहसिक कैम्प की स्थापना	
43.	जी.टी. बोस कॉलेज, सरना, जिला-पुणे-412 210	5,775/-	साहसिक शिविर की स्थापना	
44.	रोक्स एण्ड स्नो, 24/2डी, हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता	4,850/-	सितम्बर, 1991 में उत्तर प्रदेश में ट्रैकिंग	
45.	दूनावाल एजु. ट्रस्ट एवं कॉमर्स कॉलेज, पुणे	6,490/-	ट्रैकिंग, पर्वतारोहण तथा रोक कलाइबिंग	
46.	हिमालया ट्रेडर्स, 2, पनपारा वाई लेन, मदराकली, हुगली (प. बंगाल)	4,233/-	सितम्बर-अक्टूबर, 1991 में सिक्किम हिमालय में ट्रैकिंग अभियान	
47.	चूरी एंडवेंचर व कल्चरल सोसायटी, मार्फत प्रभु दयाल शर्मा, बुन्धिमदाडा, वाई नं. 4, चुरू (राजस्थान)	4,926/-	सितम्बर-अक्टूबर में गढ़वाल हिमालय में ट्रैकिंग	
48.	हावड़ा डिस्ट्रिक्ट माउंटअरिंग एण्ड ट्रैकिंग संघ, 4 आर. 3 सी., हॉविंग एस्टेट प्लॉट नं. 2, ब्लॉक सी, टाइप IV, हावड़ा-II	1,600/-	सितम्बर, 1991 में उत्तरप्रदेश में ट्रैकिंग	
49.	झुमर, 118/2बी, मोहनापुकर रोड, कलकत्ता	2,700/-	अगस्त-सितम्बर, 1991 में गढ़वाल हिमालय में ट्रैकिंग	
50.	कार्यक्रम समन्वयक, एन.एस.एस., गुजरात एग्री विश्वविद्यालय, आनन्द गुजरात	8,000/-	माउंट आबू में ट्रैकिंग कार्यक्रम	
51.	गढ़वाल बदरी-केदार युवा क्लब, संतोली, चमोली	8,460/-	अगस्त, 1991 में कुल्लू-मनाली में ट्रैकिंग	
52.	भगवाना कॉलेज, मुंशी नगर, अंधेरी, बम्बई	34,000/-	अक्टूबर, 1991 में वनस्पति और जीव-जंतुओं का अध्ययन	
53.	श्री प्रबोद दत्ता, 19/1बी, अबिनाश चन्द्र बनर्जी रोड, कलकत्ता	1,600/-	गढ़वाल हिमालय में ट्रैकिंग	
54.	श्री विपिन चन्द्र, 9992 ए, आनन्द गली, नं. 2, सराय रोहिल्ला बस्ती, नई रोहतक रोड, नई दिल्ली-5	9,000/-	उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की साइकिल यात्रा	
55.	श्री सरस्वती भट्टाचार्य, ए.पी. 72, शालीमार बाग, दिल्ली-52	6,225/-	अक्टूबर, 1991 में नेपाल हिमालय में अन्नतपुरा बेस कैम्प पर ट्रैकिंग	
56.	भारतीय पर्वतारोहण संघ, नई दिल्ली	95,400/-	जी.आई.ए.ए. क्लाइम्बरस क्लब ट्रैकिंग	
57.	दी ट्रेम्पस, बी/246, ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली-48	7,970/-	साहस का विकास	
58.	जगमोहन सिंह, एच-50, विकासपुरी, नई दिल्ली	3,528/-	भवनेश भवन, हिमालय में ट्रैकिंग	
59.	ग्रामीण विकास संस्था, नीलवाल पोस्ट	21,871/-	ट्रैकिंग गढ़वाल हिमालय, एक्स पोस्ट फैक्यु स्वीकृत	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	दी गई धनराशि	प्रयोजन	अभियुक्तियां
60.	गांधीग्राम ग्रामीण संस्थान, डिंडीगल जिला तमिलनाडु	5,62,125/-	गांधीग्राम में शिविर स्थल का निर्माण	
61.	करीमपुर मागिंग क्लब, पोस्ट करीमपुर, जिला नादिया	1,800/-	साइकिल अभियान	
62.	रुड़की विश्वविद्यालय, रुड़की	12,540/-	हिमालयन सामाजिक परिस्थितिक अभियान	
63.	कार्यक्रम समन्वयक, एन.एस.एस., एस.वी. विश्वविद्यालय, तिरुपति (आ.प्र.)	4,300/-	ट्रैकिंग अभियान	
64.	असम एडवेंचर संघ, गुवाहाटी	25,000/-	उत्तरी गढ़वाल में पर्वतारोहण अभियान	
65.	एन.एस.एस. लायल एकेडमी, अलवल, सिकन्दराबाद (आ.प्र.)	4,620/-	साइकिलिंग	
66.	हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	15,750/-	पौड़ी हिमालय में युवा नेचर कैम्प	
67.	पायोनियर एडवेंचर सोसायटी, बीकानेर (राज.) 13 सादुलगंज, बीकानेर	8,115/-	अगस्त-नवम्बर, 1991 में 3 ट्रैकिंग कार्यक्रम	
68.	हिमालया लवरस, एसोसिएशन 83/14, रूसा रोड़ (पूर्व) कलकत्ता	3,250/-	सितम्बर-अक्टूबर, 1991 के दौरान गढ़वाल हिमालय में बदरीनारायण में ट्रैकिंग	
69.	भारतीय पर्वतारोहण संघ, बेनेलो जुआरेज मार्ग, आनन्द निकेतन के सामने, नई दिल्ली	12,500/-	साहस का विकास	
70.	एम.पी. साहसिक एक्सप्लोरेशन संस्थान, ई-3/11, अंररा कालोनी, भोपाल	33,285/-	दो साहसिक कार्यक्रम	
71.	असम एडवेंचर संघ, गुवाहाटी	47,601/-	ट्रैकिंग कार्यक्रम	
72.	भारतीय युवा छात्रावास संघ, नेहाती यूनिट पोस्ट नेहाती, 24 परगना	8,000/-	साहस के विकास के लिए ट्रैकिंग	
73.	उत्तर मनास कुट्टी-713 343	8,778/-	राँक क्लाइंबिंग कोर्स	
74.	जयहिन्द आर्ट एण्ड खेल क्लब कंधेकल, दोदीवा, अनालामड़ी पी.ओ.	10,500/-	साइकिल अभियान	
75.	चितौड़गढ़ गर्वमेंट प्रैस वेलफेयर, 553, सरकुलर रोड़, ब्लॉक 6, रूम नं. 1, हावड़ा	3,510/-	सितम्बर-अक्टूबर, 1991 दौरान उत्तर प्रदेश में ट्रैकिंग	
76.	एन.एस.एस. महात्मा गांधी विश्वविद्यालय, कोटयम	9,900/-	साहसिक कार्यक्रम	
77.	एन.एस.एस. यूनिट-1, राजकीय जूनियर कॉलेज (बालक), नालगौडा	3,360/-	साहस का विकास	
78.	एन.एस.एस. सत्याराम कॉलेज, विजयवाड़ा, हैदराबाद	4,680/-	साहस का विकास	
79.	राजकीय महिला कॉलेज, हिन्दपुर, हैदराबाद (आ.प्र.)	3,900/-	साहस का विकास	
80.	सी. एम्प्योरर संस्थान, आउटर्म घाट, कलकत्ता	75,000/-	उपस्करों की खरीद	
81.	—वही—	2,82,600/-	रेफ्टिंग अभियान कलकत्ता से सिंगापुर	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	दी गई धनराशि	प्रयोजन	अभियुक्तियां
82.	ने.यु. केन्द्र संगठन, जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली	10,000/-	नेहरू मेमोरियल लेक्चर नेहरू मिशन ऑफ यूथ	
83.	यूथ होस्टल ऑफ इण्डिया, 5, न्याय मार्ग, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली	7,530/-	हिमालय, मोटर बाइक रेली का आयोजन	
84.	पर्वतारोहण संस्थान, कृष्णनगर (प. बंगाल)	8,646/-	मैकटोली को ट्रेकिंग	
85.	कंसेंट क्लब, चितरंजन	10,800/-	रॉक क्लाइम्बिंग	
86.	हिमालयन एंजोयर्स एसोसिएशन, 713 331 बर्धमान	18,750/-	रॉक क्लाइम्बिंग कोर्स	
87.	सी एक्सप्लोरर संस्थान, आउटरिच घाट, कलकत्ता	25,000/- (दूसरी किस्त)	कलकत्ता से अण्डमान द्वीप समूह तक सेलिंग अभियान	
88.	भारतीय युवा छात्रावास संघ, पार्क स्ट्रीट, कलकत्ता	11,250/-	साहसिक कार्यक्रम	
89.	नवजीवन सोसायटी, जोगबंग्स अमरावती कैम्प अमरावती-444 602	94,000/-	विकास और एकीकरण	
90.	असम एडवेंचर संघ, गुहाटी, असम	1,74,825/-	खेल उपकरणों की खरीद	
91.	एन.एस.एस. 38, ए.डब्ल्यू.एच.ओ., जशवंत नगर, इन्दिरा कालोनी, देहरादून	10,800/-	युवाओं के लिए प्रशिक्षण पाठ्यक्रम	
92.	युवा कल्याण जादवपुर, कलकत्ता	15,300/-	ट्रेकिंग कार्यक्रम	
93.	युवा एडवेंचर केन्द्र, पटना विश्वविद्यालय, पटना	8,186/-	गढ़वाल में वनस्पति और जीव-जंतुओं का अध्ययन	
94.	एन.एस.एस. टैगोर साइंस कॉलेज, पॉडिचरी	7,875/-	साइकिल कार्यक्रम	
95.	ट्रेंड सोसल वर्क्स एसोसिएशन, कांवल्लम-2	45,000/-	साइकिल अभियान	
96.	हिमालयन पर्वतारोहण संस्थान, कलकत्ता	3,365/-	पश्चिमी सिक्किम हिल्स में ट्रेकिंग	
97.	एन.एन.एस. यूनिट कालीकट, मेलापुरम, केरल	11,250/-	साहसिक कार्यक्रम	
98.	श्री सरजीत पारासर एण्ड पार्टी, नई दिल्ली	5,130/-	ट्रेकिंग कार्यक्रम	
99.	श्री गुलाब सिंह एण्ड पार्टी, जामा मस्जिद, बुलन्दशहर	5,970/-	ट्रेकिंग कार्यक्रम	
100.	एन.ए.पी.जे.एन. स्टेडियम, नई दिल्ली	28,350/-	स्कूली बच्चों के लिए साहसिक प्रशिक्षण शिविर	
101.	एस.सी./एस.टी. अनुसंधान प्रशिक्षण संस्थान, गोमती नगर, लखनऊ	21,000/-	साहसिक कार्यक्रम	
102.	एन.ए.एफ., नई दिल्ली	99,000/-	दो एकीकरण शिविरों का आयोजन	

कुल = 36,27,731/-

राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा देने के लिए दिए गए अनुदान का विवरण

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	प्रयोजनावधि	दी गई धनराशि (रुपये)	अभियुक्तियाँ
1.	स्विक्र मैके, लखनऊ रोड, नई दिल्ली	सांस्कृतिक कार्यकलाप	65,000/-	
2.	सर्वोदय शिक्षा एवं विकास संस्थान, आगरा	एन.आई.सी.	2,52,000/-	
3.	छात्र कल्याण विश्वविद्यालय, पुणे	एन.आई.सी.	35,343/-	
4.	जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, पुरी	एन.आई.सी.	27,500/-	
5.	सर्वोदय शिक्षा एवं समाज कल्याण संस्था	एन.आई.सी.	1,25,000/-	
6.	कृषि नवयुवक क्लब, चम्बा (हिमाचल प्रदेश)	एन.आई.सी.	52,500/-	
7.	ए.आई.यू., नई दिल्ली	बंगलौर में सेमिनार	13,600/-	
8.	आर.के. मिशन, धुवनेश्वर	एन.आई.सी.	11,838/-	
9.	निदेशक, युवा सेवा और खेल, शिमला (हि.प्र.)	3 एन.आई.सी. कैम्प	1,81,500/-	
10.	दिल्ली समाज कार्य स्कूल, दिल्ली विश्वविद्यालय	अन्तर्राष्ट्रीय दौर	2,371/-	
11.	कृषि विद्यापीठ, अकोला	एन.आई.सी.	90,300/-	
12.	जयप्रकाश ग्राम कल्याण संस्था, नान्देड़	एन.आई.सी.	75,000/-	
13.	ओरिएण्टल स्वेचिक्क संघ, इम्फाल	अन्तर्राष्ट्रीय दौर	27,500/-	
14.	तारिका मंच, गिरिडीह, बिहार	एन.आई.सी.	12,750/-	
15.	एच.पी. कृषि विश्वविद्यालय, पालमपुर (हि.प्र.)	एन.आई.सी.	77,100/-	
16.	मालदा कॉलेज, पश्चिम बंगाल, मालदा	एन.आई.सी.	91,500/-	
17.	विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी	एन.आई.सी.	68,559/-	
18.	राष्ट्रीय सांस्कृतिक संस्थान, नई दिल्ली	एन.आई.सी.	93,000/-	
19.	सागा युवक केन्द्र, कोट्टयम	अन्तर्राष्ट्रीय युवा विनिमय	19,000/-	
20.	उपायुक्त, रोपड़, पंजाब	—वही—	59,250/-	
21.	टैगोर आर्ट कॉलेज, पांडिचेरी	एन.आई.सी.	69,000/-	
22.	चौ. एस.डी. सेंट थियर्स कॉलेज, इल्लरू (आ.प्र.)	एन.आई.सी.	76,500/-	
23.	सम्बलपुर विश्वविद्यालय, उड़ीसा	—वही—	76,500/-	
24.	अन्तर भारती, मद्रुरै	—वही—	67,000/-	
25.	छात्र कल्याण हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार	—वही—	77,000/-	
26.	रोटरी क्लब, मद्रास	—वही—	21,000/-	
27.	भारतीय ग्रामीण सांस्कृतिक केन्द्र संस्थान, नई दिल्ली	—वही—	2,45,000/-	
28.	विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी	आई.एस.वाई.जी.पी.	1,63,050/-	
29.	अन्तर्राष्ट्रीय अध्ययन और नृत्य केन्द्र, केरल	एन.आई.सी.	590/-	
30.	गार्गी दर्शन केन्द्र, मद्रास	—वही—	40,000/-	
31.	डान बास्को स्कूल, असम	—वही—	73,000/-	
32.	युवा समूह प्रोत्साहन समिति, नई दिल्ली	—वही—	63,000/-	
33.	निदेशक, युवा सेवा, पंजाब सरकार	आई.एस.वाई.ई.पी.	40,264/-	
34.	एस.के.वी.पी. एण्ड डॉ. के.एस. राजू कला और विज्ञान कॉलेज, पेन्नगुंडा (आन्ध्र प्रदेश)	एन.आई.सी.	76,500/-	
35.	केरल कला मण्डलम्, त्रिचूर	—वही—	4,454/-	
36.	मैसूर विश्वविद्यालय, मैसूर	—वही—	83,000/-	
37.	अरविन्दो सोसायटी, पांडिचेरी	2 एन.आई.सी.	58,800/-	
38.	दयानन्द कला केन्द्र, गोवा	आई.एस.वाई.ई.पी.	28,000/-	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	प्रयोजनार्थ	दी गई धनराशि (रुपये)	अभियुक्तियाँ
39.	सेवा भारती, नई दिल्ली	एन.आई.सी.	75,000/-	
40.	श्यामा प्रसाद मुखर्जी कॉलेज, नई दिल्ली	लक्ष्यद्वीप भ्रमण	93,555/-	
41.	चिल्ड्रन टैम्पल, नैहाटी (पश्चिम बंगाल)	महाराष्ट्र से नई दिल्ली तक पद यात्रा	18,000/-	
42.	गाँधी ग्राम ग्रामीण संस्था, दिन्दीगुल, तमिलनाडु	एन.आई.सी.	2,43,000/-	
43.	राष्ट्रीय युवा परियोजना, नई दिल्ली	—वही—	7,74,000/-	
44.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम	—वही—	7,500/-	
45.	विश्व साहित्य संस्थान, नई दिल्ली	—वही—	45,097/-	
46.	युवा समूह प्रोत्साहन समिति, नई दिल्ली	—वही—	11,159/-	
47.	अरविन्दो शिक्षा सोसायटी, नई दिल्ली	—वही—	37,500/-	
48.	पब्लिक अनुदेशक ऑफिसर, बंगलौर	—वही—	67,500/-	
49.	बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश	—वही—	74,500/-	
50.	भारत स्काउट और गाइड, नई दिल्ली	—वही—	1,23,750/-	
51.	श्री हनुमान ब्यायाम प्रसारक मण्डल, अमरावती, महाराष्ट्र	—वही—	69,500/-	
52.	आर.के. मिशन, नोरेन्द्रपुर पश्चिम बंगाल	—वही—	1,12,000/-	
53.	राजकीय कन्या सीनियर सेकेण्डरी, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली	आई.वाई.एस.ई.पी.	1,50,000/-	
54.	सैंट. एम्थोनी कॉलेज, शिलाँग	एन.आई.सी.	1,30,850/-	
55.	भारत स्काउट और गाइड, नई दिल्ली	—वही—	41,250/-	
56.	गर्वनमेंट कॉलेज, असम	—वही—	83,700/-	
57.	पूना विश्वविद्यालय, पुणे	—वही—	83,800/-	
58.	दिल्ली विश्वविद्यालय, साउथ कैम्पस, नई दिल्ली	—वही—	3,520/-	
59.	सद्भावना का आयोजन, देवास	—वही—	3,00,000/-	
60.	श्री अरविन्दो शिक्षा संस्था, ओरुविल्ले	—वही—	2,52,000/-	
61.	एन.एस.एस., भावनगर विश्वविद्यालय, भावनगर, अहमदाबाद	—वही—	55,342/-	
62.	शहरी और ग्रामीण संस्कृति का अखिल भारतीय केन्द्र, नई दिल्ली	एन.आई.सी.	2,88,000/-	
63.	नेहरू बाल संघ	—वही—	41,014/-	
64.	युवा विरादरी, बम्बई	—वही—	1,50,000/-	
65.	एन.एस.एस. वैक्टेस्वरा विश्वविद्यालय, तिरुपति	—वही—	80,000/-	
66.	काराईल युवाजन कलासमिति, पैम्पानूर कन्नानोर, केरल	—वही—	78,000/-	
67.	विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी	—वही—	3,57,000/-	
68.	बागवानी समिति, नवाद्वीप पश्चिम बंगाल	—वही—	79,350/-	
69.	महात्मा गाँधी विश्वविद्यालय, कोट्टयम, केरल	—वही—	85,750/-	
70.	गाँधी ग्रामीण संस्थान, डिन्डीगुल तमिलनाडु	—वही—	5,62,125/-	
71.	मिदनापुर कॉलेज, पश्चिम बंगाल	—वही—	90,000/-	
72.	कालीकट विश्वविद्यालय, केरल	—वही—	66,892/-	
73.	गाँधी स्मृति एवं दर्शन समिति, नई दिल्ली	—वही—	5,40,000/-	
74.	भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय ग्रामीण सांस्कृतिक केन्द्र, नई दिल्ली	—वही—	41,500/-	
75.	विश्व युवक केन्द्र, नई दिल्ली	—वही—	1,27,000/-	
76.	सरदार पटेल विश्वविद्यालय, गुजरात	—वही—	94,000/-	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	प्रयोजनार्थ	दी गई धनराशि (रुपये)	अभियुक्तियाँ
77.	वर्द्धमान विश्वविद्यालय, कलकत्ता (पश्चिम बंगाल)	—वही—	29,000/-	
78.	अखिल भारतीय बाल स्काउट संघ, नई दिल्ली	—वही—	22,500/-	
79.	निदेशक खेल और युवा सेवा, उड़ीसा	—वही—	2,50,000/-	
80.	नेहरू युवा केन्द्र, महबूब नगर	—वही—	1,51,000/-	
81.	एन.एस.एस. क्षेत्रीय केन्द्र, पैलेडी, अहमदाबाद	—वही—	87,000/-	
82.	राजकीय बालिका सैकेण्डरी स्कूल, मोतीबाग, नई दिल्ली	—वही—	1,77,000/-	
83.	राष्ट्रीय युवा परियोजना, नई दिल्ली	—वही—	1,21,640/-	
84.	इण्डियन क्लासिकल संगीत एवं सांस्कृतिक संगठन, नई दिल्ली	—वही—	63,000/-	
85.	एन.एस.एस. मदुरै कामराज विश्वविद्यालय	—वही—	10,170/-	
86.	भारतीय युवा छात्रावास संगठन, नई दिल्ली	—वही—	1,48,500/-	
87.	गाँधी दर्शन केन्द्र, मद्रास	—वही—	1,37,945/-	
88.	ज्योति कल्याण संघ, हैदराबाद	—वही—	38,430/-	
89.	भारत स्काउट और गाइड, नई दिल्ली	—वही—	24,998/-	
90.	समाज भारती लाहूर, महाराष्ट्र	—वही—	31,350/-	
91.	राजेन्द्र शिक्षण कल्याण संस्थान, सीतामढ़ी, बिहार	—वही—	21,000/-	
92.	नेहरू युवा केन्द्र संगठन, नई दिल्ली	(जवाहर साइकिल यात्रा)	4,05,000/-	
93.	बालकंज बारी अन्तर्राष्ट्रीय, जनकपुरी, नई दिल्ली	(युवा कवि अवार्ड)	31,750/-	
94.	भारतीय खेल प्राधिकरण, नई दिल्ली	एन.आई.सी.	2,13,845/-	
95.	जय प्रकाश ग्राम कल्याण संस्था, नॉडेड महाराष्ट्र	—वही—	82,500/-	
96.	भारत स्काउट गाइड, नई दिल्ली	एन.आई.सी. तथा अन्तर्राष्ट्रीय युवा विनिमय कार्यक्रम	23,86,000/-	
97.	भारतीय विश्वविद्यालय संघ, नई दिल्ली	चार क्षेत्रीय और एक राष्ट्रीय महोत्सव	9,71,000/-	
98.	डान बास्को कॉलेज, तुरे, मेघालय	एन.आई.सी.	1,92,000/-	
99.	आर.के. मिशन, भुवनेश्वर	—वही—	45,000/-	
100.	भारतीय युवा छात्रावास संगठन, नई दिल्ली	(गणतंत्र दिवस शिविर)	5,73,750/-	
101.	मिरांडा हाउस कॉलेज, नई दिल्ली	एन.आई.सी.	15,510/-	
102.	सैंट. जोसफ कॉलेज, दार्जिलिंग	केरल का शिक्षण दौरा	18,774/-	
103.	निदेशक, युवा सेवा और खेल, बाबूपुरे (इम्फाल)	एन.आई.सी.	1,08,000/-	
104.	श्री गाँधी कॉलेज, सिंधौली, सीतापुर	—वही—	76,800/-	
105.	श्री वैकुण्ठेश्वर कॉलेज, घौलाकुँआ, नई दिल्ली	अध्ययन दौरा	14,000/-	
106.	ग्रामीण स्वैच्छिक युवा फोरम, सिल्चर, कछार (असम)	युवा मिलाप	31,800/-	
107.	जिलाधीश और अध्यक्ष नेहरू युवा केन्द्र, महबूबनगर आन्ध्र प्रदेश	—वही—	34,310/-	
108.	निदेशक, युवा कार्य और खेल, मणिपुर	—वही—	51,560/-	
109.	प्रमुख, वनस्पतिशास्त्र विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली	—वही—	2,500/-	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	प्रयोजनार्थ	दी गई धनराशि (रुपये)	अभियुक्तियां
110.	अरविन्द भवन, ट्रस्ट, कृष्णा नगर, नादिया (प. बंगाल)	एन.आई.सी.	75,000/-	
111.	बालकंज बारी अन्तर्राष्ट्रीय, जनकपुरी, नई दिल्ली	साहित्य का मुद्रण	5,000/-	
112.	जिला युवा समन्वयक, एन.वाई.के. आश्रम, किलोन (केरल)	एन.आई.सी.	95,625/-	
113.	अमरावती विश्वविद्यालय, महाराष्ट्र	—वही—	86,250/-	
114.	राष्ट्रीय महिला, बाल एवं युवा विकास संस्थान, खामली, नागपुर	—वही—	9,550/-	
115.	राष्ट्रीय युवा परियोजना, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली	—वही—	3,00,000/-	
116.	भारतीय युवा छात्रावास संगठन, नई दिल्ली	युवा मिलाप (एन.आई.सी.)	6,45,000/-	
117.	आर.के. मिशन, राँची (बिहार)	एन.आई.सी. एवं राष्ट्रीय युवा दिवस	18,750/-	
118.	यूथ एण्ड डिजास्टर प्रिपेयर्डनेस, उड़ीसा	एन.आई.सी.	26,250/-	
119.	आर.के. मिशन, भुवनेश्वर (उड़ीसा)	—वही—	7,676/-	
120.	उप कार्यक्रम सलाहकार, एन.एस.एस., सैल, नई दिल्ली	भूकम्प सहायता शिविर	6,69,375/-	
121.	एन.एस.एस. मैथिली विश्वविद्यालय, दरभंगा, बिहार	—वही—	76,800/-	
122.	काराडल युवाजन समिति, केरल	आई.वाई.एस.ई.पी.	18,750/-	
123.	आर.के. मिशन, राँची, बिहार	एन.आई.सी.	9,687/-	
124.	गांधी दर्शन केन्द्र, मद्रास	आई.वाई.एस.ई.पी.	58,725/-	
125.	श्री अरविन्दो अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षण अनुसंधान संस्थान, अरोविल्लो, तमिलनाडु	एन.आई.सी.	7,250/-	
126.	उपायुक्त, मुगदाबाद, उत्तर प्रदेश	—वही—	1,01,250/-	
127.	विश्व साहित्य संस्कृति संस्थान, नई दिल्ली	—वही—	93,281/-	
128.	समुदाय कल्याण संगठन, गोकुलपुरी, नई दिल्ली	—वही—	4,118/-	
129.	आर.के. मिशन, राँची	—वही—	7,625/-	
130.	अदितानार कला एवं विज्ञान कॉलेज, विरापनडिनपटनम, तमिलनाडु	—वही—	77,100/-	
131.	आर.के. मिशन, भुवनेश्वर	—वही—	1,10,625/-	
132.	सद्भावना दिवस को मनाना	—वही—	50,400/-	
133.	राज्य युवक मंगल दल, लखनऊ	—वही—	29,000/-	
134.	गांधी दर्शन केन्द्र, मद्रास	—वही—	1,005/-	
135.	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद	—वही—	18,600/-	
136.	कस्तूरबा गांधी मेमोरियल ट्रस्ट, इन्दौर (मध्य प्रदेश)	—वही—	20,625/-	
137.	महिला परिषद्, मुरैना (मध्य प्रदेश)	—वही—	16,875/-	
138.	भारतीय युवा छात्रावास एसोसिएशन, नई दिल्ली	—वही—	19,333/-	
139.	राजकीय कॉलेज, अजमेर	—वही—	98,625/-	
140.	बिमला ग्रामोद्योग सेवा संस्थान, मेरठ	—वही—	61,875/-	
141.	कार्यक्रम समन्वयक, एन.एस.एस. टैगोर कला कॉलेज, पांडिचेरी	—वही—	22,000/-	
142.	हनुमान व्यायाम प्रसारक मंडल, अमरावती	—वही—	2,75,702/-	

क्र. सं.	संगठन का नाम और पता	प्रयोजनार्थ	दी गई धनराशि (रुपये)	अभियुक्तियाँ
143.	सद्भावना दिवस को मनाना	—वही—	1,73,350/-	
144.	पीपल्स कल्चरल सेन्टर, धुवनेश्वर	—वही—	35,625/-	
145.	दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा	—वही—	63,750/-	
146.	नेशनल एडवेंचर फाउंडेशन	—वही—	99,000/-	
147.	भारतीयम कार्यक्रम	—वही—	1,00,000/-	
148.	राष्ट्रीय युवा परियोजना, नई दिल्ली	—वही—	2,06,250/-	
149.	स्पेशल सिक्योरिटी ब्यूरो, आर.के. पुरम, नई दिल्ली	—वही—	1,28,527/-	
150.	आर.के. मिशन, कलाडी, केरल	—वही—	22,582/-	
151.	बांगवानी सीसायटी नाबाडीप, पश्चिम बंगाल	—वही—	1,44,375/-	
152.	आर.के. मिशन, नई दिल्ली	—वही—	7,500/-	
153.	नेहरू बाल संघ, नई दिल्ली	—वही—	2,02,500/-	
154.	आर.के. मिशन, कलाडी, केरल	—वही—	9,375/-	
155.	मैत्री कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, बापू घाम, नई दिल्ली	—वही—	1,044/-	
156.	युवा सेवा निदेशक, हिमाचल प्रदेश सरकार, शिमला	—वही—	1,57,000/-	
157.	अखिल भारतीय समाजोत्थान समिति, रोहिणी, नई दिल्ली	—वही—	32,250/-	
158.	फखरुद्दीन अली अहमद मेमोरियल समिति, नई दिल्ली	—वही—	2,94,375/-	

कुल 1,95,45,647/-रु.

(एक करोड़ पच्चीस लाख पैतालीस हजार छः सौ सैतालीस मात्र)

परिशिष्ट-ग
(पैरा 2.9.4)

राष्ट्रीय युवा प्रस्कार प्राप्तकर्ताओं की सूची

1985

- श्रीमती सर्वा श्रीदेवी
सिकन्दरबाद-61
आन्ध्र प्रदेश
- श्री मरुयाबलम रेगन
मुक्कम निवास
मेलक्कचीयोर
जेलीपासा
पो. ऑ. अन्नापल्ली
जिला पालवाट
केरल

- श्री सत्यानाथ पाठक
गांव पथकोहली
हरेसर, पोस्ट ऑफिस सफीपुर
जिला सुलतानपुर
उत्तर प्रदेश
- श्री पिल तुक्की
गांव बोजध
पोस्ट ऑफिस यजली
जिला लोबर सुबनसीरी
अरुणाचल प्रदेश
- श्री अमर धिवेक
साई सदन
मकान न. 551

3. श्रीमती सन्ध्या नरेन्द्र इंगले
पहली मंजिल गोलीपुर
चित्रा सिनेमा के नजदीक
नागपुर
महाराष्ट्र
4. श्री नवीन कुमार नाइक
पोस्ट ऑफिस बीरबीरा
वाया धनारूअडीही
जिला सुन्दरगढ़
उड़ीसा
5. श्री जसविद्र सिंह
गांव और पोस्ट ऑफिस रंगीलपुर
जिला रोपड़-140 108
पंजाब
6. श्री इलुमलाई मनी
14 कबलचेरी कॉलोनी
वोयलानेल्लौर पोस्ट
वाया पत्ताबीरम
मद्रास-72
तमिलनाडु

1986-87

1. कुमारी अनिल डोगरा
ग्राम और डाकघर सुजानपुर
जिला हमीरपुर
हिमाचल प्रदेश
2. श्री मृत्युंजया चन्द्रशेखर हीरिमथ
मार्किट रोड अलनावर
जिला धारवाड़
कर्नाटक
3. श्री अशोकराव कॉंडीरम माणे
शिवाजी पेठ, शिरोल,
तालुका शिरोल, जिला कोल्हापुर
महाराष्ट्र
4. श्री सुरेश शेट्टी
9-डी गोकुल मंदावन
महाकाली रोड
अन्धेरी ईस्ट
बम्बई-93
महाराष्ट्र
5. श्री वाईखेम इबोहल सिंह
थाउबल क्षेत्रीलिकरई
पोस्ट ऑफिस और थाना
थाउबल-795 138
मणिपुर

- सेक्टर 8 बी
चण्डीगढ़ 160 008
10. श्री रोक्कू ए.आर. डियास
सेगुन्डो — बेररो
सान्ताक्रुज
तिसवाडी तालुका
गोवा
11. नव प्रतिभा कला, खेल और
सांस्कृतिक एसोसिएशन
नजकनल, कृष्णापुरम
जिला किलोन 690 533
केरल

6. श्री सुरेन्द्र कुमार भुल्लर
गांव भुल्लर पो.ऑ. बाथ
जिला तरन तारन
अमृतसर
पंजाब
7. श्री बिभूति रंजन मिश्रा
गांव कैलाशपुर
पो.ऑ. नन्दाकुमारपुर
जिला 24 परगना
पश्चिम बंगाल
8. श्री बिमल कुमार राय
भरतपुर, नील द्वीप
दक्षिण अण्डमान
अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
9. श्री मुथुकृष्णन भक्तचलम
2/44 मरयम्मन
कोइल स्ट्रीट
मनावली अरयांकुप्पम
पांडिचेरी-6065007
10. युवा सेवाकर्मी संघ, मणिपुर
इन्डो-बर्मा रोड
थउबल-795 138
मणिपुर

1. कुमारी शाहज्जादा अजीज
हाऊस नं. 56
(निकट पुलिस कंट्रोल रूम)
बारा पत्थर,
बटमालू, श्रीनगर
जम्मू और कश्मीर
2. श्री मानिक देउरी
ग्राम गोरोमरी
पो.आ. लंघिन
जिला कार्बी अंगलोंग
असम
3. कुमारी ममता दे
दशमीघाट
जयनगर, अगरतला,
त्रिपुरा (पश्चिम)
त्रिपुरा
4. धर्मनन्दन युवक संघ (उड़ीसा)
सिकीपानी
डाकखाना धरूआदीही
जिला सुन्दरगढ़
उड़ीसा
5. श्री पी. इलांगोवन
द्वारा श्री पी. नटराजन
सी-2/190 कैलाशपुरम
तिरुचिरापल्ली,
तमिलनाडु
6. श्री के.वी. गोपीनाथन
कोलंगाडा वीटील
डाकखाना पेरीयाराम,
जिला कन्नौर,
केरल
7. मोहम्मद इमदादुल हक
गांव और डाकखाना कटवा
बागनपारा
जिला बर्दवान
पश्चिम बंगाल
8. श्री लश्करी गजेन्द्र हरसरनदास
ब्लाक नं. 39 तृतीय तल,
जे.के. भवन,
सं. 5 गामदेवी
बम्बई महाराष्ट्र
9. श्री किशन लाल
ग्राम और पो.आ. मूलिंग
तहसील लाहोल और स्पिति,
जिला लाहोल और स्पिति,
हिमाचल प्रदेश
10. श्री मणिशंकर
मकान नं. 1540
आउटराम लाइन
किंग्सवे कैम्प
दिल्ली
11. कुमारी सुभा लक्ष्मी नाईक
मंदर बगीचापारा
भञ्जानीपटना
जिला कालाहांडी
उड़ीसा
12. श्री राम नरेश रावत
गांव दौलतपुर
डाकखाना अचेन्दा
तहसील फतेहपुर
जिला बराबंकी,
उत्तर प्रदेश
13. श्री अदवीरकर दिवाकर सखाराम
ग्राम और डाकखाना जैतापुर,
तहसील राजापुर,
जिला रत्नागिरी
महाराष्ट्र
14. कुमारी मनीषा जयन्तीलाल शाह
द्वारा: प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र
फतेहपुरा, जिला पंचमहल
गुजरात
15. श्री परीमल तरूआ
हैवलोक द्वीप,
दक्षिण अण्डमान,
अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह
16. श्री स्टान निकोइकारा
"वैल वृ"
थैरापल्ली,
जिला नीलगिरी
तमिलनाडु

1988-89

1. श्री नीलेश देसाई
ग्राम व पोस्ट रायपुरिया
जिला झाबुआ-457 775
मध्य प्रदेश
2. मुहम्मद सलीम मुहम्मद
उस्मान अंसारी
2309, ताशागली
धुले-424 001
महाराष्ट्र
3. श्री डी. मेरी
एल्फों सस लिगोरी
25, मेंटेर्सियर स्ट्रीट
मेरी होम
पांडिचेरी-605 001
4. श्री महेश पुरुषोत्तम कामत
क्रुज बड़ो,
अरारिम सालिगाओं,
बोरदेज गोआ
5. सुश्री कामीकाबेन नवनीतलाल दवे
पोस्ट: देसाईवाडा
जिला: पंचमहल,
गुजरात
6. श्री प्रकाश वैद्य
पोस्ट: काष्काली,
तालुका: सिरसी,
कर्नाटक
7. सुश्री इंदुलेखा
अरगाथुमली, नगामपदम,
जिला: कोट्टायम,
केरल
8. श्री संतोष कुमार प्रधान
रहनोक ब्लॉक
पूर्वी सिक्किम
9. श्री आ. वेलुसामी
1/164, के. अयामपलम,
जिला कोयम्बटूर,
तमिलनाडु
10. श्री राजेश कुमार
142, कावेरी छात्रावास,
जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय
नई दिल्ली
11. सुश्री लीला देवी,
गांव/डाकघर सेन वाला
तहसील: नाहन,
जिला: सिरमौर
हिमाचल प्रदेश
12. श्री अरूण कुमार सिंह
अतरदाह
रामदयालु नगर,
डाकघर रमना, जिला मुजफ्फरपुर
बिहार 842 002
13. जन शिक्षा एवं विकास संगठन
ग्राम और पो. आ.-मादा,
जिला-डुंगरपुर
राजस्थान

1989-90

1. श्री डा. विश्वनाथ
अध्यक्ष
युवा संघ
कोवथालम-518 344 जिला कुरनूल
(आन्ध्र प्रदेश)
2. श्री दुष्यंत कुमार वी, भट्ट
रघुनाथ वैद्य चाली,
डाल मिल रोड,
कैम्प स्टेशन के नजदीक,
सुरेन्द्र नगर-363 001
गुजरात
3. श्री शंकर बीव हिरराडी
अवरादी
ता. रामदुर्ग, जिला बेलगाव,
कर्नाटक
4. कुमारी मेरीकुट्टी जोसफ
परिवार परामर्श दात्री केन्द्र
पो.ओ. कालपेटा,
वाइनाड (जिला)
केरल-673 121
5. श्री बावगे माधव विश्वनाथ
कमरा न. 30ए हट्टी बिल्डिंग के सामने
हट्टी नगर, लातुर-413 512
जिला लातुर (महाराष्ट्र)

6. कुमारी एल. लक्ष्मी देवी
चिंगा मथक नगरकाबा लेराक,
इम्फाल, मणिपुर
7. श्री यू. करुणानिति
साथ वेस्ट स्ट्रीट,
एडा-मैलाइयूर-614 013
तंजावर, तमिलनाडु
8. श्री सतनाम सिंह सेथों
सचिव,
युवा क्लब, लखन कलां
जिला कपूरथला,
पंजाब
9. सुश्री इति दास
बनियपेट, कालेज मार्ग,
डाक केऊझरगढ़, जिला केडंझर
पिन: 758 001 (उड़ीसा)
10. श्री श्रीदेव वर्मा
गांव-छज्जन पासरवाडा,
डाकघर-छज्जन, वाया-लुकीं
जिला-मुजफ्फरपुर
बिहार
11. श्री देव भास्कर पांडे,
श्रमिक कालोनी,
यू.पी.एस.टी.सी. पाटी पुर
मेरठ (उ. प्र.)
12. श्री अनिल कुमार गुप्ता,
(मंगल भवन) छोबे पाड़ा
कारोली, जिला सर्वाई माधोपुर
राजस्थान-322 241
13. श्री विनाद कुमार पंवार
ए-914, शास्त्री नगर,
दिल्ली-110 052
14. कुमारी एस. उमा
74-ए, भारत इलाम,
इस्तापापुरम, नगेरकोहल-2,
जिला — कन्याकुमारी
तमिलनाडु
15. श्री रिक्की लाम्बा,
2. पंजाबी बाग,
रायसीना रोड,
भोपाल-23, (मध्य प्रदेश)
16. अलगझाड़ी तरुण संघ
गांव-अलमझाडी
डाकघर-राजघाट,
वाया-मंगलडाई
जिला-दारंग (असम)
पिनकोड-784 125

1990-91

1. श्री बी. लक्ष्मण नाइक,
मकान नं. 18-2-197/152,
आर.एन. नगर, फलकनुमा,
हैदराबाद ।
2. डा. केशव मल्होत्रा,
टी-1/11, सैक्टर 25,
चण्डीगढ़ ।
3. श्री योगेश ए. जोशी,
साम्ने प्रभा पुल, प्रभा रोड,
जिला पंचमहल, गुजरात ।
4. श्री मलेश गोपाल चोगले,
मकान नं. 4126, कांगरल गल्ली,
बेलगाम 590 002,
कर्नाटक
5. श्री गोपाल अग्रवाल,
गोपाल मोटर्स, गंस्ता मार्केट,
गोंडिया-441 601
महाराष्ट्र ।
6. श्री लक्ष्मीचंद जैन,
साहुजी भवन, बोहारी कटडा सर्पाफा,
औरंगाबाद, महाराष्ट्र ।
7. श्री अशोक कुमार दास,
पोस्ट बेटकजरी (पी.एम.सी. के समीप),
वाया गोविंदपुर, जिला धनकुनाल, उड़ीसा ।
8. श्री गुरमेल सिंह बजवा,
गांव: ताजपुर, पोस्ट: भवानीपुर,
जिला: कपूरथला, पंजाब ।
9. श्री धर्मपाल सिंह चौधरी,
गांव: हिंगोली, पोस्ट: महरावर, कुमहार,
जिला: भरतपुर, राजस्थान ।
10. श्री लक्ष्मण सिंह,
ग्राम विकास युवक मंडल,
लपोडिया, ब्लाक डुड-303 008
जिला: जयपुर, राजस्थान ।
11. श्री आर. मरिअप्पन,
20, कामराजनगर,
रजापल्लयम, तमिलनाडु ।

12. श्री जी. प्रमोद कुमार,
टी.सी. 43/428, अकराधीन,
विलकोम कमलेश्वरम, मानकोड
पोस्ट: तिरुअंतपुरम, केरल।

13. कु. बी.पी. रोशनशैली,
रेगिना मैरी इल्लम, बुधरायनालूर,
विनामंगलम पोस्ट, बुधालम (वाया),
तंजोर, जिला, तमिलनाडु।

14. श्री एम.आई. तबिबुल्लाह,
16-ए, पल्लीवसल स्ट्रीट,
बप्पनवायल, पुडूकोट्टाई, तमिलनाडु।

15. श्री समीर कुमार नाग,
गांव: छुआदंगा, पोस्ट: गोविंदपुर,
पी.एस. छाकदना, जिला नदिया,
पश्चिम बंगाल।

संगठन

16. भारतीय राष्ट्रीय सिख यूथ फोरम,
160, जीवन नगर, समीप जीवन नर्सिंग होम,
आश्रम, नई दिल्ली

17. सवरता, पश्चिम बंगाल,
पोस्ट: सारागाछी आश्रम,
जिला: मुर्शिदाबाद, पश्चिम बंगाल।

अनुबन्ध-घ
(पैरा 3.1.5)

राज्य मंत्रियों के सम्मेलन की सिफारिशें और निष्कर्ष खेल

1. राज्य स्तर पर खेलों के विकास के लिए एक ही एजेंसी

अधिकतर राज्यों में खेल कूद के विकास की गतिविधियों की देखरेख के लिए युवा कार्यक्रम और खेल विभाग होते हैं। कुछ राज्य सरकारों की राज्य स्तर पर खेल प्राधिकरण भी हैं कुछ और राज्य ऐसे निकाय बनाने की सोच रहे हैं। यह महसूस किया गया है कि राज्य स्तर पर खेलों के विकास के लिए एक ही एजेंसी अधिक समन्वित तरीके से राज्य में खेलों के विकास में सहायक होगी। ऐसी एजेंसी गैर सरकारी संसाधन उत्पन्न करने में भी सहायक होगी।

यह बताया गया था कि भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय कार्यालयों के स्थापित करने की विचारधारा में विशेषीकृत प्रशिक्षण सुविधाओं का विकेंद्रीकरण तथा खिलाड़ियों के घर के निकट शैक्षिक पाठ्यक्रम आयोजित करना तथा क्षेत्रीय स्तर पर राज्य सरकारों के प्रस्तावों पर सुविधापूर्वक विचार करना शामिल है।

2. राज्य खेल परिषदों आदि को अनुदान की योजना

राज्य सरकारों ने बताया कि खेलों की बुनियादी सुविधाओं के लिए भारत सरकार की सहायता को और अधिक उदार बनाया जाए और लम्बित पड़ी परियोजनाओं को पूरा करने के लिए राज्यों को सहायता दी जानी चाहिए। यह भी सुझाव दिया गया कि इन लम्बित परियोजनाओं के कारण विकासार्थक कार्यों में अवरोध नहीं होना चाहिए तथा राज्य सरकारों/प्रायोजकों के भाग को खर्च करने के बाद भारत सरकार द्वारा अनुदान जारी करने के नए प्रस्ताव की पुनरीक्षा आवश्यक है।

सृजित किए गए खेलों की बुनियादी सुविधाओं के भरपूर उपयोग के महत्व पर विशेष ध्यान दिया गया तथा राज्य सरकारों पहले से सृजित बुनियादी खेल सुविधाओं के इष्टतम उपयोग के लिए सहमत हुई।

इस बात को महसूस करते हुए कि राज्यों में लम्बित पड़ी परियोजनाओं को परिणामोन्मुख तरीके से हल करने की आवश्यकता है, यह निर्णय लिया गया कि केवल उन्हीं परियोजनाओं के लिए, केन्द्रीय सहायता बढ़ाने के अनुरोध पर विचार किया जायेगा जिन्हें पहली किशत दे दी गई है, बशर्ते कि अनिवार्य खेल सुविधाओं पर ही लागत प्रस्तावित है। जिन मामलों में पूर्व स्वीकृत पूरी केन्द्रीय सहायता (अर्थात् दोनों किशतें) दे दी गई हैं उनके केन्द्रीय सहायता बढ़ाने के प्रस्ताव पर विचार नहीं किया जाएगा।

3. ग्रामीण स्कूलों को सहायता

इन योजना की सराहना की गई और राज्य सरकारों ने योजना में लगाई गई शर्तों को उदार बनाने तथा उन स्कूलों को सहायता देने का भी अनुरोध किया जो बुनियादी खेल सुविधाओं पर 15000/- रुपये प्रति वर्ष भी खर्च करने में सक्षम नहीं हैं। इस प्रयोजनार्थ यह सुझाव दिया गया कि 15000/-रु. की राशि को कम किया जाना चाहिए।

4. सिंथेटिक ट्रैक और कृत्रिम परत की योजना

राज्य सरकारों ने अनुरोध किया कि इस प्रयोजनार्थ सहायता की मात्रा को बढ़ाया जाए क्योंकि रुपये के अवमूल्यन के कारण सिंथेटिक ट्रैक/कृत्रिम परत बिछाने की लागत बढ़ गई है। यह भी सुझाव दिया गया कि केन्द्रीय सरकार की सहायता राज्य से पहली ऐसी परत बिछाने के लिए लागत का 75 प्रतिशत होना चाहिए, ताकि राज्यों को अपने राज्यों में कम से कम एक ऐसी परत बिछाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

5. औद्योगिक विकास केन्द्र

राज्यों द्वारा उपलब्ध सुविधाएं और सुअवसर नोट किए गए।

6. खेल छात्रावास

राज्य सरकारों द्वारा स्थिति को नोट किया गया।

7. खेल परियोजना विकास क्षेत्र योजना

इस योजना की राज्य सरकारों द्वारा सराहना की गई और आग्रह किया कि उनके राज्यों में ऐसे अधिक से अधिक केन्द्रों को प्रचालित किया जाए।

8. खेलों के क्षेत्र का विस्तार — राज्य स्तर पर टूर्नामेंट कलैण्डर

राज्यों ने राज्य स्तर पर टूर्नामेंट आयोजित करने के लिए संसाधन की कमी और केन्द्रीय सहायता बढ़ाने का अनुरोध किया।

9. स्कूल खेल पुरस्कार राशि योजना

यह सुझाव दिया गया कि इन टूर्नामेंटों में ग्रामीण क्षेत्रों के स्कूलों द्वारा भाग लेने को सुनिश्चित किया जाए। ग्रामीण स्कूल अधिक संख्या में भाग लेने में असमर्थ रहते हैं क्योंकि उनके पास यातायात और अपनी टीमों को ठहराने के लिए पर्याप्त धनराशि नहीं होती। यह भी सुझाव दिया गया कि जिला स्तर टूर्नामेंटों में द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले स्कूलों को भी कुछ न कुछ प्रोत्साहन दिया जाना चाहिए।

10. ग्रामीण खेल

कुछ राज्य सरकारों ने कहा कि चूंकि राज्य सरकारों का नियंत्रण नेहरू युवा केन्द्रों पर नहीं है इसलिए नेहरू युवा केन्द्र इस योजना को क्रियान्वित करने के अतिरिक्त दायित्व के प्रति न्याय करने में सक्षम नहीं होंगे। तथापि, भावना यह थी कि नेहरू युवा केन्द्र इस कार्यकलाप को सम्भालें।

11. अन्य विविध योजनाएं

राज्यों ने युवा कार्यक्रम और खेल विभाग/भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रचालित अन्य विभिन्न योजनाओं की जानकारी हासिल की।

12. स्वदेशी खेल और मार्शल आर्ट्स

यह भी सुझाव दिया गया कि केरल में मार्शल आर्ट्स केन्द्र के निर्माण के लिए उपलब्ध केन्द्रीय सहायता 50:50 के आधार पर होनी चाहिए।

13. विशेष क्षेत्र खेल

राज्य सरकारों ने योजना की सराहना की और सुझाव दिया कि उनके राज्यों में विशेषीकृत खेलों के विकास के लिए विशेष क्षेत्र खेल केन्द्र स्थापित किए जाएं।

14. राज्य स्तर पर जूनियर और महिलाओं के लिए प्रशिक्षण शिविर

यह सुझाव दिया गया कि राज्य सरकारों को जूनियर खिलाड़ियों के प्रशिक्षण की कोचिंग और प्रशिक्षण की सभी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर अपने प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने चाहिए। राज्य सरकारों ने अनुरोध किया कि ऐसे प्रशिक्षण के लिए भारतीय खेल प्राधिकरण को सहायता देना जारी रखनी चाहिए और कोच भी भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा उपलब्ध कराने चाहिए।

15. खेलों को भारत के संविधान की अनुवर्ती सूची में शामिल करने का प्रस्ताव

उत्तर प्रदेश, पश्चिमी बंगाल, तमिल नाडु आदि के खेल मंत्रियों ने इस का विरोध किया जबकि अन्य राज्यों जैसे मिजोरम ने इसका समर्थन किया।

16. अन्य मुद्दे

- खेल नीति का पुनरीक्षण होना चाहिए ताकि शहरी खेलों और ग्रामीण खेलों के बीच की दूरी को समाप्त किया जा सके। ग्रामीण क्षेत्रों में खेलों की ओर अधिक ध्यान दिया जाना चाहिए ताकि उन्हें शहरी क्षेत्रों के समकक्ष लाया जा सके।
- सभी खिलाड़ियों के लिए नौकरियों की गारंटी होनी चाहिए। सभी खेल विधाओं में पृथक पहले सौ स्थिति के खिलाड़ियों को ऐसी गारंटी देनी चाहिए।
- आइस स्केटिंग, आइस-हॉकी, आदि जैसे साहसिक खेलों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।
- शरद खेल केवल पर्यटन का विषय ही नहीं होना चाहिए तथा खेल विभाग द्वारा स्कीइंग को खेल के रूप में मान्यता देनी चाहिए। साहसिक खेलों को भी मान्यता प्राप्त खेलों में शामिल किया जाना चाहिए।
- सभी प्राइमरी अध्यापकों को खेलों और शारीरिक शिक्षा में पुर्नर्निर्देशित करना चाहिए।
- प्रत्येक राज्य द्वारा अपने राज्य में बल देने के लिए एक या दो खेल विधाओं का चयन करना चाहिए और खेल मैदानों आदि के लिए भूमि आरक्षित करना चाहिए।
- युवा कार्यक्रम और खेल विभाग/भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा बुनियादी खेल सुविधाओं आदि के सृजन द्वारा खेलों के विकास पर अधिक ध्यान देना चाहिए। खेलों के विकास के अन्य तरीकों, टीमों की तैयारी तथा उनके राष्ट्रीय और अन्तराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का दायित्व राज्य खेल संघों और राष्ट्रीय खेल संघों का होना चाहिए। राष्ट्रीय खेल संघों को अपने संसाधन भी पैदा करने चाहिए।

युवा

1. नेहरू युवा केन्द्र संगठन

कई राज्यों ने यह विचार व्यक्त किया है कि संगठन के केन्द्रों और सम्बन्धित राज्य सरकारों के बीच समन्वय की कमी ही संगठन की निष्क्रिय भूमिका का मुख्य कारण है। कुछ राज्यों का विचार था कि इस समन्वय की कमी का एक कारण यह है कि जिलाधीश की अध्यक्षता वाली जिला आयोगन समिति में राज्य सरकार के विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि शामिल नहीं हैं। कुछ राज्यों का विचार था कि नेहरू युवा केन्द्रों का प्रशासनिक नियंत्रण संबंधित राज्य के युवा सेवाओं के निदेशक के अधीन होना चाहिए।

सम्मेलन में जो सर्वसम्मति हुई वह थी कि चूंकि नेहरू युवा केन्द्र संगठन एक स्वायत्त संगठन है और इसलिए इसे राज्य अधिकारियों के सीधे अधीन नहीं रखा जा सकता, नेहरू युवा केन्द्रों के कार्य के समन्वय/मानिट्रिंग और इसके राज्य सरकारों के विभिन्न अन्य कार्यक्रमों से बेहतर संबंधों की प्राप्ति युवा सेवा और खेल के प्रभारी मंत्री की अध्यक्षता में राज्य स्तर समन्वय समिति के साथ उपयुक्त प्रबंध द्वारा की जा सकती है। यह भी निर्णय लिया गया कि नेहरू युवा केन्द्र कार्यक्रमों की जिला स्तर आयोजन समिति में खेल, संस्कृति और लोक-कलाओं से विशिष्ट प्रतिनिधियों को शामिल करके इसे बढ़ाया जा सकता है। इससे जिला आयोजन समिति में युवाओं की रूचि के लिए और अधिक प्रतिनिधित्व होगा। इस बात पर भी सर्वसम्मति हुई कि प्रत्येक जिले में तत्काल एक केन्द्र स्थापित किया जाए और जिनके जिले आकार और जनसंख्या में बड़े हैं उनके कुछ ब्लॉकों में भी नेहरू युवा केन्द्र स्थापित किए जाएं।

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग ने सभी जिलों को शामिल करने के लिए धनराशि की मांग की है। इसने 10 से 15 गांवों के एक समूह के लिए युवा विकास केन्द्र और जिले स्तर पर नेहरू युवा केन्द्र स्थापित करने के लिए योजना आयोग को सिफारिश की है। केन्द्र युवाओं के व्यक्तित्व के विकास, नेतृत्व प्रशिक्षण, कौशल के विकास और उन्हें स्वरोजगार के लिए तैयार करने हेतु कार्यक्रम आयोजित करेगा।

2. राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना: कार्यक्रमों को सुदृढ़ बनाने के लिए राज्य सरकारों के परामर्श से निकाले गये मैकेनिज़्म के जरिए कालेजों (एककों) को सीधे तौर पर धनराशि जारी करना अति महत्वपूर्ण है। राज्य सरकारों को अपने पास पड़े राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रमों को जारी न किए गए केन्द्रीय कोष की स्थिति के बारे में तुरन्त देखना होगा। इस पर भी सहमति हुई कि युवाओं के लाभ के लिए सभी कालेजों और विश्वविद्यालयों में एन.एस.एस. तथा एन.सी.सी. को सुदृढ़ किया जाए और बढ़ाया जाए।

3. युवाओं को प्रशिक्षण

ग्रामीण क्षेत्रों में स्थापित युवा विकास केन्द्र जागृति पैदा करने, कौशल को बढ़ाने, युवाओं को स्वरोजगार के लिए प्रशिक्षित करने और चुने गये युवाओं में उद्यम विकसित करने के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करेगा। इसके लिए राज्य सरकारों, स्वैच्छिक संगठनों और युवा क्लबों का सक्रिय सहयोग आवश्यक होगा। राज्य सरकारों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में विभिन्न बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से स्वरोजगार कार्यक्रमों और स्वयं के लघु उद्योग शुरू करने के लिए युवाओं के पक्ष में तत्काल उदार ऋण जारी करने को सुनिश्चित करने के लिए मामले को उठाये। स्वरोजगार परियोजना के लिए युवाओं को ऋण स्वीकृत करने की शर्तों में छूट देने के लिए वित्त मंत्रालय से अनुरोध किया जायेगा।

युवा क्लबों को वित्तीय सहायता देने के लिए भी सुझाव दिया गया था क्योंकि युवाजन युवा क्लबों से सम्बद्ध होते हैं और अग्रिम की उगाही अच्छी होगी।

खेलों की बुनियादी सुविधा परियोजनाओं को दर्शाने वाला विवरण
जिन्हें केन्द्रीय वित्तीय सहायता स्वीकृत की गई

प्रकार के नाम	स्वीकृत परियोजना की कुल सं.	परियोजना की अनुमानित लागत	परियोजना की स्वीकृत राशि	मापनों की संख्या तथा राशि जिन्हें पहली किस्त दी गई	मापनों की संख्या तथा राशि जिन्हें दूसरी किस्त दी गई	केन्द्रीय सहायता परियोजनाओं की कुल राशि जो स्वीकृत की गई	उन परियोजनाओं की संख्या जो पूर्णतः संचालित हैं	उन मापनों की संख्या जिनकी स्वीकृत राशि	दूसरी किस्त में जारी परियोजनाओं की कुल राशि		
(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)		
1. अण्डमान और निकोबार	1	21 00000	17.00000	1	8.50000	1	8.50000	17.00000	0	0	0.00000
2. आंध्र प्रदेश	31	938 77195	192.54500	31	90.32500	10	61.57500	151.90000	0	21	40.64500
3. अरुणाचल प्रदेश	16	62 75868	25.03900	16	11.96150	0	0.00000	11.96150	0	16	13.07750
4. असम	193	813 87421	273.83499	193	67.08700	10	123.35000	202.53300	0	183	71.30399
5. बिहार	20	682 12062	64.76024	20	38.09000	3	10.50000	48.59000	1	17	16.17024
6. चंडीगढ़	16	443 77800	120.81600	16	39.90800	1	60.30000	99.90800	0	15	20.90800
7. दीव व दमन	1	61 13000	61 13000	1	30.34000	0	0.00000	30.34000	0	1	30.79000
8. दिल्ली	2	56 91000	16.00000	2	8.00000	2	8.00000	16.00000	0	0	0.00000
9. दादरा और नगर हवेली	1	7 77000	2.50000	1	1.09575	0	0.00000	1.09575	0	1	1.40425
10. गुजरात	41	441.08456	139.63600	41	95.86300	19	18.85200	114.71500	5	22	24.92100
11. गोवा	10	833 97537	320.15750	19	41.97550	3	273.22825	315.20375	0	7	4.95375
12. हरियाणा प्रदेश	41	295 76413	152.14217	41	62.39000	36	73.15858	135.54858	7	5	16.59359
13. हरियाणा	102	842.94855	187.25650	102	92.48825	26	24.85000	117.34325	2	76	70.11325
14. जम्मू और कश्मीर	17	228.84534	84.38000	17	43.55000	2	1.75000	45.30000	0	15	39.08000
15. केरल	115	2326.92360	330.91048	115	170.31750	38	98.10181	208.41931	5	77	62.49117
16. कर्नाटक	82	659.28129	181.29280	82	91.37650	59	70.88630	162.26280	17	23	19.00000
17. मेघालय	12	719.45995	149.71400	12	45.73400	4	61.18000	106.91400	0	8	42.80000
18. महाराष्ट्र	159	2548.47365	465.14238	159	229.53889	111	136.56125	366.10014	41	48	99.04224
19. मणिपुर	85	1011.05346	97.23303	85	38.12020	24	11.15503	49.27523	1	61	49.95780
20. मध्य प्रदेश	67	1598.08864	422.99595	67	213.37085	9	44.14000	257.51085	0	58	165.48510
21. मिजोरम	39	1041.13573	342.66510	39	131.66350	32	193.67160	325.33510	3	7	100.53000
22. नागालैंड	20	820.25952	58.10000	20	27.47685	1	7.50000	34.97685	0	19	24.12315
23. ओडिशा	156	3393.39955	428.77350	156	170.25600	29	114.34650	284.60250	0	127	144.17100
24. पंजाब	153	753.58906	388.52900	153	280.05450	23	39.50000	319.55450	0	130	63.97450
25. पश्चिम बंगाल	1	0.82000	0.20000	1	0.10000	1	0.10000	0.20000	1	0	0.00000
26. राजस्थान	101	3045.52804	554.66850	101	276.80935	18	60.93940	337.74875	8	83	216.91975
27. सिक्किम	39	159.22624	71.94700	39	36.23800	36	22.84900	59.08700	34	3	12.86000
28. तमिलनाडु	291	1747.07865	372.09250	291	269.74725	191	59.40840	329.15565	117	100	4.93685
29. त्रिपुरा	5	114.45600	39.50000	5	5.00000	5	24.50000	29.50000	0	0	10.00000
30. उत्तर प्रदेश	93	1403.26600	462.21470	93	246.33760	79	155.53210	401.86970	49	14	0.00000
31. पश्चिम बंगाल	135	1846.50636	1256.85556	135	277.62907	83	894.98537	1172.61444	2	52	8.24112
	2045	28919.27715	7280.03390	2045	3141.34406	856	2659.12559	5812.56565	293	1189	1465.66825

कृत्रिम ट्रैक और परतों की अवस्थापना

क्रम सं.	परियोजना	स्वीकृत राशि (रुपये लाखों में)	वर्तमान स्थिति
सिंथेटिक ट्रैक/कृत्रिम परत			
1.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक साल्ट लेक स्टेडियम, कलकत्ता	70.00	पूर्ण
2.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक विश्वविद्यालय स्टेडियम, त्रिवेन्द्रम	50.00	पूर्ण
3.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक हिसार कृषि विश्वविद्यालय हिसार	40.00	प्रगति पर
4.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक लुधियाना	50.00	प्रगति पर
5.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक प्रियदर्शनी पार्क, बम्बई	50.00	पूर्ण
6.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, खेल कालेज, लखनऊ	50.00	प्रगति पर
7.	सिंथेटिक एथलेटिक ट्रैक, कलिंगा स्टेडियम, भुवनेश्वर	50.00	हाल ही में स्वीकृत
		<u>360.00</u>	

कृत्रिम हॉकी परत

1.	कृत्रिम हॉकी परत, खेल कालेज, लखनऊ	44.00	पूर्ण
2.	कृत्रिम हॉकी परत, शिवाजी स्टेडियम, नई दिल्ली	40.00	पूर्ण
3.	कृत्रिम हॉकी परत, रेलवे स्टेडियम, ग्वालियर	44.49	पूर्ण
4.	कृत्रिम हॉकी परत, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर	35.00	पूर्ण
5.	कृत्रिम हॉकी परत बम्बई, हॉकी संघ मैदान, बम्बई	35.00	पूर्ण
6.	कृत्रिम हॉकी परत, जलंधर	42.00	प्रगति पर
7.	कृत्रिम हॉकी परत रांची (बिहार)	40.00	प्रगति पर
8.	कृत्रिम हॉकी परत पिम्परी छिंदवाड, नगर निगम, पुणे।	45.000	पूर्ण
9.	कृत्रिम हॉकी परत, भोपाल	45.00	प्रगति पर
10.	कृत्रिम हॉकी परत, रोडकेला (उड़ीसा)	50.00	प्रगति पर
11.	कृत्रिम हॉकी परत, चण्डीगढ़	45.00	पूर्ण
12.	कृत्रिम हॉकी परत, श्रीनगर (कश्मीर)	45.00	प्रगति पर
13.	कृत्रिम हॉकी परत, रामपुर (उ.प्र.)	45.00	प्रगति पर
14.	कृत्रिम हॉकी परत, वाराणसी (उ.प्र.)	45.00	प्रगति पर
15.	कृत्रिम हॉकी परत, हैदराबाद	50.00	हाल ही में स्वीकृत
		<u>669.00</u>	

विश्वविद्यालय तथा महाविद्यालय खेल-कूद
गत तीन वर्षों के दौरान प्रदान की गई/स्वीकृत खेल छात्रवृत्तियों का ब्यौरा

क्र. सं.	राज्य/संघ शासित क्षेत्र	1988-89		1989-90		1990-91		कुल
		नई	नवीकृत	नई	नवीकृत	नई	नवीकृत	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
राज्य								
1.	आन्ध्र प्रदेश	7	7	13	2	13	3	45
2.	अरुणाचल प्रदेश	—	—	—	—	—	—	—
3.	असम	2	—	—	1	—	—	3
4.	बिहार	3	—	1	1	—	1	6
5.	गोवा	2	—	4	—	3	—	9
6.	गुजरात	7	—	5	2	3	—	17
7.	हरियाणा	13	7	16	1	22	7	66
8.	हिमाचल प्रदेश	2	—	1	—	1	—	4
9.	जम्मू और कश्मीर	1	1	4	1	2	3	12
10.	कर्नाटक	16	—	11	1	14	2	44
11.	केरल	48	18	43	16	66	22	213
12.	मध्य प्रदेश	13	3	29	2	10	7	64
13.	महाराष्ट्र	37	17	50	20	45	25	194
14.	मणिपुर	5	8	22	5	19	11	70
15.	मेघालय	—	—	—	—	—	—	—
16.	मिजोरम	—	—	—	—	—	—	—
17.	नागालैंड	—	—	—	—	—	—	—
18.	उड़ीसा	—	—	3	—	6	—	9
19.	पंजाब	56	11	38	15	55	15	190
20.	राजस्थान	2	—	2	—	—	3	7
21.	सिक्किम	—	—	—	—	—	—	—
22.	तमिलनाडु	16	2	17	1	10	12	58
23.	त्रिपुरा	—	—	—	—	—	—	—
24.	उत्तर प्रदेश	12	2	7	3	4	1	29
25.	पश्चिम बंगाल	12	12	11	2	3	3	43
संघ शासित क्षेत्र								
1.	चण्डीगढ़	11	4	—	—	—	—	15
2.	दिल्ली	35	5	23	7	24	6	100
कुल		300	97	300	80	300	121	1198

**परिशिष्ट-इ
(पैरा 3.5.7)**

**विश्वविद्यालयों/कालेजों में खेलों (पहले एन.एस.ओ. कार्यक्रम के नाम से जाना जाता था)
के लिए 1989-90 से दिए गए अनुदानों का ब्यौरा**

वर्ष	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग	ए.आई.यू. ने.सु.रा.खे.सं.		अन्य	कुल
1989-90	42,00,000	38,00,000	13,84,400	# 2,41,280	96,25,680
1990-91	शून्य	30,37,000	4,85,824	* 8,258	35,31,082
1991-92 (अब तक)	40,00,000	29,92,452	—	* * 4,60,000	74,52,452
कुल जोड़	82,00,000	98,29,452	18,70,224	7,09,538	2,06,09,214

** युवा कार्यक्रम और खेल विभाग द्वारा सीधे अन्ना विश्वविद्यालय (3,75,000 रु.) और भारतीय खेल प्राधिकरण को (85,000 रु.) दिया गया।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय को सीधे युवा कार्यक्रम और खेल विभाग द्वारा दिया गया।

* अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय को सीधे युवा कार्यक्रम और खेल विभाग द्वारा दिया गया।

**परिशिष्ट-त
(पैरा 3.6.1)**

युवा कार्यक्रम और खेल विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों की सूची

क्रम सं.	खेल	संघ का नाम
1.	ऐरो खेल	भारतीय ऐरो क्लब
2.	तीरंदाजी	भारतीय तीरंदाजी संघ
3.	एथलेटिक्स	भारतीय अमेच्योर एथलेटिक्स संघ
4.	अत्य-पत्य	भारतीय अत्य-पत्य संघ
5.	बैडमिन्टन	भारतीय बैडमिन्टन संघ
6.	बॉल बैडमिन्टन	भारतीय बॉल बैडमिन्टन संघ
7.	बेसबाल	भारतीय अमेच्योर बेसबाल संघ
8.	बास्केट बाल	भारतीय बास्केट बाल संघ
9.	बिलियर्ड्स-व-स्नूकर	भारतीय बिलियर्ड्स व स्नूकर संघ
10.	शरीर सौष्ठव	भारतीय शरीर सौष्ठव संघ
11.	मुक्केबाजी	भारतीय अमेच्योर मुक्केबाजी संघ
12.	ब्रिज़	भारतीय ब्रिज़ संघ
13.	कैरम	भारतीय कैरम संघ
14.	शतरंज	अखिल भारतीय शतरंज संघ
15.	साइकिल पोलो	भारतीय साइकिल पोलो संघ
16.	क्रिकेट	भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड
17.	क्रिकेट (महिला)	भारतीय महिला क्रिकेट संघ
18.	साइक्लिंग	भारतीय साइक्लिंग संघ
19.	घुड़सवारी	भारतीय घुड़सवारी संघ
20.	फुटबाल	भारतीय फुटबाल संघ

21. गोल्फ	भारतीय गोल्फ यूनियन
22. जिम्नास्टिक्स	भारतीय जिम्नास्टिक्स संघ
23. हैंडबाल	भारतीय अमेच्योर हैंडबाल संघ
24. हाकी	भारतीय हाकी संघ
25. हाकी (महिला)	भारतीय महिला हाकी संघ
26. जूडो	भारतीय जूडो संघ
27. कबड्डी	भारतीय अमेच्योर कबड्डी संघ
28. कराटे-डो	अखिल भारतीय कराटे-डो संघ
29. खो-खो	भारतीय खो-खो संघ
30. मोटर खेल	भारतीय मोटर खेल क्लब संघ
31. पोलो	भारतीय पोलो संघ
32. पावरलिफ्टिंग	भारतीय पावरलिफ्टिंग संघ
33. रायफल	भारतीय राष्ट्रीय रायफल एसोसिएशन
34. चप्पू नौकायन	भारतीय नौकायन संघ
35. शूटिंग बाल	भारतीय शूटिंग बाल संघ
36. सॉफ्ट बाल	भारतीय सॉफ्ट बाल संघ
37. स्कवैश रैकेट	भारतीय स्कवैश रैकेट संघ
38. बंधिर खेल परिषद	अखिल भारतीय बंधिर खेल परिषद
39. तैराकी	भारतीय तैराकी संघ
40. टेबल टेनिस	भारतीय टेबल टेनिस संघ
41. टाइक्वोंडो	भारतीय टाइक्वोंडो संघ
42. टेनिस	अखिल भारतीय टेनिस एसोसिएशन
43. टेनिस कोर्ट	भारतीय टेनिस कोर्ट संघ
44. थ्रो बाल	भारतीय थ्रोबाल संघ
45. वालीबाल	भारतीय वालीबाल संघ
46. भारोत्तोलन	भारतीय भारोत्तोलन संघ
47. कुस्ती	भारतीय कुस्ती संघ
48. कुस्ती (भारतीय स्टाइल)	भारतीय स्टाइल कुस्ती संघ
49. पाल नौकायन	भारतीय पाल नौकायन संघ
50. क्वाकिंग और कनोइंग	भारतीय क्वाकिंग और कनोइंग संघ
51. रोलर स्केटिंग	भारतीय रोलर स्केटिंग संघ

सरकारी लागत पर मंजूर संघों के प्रस्ताव

तीरंदाजी

1. 22 से 28 जुलाई, 1991 तक नावें में आयोजित प्रथम जूनियर विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में 6-सदस्यीय टीम की भागीदारी।
2. 17 से 25 अगस्त, 1991 तक क्राकोव, पोलैंड में आयोजित 36वीं विश्व तीरंदाजी चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 5-सदस्यीय टीम का दौरा।
3. 12 से 16 अक्टूबर, 1991 तक मनीला, फिलीपीन्स में आयोजित सातवें एशियाई कप में 6-सदस्यीय टीम की भागीदारी।
4. 10 से 15 दिसम्बर, 1991 तक कलकत्ता में द्वितीय फेडरेशन कप अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट 1991 का आयोजन।

एथलेटिक्स

सरकारी लागत पर

5. 10 मार्च, 1991 को फुकुओका (जापान) में आयोजित प्रथम एशियाई क्रॉस कंट्री चैम्पियनशिप में 12 खिलाड़ियों और 2 अधिकारियों द्वारा भाग लेना।
6. नवौं एशियाई ट्रैक और फील्ड चैम्पियनशिप, 1991 में भाग लेने के लिए 19-23 अक्टूबर, 1991 तक 25 सदस्यीय टीम का कुआलालाम्पुर का दौरा।

बैडमिन्टन

7. 1-12 मई, 1991 तक कॉपनहेगन (डेनमार्क) में आयोजित द्वितीय सुधीरामैन कप और सातवीं विश्व ओपन बैडमिन्टन चैम्पियनशिप में 9-सदस्यीय बैडमिन्टन टीम की भागीदारी।
8. 30.6.91 से 21.7.91 तक एशियाई सर्किट टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 12-सदस्यीय बैडमिन्टन टीम का मलेशिया, इण्डोनेशिया और सिंगापुर का दौरा।
9. 16 से 23 फरवरी, 1992 तक हांगकांग में थोमस कप, उबर कप प्रारम्भिक दौर में 15-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

बास्केटबाल

10. 22 अगस्त से 1 सितम्बर, 1991 तक कोबे (जापान) में आयोजित 16वीं एशियाई बास्केट बाल कन्फेडरेशन (ए.बी.सी.) चैम्पियनशिप में 17-सदस्यीय (पुरुष) बास्केटबाल टीम की भागीदारी।

मुक्केबाजी

11. 15 से 18 जुलाई, 1991 तक बैंकाक में आयोजित एशियाई आमंत्रण मुक्केबाजी चैम्पियनशिप में 14-सदस्यीय भारतीय मुक्केबाजी टीम की भागीदारी।

शतरंज

12. 1 जुलाई से 14 जुलाई, 1991 तक वारसा (पोलैंड) में आयोजित बालक और बालिकाओं (10, 12 और 14 वर्ष आयु से कम) की 7वीं विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में 7-सदस्यीय शतरंज टीम की भागीदारी।
13. 19-30 जुलाई, 1991 तक गोरपुआवा, पराना, ब्राजील में आयोजित बालक और बालिकाओं (16 और 18 वर्ष आयु से कम) की विश्व शतरंज चैम्पियनशिप में 5-सदस्यीय शतरंज टीम की भागीदारी।
14. 29 जुलाई से 10 अगस्त, 1991 तक इस्टबोन, इंग्लैंड और लंदन में आयोजित 78वीं ब्रिटिश शतरंज चैम्पियनशिप और लॉयड्स बैंक मास्टर्स टूर्नामेंट में 14-सदस्यीय शतरंज टीम की भागीदारी।
15. 16 सितम्बर से 3 अक्टूबर, 1991 तक दुबई, संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित 14वीं एशियाई जूनियर शतरंज चैम्पियनशिप में 3-सदस्यीय शतरंज टीम की भागीदारी।
16. 23 अक्टूबर से 4 नवम्बर, 1991 तक पेनंग, मलेशिया में आयोजित 9वीं एशियाई टीम शतरंज चैम्पियनशिप में 6-सदस्यीय शतरंज टीम की भागीदारी।
17. 17 अक्टूबर, 1991 से 1 नवम्बर, 1991 तक भोपाल में एशियाई महिला शतरंज चैम्पियनशिप का आयोजन।

क्रिकेट

18. 20 जनवरी से 13 फरवरी, 1991 तक 16-सदस्यीय महिला क्रिकेट दल का आस्ट्रेलिया का दौर।

साइक्लिंग

19. 22 जुलाई, 1991 से दो सप्ताह के लिए प्रशिक्षण-व-प्रतियोगिता के लिए 16-सदस्यीय भारतीय साइक्लिंग टीम का यू.एस.एस.आर. का दौर।
20. 16 से 26 सितम्बर, 1991 तक बेजिंग में आयोजित द्वितीय एशियाई जूनियर साइक्लिंग चैम्पियनशिप में तथा 15वीं एशियाई साइक्लिंग चैम्पियनशिप में 13-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

घुड़सवारी

21. 21 जुलाई से 25 अगस्त, 1991 तक आस्ट्रेलिया में आयोजित विभिन्न एक दिवसीय स्पर्धाओं में 7-सदस्यीय घुड़सवारी टीम की भागीदारी।
22. 14 से 19 अगस्त, 1991 तक हुहोट, चीन लोक गणतन्त्र में आयोजित शौ-जिमिंग प्रतियोगिता में 4-सदस्यीय टीम की भागीदारी।
23. 18 से 21 अक्टूबर, 1991 तक टोक्यो (जापान) में आयोजित 8वीं एशियाई शौ-जिमिंग प्रतियोगिता में 4-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

फुटबाल

24. 19 सितम्बर, 1991 से 10 दिवसों के लिए मैत्री फुटबाल मैच खेलने के लिए 24-सदस्यीय भारतीय जूनियर फुटबाल टीम का बंगलादेश का दौर।
25. 5 से 15 दिसम्बर, 1991 तक मैत्री फुटबाल मैच खेलने के लिए 20-सदस्यीय भारतीय वरिष्ठ फुटबाल टीम का तंजानिया का दौर।

हॉकी

26. 24 मई से 3 जून, 1991 तक मैच खेलने के लिए 18-सदस्यीय भारतीय हाकी टीम का स्पेन, जर्मनी और हालैंड का दौर।
27. अगस्त, 1991 के प्रथम सप्ताह में चैरिटी मैच खेलने के लिए 20-सदस्यीय भारतीय जूनियर हाकी टीम का बंगलादेश का दौर।
28. 1-28 अक्टूबर, 1991 तक प्री-ओलम्पिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 20-सदस्यीय हाकी टीम का आस्ट्रेलिया का दौर।
29. 11 से 19 जनवरी, 1992 तक दिल्ली में छठा इन्दिरा गाँधी मैमोरियल अन्तर्राष्ट्रीय स्वर्ण कप हाकी टूर्नामेंट का आयोजन।

हॉकी

30. 6 से 10 नवम्बर, 1991 तक एशियाई जूडो चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 11-सदस्यीय भारतीय जूडो (पुरुष और महिला) टीम का जापान का दौर।

कयाकिंग

31. 8-10 नवम्बर, 1991 को जापान में आयोजित चौथी एशियाई कैनोइंग चैम्पियनशिप में भारतीय टीम की भागीदारी।

पावरलिफ्टिंग

32. 4 से 7 सितम्बर, 1991 तक आबिदजान, आइवरी कोस्ट में आयोजित विश्व जूनियर पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में 4-सदस्यीय पावरलिफ्टिंग टीम की भागीदारी।

चप्पू नौकायन

33. 17 से 20 अक्टूबर, 1991 के दौरान टोबा, जापान में आयोजित चौथी एशियाई चप्पू नौकायन चैम्पियनशिप में 16-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

निशानेबाजी

34. 15 से 23 सितम्बर, 1991 तक बीजिंग में आयोजित 7वीं एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में 13-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

विशेष भागीदारी

35. 18 से 27 जुलाई, 1991 तक मिनेपोलिस में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय ग्रीष्म विशेष ओलम्पिक्स में मानसिक रूप से पिछड़े व्यक्तियों की टीम की भागीदारी।

टेबल टेनिस

36. 14 से 21 अप्रैल, 1991 तक नैरोबी, केन्या में आयोजित 10वीं राष्ट्रमण्डलीय टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में तथा 24 अप्रैल से 6 मई, 1991 तक शीबा सिटी, जापान में आयोजित 41वीं विश्व टेबल टेनिस चैम्पियनशिप में 13-सदस्यीय टीम की भागीदारी।
37. 27.2.92 से 1.3.92 तक निगाटा सिटी, जापान में आयोजित 25वीं ओलम्पिक ग्रीष्म खेल टेबल टेनिस एशियाई क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में 7-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

भारोत्तोलन

38. 23 से 25 अगस्त, 1991 तक कार्डिफ, वेल्स में आयोजित 10वें रजत ड्रैगन अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 5-सदस्यीय टीम की भागीदारी।
39. 24 से 30 अगस्त, 1991 तक मेनाइस, इण्डोनेशिया का 8 महिला भारोत्तोलकों का दौर।
40. 20 से 27 अगस्त, 1991 तक यू.एस.एस.आर. में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 13-सदस्यीय टीम का यू.एस.एस.आर. का दौर।
41. 27 सितम्बर से 6 अक्टूबर, 1991 तक जर्मनी में आयोजित 5वीं विश्व महिला और 64वीं विश्व पुरुष भारोत्तोलन चैम्पियनशिपों में 5-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

कुस्ती

42. 16 से 18 मई, 1991 तक तेहरान (ईरान) में आयोजित सीनियर ग्रीको-रोमन स्टाइल एशियाई कुस्ती चैम्पियनशिप में 10-सदस्यीय कुस्ती टीम की भागीदारी।
43. 30 जून से 7 जुलाई, 1991 तक ए.एल.एम.ए. (कनाडा) में आयोजित विश्व कैडेट कुस्ती चैम्पियनशिप में 16-सदस्यीय फ्री-स्टाइल कुस्ती टीम और 3 अन्तर्राष्ट्रीय रैफरी/जजों की भागीदारी।
44. 18-19 अक्टूबर, 1991 को दुसीदिन, न्यूजीलैण्ड में आयोजित राष्ट्रमण्डलीय कुस्ती चैम्पियनशिप में 16-सदस्यीय टीम की भागीदारी।
45. 19 से 22 अक्टूबर, 1991 तक अल्मा-अटा (यू.एस.एस.आर.) में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय जूनियर टूर्नामेंट में 7-सदस्यीय ग्रीको-रोमन जूनियर कुस्ती टीम की भागीदारी।
46. 4 से 7 फरवरी, 1992 तक तेहरान में आयोजित XI अन्तर्राष्ट्रीय कैट "ए" कुस्ती टूर्नामेंट में 15-सदस्यीय कुस्ती फ्री-स्टाइल और ग्रीको-रोमन स्टाइल टीम की भागीदारी।

पाल नौकायन

47. 13 से 31 दिसम्बर, 1991 तक ब्यूनस एयर्स, अर्जेंटीना में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय कैडेट क्लास 25वीं विश्व चैम्पियनशिप में 6-सदस्यीय टीम की भागीदारी।

गैर सरकारी लागत पर स्वीकृत संघों के प्रस्ताव

ऐरोकल्ब

1. 14-15 फरवरी 1991 को एफ.आई.ए. की अन्तर्राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए ए.सी.आई. के अध्यक्ष का दौरा।
2. 13-14 जून 1991 को अन्तर्राष्ट्रीय परिषद की बैठक में भाग लेने के लिए ए.सी.आई. के अध्यक्ष का पेरिस का दौरा।
3. पैराशूटिंग अभ्यास हेतु 24 दिवस की अवधि के लिए रेशल थोमस का यू.एस.एस.आर. का दौरा।
4. 30 अगस्त से 8 सितम्बर 1991 तक जकार्ता में आयोजित पैराशूटिंग चैम्पियनशिप के विश्व कप में भारतीय टीम की भागीदारी।
5. 10-18 अगस्त 1991 तक कनाडा में आयोजित 10वीं विश्व हॉट एयर बैलून चैम्पियनशिप में भारतीय टीम की भागीदारी।
6. 24 से 31 अक्टूबर 1991 तक भारत में 7वां भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय गुब्बारा मेले का आयोजन।
7. 29 सितम्बर से 5 अक्टूबर 1991 तक एफ.ए.आई. के 84वें महासम्मेलन में भाग लेने के लिए ए.सी.आई. अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का बर्लिन का दौरा।

एथलेटिक्स

8. 3 और 4 अगस्त 1991 को सिंगापुर में आयोजित 53वीं सिंगापुर ओपन ट्रैक और फील्ड मीट में 10 सदस्यीय भारतीय एथलेटिक टीम की भागीदारी।
9. 4.9.91 को नई दिल्ली में 5वीं आई.ए.ए.एफ. परमिट मीट का आयोजन
10. 24.8.1991 से 1.9.1991 तक टोक्यो में आयोजित तीसरी आई.ए.ए.एफ. विश्व एथलेटिक मीट में 7 सदस्यीय टीम का दौरा।
11. 11 से 13 सितम्बर 1991 तक 69वीं ओपन राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 5 सदस्यीय टीम का मलेशिया का दौरा।
12. 15.12.1991 को पुणे अन्तर्राष्ट्रीय, 8वीं राष्ट्रीय दौड़ और मैराथन चैम्पियनशिपों का आयोजन।
13. 21 से 23 फरवरी 1991 तक मद्रास में अंतर-रेलवे एथलेटिक मीट में भाग लेने के लिए पाकिस्तान की 8 सदस्यीय टीम का दौरा।

गुब्बारा मेला

14. 24 से 31 अक्टूबर 1991 तक नई दिल्ली, दमदमा लेक (हरियाणा) और मथुरा (उ.प्र.) में 7वां भारतीय अन्तर्राष्ट्रीय गुब्बारा मेला का आयोजन।

बास्केटबाल

15. 15 से 21 जुलाई 1991 तक अन्तर्राष्ट्रीय रेलवे खेल यूनिट (यूसिक) द्वारा आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए 15 सदस्यीय भारतीय रेलवे बास्केटबाल टीम का बूचारेस्ट रोमानिया का दौरा।
16. 18 अक्टूबर से 10 नवम्बर 1991 तक भारतीय खेल प्राधिकरण केन्द्र, बंगलौर में प्रशिक्षण हेतु 26 सदस्यीय क्यूबा की मुक्केबाजी टीम का भारत का दौरा।

ब्रिज

17. 29 सितम्बर से 11 अक्टूबर 1991 तक योकाहामा (जापान) में आयोजित विश्व ब्रिज चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए महिला टीम का जापान का दौरा।
18. 7-16 जुलाई 1991 के दौरान नई दिल्ली में छठी एशियाई और मध्य पूर्व ब्रिज चैम्पियनशिप का आयोजन।

कैरम

19. 4 से 7 फरवरी 1991 तक माले में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय त्रिकोणीय युवा कैरम टूर्नामेंट में 3 सदस्यीय जूनियर टीम की भागीदारी।

शतरंज

20. 5 से 15 जनवरी, 1991 तक कलकत्ता में द्वितीय गुडरिक्स अन्तर्राष्ट्रीय ओपन शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन।
21. 23 जनवरी से 2 फरवरी, 1991 तक वी. आनन्द और सोवियत संघ के एलेक्सी ड्रीव के बीच विश्व शतरंज चैम्पियनशिप कैंडीडेट्स मैचों का आयोजन।
22. 21 जनवरी से 1 फरवरी, 1991 तक कलकत्ता में एलेखीन सुपर ग्रैंडमास्टर्स डबल राउंड शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन।
23. 3 से 13 मई, 1991 तक तुर्कमेन, सोवियत संघ में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय शतरंज टूर्नामेंट में 3 सदस्यीय शतरंज टीम की भागीदारी।
24. अगस्त, 1991 में ब्रुसेल्स में आयोजित श्री ए. कारपोव के विरुद्ध विश्व क्वार्टर फाइनल मैच की तैयारी करने के संबंध में श्री वी. आनन्द के लिए सहायक (सैकंड) की व्यवस्था का प्रस्ताव।

क्रिकेट

25. 4 जून से 14 जुलाई, 1991 तक वेस्टमीनिस्टर स्कूल, लंदन के विरुद्ध मैत्री मैच खेलने के लिए स्टार क्रिकेट क्लब, बम्बई का यू.के. का दौरा।
26. 8 से 11 जुलाई, 1991 तक लंदन में आयोजित आई.सी.सी. की बैठक में भाग लेने के लिए भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड के अध्यक्ष और अवैतनिक सचिव की यात्रा का प्रस्ताव।
27. 30.9.91 को हैदराबाद, भारत में लाभ मैच खेलने के लिए पाकिस्तान के 12 खिलाड़ियों और एक अधिकारीगण का दौरा।
28. अक्टूबर, 1991 के दौरान नई दिल्ली में मैच खेलने के लिए पाकिस्तान की 15 सदस्यीय टीम का भारत का दौरा।
29. 17 से 25 अक्टूबर, 1991 तक आयोजित शारजाह चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 18 सदस्यीय टीम का शारजाह का दौरा।
30. 10.11.91 से 18.2.92 तक श्रंखला मैच खेलने के लिए 19 सदस्यीय टीम का आस्ट्रेलिया का दौरा।
31. 9 से 15 नवम्बर, 1991 तक कलकत्ता, नई दिल्ली और ग्वालियर में 3 एक-दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैच खेलने के लिए दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट टीम का भारत का दौरा।
32. विश्व कप में भाग लेने के लिए 19 सदस्यीय टीम का आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड का दौरा।

घुड़सवारी

33. 20 से 23 मार्च, 1991 तक टोक्यो में फेडरेशन इक्वेस्ट्रियन इंटरनेशनल की महासभा की बैठक में भाग लेने के लिए भारतीय घुड़सवारी संघ के अध्यक्ष का जापान का दौरा।
34. 7 से 14 अक्टूबर, 1991 तक ग्लेडस्टोन, न्यू जर्सी, संयुक्त राज्य अमेरिका में टैण्ट पैगोंग डेपोन्स्ट्रेशन में 5 सदस्यीय टीम को भागीदारी।
35. 12-13 अक्टूबर, 1991 तक जयपुर में अन्तर्राष्ट्रीय सैमसांग प्रतिस्पर्धा का आयोजन।
36. 12-13 अक्टूबर, 1991 तक जयपुर में अन्तर्राष्ट्रीय शो-जम्पिंग प्रतिस्पर्धा का आयोजन।
37. 27.2.92 से 1.3.92 तक भोपाल में कॉंटीनेंटल कप का आयोजन और आस्ट्रेलिया (एक दिवसीय स्पर्धा) की टीम का दौरा।

फुटबाल

38. 4 से 12 अगस्त, 1991 तक हैदराबाद में प्री-ओलम्पिक ग्रुप बी क्वालीफाईंग राउंड टूर्नामेंट का आयोजन।
39. 18 से 22 जुलाई, 1991 तक नेपाल के साथ मैत्री मैचों में भाग लेने के लिए 25 दिवसीय भारतीय प्री-ओलम्पिक फुटबाल टीम का नेपाल का दौरा।
40. 12 से 25 नवम्बर, 1991 तक मैत्री फुटबाल मैचों में भाग लेने के लिए 26 सदस्यीय टीम का दोहा कतर का दौरा।
41. 1 से 3 नवम्बर, 1991 तक ईस्ट बंगाल क्लब फुटबाल टीम का बंगलादेश का दौरा तथा कलकत्ता में मैत्री फुटबाल मैचों में भाग लेने के लिए 10 नवम्बर, 1991 को बंगलादेश की टीम का भारत का दौरा।
42. 17.11.91 से 2.12.91 तक दिल्ली में डी.सी.एम. फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन।
43. 15 से 24 दिसम्बर, 1991 तक केनानोर, केरल में केनानोर स्प्रिटेड यूथ गोल्डन जुबली अखिल भारतीय फुटबाल टूर्नामेंट का आयोजन।

44. मार्च, 1991 में मद्रास में भारतीय रेलवे टीम के साथ मैच खेलने के लिए यू.एस.एस.आर. रेलवे फुटबाल टीम का भारत का दौरा।
45. 17 से 27 सितम्बर, 1991 तक नेपाल में आयोजित विश्व पर्यटन आमंत्रण अन्तर्राष्ट्रीय फुटबाल टूर्नामेंट में भारतीय टीम की भागीदारी।

गोल्फ

46. नवम्बर, 1991 के दौरान पालुस्तान रेलवे गोल्फ क्लब, लाहौर में आयोजित अखिल पालुस्तान गोल्फ टीम चैम्पियनशिप और पालुस्तान रेलवे चैलेंज शील्ड में भारतीय रेलवे गोल्फ टीम की भागीदारी।
47. 21-24 मार्च तक एशियाई गोल्फ सर्किट के एक भाग के रूप में दिल्ली गोल्फ क्लब, नई दिल्ली में भारतीय ओपन गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन।
48. 24 से 27 फरवरी, 1991 तक एशिया पैसिफिक गोल्फ कन्फेडरेशन, सर्किट की बैठक में भाग लेने के लिए प्रतिनिधि का कुआलालम्पुर का दौरा।
49. 25-28 अप्रैल, 1991 तक दिल्ली गोल्फ क्लब, नई दिल्ली में 13वीं एशिया पैसिफिक जूनियर गोल्फ चैम्पियनशिप का आयोजन।
50. 29 मार्च से 2 अप्रैल, 1991 तक तमसुई, चीनी ताइपेई में आयोजित डांग संडर जूनियर अन्तर्राष्ट्रीय एशियाई डिविजन प्ले ऑफ में भाग लेने के लिए 2 जूनियर गोल्फर और 1 अधिकारी का चीनी ताइपेई का दौरा।
51. 16 से 18 मई, 1991 तक क्वीन सिरिकिट कप के लिए 13वीं एमेच्योर महिला एशियाई आमंत्रण गोल्फ टीम चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय भारतीय महिला टीम का सिओल का दौरा।
52. 6 से 15 मार्च, 1991 तक सनिगडेल, इग्लैण्ड में आयोजित स्कूल अन्तर्राष्ट्रीय फाइनल्स के लिए वार्षिक गोल्फ फाउंडेशन टीम चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 3 सदस्यीय स्कूल टीम और एक अधिकारी।
53. 9 से 12 मई, 1991 तक मलेशिया अमेच्योर चैम्पियनशिप और अन्तर्राष्ट्रीय टीम मैच में भाग लेने के लिए 2 सदस्यीय गोल्फ टीम का पेरंग, मलेशिया का दौरा।
54. 16 से 19 जुलाई, 1991 तक सैन डिएगो, कैलीफोर्निया में आयोजित 24वीं वार्षिक ऑण्टीमिस्ट जूनियर विश्व गोल्फ चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 2 सदस्यीय गोल्फ टीम का यू.एस.ए. का दौरा।
55. 15 से 18 अगस्त, 1991 तक आयोजित सिंगापुर अमेच्योर गोल्फ चैम्पियनशिप और अन्तर्राष्ट्रीय टीम मैच में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय गोल्फ टीम और एक अधिकारी का सिंगापुर का दौरा।
56. 20-21 अगस्त को आयोजित 10वीं मलेशियाई जूनियर गोल्फ टीम चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 2 सदस्यीय आई.जी.यू. टीम का कुआलालम्पुर का दौरा।
57. 5-6 सितम्बर, 1991 को इटली में 14 वर्ष से कम बच्चों के लिए 10वीं अन्तर्राष्ट्रीय टेपलाइन गोल्फ टूर्नामेंट में जूनियर गोल्फ टीम की भागीदारी।
58. नेमुरा कप के लिए एशिया पैसिफिक एमेच्योर गोल्फ चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 5 सदस्यीय भारतीय टीम का मनीला का दौरा और 15-24 नवम्बर, 1991 तक ए.पी.जी.सी. की बीनियल बैठक में भाग लेने के लिए एक प्रतिनिधि का दौरा।

हैंडबाल

59. 6 से 13 अगस्त, 1991 तक नई दिल्ली में बालकों और बालिकाओं की राष्ट्रमण्डलीय जूनियर हैंडबाल चैम्पियनशिप का आयोजन।

हॉकी

60. 23 से 31 मार्च, 1991 तक नैरोबी में आयोजित स्वर्ण कप हॉकी टूर्नामेंट में 24 सदस्यीय नामधारी हॉकी टीम की भागीदारी।
61. 3 से 8 सितम्बर, 1991 तक इटालियन हॉकी टीम का भारत का दौरा।
62. 20 जुलाई से 3 अगस्त, 1991 तक इथोन (मलेशिया) में आयोजित 5 राष्ट्रीय सुल्तान अजलम शाह कप टूर्नामेंट में 20 सदस्यीय भारतीय हॉकी टीम की भागीदारी।
63. 12 से 24 अगस्त, 1991 तक 20 सदस्यीय केन्या की हॉकी टीम का भारत का दौरा।
64. 13 से 28 अक्टूबर, 1991 तक ऑकलैण्ड में ओलम्पिक क्वालिफाइंग टूर्नामेंट का पर्यवेक्षण करने के लिए भारतीय अम्पायर।

65. 6 नवम्बर से 15 नवम्बर, 1991 तक जालंधर में 8वें अखिल भारतीय सुरजीत सिंह मेमोरियल हॉकी टूर्नामेंट ग्रेड I का आयोजन ।
66. 14 से 28 नवम्बर, 1991 तक नई दिल्ली में जवाहरलाल नेहरू हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन ।
67. 14 से 19 नवम्बर, 1991 तक चण्डीगढ़ में चौथे इन्दिरा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय स्वरूप कप महिला हॉकी टूर्नामेंट का आयोजन ।

भारतीय शरीर सौष्ठव संघ

68. 12 से 16 सितम्बर, 1991 तक 27वीं एशियाई शरीर सौष्ठव चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए भारतीय पुरुष शरीर सौष्ठव टीम का दक्षिण कोरिया का दौरा ।

जूडो

69. जूडो यूनिन ऑफ एशिया मीटिंग में भाग लेने के लिए जे.एफ.आई. के अध्यक्ष और महासचिव का जपान का दौरा ।

कोर्फबाल

70. 23-25 जनवरी, 1992 तक नई दिल्ली में द्वितीय एशिया अंशीनिया कोर्फबाल चैम्पियनशिप का आयोजन ।
71. 1-7 अप्रैल, 1991 तक बेल्जियम में आयोजित विश्व कोर्फबाल चैम्पियनशिप में तथा 23 से 31 मार्च, 1991 तक प्रशिक्षण के लिए 15 सदस्यीय टीम का दौरा ।
72. 2 से 5 अप्रैल, 1991 तक अन्तर्राष्ट्रीय कोर्फबाल संघ की वार्षिक महासभा की बैठक तथा कांग्रेस में भाग लेने के लिए के.एफ.आई. के अध्यक्ष का बेल्जियम का दौरा ।

पोलो

73. 26 मार्च से 2 अप्रैल, 1991 तक इम्फाल में स्वतंत्रता के लिए मणिपुर की लड़ाई के शताब्दी समारोह के एक भाग के रूप में मणिपुर राज्य सरकार द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय पोलो टूर्नामेंट का आयोजन ।
74. 27 जून, 1991 से 14 जुलाई, 1991 तक मलेशिया में विश्व पोलो चैम्पियनशिप जोन "ई" में भारतीय पोलो टीम की भागीदारी ।

पावरलिफ्टिंग

75. 29 से 31 मार्च, 1991 तक ऑकलेण्ड, न्यूजीलैण्ड में आयोजित ओशिनिया बनाम एशिया पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप में 25 सदस्यीय टीम की भागीदारी ।
76. 23-26 जुलाई, 1991 तक नई दिल्ली में विश्व महिला पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप का आयोजन ।
77. 13.11.91 से 17.11.91 तक स्वीडन में आयोजित विश्व वरिष्ठ पावरलिफ्टिंग चैम्पियनशिप 1990-91 में 11 सदस्यीय टीम की भागीदारी ।

निशानेबाजी

78. 15 से 23 सितम्बर, 1991 तक बीजिंग में आयोजित 7वीं एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए एन.आर.ए.आई. के दो अधिकारियों का लोक गणतंत्र चीन का दौरा ।

स्नूकर

79. 26 से 5 जुलाई, 1991 तक करांची में आयोजित 8वीं एशियाई स्नूकर चैम्पियनशिप 1991 में भाग लेने के लिए 3 सदस्यीय टीम का पाकिस्तान का दौरा ।
80. 7 से 20 जुलाई, 1991 तक बंगलौर में 1991 विश्व अंडर-21 स्नूकर चैम्पियनशिप का आयोजन ।
81. 25 जुलाई से 30 जुलाई, 1991 तक नई दिल्ली में 1991-विश्व ओपन बिलियर्ड्स चैम्पियनशिप का आयोजन ।
82. 14 से 20 अगस्त, 1991 तक बंगलौर में गोल्ड प्लैक अन्तर्राष्ट्रीय स्नूकर मास्टर-1991 चैम्पियनशिप का आयोजन ।
83. 25 अक्टूबर से 10 नवम्बर, 1991 तक विश्व स्नूकर चैम्पियनशिप 1991 में भाग लेने के लिए 3 सदस्यीय स्नूकर टीम का बैंकाक, थाइलैण्ड का दौरा ।
84. 4 से 7 सितम्बर, 1991 तक नई दिल्ली में विश्व व्यावसायिक स्नूकर मीनियर चैम्पियनशिप का आयोजन ।

सॉफ्टबाल

85. 3-9 अगस्त, 1991 तक जकार्ता में आयोजित 5वीं एशियाई महिला सॉफ्टबाल चैम्पियनशिप में 23 सदस्यीय टीम की भागीदारी।

टेबल टेनिस

86. 3 से 11 अगस्त, 1991 तक डी.पी.आर. कोरिया में आयोजित 11वें जांग यांग अन्तर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट में 12 सदस्यीय भारतीय टेबल टेनिस टीम की भागीदारी।
87. 10 से 14 अगस्त, 1991 तक तेहरान में आयोजित प्रथम अन्तर्राष्ट्रीय जूनियर टेबल टेनिस टूर्नामेंट में 7 सदस्यीय टीम की भागीदारी।
88. 26 से 28 सितम्बर, 1991 तक नवें एशियाई कप टेबल टेनिस टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए 4 सदस्यीय टीम का फिलिपीन्स का दौरा।

टाइक्वांडो

89. 16 अगस्त, 1991 को फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री आडीटोरियम में एशियाई टाइक्वांडो यूनियन के महासचिव की अध्यक्षता में कोरियाई विशेषज्ञों द्वारा उच्च स्तरीय टाइक्वांडो (कोरियाई मार्शल कला) का प्रदर्शन।

टेनिस

90. 29 से 31 मार्च, 1991 तक जयपुर में भारत और इण्डोनेशिया के बीच डेविस कप प्रथम राउंड मैच आयोजित करने का प्रस्ताव।
91. 8 से 14 अप्रैल, 1991 तक बम्बई में स्टैंडर्ड चार्टर्ड भारतीय ओपन टेनिस टूर्नामेंट का आयोजन।
92. 3 से 5 मई, 1991 तक एन.ई.सी. (दूसरा दौर) द्वारा भारत और दक्षिण कोरिया के बीच डेविस कप टाई का आयोजन।
93. 6 से 15 मई, 1991 तक बम्बई में एन.ई.सी. विश्व युवा कप टूर्नामेंट (क्वालीफाइंग दौर) का आयोजन।
94. 11 से 15 सितम्बर, 1991 तक एन.ई.सी. द्वारा आयोजित कप (फाइनल) में भाग लेने के लिए 8 सदस्यीय टीम का बार्सिलोना, स्पेन का दौरा।
95. 3 से 15 सितम्बर, 1991 तक बम्बई में आई.टी.एफ. कॉचिंग कार्यशाला का आयोजन।
96. 30.9.91 से 20.10.91 तक चण्डीगढ़, कलकत्ता, कोचीन, पुणे और नई दिल्ली में टेनिस कोचिंग शिविर का आयोजन।
97. 20 से 22 सितम्बर, 1991 तक साओ पाओ में भारत और ब्राजील के बीच डेविस कप टाई में भाग लेने के लिए 7 सदस्यीय टेनिस टीम का ब्राजील का दौरा।
98. 9 से 15 जून, 1991 तक विश्व रत्नवे चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए 6 सदस्यीय टीम का चैकोस्लोवाकिया का दौरा।

वॉलीबाल

99. 14 मार्च, 1991 में ग्रांघाई में आयोजित ए.वी.सी. नियम खेल समिति की बैठक में भारतीय वॉलीबाल संघ के महासचिव द्वारा भाग लेना।
100. 16 से 24 अप्रैल, 1991 तक लांसान, स्विट्जरलैण्ड में कार्यकार्य समिति और प्रशासन बोर्ड की बैठक में श्री बी.एस. आदित्यन, बोर्ड ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन ऑफ फेडरेशन इंटरनेशनल के सदस्य, श्री के. मुरुगन, अध्यक्ष, नियम खेल समिति ऑफ एशियाई वॉलीबाल कन्फेडरेशन की भागीदारी।
101. 26-27 अप्रैल, 1991 तक दुबई में आयोजित 11वीं ए.वी.सी. बोर्ड ऑफ एडमिनिस्ट्रेशन की बैठक में दो भारतीय प्रतिनिधियों की भागीदारी।
102. 8 से 15 मई, 1991 तक टैस्ट मैचों में भाग लेने के लिए 17 सदस्यीय बंगलादेश वॉलीबाल पुरुष टीम का भारत का दौरा।
103. 12 से 22 सितम्बर, 1991 तक बैंकाक में आयोजित छठी एशियाई महिला वॉलीबाल चैम्पियनशिप में, चैम्पियनशिप के लिए महामर्मित व एक सहायक के रूप में कार्य करने के लिए भारतीय वॉलीबाल संघ के महासचिव की भागीदारी।
104. 25 जुलाई से 5 अगस्त, 1991 तक भारत में मैच खेलने के लिए 18 सदस्यीय बंगलादेश की वॉलीबाल पुरुष टीम को आमंत्रण।
105. 14 से 24 सितम्बर, 1991 के दौरान बैंकाक, वॉलीबाल चैम्पियनशिप में 17 सदस्यीय भारतीय महिला वॉलीबाल टीम की भागीदारी।
106. 11.9.1991 को बैंकाक में आयोजित नवीं ए.वी.सी. महासभा में भाग लेने के लिए श्री बी.एस. आदित्यन और श्री के. मुरुगन का बैंकाक का दौरा।

कुस्ती

107. 17 से 19 अप्रैल, 1991 तक नई दिल्ली में सीनियर एशियाई कुस्ती (फ्री स्टाइल) चैम्पियनशिप का आयोजन।

108. विश्व केडेट कुस्ती चैम्पियनशिप के दौरान 1 जुलाई, 1991 को कनाडा में आयोजित कुस्ती क्लिनिक में 3 अन्तर्राष्ट्रीय रैंफर्स जर्जों का भाग लेना।

बॉटिंग

109. 29 अगस्त से 8 सितम्बर, 1991 तक हैदराबाद की हुसैन सागर लेक पर एशिया प्रशांत लेजर नौका-दौड़ का आयोजन।

परिशिष्ट-ध (पैरा 3.8.3)

जिन खिलाड़ियों को 12.1.1992 को विशेष पुरस्कार दिए गये उनकी सूची

क्र. सं.	नाम	स्पर्धा का नाम	पदक	पुरस्कार की कुल धनराशि (रु.)
1	2	3	4	5

एथलेटिक्स

1.	सुश्री अश्वनी नाचप्पा	IX एशियाई ट्रेक तथा फील्ड मीट, अक्टूबर 1991	स्वर्ण पदक (400 मि.रि.)	50,000
2.	के सरम्मा	—वही—	i) (स्वर्ण पदक) (400 मि.रि.) ii) (कांस्य पदक) (400 मीटर)	1,00,000
3.	शाइनी विलसन	—वही—	i) (स्वर्ण पदक) (400 मीटर) ii) (स्वर्ण पदक) (400 मि.रि.) iii) (रजत पदक) (800 मीटर)	2,25,000
4.	वी. धनलक्ष्मी	—वही—	स्वर्ण पदक (400 मीटर)	50,000
5.	एल. लीलमा	—वही—	रजत पदक (10,000 मीटर)	75,000
6.	मोली चाको	—वही—	रजत पदक (3000 मीटर)	75,000
7.	लेफ्ट. शक्ति सिंह	—वही—	रजत पदक (डिस्कस थ्रो)	75,000
8.	लेफ्ट. सूचा सिंह	—वही—	कांस्य पदक (20 कि.मी. पैदल चाल)	50,000

बिलियर्ड्स तथा स्नूकर्स

9.	श्री यासिन मर्वेंट	8वीं एशिया स्नूकर चैम्पियनशिप-91	रजत पदक	75,000
----	--------------------	----------------------------------	---------	--------

घुड़सवारी

10.	कैरन अधिराज सिंह	एशियाई शो जम्पिंग चैम्पियनशिप अक्टूबर 91	i) एकल स्पर्धा (रजत पदक) ii) टीम स्पर्धा (रजत पदक)	1,25,000
-----	------------------	--	---	----------

11. मेजर जे.एस. आहलूवालिया	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	50,000
12. सहा. कमा. नरेश तेहलन	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	50,000

हॉकी

13. लेफ्ट. परगट सिंह (कप्तान)	तृतीय एशियाई कप दिल्ली, दिसम्बर 89	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
14. श्री अजित लाकरा	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
15. श्री आशिष बलाल	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
16. श्री अशोक कुमार	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
17. श्री बलविन्दर सिंह	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
18. श्री बी.के. सुब्रह्मनी	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
19. श्री धनराज पिल्लै	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
20. श्री एडगर मस्करेनहास	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
21. श्री जगबीर सिंह	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
22. श्री जगदेव सिंह	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
23. श्री जूड फैलिक्स	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
24. श्री मार्क पेटरसन	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
25. श्री आर.पी. सिंह	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
26. श्री सुजीत कुमार	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
27. श्री थोयबा सिंह	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750
28. श्री विवेक सिंह	—वही—	रजत पदक (टीम स्पर्धा)	18,750

शूटिंग

29. श्री अशोक पण्डित	एशियाई शूटिंग चैम्पियनशिप-91	i) सैन्ट्रल फायर पिस्टल (कांस्य पदक) ii) स्टैंडर्ड पिस्टल (कांस्य पदक)	1,00,000
----------------------	---------------------------------	---	----------

टेबल टेनिस

30. सुश्री बी. भुवनेश्वरी	X राष्ट्रमण्डल टेबल टेनिस चैम्पियनशिप-91	रजत पदक (महिला डबल)	56,250
---------------------------	---	------------------------	--------

31.	श्री कमलेश मेहता	—वही—	i) रजत पदक (पुरुष एकल)	1,12,500
			ii) कांस्य पदक (मिश्रित डबल)	
32.	सुश्री मंटू घोष	—वही—	i) रजत पदक (महिला डबल)	93,760
			ii) कांस्य पदक (मिश्रित डबल)	
33.	श्री अरुण ज्योति बरुआ	—वही—	कांस्य पदक (पुरुष डबल)	37,500
34.	श्री चेतन पी. बब्बर	—वही—	कांस्य पदक (मिश्रित डबल)	37,500

भारोत्तोलन

35.	सुश्री छाया अदक	महिला एशियाई भारोत्तोलन चैम्पियनशिप-91	रजत पदक (52 कि.ग्रा.)	75,000
36.	सुश्री एन. कुंजरानी	—वही—	रजत पदक (44 कि.ग्रा.)	75,000

कुस्ती

37.	श्री अप्पालाल शेख	राष्ट्रमण्डल कुश्ती चैम्पियनशिप-91	स्वर्ण पदक	1,00,000
38.	श्री ओमबीर सिंह	i) —वही— ii) 7वीं एशियाई फ्री-स्टाइल कुश्ती चैम्पियनशिप-91	स्वर्ण पदक रजत पदक	1,75,000
39.	श्री संजय कुमार	राष्ट्रमण्डल कुश्ती चैम्पियनशिप-91	स्वर्ण पदक	1,00,000
40.	श्री अशोक कुमार	—वही—	रजत पदक	75,000
41.	श्री जगदीश	7वीं एशियाई फ्री-स्टाइल कुश्ती चैम्पियनशिप-91	रजत पदक	75,000
42.	श्री अनिल कुमार	राष्ट्रमण्डल कुश्ती चैम्पियनशिप-91	कांस्य पदक	50,000
43.	श्री धर्मवीर सिंह	—वही—	कांस्य पदक	50,000
44.	श्री सत्यवान	—वही—	कांस्य पदक	50,000
45.	श्री शमशेर सिंह	—वही—	कांस्य पदक	50,000
46.	श्री सुभाष वर्मा	i) —वही— ii) 7वीं एशियाई फ्री-स्टाइल कुश्ती चैम्पियनशिप	कांस्य पदक कांस्य पदक	1,00,000

याँटिंग

47.	लेफ्टि. एफ. तारापारे	विश्व इन्टरप्राइज चैम्पियनशिप-91	स्वर्ण पदक	3,75,000
48.	लेफ्टि. के.एस. राव	—वही—	स्वर्ण पदक	3,75,000
49.	श्री डी. बरुआ	अन्तर्राष्ट्रीय ग्रांड मास्टर्स 1991	स्वर्ण पदक	2,00,000

योग 36,62,500

परिशिष्ट-न
(पैरा 3.11.3)

10 अक्टूबर, 1991 को भारत के राष्ट्रपति द्वारा जिन खिलाड़ियों को अर्जुन पुरस्कार, 1989 प्रदान किया गया उनकी सूची

क्र.सं. खेल	पुरस्कार
1. तीरंदाजी	श्री श्याम लाल
2. एथलेटिक्स	श्रीमती मर्सी कुट्टन
3. बिलियर्ड्स व स्नूकर	श्री यामिन मज्जैट
4. मुक्केबाजी	श्री गोपाल देवांग
5. क्रिकेट	श्री मदन लाल
6. फुटबाल	श्री सुब्रह्मण्य भट्टाचार्य
7. जिम्नास्टिक्स	कु. कृपाली पटेल
8. हॉकी	श्री परगत सिंह
9. टेबल टेनिस	श्रीमती नियति शाह
10. बॉलीबाल	श्री अब्दुल बशिर
11. भारोत्तोलन	कु. ज्योत्सना दत्ता
12. कुश्ती	श्री सत्यवान

परिशिष्ट-प
(पैरा 3.12.2)

दिसम्बर, 1991 में कोलम्बो में आयोजित V एस.ए.एफ. खेलों में भारत की भागीदारी तथा प्रदर्शन

क्र.सं.	खेल-विधा	खिलाड़ी	अधिकारी	कुल	जीते गये पदक		
					स्वर्ण	रजत	कांस्य
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
1.	एथलेटिक्स	49	7	56	10	17	10
2.	बास्केटबाल	12	1	13	1	0	0
3.	मुक्केबाजी	12	4	16	1	5	5
4.	फुटबाल	18	2	20	0	0	0
5.	निशानेबाजी	20	3	23	8	6	5
6.	तैराकी	21	3	24	16	13	9
7.	टेबल टेनिस	9	2	11	6	6	5
8.	टेनिस	12	1	13	3	2	4
9.	बॉलीबाल	24	4	28	1	1	0
10.	भारोत्तोलन	10	3	13	18	9	3
11.	आई.ओ.ए.	—	6	6	—	—	—
कुल				233	64	59	41

खेल विधा	प्रतियोगिता का नाम	विधायक	वैधियमान विधि	उपलब्ध
1. एथलेटिक्स	अथलीट	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	11-100 मीटर
2. प्रतियोगिता का नाम	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	11-100 मीटर
3. विधायक	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	11-100 मीटर
4. वैधियमान विधि	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	11-100 मीटर
5. उपलब्ध	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	स्त्री/पुरुष	11-100 मीटर

प्रतियोगिता-क (पृष्ठ 3.14.8.4) (पृष्ठ 3.14.8.4) के दौरान एन.एस.टी.सी. प्रतियोगिताओं की प्रमुख उपलब्धियाँ

प्रतियोगिता-क (पृष्ठ 3.14.8.4) (पृष्ठ 3.14.8.4) के दौरान एन.एस.टी.सी. प्रतियोगिताओं की प्रमुख उपलब्धियाँ

क्र.सं.	विषय	परीक्षार्थी का नाम	विद्यार्थी	विद्यार्थी का नाम	परीक्षार्थी का नाम
1.	खेल विज्ञान	पार्थिव शर्मा	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी
2.	प्रयोग का नाम	अमित कुमार	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी
3.	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी
4.	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी
5.	उपनाम	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी	विद्यार्थी

खेल विद्या	प्रशिक्षक का नाम	विद्यालय	चैम्पियनशिप	उपलब्धि
1.	2.	3.	4.	5.
		एस.जी.एन. खालसा जूनियर भा.वि. श्रीगंगानगर	—वही—	तृतीय स्थान
		बी.एस. हाई स्कूल, सुन्दरगढ़ उदय प्रताप इंटर कॉलेज, वाराणसी	—वही— —वही—	भाग लेना टूर्नामेंट जीता
तैराकी	एन. सुशिया सिंह	संजीवन विद्यालय, पंचगणी	8वें सब-जूनियर राष्ट्रीय ओक्रेटिक चैम्पियनशिप पणजी-गोआ (10-14 जुलाई, 1991)	स्वर्ण-50 मीटर ब्रैस्ट स्ट्रोक तथा स्पर्धा में नया राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाया।
	भानु सचदेवा	आर्मी पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली	एशिया-प्रशांत आयु समूह नियंत्रण तैराकी मीट, सिंगापुर (सितम्बर, 1991)	रजत पदक
			सोनियर राष्ट्रीय एक्वेटिक चैम्पियनशिप, त्रिचुर (12-17 नवम्बर, 1991)	स्वर्ण-200 मीटर बैक स्ट्रोक कांस्य-100 मीटर
तैराकी	भानु सचदेवा	आर्मी पब्लिक स्कूल, नई दिल्ली	37वीं राष्ट्रीय खेलकूद एक्वेटिक चैम्पियनशिप, पणजी (गोआ) (9-14 नवम्बर, 1991)	रजत-400 मीटर एकल मेडले +100 मीटर बैक स्ट्रोक
	अजित बेदी	—वही—	—वही—	स्वर्ण-200 मी. बैक स्ट्रोक कांस्य-100 मी. बैट स्ट्रोक
	तपन दास	तालडी मोहन चंद हाई स्कूल	—वही—	स्वर्ण-100 मीटर बटर फ्लाई
	तपन हलधर	—वही—	—वही—	स्वर्ण-400 मी. फ्री-स्टाइल कांस्य-800 मीटर
	क. स्वागत बोस	—वही—	—वही—	रजत-200 मीटर +100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक
	कु. नन्दा	—वही—	—वही—	कांस्य-200 मीटर ब्रेस्ट एकल मेडले +50 मीटर फ्री-स्टाइल
	कु. वी.एस. सैनी	मोडल गर्ल्स स्कूल, त्रिचुर	—वही—	कांस्य-100 मीटर ब्रेस्ट स्ट्रोक
	कु. उषा	—वही—	—वही—	कांस्य-100 मीटर बटर फ्लाई
	कु. गीता आर्य	एअर फोर्स बाल भारती स्कूल, नई दिल्ली	37वीं राष्ट्रीय खेलकूद एक्वेटिक चैम्पियनशिप, पणजी (गोआ) (9-14 नवम्बर, 1991)	कांस्य-200 मीटर बटरफ्लाई +400 मीटर एकल मेडले
	अमित सिंह	कोलविन तालुकदार कॉलेज, लखनऊ	—वही—	कांस्य-हाई बोर्ड छलांग
टेबल टेनिस	सुश्री शबाबी बेन	एम.के.पी. इंटर कॉलेज, देहरादून	10वीं इलेक्ट्रो गोल्ड कप फ्राईज एशिया टेबल टेनिस टूर्नामेंट मेरठ (जुलाई, 1991)	I-सब-जूनियर एकल
	लीना भोला	मटर्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली	—वही—	II-जूनियर एकल
			एस.एन. जौहर फाक्यूर मेमोरियल टेबल टेनिस टूर्नामेंट, नई दिल्ली (15-20, अप्रैल 1991)	खिताब जीता
	रितु भोला	—वही—	—वही—	द्वितीय स्थान
	मास्टर अनुपम कंवर	दूनबांस्को स्कूल, गोहाटी	जूनियर अन्तर्राष्ट्रीय आमंत्रण टी.टी. टूर्नामेंट तेहरान (ईरान) (10-14 अगस्त, 1991)	स्वर्ण-टीम स्पर्धा स्वर्ण-डबल स्पर्धा
			अन्तर संस्थागत टी.टी. चैम्पियनशिप, नई दिल्ली (17-22 सितम्बर, 1991)	कांस्य-एकल स्वर्ण-पुरुष डबल

खेल विधा	प्रशिक्षक का नाम	विद्यालय	चैम्पियनशिप	उपलब्धि
1.	2.	3.	4.	5.
कुरती	लीना भोला रितु भोला लीना भोला रितु भोला	मदर्स इंटरनेशनल, नई दिल्ली —वही— —वही—	—वही— 10वीं इलेक्ट्रा स्वर्ण-कप प्राइज मनी टी.टी. टूर्नामेंट, मेरठ जूनियर राष्ट्रीय टी.टी. चैम्पियनशिप, नई दिल्ली (दिसम्बर, 1991)	स्वर्ण-मिश्रित डबल II-जूनियर डबल टूर्नामेंट जीता
	जय भगवान	भूपाल नोबल सीनियर हायर सेकेंडरी स्कूल, उदयपुर	विश्व कैडेट कुरती चैम्पियनशिप अलमा (कनाडा) (30 जून-6 जुलाई, 1991)	रजत-40 कि.ग्रा. भार श्रेणी
	सुभाष चन्दर	सी.आर.जेड. सीनियर मा. विद्यालय, सोनीपत	—वही—	भाग लेना
	मुकेश	शिवास्तिक पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़	अन्तराष्ट्रीय आमंत्रण कुरती चैम्पियनशिप मखाचकट (रूस) (20-27 अगस्त, 1991)	कांस्य-62 कि.ग्रा. भार श्रेणी
	रामशेर सिंह	—वही—	राष्ट्रमण्डल खेलकूद, न्यूजिलैण्ड (अक्टूबर, 1991)	कांस्य-82 कि.ग्रा.
	रजेंद्र सिंह	—वही—	12वीं जूनियर राष्ट्रीय कुरती चैम्पियनशिप, जोन्ड (हरियाणा) (22-26 दिसम्बर, 1991)	कांस्य-58 कि.ग्रा. (जी./आर.)
	मुकेश	शिवास्तिक पब्लिक स्कूल, चंडीगढ़	—वही—	कांस्य-68 कि.ग्रा. (एफ./एस.)
	मोह. सुभान	सी.आर.जेड. सी.हा. स्कूल, सोनीपत	—वही—	कांस्य-50 कि.ग्रा. (जी./आ.)
	पवन कुमार	—वही—	—वही—	रजत-81 कि.ग्रा. (जी./आर.)
	राम नारायण	राजकीय बहु उद्देश्यीय माध्यमिक विद्यालय, इन्दौर	—वही—	रजत-46 कि.ग्रा. (एफ./एस.)
	सुभाष चन्दर	एस.जी.एन. खालसा स्कूल, श्रीगंगानगर (राजस्थान)	—वही—	स्वर्ण-46 कि.ग्रा. (एफ./एस.)

परिशिष्ट-ह
(पैरा 3.14.9.3)

एस.ए.जी. प्रशिक्षित खिलाड़ियों की उपलब्धियाँ

खेल विद्या	चैम्पियनशिप	स्वर्ण	रजत	कांस्य	टिप्पणी
एथलेटिक्स	8.3.91 से 10.3.91 तक अन्तर-राज्यीय एथलेटिक्स मीट, गांधीनगर	—	1	7	
	अक्टूबर 1991 को आयोजित अन्तर क्षेत्रीय एथलेटिक्स चैम्पियनशिप	12	1	2	बंगलौर केन्द्र के सिद्दी खिलाड़ियों ने 8 राष्ट्रीय कीर्तिमान बनाये।
	15.12.91 को पुणे में आयोजित चारमिनार चैलेन्ज अन्तर-राष्ट्रीय मैराथन	—	—	—	शिलौरा केन्द्र की रिगजिन अगोला महिला वर्ग में चौथे स्थान पर रही।
	1 जनवरी 91 में लखनऊ में आयोजित क्रॉस कण्टरी	—	1	—	शिलौरा केन्द्र द्वितीय स्थान पर रहा।
	17.2.91 को आयोजित अखिल भारतीय रथ मैराथन	1	1	0	
मुक्केबाजी	10-19 सितम्बर, 1991 को जम्मू में आयोजित अखिल भारतीय जूनियर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप	3	4	3	
	1 से 5 मार्च 1991 तक दिल्ली में आयोजित XV वाई.एम.सी.ए. अखिल भारतीय जूनियर मुक्केबाजी चैम्पियनशिप	7	5	1	
	21.11.91 से 25.11.91 तक अम्बाला में आयोजित सब-जूनियर राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैम्पियनशिप	3	2	3	
	13-14 फरवरी को नई दिल्ली में आयोजित सब-जूनियर राष्ट्रीय साइक्लिंग चैम्पियनशिप	7	1	3	
साइक्लिंग	3 मार्च 1991 को कलकत्ता में आयोजित अखिल भारतीय रोड साइक्लिंग चैम्पियनशिप	7	1	3	
	बम्बई में सीनियर राष्ट्रीय साइक्लिंग चैम्पियनशिप	1	4	3	
	17 से 25 अगस्त 1991 तक नार्वे में आयोजित प्रथम विश्व जूनियर तीरदांजी चैम्पियनशिप	—	—	—	4 एस.ए.जी. तीरदांजी ने भारत का प्रतिनिधित्व किया।
	10.12.1991 — जनवरी 1992 तक कलकत्ता में आयोजित फेडरेशन कप	2	—	—	टीम ने स्वर्ण पदक जीता।
जलीय खेल	जनवरी 1991 में आयोजित राष्ट्रीय तीरदांजी चैम्पियनशिप	8	6	8	
	मार्च 1991 को जमशेदपुर में आयोजित आमंत्रण प्राइज मनी तीरदांजी टूर्नामेंट	—	—	—	
	10-12 नवम्बर 91 को रूड़की में आयोजित प्रथम एशियाई ग्रांड, प्राइज मनी मैराथन	—	2	1	
	8-10 नवम्बर 91 को जापान में आयोजित एशियाई नौकायन चैम्पियनशिप	—	1	—	केन्द्र की जोनी रोसल ने पदक जीता जो किसी भी भारतीय द्वारा जीता जाने वाला प्रथम पदक था।
	8-9 फरवरी 1991 को पोर्ट ब्लेयर में आयोजित संयुक्त राष्ट्रीय मैराथन	2	2	—	
	14 जुलाई 1991 को मद्रास में आयोजित राष्ट्रीय नौकायन चैम्पियनशिप।	2	—	—	

	15-19 अगस्त 1991 को कलकत्ता में आयोजित जूनियर नौकायन राष्ट्रीय चैम्पियनशिप	—	—	—	एलेप्पी केन्द्र ने टीम चैम्पियनशिप जीती।
हॉकी	फरवरी 1991 में गुडगांव (हरियाणा) में आयोजित सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप	—	—	—	रांची की बालिका टीम क्वाटर फाइनल में पहुंची।
	14 अक्टूबर 1991 को नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय सजय गांधी जूनियर हॉकी टूर्नामेंट	—	—	—	एस.ए.जी. रांची केन्द्र की टीम ने टूर्नामेंट जीता।
फुटबाल	10-22 जून 1991 को कुआलालाम्पुर में आयोजित एशियाई स्कूल खेल-कूद	—	—	—	एस.ए.जी. दिल्ली केन्द्र के सात लड़कों ने भाग लिया।

परिशिष्ट-ब

(पैरा 3.14.11.2)

भारतीय खेल प्राधिकरण की खेल छात्रावास योजना के अन्तर्गत प्रशिक्षण पा रहे खिलाड़ियों की संख्या

क्र. सं.	राज्य/संघ प्रदेश	खेल छात्रावास	रहने वालों की संख्या लड़के	लड़कियां
1.	आन्ध्र प्रदेश	सिकन्दराबाद	57	शून्य
2.	अमम	गौहाटी	22	7
3.	चंडीगढ़	चंडीगढ़	शून्य	60
4.	गोवा	पणजी	37	7
5.	गुजरात	गांधीनगर	29	4
6.	हरियाणा	भांवानी	48	शून्य
7.	हिमाचल प्रदेश	बिलासपुर	27	शून्य
8.	कर्नाटक	बंगलौर	56	7
9.	केरल	कालीकट	16	3
10.	महाराष्ट्र	काण्डीवाली	37	11
11.	मणिपुर	इम्फाल	21	21
12.	नागालैण्ड	दिमापुर	29	शून्य
13.	उड़ीसा	कटक	64	10
14.	राजस्थान	अलवर	32	शून्य
15.	तमिलनाडु	मद्रास	28	शून्य
16.	पं. बंगाल	कलकत्ता	61	14
17.	पं. बंगाल	सिलिगुड़ी	30	4
योग			594	148

महा योग : 742

सारे देश में फैले एस.पी.डी.ए. केन्द्रों की अनुमानित संख्या

क्रम सं.	राज्य/संघ प्रदेश	जिलों की सं.	राज्यों/संघ प्रदेशों में ब्लकों की संख्या	प्रस्तावित संबंधित एस.पी.डी.ए. केन्द्रों की संख्या
1.	2.	3.	4.	5.
1.	आन्ध्र प्रदेश	22	330	4
2.	अरुणाचल प्रदेश	9	48	1
3.	असम	17	135	2
4.	बिहार	39	590	7
5.	गोवा	1	10	1
6.	गुजरात	19	218	3
7.	हरियाणा	12	100	1
8.	हिमाचल प्रदेश	12	69	1
9.	जम्मू कश्मीर	14	119	2
10.	कर्नाटक	20	174	2
11.	केरल	14	151	2
12.	मध्य प्रदेश	45	459	6
13.	महाराष्ट्र	29	298	4
14.	मणिपुर	8	30	1
15.	मेघालय	5	30	1
16.	मिजोरम	3	20	1
17.	नागालैण्ड	7	25	1
18.	उड़ीसा	13	314	4
19.	पंजाब	12	118	2
20.	राजस्थान	27	237	3
21.	सिक्किम	4	4	1
22.	तमिलनाडु	19	384	5
23.	त्रिपुरा	3	18	1
24.	उत्तर प्रदेश	57	895	11
25.	पं. बंगाल	15	341	4
संघ प्रदेश				
26.	अण्डमान व निकोबार द्वीप समूह	2	5	1
27.	चंडीगढ़	1	1	1
28.	दादर व नागर हवेली	1	1	1
29.	दमन व दीव	2	2	1
30.	लक्षद्वीप	1	5	1
31.	दिल्ली	1	5	1
32.	पांडिचेरी	4	6	1
	अखिल भारतीय	438	5142	78

भारतीय खेल प्राधिकरण के एस.पी.डी.ए. केन्द्रों में प्रशिक्षण पा रहे खिलाड़ियों की संख्या

सं. राज्य/संघ प्रदेश

रहने वालों की संख्या

कुल लड़के-लड़कियां

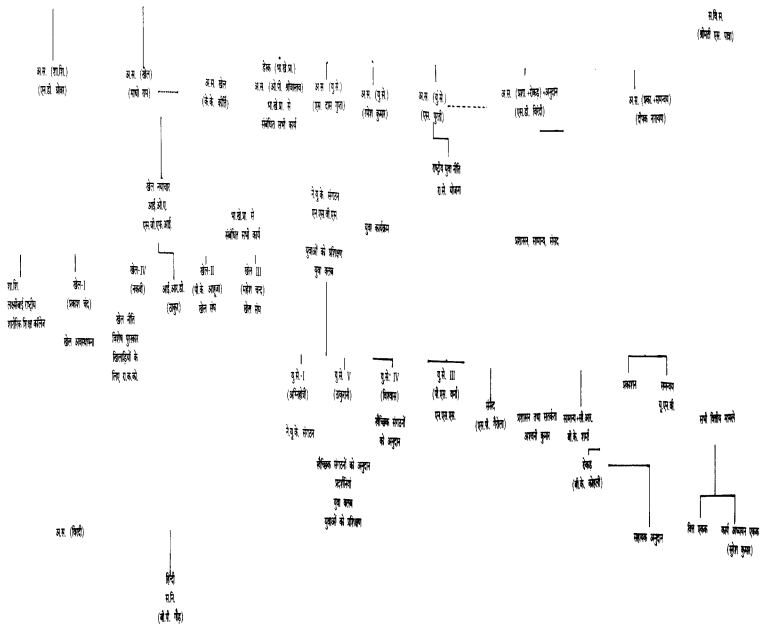
1.	2.	लड़के	लड़कियां	(राज्य-वार)
3.	4.	5.		
आन्ध्र प्रदेश				
1. इलरू	26	—	लड़के	49
2. निजामाबाद	11	2	लड़कियां	2
3. कुर्नोल	12	—		51
बिहार				
4. गुमला	28	—	लड़के	40
5. राँची	12	—	लड़कियां	—
				40
गोवा				
6. फतरोदा	26	—	लड़के	26
गुजरात				
7. राजकोट	18	3	लड़के	33
8. देवगढ़ बड़िया	15	—	लड़कियां	3
				36
हरियाणा				
9. कुरूक्षेत्र	38	—	लड़के	38
कर्नाटक				
10. धारवाड़	14	—	लड़के	24
11. मेडीकरी	10	8	लड़कियां	8
				32
केरल				
12. क्योलोन	51	—	लड़के	51
13. त्रिचूर	—	36	लड़कियां	36
				87
मध्य प्रदेश				
14. सिहौर	15	—	लड़के	90
15. धार	31	—		
16. जबलपुर	44	—		
पंजाब				
17. लुधियाना	33	—	लड़के	50
18. पटियाला	17	4	लड़कियां	4
				54

सं. राज्य/संघ प्रदेश		रहने वालों की संख्या		कुल लड़के-लड़कियां	
		लड़के	लड़कियां	(राज्य-वार)	
1.	2.	3.	4.	5.	
राजस्थान					
19.	जोधपुर	22	—	लड़के	35
20.	अजमेर	13	12	लड़कियां	12
					47
तमिलनाडु					
21.	सैलम	37	—	लड़के	37
22.	नगर कोइल	—	10	लड़कियां	10
					47
उत्तर प्रदेश					
23.	काशीपुर	28	—	लड़के	28
योग		501	75		
महा योग		576			

परिशिष्ट-य
(पैरा 3.14.13.3)

सेना में बाल खेल कम्पनियों के अन्तर्गत प्रशिक्षण पा रहे खिलाड़ियों की संख्या

क्र. सं.	राज्य/संघ प्रदेश	रेजीमेण्ट केन्द्रों के नाम	रहने वालों की सं.
1.	आन्ध्र प्रदेश	ए.आर.टी.वाई. रेजीमेंटल सेन्टर, हैदराबाद	41
2.	बिहार	सिख रेजीमेंटल सेंटर, रामगढ़	33
3.	दिल्ली	राज राइफल रेजीमेंटल सेंटर, दिल्ली छावनी	30
4.	हिमाचल प्रदेश	14. जी.डी.सी. रेजीमेंटल सुबातू	33
5.	महाराष्ट्र	बी.ई.जी. सेंटर, किरकी	31
6.	मेघालय	असम रेजीमेंटल सेन्टर, शिलोंग	43
7.	मध्य प्रदेश	1 एस.टी.सी. रेजीमेंटल सेंटर, जबलपुर	36
8.	उत्तर प्रदेश	कुमाऊं रेजीमेंटल सेंटर, रानीखेत	24
कुल			271



परिशिष्ट-र
(पैरा 3.14.22.2)

जनवरी से दिसम्बर 1991 तक भारत आये विदेशी विशेषज्ञ/प्रशिक्षक

नाम	आगमन	अवधि
1. डा. जेफफ्री साइमन (अमेरिकी खेल मनोवैज्ञानिक)	17.1.91	5 सप्ताह
2. श्री ली. देयांग (चीन के टेबल टेनिस प्रशिक्षक)	13.1.91	एक वर्ष
3. श्री मिट्टका आबो (जापान के जूडो प्रशिक्षक)	16.4.91	एक वर्ष
4. प्रो. एस. रोशन (केन्द्रीय वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान "खेल" के रूसी विशेषज्ञ)	23.5.91	दो सप्ताह
5. पियरौ बिवाल्ट (जर्मनी के नौकायन प्रशिक्षक)	17.7.91	एक माह
6. जाओबर्निस (रूस के साइक्लिंग प्रशिक्षक)	25.9.91	एक वर्ष
7. श्री ट्रेगुलोब (रूस के फेन्सिंग प्रशिक्षक)	17.10.91	एक वर्ष
8. श्री रौड निरुसकी (रूस के ग्रीको-रोमन कुश्ती प्रशिक्षक)	17.10.91	एक वर्ष
9. श्री वोल्कोव (रूस के मुक्केबाजी प्रशिक्षक)	14.11.91	एक वर्ष
10. श्री वाई. यू. बोरीसोव (रूस के 'मास स्पोर्ट्सफार्मेशन')	30.11.91	दो माह
11. श्री बियानगुयन किम (कोरिया गणराज्य के खेल व सामाजिक विज्ञान के निदेशक)	1.12.91	25 दिन

पेज 83 तक

पश्रिष्ट-व
(पैरा 5.4.1)

1992-93 के लिए योजना-वार वित्तीय आबंटन

(रुपये लाखों में)

योजना का नाम	संशोधित प्राक्कलन 1991-92		बजट प्राक्कलन 1992-93	
	योजनागत	योजनेत्तर	योजनागत	योजनेत्तर
1.	2.	3.	4.	5.
युवा कल्याण योजनाएं				
1. राष्ट्रीय सेवा योजना	674.00	442.00	987.00	440.00
2. नेहरू युवा केन्द्र संगठन	319.00	603.00	900.00	603.00
3. खैच्छिक संगठनों को सहायता	28.00	1.50	55.00	1.50
4. साहसिक कार्यकलापों का संवर्धन	50.00	21.00	150.00	20.75
5. पर्वतारोहण संस्थानों की स्थापना और विकास	11.00	10.00	30.00	10.00
6. स्काउटिंग तथा गाइडिंग	55.00	12.00	88.00	12.00
7. राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक योजना	88.00	10.30	180.00	10.50
8. राष्ट्रीय एकीकरण कार्यक्रम	185.00	20.00	270.00	19.75
9. युवा शिष्टमण्डलों का आदान-प्रदान	15.00	—	25.00	—
10. युवाओं के लिए प्रदर्शनी	16.00	—	30.00	—
11. युवा छात्रावास	124.00	—	210.00	—
12. राष्ट्रमण्डल युवा कार्यक्रम	3.00	30.10	3.00	30.10
13. राष्ट्रीय अनुशासन योजना	—	965.00	—	965.00
14. युवा क्लब	15.00	—	50.00	—
15. युवाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम	80.00	—	120.00	—
16. राष्ट्रीय युवा पुरस्कार	10.00	—	10.00	—
17. संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक कार्यक्रम का सहयोग	—	6.70	—	4.00
18. भारत में यू.एन.वी.-डी.डी.एस. स्वयंसेवकों को तैनात करना	—	2.40	—	2.40
19. राष्ट्रीय उपयुक्तता कोर	—	1.00	—	1.00
20. पिछड़ी जनजातियों के युवाओं में युवा कार्यकलापों के संवर्धन की विशेष योजना	80.00	—	100.00	—
21. अनिवार्य राष्ट्रीय सेवा	1.00	—	1.00	—
22. राष्ट्रीय युवा विकास संगठन	1.00	—	20.00	—
23. मूल्यांकन	—	—	10.00	—
कुल युवा कल्याण योजनाएं	1755.00	2125.00	3239.00	2120.00

खेल कूद

1. भारतीय खेल प्राधिकरण	2678.00	1330.00	2341.00	1330.00
2. विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों को अनुदान	151.00	—	250.00	—
3. खेल संघों को अनुदान	350.00	48.00	350.00	94.00
4. राज्य खेल परिषदों के माध्यम से खेलों का विकास	1000.00	—	624.00	—
5. खेल कार्यक्रमों के संवर्धन के लिए प्रोत्साहन योजनाएं	260.00	—	300.00	—
6. सिंथेटिक ट्रैक बिछाना	100.00	—	100.00	—
7. खेल तथा शारीरिक शिक्षा टीम विशेषज्ञों का आदान-प्रदान	100.00	—	50.00	—
8. महिलाओं के लिए राष्ट्रीय खेल चैम्पियनशिप	—	55.00	—	60.00
9. शारीरिक शिक्षा	—	19.00	—	19.00
10. महिलाओं में खेलों का संवर्धन	—	—	3.00	—
11. खेल प्रतिभा खोज छात्रवृत्ति योजना	70.00	—	70.00	—
12. ग्रामीण खेल टूर्नामेंट	—	32.00	—	53.00
13. राष्ट्रीय खेल फंड	—	2.00	—	2.00
14. अर्जुन पुरस्कार	—	6.50	—	3.00
15. द्रोणाचार्य पुरस्कार	—	—	—	2.00
16. खेल विद्यार्थियों को यात्रा अनुदान	1.00	—	1.00	—
17. एफ़ो-एशियाई खेल	—	1.00	—	1.00
18. एशियाड परिसम्पत्ति का हस्तान्तरण	—	1.00	—	1.00
19. साहसिक खेलों के विशेषज्ञों तथा उत्कृष्ट खिलाड़ियों को विदेशों में प्रशिक्षण के लिए छात्रवृत्ति	—	—	1.00	—
20. पिछड़ी जनजातियों में खेल क्रियाकलापों के लिए विशेष योजना	—	—	40.00	—
21. खेल क्लबों को सहायता	—	—	1.00	—
22. मूल्यांकन	—	—	5.00	—
कुल: खेल-कूद	4710.00	1495.00	4136.00	1565.00
कुल: युवा कार्यक्रम और खेल	6465.00	3620.00	7375.00	3685.00

अन्य कार्यक्रम

सेमीनारों, समितियों, बैठकों पर व्यय	—	25.00	—	25.00
-------------------------------------	---	-------	---	-------

अन्य मदें

कुल: अन्य कार्यक्रम	—	2.00	—	2.00
सचिवालय-समाज सेवा	20.00	167.00	25.00	168.00
महा योग:	6485.00	3814.00	7400.00	3880.00

संक्षेपण व्याख्या

एडस	— अक्वार्य इयून डेफिसिएंसी सिन्ड्रोम	टी.ओ.आर.सी.	— प्रशिक्षण अनुसंधान व दिग्विन्यास केन्द्र
ए.आई.यू.	— भारतीय विश्वविद्यालय संघ	टी.बी.	— टेलीविजन
ए.पी.	— आन्ध्र प्रदेश	यू.ई.ई.	— प्रारम्भिक शिक्षा का व्यापीकरण
ए.एस.आई.	— भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण	यू.जी.सी.	— विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
बी.पी.ई.	— शारीरिक शिक्षा स्नातक	यू.एन.डी.पी.	— संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम
सी.ए.बी.ई.	— केन्द्रीय सलाहकार शिक्षा बोर्ड	यू.एन.बी.	— संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक
सी.बी.एस.ई.	— केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड	यू.पी.	— उत्तर प्रदेश
सी.डी.	— समुदाय विकास	यू.एस./यू.एस.ए.	— संयुक्त राज्य अमेरिका
सी.ई.पी.	— सांस्कृतिक विनिमय कार्यक्रम	यू.एस.एस.आर.	— सोवियत समाजवादी जनवादी संघ
सी.वाई.ए.सी.	— राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम परिषद	यू.टी.	— संघ शांति क्षेत्र
सी.वाई.पी.	— राष्ट्रमंडल युवा कार्यक्रम	यू.टी.ए.	— यूनिवर्सिटी टास्क एड्स
डी.जी.	— महानिदेशक	वी.आई.पी.	— अति महत्वपूर्ण व्यक्ति
डी.पी.आर.	— प्रजातांत्रिक लोक गणराज्य	डब्ल्यू.बी.	— पश्चिम बंगाल
एच.पी.	— हिमाचल प्रदेश	डब्ल्यू.एच.ओ.	— विश्व स्वास्थ्य संगठन
एच.आर.डी.	— मानव संसाधन विकास	वाई.ए.	— युवा कार्यक्रम
एच.आर.एम.	— मानव संसाधन विकास मंत्री		
आई.सी.डी.एस.	— एकीकृत बाल विकास योजना		
आई.जी.	— इन्दिरा गांधी		
आई.आई.पी.ए.	— भारतीय लोक प्रशासन संस्थान		
आई.ओ.ए.	— भारतीय ओलम्पिक संघ		
एल.एन.सी.पी.ई.	— लक्ष्मीबाई राष्ट्रीय शारीरिक शिक्षा कालेज		
एम.ओ.एस.	— राज्य मंत्री		
एम.पी.ई.	— शारीरिक शिक्षा स्नातकोत्तर		
एम.पी.एफ.एल.	— कार्यात्मक साक्षरता वृहत कार्यक्रम		
एन.सी.सी.	— राष्ट्रीय कैडेट कोर		
एन.आई.सी.	— राष्ट्रीय सूचना केन्द्र		
एन.एल.एम.	— राष्ट्रीय साक्षरता मिशन		
एन.पी.ए.	— राष्ट्रीय शिक्षा नीति		
एन.एस.ओ.	— राष्ट्रीय खेल संगठन		
एन.एस.एन.	— नेताजी सुभाष राष्ट्रीय खेल संस्थान		
आई.एस./एन.आई.एस.	—		
एन.एस.एस.	— राष्ट्रीय सेवा योजना		
एन.एस.टी.सी.	— राष्ट्रीय खेल प्रतिभा प्रतियोगिता		
एन.एस.वी.	— राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक		
एन.एस.वी.एस.	— राष्ट्रीय सेवा स्वयंसेवक योजना		
एन.वाई.के.	— नेहरू युवा केन्द्र		
एन.वाई.के.एस.	— नेहरू युवा केन्द्र संगठन		
आर एन्ड डी	— अनुसंधान एवम् विकास		
आर.डी.	— गणतन्त्र दिवस		
एस.ए.ए.आर.सी.	— दक्षिण एशिया क्षेत्रीय सहयोग संघ		
एस.ए.एफ.	— दक्षिण एशियाई संघ		
एस.ए.जी.	— विशेष क्षेत्र खेल		
एस.ए.आई.	— भारतीय खेल प्राधिकरण		
एस.सी./एस.टी.	— अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति		
एस.पी.डी.ए.	— खेल परियोजना विकास क्षेत्र		
टी.एल.सी.	— कुल साक्षरता अभियान		
टी.ओ.सी.	— प्रशिक्षण और दिग्विन्यास केन्द्र		

contents

Para No.		Page No.
	Chapter 1—INTRODUCTORY	1
	Chapter 2—YOUTH PROGRAMME	
2.1.1	National Youth Policy	5
2.2.1	Committee on National Youth Programme	5
2.3.1	Promotion of Adventure	6
2.4.1	Exhibitions for Youth	7
2.5.1	Promotion of National Integration	7
2.6.1	National Service Scheme	9
2.7.1	National Service Volunteer Scheme	13
2.8.1	Training of Youth	13
2.9.1	National Youth Awards	14
2.10.1	Assistance to Youth Clubs	15
2.11.1	Youth Hostels	15
2.12.1	Assistance to Voluntary Organisations	16
2.13.1	Special Scheme for Youth of Backward Tribes	17
2.14.1	Scouting & Guiding	18
2.15.1	Nehru Yuva Kendra	19
	Chapter 3—SPORTS AND PHYSICAL EDUCATION	
3.1.1	Introduction	22
3.2.1	Grants for Creation of Sports Infrastructure	23
3.3.1	Grants to Rural Schools	24
3.4.1	Synthetic Athletic Tracks/Artificial Surfaces	25
3.5.1	Sports and Games in Universities and Colleges	25
3.6.1	Assistance to National Sports Federations	26
3.7.1	Promotion of Sports in Schools through Prize Money	26

3.8.1	Cash Awards to Medal Winners in International Sports Events	27
3.9.1	Travel Grants to Sports Scholars/Research Workers	27
3.10.1	National Welfare Fund for Sportpersons	27
3.11.1	Arjuna Awards	28
3.12.1	5th SAF Games	28
3.13.1	Highlights of Achievements in Sports during 1991-92.	28
3.14.1	Sports Authority of India	30

Chapter 4—INTERNATIONAL COOPERATION

4.1	Cultural Exchange Programmes/Protocols, etc.	37
4.2.1	Commonwealth Youth Programme	38
4.3	International Exchange of Youth Delegations	39
4.4.1	United Nations Volunteers	40

Chapter 5—ORGANISATION

5.1.1	Secretariat	42
5.2.1	Use of Hindi	42
5.3.1	Publications and Library	43
5.4.1	Budget Allocations	43
5.5	Social Mobilisation Campaign	43
5.6.1	Computerization	44

On the Covers

- Front Cover (Centre) — National Youth Emblem
 Back Cover — Special Poster produced to commemorate the 20th Anniversary of UNV Scheme.

appendices

Para No.	Subject	Page No.
2.3.8	A. Grants released for Promotion of Adventure.	49
2.5.10	B. Grants released for Promotion of National Integration	54
2.9.4	C. List of Youth Award Winners.	62
3.1.5	D. Recommendations and Conclusions of the 4th National Conference of Ministers of Youth and Sports.	65
3.2.2	E. Position of incomplete sports infrastructure.	69
3.4.1	F. Position of completion of synthetic tracks and artificial surfaces.	70
3.5.6	G. Sports Scholarships awarded during last 3 years.	71
3.5.7	H. Grants for promotion of sports in university sector.	72
3.5.7	I. List of recognised National Sports Federations.	73
3.6.4	J. Proposal of National Sports Federations cleared at Government cost.	74
3.6.4	K. Proposals of National Sports Federations cleared at 'No cost to Govt.' basis.	77
3.8.3	L. List of Sportspersons given special awards for achievements in international competitions.	83
3.11.3	M. List of Arjuna Award winners for 1989.	86
3.12.2	N. Participation and performance in the 5th SAF Games, 1991.	86
3.14.8.4	O. SAI—Achievements of NSTC trainees.	87
3.14.9.3	P. SAI—Achievements of SAG trained sportspersons.	91
3.14.11.2	Q. SAI—Details of trainees under Sports Hostels Scheme.	92
3.14.12.2	R. SAI—Estimated number of SPDAs	93
3.14.12.2	S. SAI—Number of Sportspersons receiving training at SPDA Centres.	94
3.14.13.3	T. Number of Sportspersons in Boys' Sports Companies in the Army.	95
3.14.22.2	U. Foreign Experts/Coaches who visited India.	96
5.1.3	V. Administrative Chart of the Department.	96-A
5.4.1	W. Budget Allocations	97
	ABBREVIATIONS	99

introductory

1.1.0 The Ministry of Human Resource Development was created in 1985 for integrating all efforts for the development of human potential in the areas of education, youth, women and children, arts, culture and sports. This Report covers activities of the four Departments which constitute the Ministry. The Report is presented in four parts:

- Part-I Education
- Part-II Culture
- Part-III Youth Affairs & Sports
- Part-IV Women and Child Development

Department of Education

1.2.1 National Policy on Education (NPE) was adopted by Parliament in 1986 and its implementation commenced soon thereafter. As contemplated under NPE a CABE (Central Advisory Board of Education) Committee on Policy was set up under the Chairmanship of Shri N. Janardhana Reddy, Chief Minister of Andhra Pradesh. This Committee was required to take in account all developments since NPE which have a bearing on policy and the Report of the NPE Review Committee. This Committee submitted its report on 22nd January, 1992. The report is to be considered by the CABE. On receipt of the CABE's recommendations the government will finalize its views on modifications to be made in the Policy.

1.2.2 Universalisation of elementary education, equalisation of educational opportunities, women's education and development, vocationalisation of school education, consolidation of higher education, modernisation of technical education, improvement of quality content and process of education at all levels continued to be the themes of national endeavour in the field of education.

1.2.3 In elementary education, the focus shifted from enrolment, *per se*, to retention and achievement — a shift which reflects the renewed concern for improving efficiency of investment and for monitoring programmes in terms of outcomes rather than in terms of inputs such as coverage and expenditure alone. The focus also shifted from exclusive concern with schooling to a holistic perception which stressed the need of providing alternative system of education of comparable quality to working children and girls whom the schools cannot reach. The concepts of participative micro-planning and local level capacity building were given wide currency and tested and tried through experimental projects. They would be important elements of the strategy to achieve UEE.

1.2.4 In the field of adult literacy, Total Literacy Campaigns (TLCs) demonstrated the feasibility of community mobilisation to further universalisation of elementary education (UEE). Following the State of Kerala, the Union Territory of Pondicherry, Burdwan district in West Bengal, the Sindhudurg district in Maharashtra and Dakshin Kannada district in Karnataka have achieved total literacy through the campaign method. These campaigns are now in progress either fully or partially in more than a hundred districts of the country. The results manifested themselves in the provisional figures of 1991 census which reflects that for the first time the literacy rate climbed over

and above the 50 per cent mark. It is a matter of pride and a measure of the success achieved on the literacy part that for the second consecutive year India has bagged the prestigious Noma Literacy Prize, this time it is going to the Government of West Bengal.

1.2.5 Emphasis continued to be laid, in the content of education, on promotion and development of fundamental values like national integrity, secularism, more opportunities to women, focus on environmental and population education, etc.

1.2.6 At the international level, India was a participant in the 26th General Conference of UNESCO held in Paris during October-November, 1991. This conference approved the programmes and budget for the biennium 1992-93 in UNESCO's areas of competence. A major decision has been to set up an International Commission on Education in the twenty-first century. Further, the International Consultative Forum on Education for All met in December, 1991 to review the progress made by Member States of UNESCO and various developmental agencies towards achieving the goal adopted in the Jomtien Conference to achieve 'Education for All' by 2000 A.D.

1.2.7 The strategies planned to achieve the goal in the education sector recognize the need for:

- i) Involvement and participation of States/UTs in the implementation of programmes/schemes.
- ii) Mobilization of voluntary efforts/agencies.
- iii) Cooperation and participation at the international level.

Department of Culture

1.3.1 The year 1991-92 witnessed a continued thrust in promotion, development and dissemination of art and culture at the National and International levels. The Zonal Cultural Centres cut across territorial boundaries to bring cultural awareness among the people of different regions. The accent in those centres has been towards folk, tribal and rural art with emphasis on documentation and preservation of some dying art forms, besides inter-zonal cultural festivals for national integration and harmony. Besides signing/renewing Cultural Exchange Programmes with nine countries during the year like Hungary, Peru, The Democratic People's Republic of Korea, Mangolia, Oman, Columbia, Jordan, Sri Lanka and Zimbabwe, the Festival of India in Germany consisting of exhibitions, seminars, performing arts and film festival opened in September, 1991. The Festival has played a vital role in opening a window to our culture for the people of Germany.

1.3.2 Departmental institutions responsible for the preservation and maintenance of our cltural heritage, e.g., our historical monuments and archives continued their activities during the year. Besides annual maintenance of the Centrally protected monuments, as many as 498 monuments were taken up by the Archaeological Survey of India during the year for major structural conservation. In the field of exploration, during the course of village to village survey in different parts of the country, some new sites were unearthed by the A.S.I. The A.S.I. conducted excavations at a number of sites in Bihar, Gujarat, Haryana, Karnataka, Madhya Pradesh, Maharashtra, Manipur, Orissa and Tamil Nadu. The excavations carried out at Kolhua in District Muzaffarpur (Bihar) brought to light a number of votive stupas, part of a monastic complex and brick temple.

1.3.3 The Sahitya Akademi continued to achieve its objectives of promotion of literature, recognising men of letters and improving the standards of literature and literary criticism, while the Sangeet Natak Akademi persued its activities on the promotion and growth of music, dance and drama and also the revival, preservation, documentation and dissemination of tribal/folk forms of music, dance and drama. The Lalit Kala Akademi also undertook programme and projects for the promotion of the plastic arts.

DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS

1.4.1 1991-92 can be described as the year of revamping the youth programmes introduced by the Government during 1985-89. Adequate emphasis was given to youth programmes so as to provide new opportunities for the youth to focus their energies on nation building activities. Special emphasis was given to achieve broadbasing of sports and to spot talents for nurturing and encouraging them to attain excellence in performance and achieving better standards to meet international challenges.

1.4.2 The Youth Affairs and Sports Ministers' Conference was organised which was attended by Ministers Incharge of Youth and Sports of all the States and Union Territories. The Conference suggested ways and means to improve the quality and the coverage of programmes. The other major activities during the year are discussed below:

- i) Efforts continued through National Service Scheme, a programme of university students, for community development in the adopted villages. The university students continued their participation in the National Literacy Mission. They also took up a project supported by World Health Organisation for creating awareness on HIV virus and AIDS.
- ii) The Governing Board of Nehru Yuva Kendras was reconstituted and the release of funds for the programmes resumed. The Board decided to expand its activities to cover all districts in the country and to establish additional Kendras for bigger districts and those districts which have predominant tribal population.
- iii) National Integration Camps, festival of University students, Adventure programmes and Exhibition for Youth were organised. Special attention was given to tribal youth providing continued support and funding for taking up programmes exclusively for them.
- iv) Scouts and Guides Movement continued to grow in its activities and programme to develop the personality of children/youth.
- v) The Department continued assisting Commonwealth Youth Programmes and strengthening United Nations Volunteers programmes specially United Nations participatory programmes in Asian region. These efforts brought about international understanding and feeling of togetherness among the youth.
- vi) In the field of sports, a drive was launched to review the schemes to update and harmonise them more closely wherever necessary. Also there was greater interaction amongst voluntary bodies in sports, the public and private enterprises interested in sports and persons knowledgeable in sports. Consequently, many new ideas emerged which have been developed for appropriate incorporation in the existing schemes and conception of new schemes.
- vii) As Sports development cannot be based only on monetary support from Government resources, expertise and support of private and public sector enterprises have been enlisted to start National Academies for different sports disciplines.
- viii) Assistance of about Rs. 238.00 lakhs (i.e. till 31.12.1991) was sanctioned to National Sports Federations for conducting Coaching Camps, organising National/International tournaments in India and for participation abroad.

Some of the highlights of achievements in sports during the year were:-

- In the 5th SAF Games held at Colombo during December, India won 64 Gold, 59 Silver, and 41 Bronze medals.
- In the 4th Commonwealth Wrestling Championship held at New Zealand during October, Indian team won 3 Gold, 1 Silver and 5 Bronze medals and secured 2nd position out of 8 countries.
- Shri Leander Paes of India won the Junior US Open Tennis Championship held in USA during June, 1991
- In the 4th Women and 5th Men Junior Asian Weightlifting Championship held in

- Indonesia during August 1991, Indian team won 3 Silver and 5 Bronze medals.
- Indian team won the 6th Indira Gandhi International Hockey tournament held at New Delhi during January, 1991.
- Shri Vishwanath Anand achieved a historic success by winning a very strong international Chess tournament held in Italy during January, 1992.
- At the World Women Powerlifting Championship held in New Delhi in June, 1991, India came third as a team.
- At the 5th World Women Weightlifting Championship held in Germany in September, 1991, India won a Silver medal.

Department of Women and Child Development

1.5.1 The Department of Women and Child Development continued its programmes in the areas of women's development as well as of the child development. The strategy adopted involves empowerment of women through education and awareness generation and greater emphasis on vocational training and employment so as to enable women to enter the main-stream of economic development as equal partners. The renewed attack on prevailing forms of gender bias with special focus on the girl child is another priority area. To investigate and examine all matters relating to constitutional and legal safeguards provided for women and to review existing legislations, the Department of Women and Child Development have constituted the National Commission for Women under the National Commission for Women Act, 1990. It has also been decided to set up the office of the Commissioner for Women's Rights. Sensitisation of the enforcement and the administrative machinery to women's issues, is also an important new initiative which has gathered momentum. A comprehensive plan of action for the SAARC Decade of the Girl Child is also under finalisation.

1.5.2 In the area of child welfare and development, the Department expanded the world's largest nutrition programme, called the Integrated Child Development Scheme (ICDS), to cover 2594 projects (including the state sector projects) in the country catering to 138 lakh children and 27 lakh pregnant and nursing mothers. The effort during the year has been to improve the quality of services under the programme and also to improve the delivery of substantive programme components through the convergence of services meant for women and children in the country. A focus on adolescent girls with a view to catering to their health, nutritional and vocational needs as well as tapping their potential as future social animators is an essential part of this strategy. A comprehensive national programme of action on children, as a follow up of the World Summit on Children and the World Declaration on the Survival, Protection and Development of Children, is under finalisation.

1.5.3 In addition, the details of the Indira Mahila Yojana which aims at radical restructuring of existing programme design, the creation of a system of holistic delivery of services for women and children and the economic empowerment of women are under formulation. The Scheme also visualizes the creation of a recipient group at the village level to oversee the integrated delivery system and to articulate the concerns of women and children.



राष्ट्रीय सेवा योजना देश के सम्मुख आने वाली समस्याओं का मुकाबला करने के लिए सदैव अग्रणी रही है। विश्व स्तर पर व्याप्त एड्स जैसी घायनक बीमारी के बारे में सामाजिक चेतना पैदा करने के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना स्वयंसेवकों ने काफी संख्या में पोस्टर तैयार किए और एड्स के दुष्परिणामों के बारे में बताने के लिए एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

The NSS has always been on the forefront in combating the problems facing the country. To generate social awareness about the latest menace of international dimensions—the dreaded disease of AIDS—the NSS volunteers produced a number of speaking posters and organised an exhibition to inform about the evil effects of AIDS.

youth programmes

National Youth Policy

2.1.1 Government of India had formulated a National Youth Policy and tabled it before both the houses of Parliament in November-December, 1988. However, the National Front Government, formed during December, 1989 announced that a new National Youth Policy would be formulated. The matter was discussed in various forums but no final decision was taken.

2.1.2 A comparative analysis of the objectives of the existing National Youth Policy and the proposed revised Policy, on which some work has been done during the preceding years, shows no material differences between the two, either from the point of view of objectives of the policy or coordination and implementation of programmes. Some additions have been made which do not warrant the revision of the Policy itself. Such additions can be embodied in programmes and operational guidelines arising out of the implementation of the Policy. The proposed revised policy, therefore, does not contain any major point for improvement in the approach to youth welfare and development. The Government after due consideration have decided to go ahead with the existing National Youth Policy adopted only 3 years ago and which has not been given sufficient chance of being implemented. The existing policy is comprehensive enough to deal with a wide variety of programmes concerning youth, their welfare, their development and provide them with new opportunities to participate in nation building activities.

Committee on National youth Programmes

2.2.1 Pursuant to the recommendations of the National Youth Leaders Conference, a National Youth Council was set up by the Government through a resolution dated 10.10.90. The National Youth Council, with Prime Minister as its Chairman had been set up to:-

- Suggest policy measures and programmes for Youth;
- advise the Government on measures for implementation of the Plan of Action of the National Youth Policy;
- review the co-ordination between various departments of the Central/State Governments and all Voluntary Organisations/Other agencies involved therein; and
- provide a feed-back on this implementation of the national youth programmes.

2.2.2. The Council had 222 members drawn from the Youth wings of recognised political parties at the national and state level, Voluntary Youth Organisations, Vice-Chancellors of universities, Principals of colleges, student leaders, etc..

2.2.3 Recently, the Government has decided to reconstitute this body as the Committee on National youth Programmes and limit its membership to about 50 with a

view to have better and effective coordination of youth programmes. This will be a coordination committee in tune with the arrangement contemplated in the National Youth Policy itself for coordinating youth programmes. This will be a more functional national level body and reduce the cost of holding the meetings.

Promotion of Adventure

2.3.1 The Scheme of Promotion of Adventure aims at fostering in youth the spirit of risk-taking, endurance, cooperative team work and at encouraging quick, ready and effective reflexes in challenging situations. Financial assistance is provided to institutions, groups, individuals and voluntary organisations for undertaking adventurous activities like mountaineering, trekking, rowing, boating, hiking, exploration for collection of data, study of flora and fauna in mountains, deserts and the seas, coastal sailing, etc. as also for training of young people to undertake such activities.

2.3.2 During the year 1991-92, a total of 104 voluntary agencies, educational institutions and individuals were given financial assistance for undertaking different adventurous activities. Approximately 4000 youth participated in various adventure programmes.

2.3.3 Apart from continuing emphasis on low cost adventure programmes, encouragement was also given, during the year, for some high risk major adventure programmes like Everest expeditions

2.3.4 The Department continued to contribute its share of expenditure of the Himalayan Mountaineering Institute, Darjeeling (West Bengal) and maintenance expenditure of Jawahar Institute of Mountaineering and Winter Sports (J&K).

2.3.5 The National Adventure Foundation supported by the Department launched a week-long adventure training camp for young school children of Delhi in collaboration with the International Youth Hostel Organisation (IYHO). The National Adventure Foundation is a voluntary organisation which guides and acts as a catalyst in respect of different adventure activities, where such guidance or cooperation is sought.

2.3.6 The *General Thimayya National Academy of Adventure* is another institution engaged in the promotion of adventure activities. It was established by the Government of Karnataka in the year 1989, under the chairmanship of General (Retd.) P.P. Kumarmangalam, with a view to promoting adventure awareness in respect of all the three areas of adventure activities, viz. Aero, Aqua and Terrestrial adventure. The Institute is engaged in conducting programmes of nature awareness, adventure orientation workshop for heads of schools and colleges, nature awareness camps for mentally retarded children, rock climbing camps, para-sailing courses, publication of adventure-related literature, establishment of adventure clubs in schools and colleges, river rafting, etc. During the year 1990-91, an amount of Rs. 11.60 lakhs was approved by the Department as aid to the Institute for terrestrial, aqua and aero adventure training programmes.

2.3.7 The encouragement given by Government has resulted in motivation of various adventure clubs to take up programmes for the recreation and development of our children and youths.

2.3.8 The details of grants released during 1991-92 for Promotion of Adventure are at **Appendix-A.**

Exhibitions for Youth

2.4.1. The scheme of Exhibitions for Youth aims at:-

- (a) Projecting and recognising the activities and contribution made by youth in various fields of national development so that youth, having regard to its preference and needs, may be able to choose from among various options when it wishes to enrich its intellectual resources.
- (b) Enabling youth to know about the ways of life and cultural mores of other parts of the country, knowledge of Indian culture, the freedom struggle, constitution of India and the latest developments taking place in the field of Art, Culture, Education, Agriculture, Industry and Science and Technology.
- (c) Exhibition on the folk dance, folk songs, painting, art and craft, exhibitions of books and on various development and youth related schemes are also covered under this Scheme.

2.4.2 Under the Scheme, assistance is given for meeting boarding expenses of the participants at the rate of Rs. 20/- per day per head, travel expenses of the participants by the cheapest mode and also organisation expenses at the rate of 25% of boarding expenditure.

2.4.3 During the year 1991-92, about 125 exhibitions were organised in different parts of the country with the assistance of the Department. Some of the major grantees are:

- (i) Various NSS units in Punjab University, Punjab, S.S.D. College, Bhatinda; Bharatidasan University, Trichy Nistarini College, Purulia, Lucknow University, Lucknow; SJS Vidyalaya, Puri; Nagpur University, Nagpur and Government Degree College, Sonebhadra.
- (ii) Sevavrata, Murshidabad, West Bengal.
- (iii) Jai Hind Arts & Sports College, Kollam, Kerala;
- (iv) Scheduled Caste and Scheduled Tribe Research and Training Institute, Uttar Pradesh;
- (v) R.K. Mission Lokashiksha Parishad, Narendrapur, West Bengal;
- (vi) Jagriti Sewa Sansthan, Raipur, Madhya Pradesh;
- (vii) Gandhigram Rural Institute, Madurai, Tamil Nadu.

Promotion of National Integration

2.5.1 Comprehension of the unity and integrity of the country and secular integration of the youth is pre-requisite for their emergence as responsible citizens. The Scheme of Promotion of National Integration provides a framework to various youth organisations, educational institutions and voluntary agencies, by providing financial assistance, for organising camps of youth in different parts of the country, arranging programmes of inter-state visits, holding of seminars/conferences on different themes of national integration, organising research/publications on such themes, holding regional/zonal festivals of students through universities, organising cultural programmes and other similar activities. Community living in such camps helps the participants to understand each other better and affords them opportunities to learn about our inter-regional traditions and customs and our many splendoured cultural heritage. The coverage of this programme has been extended to far-flung remote villages of India located on the international borders. Youth from these areas visit other parts of the country to understand and know more about India and her people. This brings about appreciation of the vastness of the country and its various systems, and realisation of basic oneness, commonness and sense of pride in being Indian among the participants.

2.5.2 In 1991-92, the Department provided financial assistance for a variety of youth programmes aimed at fostering national integration and communal harmony as well as humanitarian activities. The funds were channelised through a number of voluntary/youth organisations like Youth Hostels Association of India, Association of Indian

Universities, Bharat Scouts & Guides, National Service Scheme, NYK Sangathan, National Youth Project, Balkan-ji Bari International, Gandhi Smriti & Darshan Samiti and Sports Authority of India besides a host of other organisations as well as various universities/educational institutions.

2.5.3. During the year, about 123 national integration camps for rural & urban youth, 18 inter-state youth exchange programmes, 4 zonal festivals, one national festival for university students and one seminar were organised.

Sadhbhavana Diwas

2.5.4 (a) August 20, 1991 the birthday of Late Shri Rajiv Gandhi was observed as Sadhbhawana Diwas. A function, on this day, was organised at I.G. Stadium, New Delhi when the Prime Minister was the Chief Guest. Minister for Human Resource Development presided over the function and Minister of State for Youth Affairs & Sports was also present on the occasion. 12000 youth from different youth organisations i.e. Bharat Scouts and Guides, Youth Hostels Association of India, Nehru Yuva Kendras, NSS, NCC and students of Delhi Schools/Colleges participated. Community singing, all faith prayers and invocation songs were sung by students of various Delhi Schools. The Human Resource Minister administered the pledge to the youth present. The Prime Minister lit the Sadhbhawana Flame. While addressing the participants, Prime Minister highlighted the need for promoting Sadhbhawana and contribution made by late Rajivji therefor.

(b) The main objective of observance of Sadhbhavana Diwas is to inculcate and spread the feeling of brotherhood in the hearts and minds of the youth of this country to achieve the ultimate goal of patriotism, communal harmony, prosperous and thriving democracy with strong human values, national unity and integration and world peace. One of the most fruitful investment for spread of Sadhbhavana is to inculcate this noble feeling and thought in the minds of our children/students and youth.

Sadhbhavana Essay Competition

(c) In order to achieve the above objective, the Government of India has decided to constitute awards through essay competitions for student youth. Accordingly, the Government of India has instituted Sadhbhavana Essay Competition Awards with the following salient features:—

- (i) The essay competition on the theme “Sadhbhavana for the development of a modern and strong India” with focus on different topics will be held each year in each of the official languages listed in the Constitution of India and English for School/College students. For 1992, the topic is ‘National Integration’.
- (ii) The essay competition will be at three levels, one for school students upto middle level, second for high/higher secondary school students and the third for college and university students.
- (iii) There will be three **cash prizes** for the best essays in each group in various languages amounting to Rs. 25,000/- (Rupees twenty five thousand), Rs. 35,000/- (Rupees thirty five thousand) and Rs. 40,000/- (Rupees forty thousand) each. In addition to cash prize, a **national recognition certificate** will also be awarded.
- (iv) Each of the students winning cash award will be given **scholarships** amounting to Rs. 250/-, Rs. 350/- and Rs. 400/- per month for a maximum period of 5 years to continue his or her education in school/college/ university. This will be subject to the student continuing to pursue studies in an educational institution at a level higher than the level at the time of winning the prize.

(d) As per the scheme of Sadhbhavana Essay Competition Awards, District Collector

will be the nodal agency to receive essays containing 2000 words and recommend 10 best essays in each category of the language and send to the Department of Youth Affairs & Sports. While the District Collector will be guiding and coordinating the overall activity in each district, the primary responsibility would be that of the District Coordinator, Nehru Yuva Kendra. For this, an appropriate committee, will be constituted at the district level which will comprise representatives from the Departments of Education, Culture, Youth Affairs & Sports and Languages as well as from the Nehru Yuva Kendras. All the entries recommended by the District Committees will be examined by a Committee constituted by the Department of Youth Affairs & Sports, Government of India. The Sadbhavana Essay Competition Awards are to be started from the year 1992.

2.5.5 NSS volunteers took part in earthquake relief camps in the affected areas of Uttar Kashi, Tehri Garhwal, Chamoli, Pauri Garhwal and Dehradun districts of Uttar Pradesh.

Jawahar Cycle Yatra

2.5.6 The Nehru Yuva Kendra Sangathan organised Jawahar Cycle Yatra for "All faith harmony" on 14th November 1991, the birthday of late Pandit Jawaharlal Nehru. About 1000 youth belonging to 100 NYKs participated in this Yatra which ended at Shanti Van.

Yuva Kavi Award

2.5.7 The Balken-ji Bari International has instituted the 'National Yuva Kavi Awards' in the memory of late Shri Rajiv Gandhi. These awards in the age groups of 16-20 and 20-25 years for this year were given by the Hon'ble Minister of Human Resource Development on January 12, 1992.

Yuva Milap

2.5.8 The Youth Hostels Association of India (YHAI) organised a National Integration Camps called 'Yuva Milap' in January, 1992 at the Gandhi Darshan Grounds near Rajghat. About 1000 youth from different states participated in this camp lasting 10 days.

Republic Day Camp

2.5.9 The Youth Hostels Association of India (YHAI) organised a Republic Day Camp at Gandhi Darshan Grounds near Rajghat, Delhi from January 22-29, 1992. About 1000 youth from different border areas of the country participated in the camp.

2.5.10 The details of assistance rendered during 1991-92 for Promotion of National Integration are at **Appendix B**.

National Service Scheme

2.6.1 National Service Scheme, was launched in Gandhiji's Birth Centenary Year (1969) with primary focus on the development of personality of students through community service and also on arousing their social consciousness by offering opportunities to interact with the local community creatively and constructively. The Scheme, as originally visualised, was meant for the first degree students in colleges and universities but, with the change in education system and introduction of +2 stage in Senior Secondary Schools, it has been extended selectively to the students of +2 stage also.

2.6.2 The National Service Scheme has two types of programmes viz. Regular Activities and Special Camping Programme, undertaken by the volunteers of NSS. Under Regular Activities, students are expected to work as volunteers for a continuous period of two years and thereby render community service for a minimum of 120 hours per annum. The activities under Regular Programme include improvement of

campuses, tree plantation, constructive work in adopted villages and slums, work in welfare institutions, blood donation, adult and non-formal education, health, nutrition, family welfare, etc. Under Special Camping Programme, a camp of ten days' duration is conducted every year in the adopted area on a specific theme like 'Youth Against Famine', 'Youth Against Dirt and Disease', 'Youth for Afforestation and Tree Plantation', 'Youth for Eco-Development', 'Youth for Rural Reconstruction', 'Youth for Development', etc. From 1989 onwards, Special Camping Programme is being organised on the theme 'Youth for Mass Literacy'.

2.6.3 The expenditure on programmes of NSS is shared between the Central and State Governments in the ratio of 7:5, except in the case of Jammu & Kashmir and Union Territories without Legislature where the entire expenditure is met by the Central Government. The Central Government also meets the entire expenditure on administration, training, research, monitoring, evaluation and publications pertaining to the Scheme, and the full cost of NSS State Liaison Cells being set up in the concerned Departments of State Governments. The existing patterns of expenditure of Rs. 80/- per student per annum on NSS Regular Activities and Rs. 150/- per camper per annum on Special Camping Programme have been revised to Rs. 120/- and Rs. 200/- respectively from the year 1991-92.

2.6.4 For the implementation of NSS Programme throughout the country, the following organisational structures are in operation.

2.6.4.1 At the national level, Ministry of Human Resource Development, Department of Youth Affairs and Sports, decides the policy and programme guidelines for this Scheme. Under the Department, a subordinate organisation 'National Service Scheme' is operating with 15 Regional Centres and 1 Programme Adviser Cell located at Madras, Guwahati, Lucknow, Hyderabad, Pune, Bangalore, Jaipur, Bhubaneswar, Calcutta, Bhopal, Chandigarh, Patna, Ahmedabad, Trivandrum and New Delhi. In the Department, there is the Programme Adviser to advise the Government of India on matters pertaining to the development programmes. At the State level, the State Advisory Committee under the Chairmanship of Minister of Education/Youth Services and State NSS Liaison Cell are functioning. The State NSS Cell is expected to co-ordinate with the Central Government, NSS Regional Centre, universities, colleges and schools in matters of timely release of grants and proper implementation of the Programme. This Department bears entire expenditure on the maintenance of State NSS Cells. At university level, there are University NSS Advisory Committee under the Chairmanship of the Vice-Chancellor and University NSS Cell headed by the Programme Coordinator. At college level, there is a NSS Advisory Committee with the Principal as Chairman and the Programme Officer as grassroot level functionary for mobilising students and implementation of all NSS programmes. One Programme Officer is in charge of one NSS Unit consisting of 100 students. In order to provide training, research and evaluation of the Scheme and to motivate and equip the Programme Officers with requisite skills, 4 Training, Orientation and Research Centres (TORCs) and 18 Training and Orientation Centres (TOCs) have been set up. The Department meets the entire expenditure on maintenance of these TORCs and TOCs. Recently, the TOCs have been strengthened further by adding one more faculty and by enhancing the pro-rata expenditure on training (fixed in 1986 at the level of Rs. 40/- per trainee) to Rs. 80/- from 1992-93.

2.6.5 Over the years, the students' response to NSS has been very encouraging. Starting with 40,000 volunteers during 1969-70, the coverage of students has now crossed one million spread over in 157 universities. Due to overwhelming popularity and demand, NSS has now been extended to +2 level also.

2.6.6 Recently, when the severe earthquake hit the hilly areas of Uttar Kashi (UP), the NSS volunteers from various parts of the country came forward to send relief to the victims of earthquake. Several camps were organised in the region with medical and other logistic materials to provide immediate relief. About 1500 NSS volunteers of the

region were organised to provide relief and rehabilitation to the affected people.

2.6.7 During the year 1991-92 (till December 1991), 1,76,013 NSS volunteers were involved in the Mass Programme for Functional Literacy (MPFL) of the National Literacy Mission (NLM). This is so far the largest number of student volunteers involved in MPFL from a single organisation. As a result of this involvement, a number of villages have been made fully literate by the NSS volunteers. Some of them include the Budhpur village in Delhi, Sitarampur village of Karimnagar District in A.P., Jagdishpur village in Sonapat, Gwali in Kumaon, 13 villages of Mizoram, the whole of the UT of Pondicherry, Kerala State and many other adopted villages where the NSS Units are functioning under NLM compact area literacy drive. More than 3,552 villages have been identified for total literacy drive in various parts of the country. The NSS volunteers of Bihar University, Muzaffarpur in collaboration with the Swami Vivekananda Foundation for Youth have launched a total literacy drive under the slogan "Literate Muzaffarpur Mission". About 1,000 rickshaw-pullers of the district are being made literate under this programme for which makeshift literacy classes are being run by NSS volunteers.

2.6.8 From 1991-92 academic session, the NSS focus has been on area-based total literacy campaigns with the assigned task for each college/school NSS unit to make at least one village fully literate in a phased manner.

2.6.9 Recently, the NSS Organisation, Ministry of Health and W.H.O. have entered into a collaborative arrangement for bringing awareness on AIDS among student youth. The programme called 'Universities Talk Aids' (known as UTA) has become very popular. It is for the first time in India that a major programme has been taken up by a students' youth organisation on AIDS. Several T.V. interviews and films on the work of NSS in prevention of AIDS were telecast in various cities. Four Regional Training Workshops and one National Ceremony were organised, in addition to 19 State ceremonies, to felicitate AIDS Awareness Poster Competition Award winners. There were more than two thousand entries for the materials and message development contest on AIDS awareness, out of which 8 students were adjudged as the best. Shri Arjun Singh, Union Minister for Human Resource Development presented the awards and inaugurated a National Exhibition on Youth and AIDS. A long term 'Plan of Action' to involve the student youth of all universities in prevention of AIDS is being prepared.

2.6.10 National Youth Day/Week and NSS Day were celebrated throughout the country by all the NSS units. On January 12, 1992, National Youth Awards were given to 15 youth for the year 1990-91. Among those honoured were three NSS volunteers, namely, S.G. Pramod Kumar (Kerala), R. Mariappan (Tamil Nadu) and Ashok Kumar Dash (Orissa) also. 8,700 NSS volunteers witnessed the National Youth Award Function. As a part of the Youth Week celebration, about 600 NSS volunteers drawn from 11 universities of Gujarat participated in a State level function and took part in a variety of programmes including competitions, games and sports and cultural programmes.

2.6.11 NSS volunteers also actively participated in the organisation of the Rainbow Week from November 14-20, 1991 at the Youth Hostels Association of India, New Delhi in which several young foreign participants stayed together for a week.

2.6.12 156 (76 male+80 female) NSS volunteers (representing 21 States and 4 UTs) from 85 universities and 122 NSS units participated in the Republic Day Parade, 1992 at the national level displaying banners on areas of their involvement in national tasks which have earned wide acclaim for the Organisation. A 21-minute film on the NSS Republic Day Camp entitled "Barte Kadam" was telecast on national programme on February 1, 1992. Dr. Shankar Dayal Sharma, Hon'ble Vice-President of India and Shri P.V. Narasimha Rao, Hon'ble Prime Minister of India gave special audience to the NSS Republic Day campers and addressed them.

2.6.13 A special Youth Motivation Camp with special focus on Gandhiji and his

teachings was organised at Ahmedabad (Gujarat). A total of 17 National Integration Camps have been sanctioned to the NSS Units. With a view to providing opportunities to NSS youth to imbibe the spirit of national unity and brotherhood, exhibitions and adventure programmes were organised for NSS volunteers highlighting the role of youth in nation-building. A national level exhibition on the theme 'Rajiv Gandhi and the Youth' was put-up during the celebration of Sadbhavana Diwas on August 20, 1991 in which 6,000 NSS volunteers participated. Programmes like blood donation, eye donation camps, tree plantation, village adoption, slum development, communal harmony, Quami Ekta and health education were also organised by the universities.

2.6.14 The NSS Organisation in collaboration with the Commonwealth Youth Programme (CYP) Asia Centre has taken up 5 developmental projects through the NSS unit of Rajarishi Government College, Alwar for development of village Rawandera by way of desilting and deepening of village tank, construction of check-dams and tree plantation on Raj Rishi Sevapath. The work on these projects has already started.

2.6.15 The State NSS Cell of Madhya Pradesh has undertaken Integrated Wasteland Development Pilot Project at Indore since 1990-91. The project is for integrated development of a composite wasteland area measuring about 135 sq. kms. in Mhow Tehsil of Indore. The NSS volunteer input per year by NSS for this project is about 24,000 mandays.

2.6.16 Gram Vikas Kendra—a Centre for Rural Development Studies has been developed by the unique efforts of NSS volunteers of Mahatma Gandhi University, Kottayam. The 2.5 acre area of the Kendra has been developed by way of Shramdan organised by NSS volunteers. The Kendra is developed to train youth, in various aspects of socio-economic development.

2.6.17 As a part of upgrading functional efficiency of the NSS officials at various Regional Centres, a condensed in-service training was organised by the Department in collaboration with Indian Institute of Public Administration (IIPA), New Delhi from September 23 to October 4, 1991. 12 officers from 11 Regional Centres participated in the Organisation Training Course.

2.6.18 A Seminar on 'World Peace and Harmony' was organised at the University of Kerala on January 30, 1992, which was inaugurated by the Chief Minister of Kerala. Further, a national workshop on special programmes for the SAARC Decade of the Girl Child' was organised at Avinashilingam Deemed University, Coimbatore from January 30, 1992 to February 2, 1992, which was inaugurated by the Secretary, Department of Youth Affairs and Sports, Govt. of India. In this connection, it is of significance to note that in this University, NSS has been linked up with curriculum. All the students have to take an examination in NSS theory and get their field work evaluated. The results are finally included for grading just as in the case of any other subject.

2.6.19 Considering the size of the country and large number of students in universities, colleges and schools, there is a tremendous scope and potential for further expansion of NSS movement. Besides, there is also a need to further improve the quality and effectiveness of NSS programmes at various levels. However, due to current resource crunch, during the year 1992-93, the emphasis will be on strengthening and consolidating the existing NSS strength in the country. Attention also needs to be paid to streamline the problem-areas in the implementation of NSS programme. One of such areas in the delay in release of grants from State to the Universities and from the latter to Colleges. This point came up for discussion in the last National Conference of Ministers of Youth Affairs and Sports held in November, 1991 and efforts may be made to release NSS grants directly to NSS units at the College/+ 2 level in consultation with State Governments. There will also be an equal emphasis on improvement in the quality of community service and to focus the attention of student youth on the burning national problems like Nation's Unity and Integrity, Communalism, Illiteracy, Social Evils Untouchability, Dowry, Gender Justice, Ecology, Drug Abuse, AIDS, etc. to create

mass awareness. Setting up of a few more NSS Regional Centres, particularly in North-Eastern Region and North-West Region and TORCs and TOCs in other parts of the country is likely to be considered during the year 1992-93.

National Service Volunteer Scheme

2.7.1 The National Service Volunteer Scheme was started in the year 1977-78 with the aim of providing opportunities to educated youth for taking part voluntarily in the process of national development for a specified period on a whole time basis. Graduate youth below 25 years of age are eligible for deployment as National Service Volunteers (NSV) for a maximum period of 2 years. Relaxation in educational qualifications and upper age limit is given to women and SC/ST candidates.

2.7.2 A volunteer is paid a stipend of Rs. 300 per month and travelling allowance of Rs. 150 per month. Apart from this, a volunteer is also given Rs. 100 per annum as contingencies. The total annual cost for deploying a volunteer is Rs. 5,500/-. Government is considering to increase the stipend and travelling allowance.

2.7.3 The Department has been deploying roughly 3,000 volunteers every year and this year also, more than 3,000 volunteers have been deployed. Out of this, about 2000 volunteers have been deployed by the Nehru Yuva Kendra Sangathan, an autonomous body under this Deptt. working for the welfare of non-student rural youth. These volunteers are deployed in various Kendras of the Sangathan and assist the Youth Coordinators in undertaking the programmes of the Sangathan. The number of NSVs deployed in the Kendras depends on the size of the District. The role of NSVs in the implementation of programmes of the Sangathan is very important keeping in mind that the regular staff of the Sangathan consists of only one Youth Coordinator, one Accounts Clerk-cum-Typist and one Peon.

2.7.4 Apart from the Sangathan, a good number of NSVs are also deployed with various Regional Centres of the National Service Scheme and also with the Bharat Scouts and Guides. During this year, 350 volunteers have been deployed with the National Service Scheme and 480 volunteers with the Bharat Scouts and Guides.

2.7.5 Some volunteers have also been deployed with the State Govts. of Punjab, Haryana, Orissa and Madhya Pradesh in the rural programmes. This Deptt. has also sanctioned about 300 volunteers to work with 40 voluntary agencies.

2.7.6 In a recent study conducted by the Planning Commission on the Schemes of the Sangathan, it was recorded that the National Service Volunteers' work was a critical input to the programmes of the Sangathan. Efforts will be made to make this scheme more useful and participatory.

Training of Youth

2.8.1 This is one of the most important schemes of this Department and was started in 1986-87. The objective of the scheme is to motivate the youth, through spread of knowledge by participating in training courses based on local needs and talents, for promotion of self-employment. The subject of training may relate to agricultural technology, crop management, animal husbandry, dairy, poultry, bee-keeping, pisciculture, puppetry, plumbing, health education, management at local level, scientific methods of using smokeless choolahs, etc. This scheme acts as a supplement to the scheme of assistance to voluntary organisations since both these schemes basically aim at upgradation of skills of trainees so as to make them suitable for seeking self employment. Given the importance of the scheme, this Department has decided to increase the budgetary allocation both in the Annual Plan of 1992-93 and for the VIII Five Year Plan.

2.8.2 Under the scheme, assistance is given at the rate of Rs. 50 per day per head for meeting board and lodging and other training expenses. Assistance is also given for

meeting travel expenditure by the cheapest mode. This Department has been giving assistance to various voluntary organisations, reputed institutions and also to some State Governments under the scheme.

2.8.3 During the year 1991-92, approximately 5000 persons were trained under the scheme. Particulars of some of the major grantees, and the number of persons trained by each of them are furnished below:—

Sl. No.	Name of Organisation	No. of trainees
1.	Banwasi Sewa Ashram, Govindpur, Sonebhadra, Uttar Pradesh.	260
2.	Bangawani Society, Distt. Nadia, West Bengal.	200
3.	India House Development, 134, Palam Colony, New Delhi.	200
4.	Ramakrishna Mission, Narendrapur, West Bengal.	175
5.	A.P. Young Entrepreneurs Promotion Development Association, Hyderabad, Andhra Pradesh.	150
6.	Sri Aurobindo Education Society, Aurobindo Marg, New Delhi.	120
7.	Director, Youth Services & Sports, Himachal Pradesh, Shimla.	120
8.	Bharat Scouts & Guides, New Delhi.	100
9.	Karayil Yuvajana Kala Samiti, Kerala.	100
10.	Bhartiya Vikas Trust, Vinayak Vihar, Anant Nagar, Karnataka.	60
11.	G.R. Sharma Archaeological Society, Allahabad, Uttar Pradesh.	60
12.	Institute for Youth and Development, Regional Training Centre, Bangalore, Karnataka.	60
13.	Antar Bharti, Mappilia Sahib, Madurai, Tamil Nadu.	50
14.	Centre for Social Service & Research, Dindigul, Tamil Nadu.	30
15.	Andhra Mahila Sabha Trust Board, Mahila Sabha Building, Hyderabad, Andhra Pradesh.	24

National Youth Awards

2.9.1 With a view to giving recognition to the outstanding work done by young persons and voluntary organisations in the areas of national development and/or social service and encouraging them to develop a sense of responsibility towards society, the Department had instituted the National Youth Awards in 1985. Under this Scheme, upto 50 awards, including two to voluntary youth organisations can be given each year.

2.9.2 Each awardee is given a medal, a scroll and a cash prize of Rs. 5,000/- for outstanding work. In the case of the Voluntary Youth Organisation, the cash award is

Rs. 1,00,000/- alongwith a trophy and a scroll. It has been decided that from 1992-93, the cash prize to the individual youth will be enhanced to Rs. 10,000/-.

2.9.3 The selection of awardees is made by a Central Selection Committee on the basis of recommendations of State Governments, who, in turn, get recommendations from district level selection committees. The Department gives wide publicity to the Scheme among voluntary youth organisations, NSS, State Governments and leading public figures and Members of Parliament so that adequate number of nominations are available and, among them, the most deserving are selected.

2.9.4 The National Youth Awards for the year 1990-91 were given on January 12, 1992 to 15 young persons and 2 Voluntary Organisations at a function held in the Indira Gandhi Indoor Stadium, New Delhi which was attended by 12,000 youth from all over the country. A variety of colourful cultural programmes were presented on the occasion, including demonstrations of yoga, lezim and rope and pole malkhamb by children and youth drawn from different parts of the country. The details of awardees upto 1990-91 may be seen in **Appendix-C**.

2.9.5 The institution of this Award has given a fillip to voluntary efforts and the youth of the country have begun to aspire for recognition in the form of Youth Award. Many State Governments have also now started giving State level awards thereby making their own contribution to recognise efforts made by the youth in national development. The National Youth Award has thus acted as a catalyst to encourage youth to contribute their share for social uplift and to do constructive work.

Assistance to Youth Clubs

2.10.1 This scheme was started in 1986-87 with the objective of giving a new thrust to the youth club movement in the country. Youth Clubs are the grass-root level organisations which work towards development of local community. The clubs may be registered. They may also function as unregistered units. The Nehru Yuva Kendra Sangathan, an autonomous body under this Department working towards the welfare of rural youth, promotes the development of such youth clubs.

2.10.2 The Government in its efforts to promote the growth of youth clubs gives assistance at the rate of Rs. 2000/- to each registered youth club which is not more than two years old as on the date of application of assistance. Out of this amount, Rs. 1000/- is meant for recurring expenditure such as rent of space, purchase of newspapers, etc. and the remaining Rs. 1000/- is for the non-recurring expenditure, i.e., purchase of equipment, books, sports articles, furniture, etc. The recurring grant may be given for a period of three years provided the club submits its audited statement of accounts for the earlier grant given under this scheme.

2.10.3 Youth Clubs have been found to be extremely useful instruments in reaching out to masses. The role of youth clubs also received high praise in a recent study conducted by the Planning Commission. The report specifically states that the youth clubs have been instrumental in creation of village infrastructure under the supervision of Panchayats. The youth clubs have also worked as participatory rural voluntary organisations for community development under the Integrated Rural Development Programme.

2.10.4 During the year 1991-92, about 800 youth clubs have been given assistance.

Youth Hostels

2.11.1 Youth Hostels are built to promote youth travel within the country. The construction of such hostels has been conceived as a joint venture between the Central and State Governments. While the Central Government bears the cost of construction, the State Governments provide fully developed land free of cost, with water and electricity connections, approach road and staff quarters. They also bear the initial operational cost of the hostels. A sum of Rs. 1,60,000/- is sanctioned by the Central

Government for furniture/furnishings. The completed youth hostels are handed over to the State Governments for management on a token rent of Re. 1/- per annum. Normal maintenance of these hostels is the responsibility of the State Government but major and special repairs are carried out by the Central Government.

2.11.2 Generally, husband-wife teams of the rank of Major and above in the Army and equivalent ranks in the Navy and Air-force are appointed as Warden/Assistant Warden of the hostels. Retired Group 'A' officers of the Central and State Governments are also eligible. The Warden and Assistant Warden work as an operational team, and also look after the arrangements for youth activities under the aegis of the Department from time to time. An honorarium of Rs. 2,000/- per month is paid by the Department to the Warden/Assistant Warden of the youth hostel (Rs. 2,400/- in the case of youth hostels in North-Eastern region). A lump sum amount of Rs. 500/- per month is paid to the Warden/Assistant Warden as conveyance allowance.

2.11.3 The Local Management Committee for each youth hostel has a very crucial role in the smooth functioning of the youth hostel programme, as per the guidelines issued by the Department. State Governments have, therefore, been requested to form such committees.

2.11.4 30 Youth Hostels have so far been commissioned at Amritsar, Aurangabad, Bhopal, Dalhousie, Panchkula, Darjeeling, Gandhinagar, Hyderabad, Hassan, Mysore, Jaipur, Madras, Madurai, Patnitop, Naharlagun, Shillong, Imphal, Namchi, Ernakulam, Trivandrum, Dimapur, Calicut, Port Blair, Agra, Nainital, Panaji, Puri, Kurukshetra, Pondicherry and Roopnagar.

2.11.5 4 Youth Hostels at Guwahati, Patna, Tura and Jodhpur are likely to be commissioned shortly.

2.11.6 Work on construction of 33 youth hostels at Tirupati, Vijayawada, Visakhapatnam (A.P.); Golaghat, Nagaon, Tezpur (Assam); Podam, Mapusa (Goa); Gurgaon (Haryana), Manali, Bilaspur (H.P.); Karwar (Karnataka); Waynad (Kerala); Ukhrul, Mokokchung (Manipur); Aizwal (Mizoram); Bhubaneswar, Gopalpur-on-Sea, Joshipur, Koraput (Orissa); Patiala, Sangrur (Punjab); Trichy (Tamil Nadu); Allahabad, Lucknow, Mussoorie, Ranikhet, Tirth Rameshwar, Uttar Kashi (U.P.); and Baikhali, Kaikhali, Churlia, Burdwan (West Bengal) is in progress.

2.11.7 A meeting of the Central Policy Committee for Youth Hostels was held on 18.12.91 under the Chairmanship of Hon'ble Minister of State for Youth Affairs and Sports, Kum. Mamata Banerjee. The Committee reviewed the working of youth Hostels and took decisions to improve the management of these Hostels. It was decided to give wide publicity to the availability of Youth Hostels and to provide more facilities to Youth tourists. The tariff structure and the honorarium paid to the Wardens/Asstt. Wardens was also revised. Doordarshan authorities have been requested to prepare appropriate documentaries to give publicity to the facilities available to youth in youth hostels.

Assistance to Voluntary Organisations

2.12.1 The scheme of assistance to voluntary organisations working in the field of youth is designed to promote the following objectives and activities:—

- (i) Involvement of youth on a full time basis for undertaking activities like rural development, adult education and improvement in urban slums.
- (ii) Larger involvement of voluntary agencies in the implementation of youth programmes in the field of vocational training and youth leadership training programmes with the objective of training young persons who can act as catalysts to bring about social change.

Under the scheme, assistance is given to registered bodies, public trusts and non-profit making companies.

2.12.2 The main focus of activity under this has been vocational training programmes wherein significant achievement has been observed in the field of agro based industries, tailoring, embroidery, carpentry etc., to promote self employment for youth. Given the fact that 1/3 of the country's population consists of youth and also keeping in mind that a large section of youth is unemployed, this scheme is of vital importance in order to promote opportunities for young persons to upgrade skills so as to seek self employment at a later date. It is also a very popular programme as is evident from the large number of proposals received in this Department every year. Apart from vocational training programmes, considerable amount of assistance is also given for conduct of various youth leadership training programmes in order to promote a cadre of young dynamic persons who would act as catalysts towards social change in the rural areas.

2.12.3 Under this scheme, assistance is given for board and lodging for the trainees at the rate of Rs. 15 per day per head, for meeting travel expenses by the cheapest mode for the trainees, for meeting honorarium expenses for instructors and also for financing some part of capital expenditure.

2.12.4 During the year 1991-92, roughly 40 organisations have been assisted under this programme and approximately 10,500 persons have been trained. Some of the main organisations to whom grants were released during 1991-92 and the number of persons trained are furnished below:-

S. No.	Name of Organisation	No. of beneficiaries
1.	All India Pariwar Kalyan Parishad, New Delhi	50
2.	Ananda Niketan, Distt. Howrah (W.B.)	584
3.	Institute of Women, Child and Youth Development, Nagpur (Mah)	50
4.	Divine Light Educational & Cultural Society, New Delhi	60
5.	India International Rural Cultural Centre, New Delhi	60
6.	G.R. Sharma Archaeological Society, Allahabad	60
7.	R.K. Mission Ashram	100
8.	Akhil Bharatiya Sewa Mangal, Lucknow	100
9.	Smt. Chander Kumar Shiksha Samity, Allahabad	200
10.	Akhil Bhartiya Grameen Sewa Sangh, Sultanpuri, New Delhi	300
11.	Society for Promotion of Youth & Masses, New Delhi	50
12.	Sharambharti, Khadigram, Munger (Bihar)	1200
13.	Kavuru Charitable Trust, A.P.	4340

Special Scheme for Promotion of Youth Activities among the Youth of Backward Tribes

2.13.1 The scheme was initiated in the year 1990-91 in order to promote youth activities amongst the youth of backward tribes. Development of tribals and tribal areas is a special responsibility of the Government keeping in view that their development, be it economic or otherwise, is below the national average. The need for special attention towards Scheduled Tribes has been recognised in the Constitution and, therefore, the Central Government has initiated the scheme to bring the tribal youth into the main-stream without disturbing their social and cultural heritage.

2.13.2 Under the scheme, assistance is given to voluntary organisations, reputed institutions and also to state Governments for conducting vocational training programmes, exhibitions, national integration camps and programmes on general awareness. Assistance is given for training at the rate of Rs. 50/- per day per head and travel costs by the cheapest mode are also reimbursed. For exhibitions, assistance is given at the rate of Rs. 20/- per day per head for boarding, travel costs, by the cheapest mode and also a small sum for organisational expenses. Under National Integration, assistance is given for board and lodging at the rate of Rs. 20/- per day per head, travel

by the cheapest mode and a portion of organisational expenses. For National Integration Project, in case the programme is conducted in the State capital, the board and lodging expenses are reimbursed at the rate of Rs. 25/- per day per head and for the four metropolitan cities, i.e. Delhi, Bombay, Calcutta and Madras the rate is Rs. 50/- per day per head.

2.13.3 Some of the Major grantees during 1991-92 are:

1. Nehru Education Scheduled Caste/Scheduled Tribes Association, Karnataka.
2. Literacy House, Uttar Pradesh.
3. Action for Community organisation. Rehabilitation and Development, Tamil Nadu.
4. Bharat Scouts and Guides, New Delhi.
5. Sampark Samaj Sevi Sansthan, Madhya Pradesh.
6. Gyan Deep Education Society, Gujarat.
7. Nehru Yuva Kendra Sangathan.
8. Bangavani Society, Nadia.
9. Gayatri Kelvani Mandal, Gujarat.
10. Shri Saraswati Kelvani Mandal, Gujarat.

Scouting & Guiding

2.14.1 Scouting & Guiding, an international movement, aims at developing the character of boys and girls and making them blossom forth as good citizens of the country by inculcating in them a spirit of loyalty to the nation, patriotism and sympathy for others. It also promotes balanced physical and mental development. Social service and community work constitute an important aspect of the movement.

2.14.2 The main organisation that promotes this activity is the **Bharat Scouts & Guides**, to which the Department extends financial assistance, both towards administrative expenditure and for activities like training camps, rallies and jamborries. It also holds National Integration Camps for children/youth in the age group of 14-17.

2.14.3 The units of scouts & guides continued their sustained activities throughout the country in the areas of selfless social service, health awareness programmes, environmental awareness programme, youth adventure programmes, sanitation, literacy, international brotherhood and help to victims of natural calamities.

2.14.4 The National Youth Week, Leprosy Awareness Week, World No Tobacco Day, World Environment Day, Earth Day, World Habitat Day, Independence Day, etc. were celebrated by scouts and guides in a befitting manner. The Organisation also rose to the occasion and held Communal Harmony Marches/All Faith Prayer Meetings all over the country during communal disturbances.

2.14.5 In 1991-92, the Bharat Scouts & Guides, apart from the usual activities, organised 68 national integration events and adventure programmes. During the year, 22 lakh boys and girls were covered under Scouting & Guiding.

2.14.6 The Bharat Scouts & Guides, New Delhi undertook the Uttar Kashi earthquake relief work in a big way. The organisation put to use their Ham Radio for the relief work alongwith Government agencies.

2.14.7 The programmes of the Bharat Scouts & Guides have been activated in the Union Territory of Daman & Diu.

2.14.8 A team consisting of 13 members from Regional offices of World Scout Movement and other countries visited India to acquaint itself about the services rendered by the Bharat Scouts & Guides towards Leprosy Awareness Programme with a view to implement it in their areas.

2.14.9 A Scout/Guide Rally of 3000 Scouts, Guides, Rovers, Rangers was held at Rashtrapati Bhavan in which the President of India awarded National Scouting

awards to the volunteers and professionals for their meritorious and extraordinary services and Rashtrapati Scout/Guide/Rover/Ranger Awards to the participants.

2.14.10 The Prime Minister distributed the shields in New Delhi on April 23, 1991 to the winners who have done the best Community Services in their States.

2.14.11 Northern Railway State Scout/Guide Rally was organised at Jodhpur where all Railway State Associations participated.

2.14.12 Andhra Pradesh State Bharat Scouts & Guides held the State Jamboorie at Karimnagar in which more than 3000 Scouts/Guides and guest contingents from other states also participated.

2.14.13 Efforts are continuing to strengthen the Scouts & Guides movement in the country by providing necessary financial assistance for items like conducting training courses, providing camping equipment and by opening regional centres in the country.

2.14.14 The **All India Boy Scouts Association** is another organisation in this field which works mainly among the non-student youth. During the year, the organisation conducted 4 National Integration Camps and a number of state level and local training camps. It organised National Scouters Conference and State conferences including the National Workshop held at Chhatari Hut, New Delhi from 8-11 November, 1991 inaugurated by the hon'ble Mr. H.R. Bhardwaj, Minister of State for Planning and Programme Implementation in which more than 250 scouts participated. The National Youth Day Week was celebrated by the organisation throughout the country with wide participation of youth who took oath to promote spiritualism and common brotherhood. The organisation also celebrated various important days like United Nations Day, World Health Organisation Day, Human Rights Day, No-tobacco Campaign and Anti-drug abuse programmes in close cooperation with the United Nations with which the organisation is coordinating for the last 6 years. During the year, the organisation also organised several social service and relief camps on important occasions. The scouters and rover-scouts of the organisation have been making special efforts in tree-plantation and in campaign for preservation of forests and wild life and to improve the environment.

Nehru Yuva Kendras

2.15.1 The Nehru Yuva Kendra (NYK) Sangathan is an autonomous body under the Department of Youth Affairs and Sports. It is registered under the Societies Registration Act, 1860 and has its own Board of Governors chaired by the Minister of State for Youth Affairs and Sports.

2.15.2 The objective of the Sangathan has been to generate awareness, organise and mobilise non-student rural youth in national development programmes. The emphasis of the Sangathan's programmes is to mobilise youth and sensitise them to the problems confronting our nation. There are at present 398 kendras in as many districts of the country.

2.15.3 The strategy of the Sangathan has been to mobilise youth at the grass-root level and infuse in them a sense of responsibility and pride of belonging to the nation. The programmes are planned and implemented with the assistance of village level youth clubs. The youth clubs are motivated and mobilised for development work with emphasis on values, vision and voluntary action. These voluntary action groups of youth come together as village youth clubs with the involvement of the rural poor. Apart from the promotion of youth clubs, the Sangathan plays an active role in conduct of vocational training courses, youth leadership training camps, adult education programmes and sports/cultural activities. The Sangathan also plays a major role in times of natural calamities and communal disturbances.

2.15.4 Funds for conduct of these programmes were stopped in May, 1990 pending

evaluation of the programmes by the Planning Commission. The report of the Planning Commission has acknowledged that the schemes of the Sangathan have been beneficial and have generated awareness amongst the village youth about their environment, national values and issues etc. The report has also stated that youth clubs have been instrumental in creation of assets in the villages in a cooperative and voluntary manner, with the help of village panchayats. There are, however, a few administrative shortcomings and lacunae pointed out in the report which are being looked into by this Department in consultation with Planning Commission.

2.15.5 The main programmes undertaken by the Sangathan during 1991-92 were as follows:-

(i) National Literacy Mission

The Sangathan has taken up National Literacy Mission (NLM) projects in 49 CD blocks in 24 Districts of U.P. and 26 CD blocks in 18 districts of Rajasthan. In both the States 8,000 Adult Education Centres are running enrolling about 240,000 illiterates. To implement this project successfully about 8956 personnel were trained. In addition, 8 districts of Orissa, Bihar and West Bengal have been taken up by 540 youth clubs for Adult Education programmes. This is a pilot project which is a combination of centre based and voluntary based approach. A total number of 26,000 adult illiterates are enrolled. The Sangathan is also implementing more than 1,500 Jana Shiksha Nilayams (JSNs) in which adult education centres are run by the rural youth.

(ii) Vocational Training

With a view to update skills and self-reliance at the village level as well as supplement income-generating potential of village youth, vocational training is undertaken. Skills such as TV/Radio repairing, tubewell repairing, tailoring, handicrafts, nutrition/food preservation methods, agricultural inputs for rural youth are organised by NYKs. About 35,000 rural youth have been given Vocational Training during the year.

(iii) Relief Activities

The Sangathan has contributed to alleviating the victims of Uttarakashi earthquake. The NYKs collected relief material and a few others sent their volunteers to the affected areas. The first truck load of relief material was flagged off from NYK, Ghaziabad, (UP) by Ms. Mamata Banerjee, Minister of State for Youth Affairs & Sports. NYKs region of Allahabad presented a cheque of Rs. 111.111.00 for Prime Minister's National Relief Fund to Ms. Mamata Banerjee. The total amount contributed by NYKs to the PM's Relief fund for Uttar Kashi Relief is Rs. 172,793 as on 18.2.92. The Prime Minister has thanked the NYKs for their contribution in a letter to the Minister of State for Youth Affairs & Sports. Amongst other relief material collected, approximately 2,000 quintals of wheat, 8 quintals of rice, 4 quintals of sugar and other food stuff were sent to Uttarkashi. In addition, 250 blankets, warm clothes and medicines were also sent to the earthquake victims.

(iv) Cultural Activities

Promoting and preserving cultural heritage and propagating composite cultural identity is a major task of NYKs. In this effort the NYKs organised cultural programmes in rural areas through village Youth Clubs. A total number of 1300 Cultural Programmes were organised.

(v) Sports

With the objective of inculcating and encouraging a sports culture in rural areas rural sports were organised all over the country. The objective was achieved through the organisation of block level and inter-block sports league on knock-out basis in which incentive/awards are given to the winners. The rural games and sports that are given

importance are like Volleyball, Football, Kabaddi, etc. A total number of 1100 sports programmes were organised.

(vi) National Youth Week

All NYKs in the country celebrated the National Youth Week from January 12 to 19, 1992. Multifarious activities/programmes were undertaken to inspire the youth for national development and instil in them the spirit of youth as embodied in the life of Swami Vivekananda. During these celebrations, youth potential and commitment were brought forth with force. On each day, programmes with various themes on the ideals and teachings of Swami Vivekananda were organised.

(vii) District Youth Award

The District Youth Award was introduced this year with the objective to formally recognise the outstanding work done by the voluntary organisations and individuals in the district. The individual award carries a prize money of Rs. 500 each along with a certificate. Further an award for youth clubs doing outstanding work in the field has also been introduced by the Sangathan from this year. The Kendras select the best Youth Club in their district through a Committee chaired by the District Magistrate.

(viii) Jawahar Cycle Yatra

To mark the birthday of Pandit Jawaharlal Nehru a national level Cycle Yatra for All Faith Harmony was organised from November 12 to 17, 1991 in New Delhi. More than 800 youth from every state of India travelled on cycle to reach Delhi to pay rich tributes to this outstanding statesman and visionary. The objective of the Cycle Yatra were:

- (a) To educate young adventure loving people of limited means to acquire greater knowledge of their country and people;
- (b) to foster friendly relations among people of all faiths.
- (c) to imbibe reverence for all life, nature, creation, adventure and hardship; and
- (d) to promote Inter-State contact between youth as well as others, without distinction of caste, creed, religion, region, language, community and culture by providing a meeting ground in the homely and healthy environment on a common platform in the camp and thereby promoting all Faith Harmony.

(ix) Jawaharlal Nehru Memorial Lecture

As a part of Jawaharlal Nehru birthday celebration the first Jawaharlal Nehru Memorial Lecture was organised in Delhi on 16th November, 1991. The lecture which was well attended was delivered by Dr. Karan Singh on the subject of 'Nehru's Vision of Youth and Democracy in India'.

sports and physical education

Introduction

3.1.1 Even though India has a long tradition in Sports and Physical activities, it was only after independence in 1947 that we paid attention to sports with a view to develop excellence. However, a higher priority to sports was accorded only just prior to the 1982 Asian Games. The will to develop modern competitive sports with a view to compete for international recognition was firmed up in the first ever Sports Policy announced in 1984. Our efforts to foster medal winning potential in international sports is less than a decade old. The performance of the country in sports should, therefore, be viewed in this context rather than in terms of total population.

3.1.2 The year under report witnessed consolidation and strengthening of the gains and initiatives of the Department as also of Sports Authority of India. However, a 10% mandatory cut on expenditure imposed by Ministry of Finance, placed a severe strain on various programmes.

3.1.3 It was decided to critically examine the Sports Policy, 1984 and all on-going Schemes with a view to take stock of requisite additions or alterations before start of the VIII Plan. A Committee was constituted under the Chairmanship of DG, SAI, to review the Sports Policy as also the prevailing guidelines for National Sports Federations. Another Committee was constituted under the Chairmanship of the Secretary, Deptt. of Youth and Sports to review all schemes and programmes of Sports. This Committee was assisted by three Sub-Committees—one each for reviewing the Schemes for Development of Excellence in Sports; Broad-basing of Sports; and for the review of the Schemes of Incentives, Awards and Scholarships. Both Committees are expected to finalise their reports shortly. Follow up action will be initiated and all work completed as early as feasible.

Approach to VIII Plan

3.1.4 This was finalised after a great deal of deliberations. A wide spectrum of sports programmes incorporated therein are updated/amended existing programmes and some new Schemes. An allocation of Rs. 727 crores for the VIII Plan has been sought from the Planning Commission on the basis of a detailed draft plan document.

Sports Ministers' Conference

3.1.5 The Fourth National Conference of Ministers of Youth & Sports was organised after a gap of over two years on November 18, 1991. The recommendations of the Conference are given in **Appendix-D**.

4th NATIONAL CONFERENCE OF MINISTERS OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS

NEW DELHI, NOVEMBER 18, 1991



लम्बित समस्याओं का समाधान करने एवं युवा कार्यक्रम और खेल विभाग के कार्यक्रमों को तीव्रता प्रदान करने के लिए एक संयुक्त नीति विकसित करने हेतु सभी राज्यों और संघशासित क्षेत्रों के युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रियों का चर्तृथ सम्मेलन नई दिल्ली में 18 नवम्बर, 1991 को आयोजित किया गया।

इस चित्र में श्री अर्जुन सिंह, मानव संसाधन विकास मंत्री उद्घाटन भाषण देते हुए। बायीं ओर सुश्री ममता बनर्जी युवा कार्यक्रम और खेल तथा महिला व बाल विकास राज्यमंत्री हैं।

To sort out the pending problems and to evolve a common strategy for speedy execution of the programmes of Youth Affairs and Sports, the 4th National Conference of Ministers of Youth Affairs and Sports of all the States and Union Territories was organised on November 18, 1991 at New Delhi.

In this picture, Shri Arjun Singh, Minister of Human Resource Development is delivering his inaugural address. On the left is Ms. Mamata Banerjee, Union Minister of State for Youth Affairs & Sports and Women & Child Development.

Mass Media

3.1.6 The Standing Inter-Departmental Committee for Mass Media to publicise and disseminate the schemes and programmes of sports of the Department and of SAI was activated. In the meeting held on 31.1.92 decisions were taken to bring sports in sharper media focus. Closer cooperation with the Ministry of Information and Broadcasting, Doordarshan and All India Radio will be maintained. In a far reaching development, Doordarshan has agreed to let DG, SAI coordinate and suggest coverage of sports events on a quarterly basis.

Involvement of Public and Private Sector Enterprises

3.1.7 The initiative of the Minister of State, who held a two days Conference with top executives of important Private/Public Sector Enterprises to enlist the support for development of sports was a success. A Task Force has been constituted under the Chairmanship of Secretary to review the follow-up work. Major industrial enterprises are being persuaded to adopt one or more sports discipline each and share the burden of establishing single discipline dedicated Sports Academies. The first meeting of the Task Force was held on February 4, 1992.

Financial Incentives

3.1.8 Financial incentives are available to sports persons in the form of exemption of Customs Duty on import of sports equipments, exemption of Income Tax on Awards/Prizes. However, the hesitancy of Industry/Business Enterprises to contribute generously for promotion of sports is due to lack of tax incentives for them. Fifty percent income tax exemptions for donation to certain recognised sports bodies is presently insufficient motivation. Moreover, expenditure incurred on sports is not being allowed to be charged as legitimate expenditure. The Department has, therefore, taken the initiative to seek total exemption of Income Tax on expenditure incurred by the Enterprises/Business Houses on promotion of sports by way of Creation of Infrastructure, purchase of equipment, running of Sports Academies, sponsoring teams/individuals for training and participation in the sports events in the country or abroad, for sponsoring the hosting of the National/International Sports Tournaments in the country etc. The Deptt. has also sought full exemption of Customs Duty on Import of Sports Equipment by the Enterprises for training of elite sportspersons in the National Academies and elsewhere.

Incentives for Employment/Admission in Colleges and Universities

3.1.9 A Group was constituted under chairmanship of Secretary, Department of Youth Affairs & Sports to suggest incentives & special consideration to be given to sportspersons in employment as also admission to colleges & universities. A series of meetings of this group have been held during the past few months and the report is being finalised.

IOA Symposium

3.1.10 At the behest of the Department, a Symposium was organised by Indian Olympic Association on February 21, 1992 to focus on responsibilities of IOA, Sports Federations, SAI and the Department towards fulfilment of coordinated roles of each agency to achieve the best possible results in Sports for the country.

IMPORTANT SCHEMES

Grants for creation of Sports Infrastructure

3.2.1 This scheme is of vital importance and, therefore, received the highest allocation of Rs. 60 crores amongst the schemes of sports in the VII Plan. Higher allocations are needed in the VIII Plan to meet the ever increasing demand of Central assistance to promote sports infrastructure as also to cover the higher per unit assistance due to escalation of costs.

3.2.2 To date, 2045 projects have been Centrally assisted. Unfortunately, most of them (around 1752) are yet to be completed by the State Governments and sponsors. Details are given in **Appendix-E**. These are incomplete primarily due to inability of the State Governments to finance the projects as per their commitments given while applying for Central assistance. This problem has been discussed exhaustively with all the State Governments. Due to all out efforts, the States are now more concerned about completing these projects. As a result, over 200 projects have been reported as completed during the last 3 years. The strategy adopted is to enhance Central assistance to those incomplete projects in which only the first instalment of Central assistance has been released. This is subject to the condition that further investment will be limited to facilities most essential for sportspersons. Where full Central assistance has already been availed of, the State Governments/Sponsors will have to complete the projects from their own resources.

3.2.3 The Department is conscious that Central assistance now available for projects is inadequate since the ceilings of Central assistance were last fixed in 1986, this schemes has been revised to rationalise the categories of infrastructure as well as increase financial assistance. This is awaiting clearance of the Ministry of Finance.

3.2.4 There is a Budget Provision of Rs. 9 crores in the year 1991-92. The entire amount has nearly been exhausted by February, 1992. More funds are needed as we have received a large number of project proposals.

3.2.5 The most salient feature of this Schemes has been the promotion of one State Sports Training Complex in each State. In the absence of such a complex the State athletes were looking to the Union Government for their training/coaching requirements. Six such complexes have been approved. It is hoped that the State Government will complete these facilities soon and begin inhouse dedicated training programmes for elite State athletes. Central assistance to upgrade sports facilities in S.P.D.A. Centres is also provided under this scheme. The running and maintenance cost of these centres will be borne fully by Sports Authority of India. The first phase of infrastructural assistance for 20 S.P.D.A. Centres (out of a total 78 such centres) has already been disbursed. This scheme has great potential to promote higher standards of sports at grassroot level.

Grant to Rural Schools

3.3.1 This scheme is meant to promote sports facilities in rural schools. Grants upto Rs. 1 lakh are given to provide basic sports facilities in rural schools. There is no condition of matching contribution except that the State Government/School have to undertake to maintain the facilities created with this grant. Due to the very dismal status of sports in rural schools, not many schools could avail this assistance for failure to meet the eligibility criteria, which has now been relaxed with regard to requirement of land, strength of students enrolled, qualification of the Physical Education Teachers employed, and commitment for annual expenditure on sports. It is hoped that in the VIII Plan this scheme will find more takers.

3.3.2 We received 1278 applications till the end of February, 1992 (301 received in 1991-92). Unfortunately, a large number of applications were received from schools which were found ineligible on the basis of information submitted in their applications. Consequently, 816 applications were returned for rectification of defects/deficiencies; 220 applications were rejected and only 121 applications could be sanctioned. Out of these 68 have been sanctioned in the year 1991-92 involving Central assistance of Rs. 58.32 lakhs. Applications, referred back to the State Governments, are being rescanned with reference to liberalised eligibility criteria and it is hoped that some more would be sanctioned.

3.3.3 This scheme has received wide publicity and has resulted in an enthusiastic

response. The impact of this scheme will definitely lead to enhanced sports activities in rural areas.

Synthetic Athletic Tracks/Artificial Surfaces

3.4.1 The use of synthetic playing surface is now the order of the day. While mandatory in a few disciplines, in many others it has become widely prevalent. Apart from providing safety, speed and consistency, synthetic playing surfaces help the Sportspersons to improve their performances. We can ill afford not to acquire and install such surfaces which are indispensable for acquiring a competitive edge in international tournaments. Presently, the Scheme includes Central financial assistance for installation of synthetic athletic tracks and artificial hockey surfaces only. Central assistance is given for 50% of the cost of installation of the surface subject to a ceiling of Rs. 50 lakhs in each case. The detailed list of such surfaces approved/installed under this Scheme is at **Appendix-F**. Besides these, there are a few other surfaces, which have been installed by SAI.

3.4.2 The scheme is under revision. Inclusion of synthetic playing surfaces for other disciplines like Badminton, Handball, Basketball, Volleyball, Tennis and Cricket pitch may be considered. Some of these are outdoor playing surfaces and are not manufactured indigenously. Consequent upon the devaluation of the Indian Rupees, the cost of these surfaces has increased and hence there is no alternative but to increase Central assistance. As a result of the sudden jump in prices, the Department sanctioned only two applications in the current financial year. The endeavour will also be to promote installation of a large number of cheaper surfaces which are suitable for training/practice/conduct of local championships. This will facilitate familiarisation of Indian sportspersons with synthetic playing surfaces at an early age. This will remove the impediment, facing budding sportspersons, of lack of experience of playing on synthetic surfaces.

Sports and Games in Universities and Colleges

3.5.1 This scheme (earlier known as NSO) has been revised recently. The strategy is to tackle University Sports in three broad segments— infrastructure, inter-University tournaments and incentives/scholarships to meritorious students. Accordingly, the scheme is implemented through three different organisations, each of them covering one aspect:-

- (i) **University Grants Commission:** A lump sum grant is released to UGC to provide assistance to create sports infrastructure in Universities and Colleges. Educational institutions like Engineering Colleges, Medical Colleges, Professional Institutes, not covered by UGC, are provided grants directly by the Department.
- (ii) **Association of Indian Universities (AIU)** is provided grant to hold inter-University tournaments, provide coaching facilities and prepare Indian Universities' teams to participate in national and international tournaments. However, since AIU does not have standard infrastructure and facilities, this work will be entrusted to Sports Authority of India to the extent feasible.
- (iii) **Sports Authority of India** is given a lump sum grant to award scholarships to talented sportspersons in Universities and Colleges.

3.5.2 Most of the funds under the scheme are utilised by UGC. The ceilings of Central assistance for infrastructure have recently been enhanced and consequently the assistance per project would now go up.

3.5.3 It is strongly felt that young sportspersons in the age group of 17-20 years are not adequately taken care of due to weak sports infrastructure in universities/colleges. The Department is finalising a strategy to specially assist a limited number of universities and colleges on the basis of their past sports performance at national level and in

inter-university tournaments. Such universities/colleges will be helped to nurture two or three disciplines each. The exercise to identify such universities has been entrusted to SAI and UGC.

3.5.4 Association of Indian Universities conduct Inter-University tournaments. A well defined and precise scale of assistance for these tournaments has been prepared. The tournaments are conducted on zonal basis culminating into one zonal winner entering into last and final phase. The numbers of zones depend upon the popularity of various sports disciplines. Maulana Abul Kalam Azad Trophy, is provided to the overall winner University. There are precise rules/criteria laid out for determining the overall 1st, 2nd, 3rd and 4th place for universities in sports. Apart from Maulana Abul Kalam Azad Trophy to the overall winner University, cash prizes of Rs. 50,000/-, Rs. 20,000/- and Rs. 10,000/- are provided to 1st, 2nd and 3rd overall ranking universities. For winning 1st, 2nd and 3rd position in 13 specified disciplines of sports in inter-University tournaments also, cash prizes amounting to Rs. 50,000/-, Rs. 30,000/- and Rs. 20,000/-, respectively are given.

3.5.5 Since SAI is the best equipped institution to train/coach sportspersons, it has been decided, as mentioned above, to entrust SAI with the responsibility to conduct coaching camps for the benefit of the University/College students as far as possible. SAI will also prepare the combined University teams to participate in various national/international sports tournaments. This will of course be done in close cooperation with AIU.

3.5.6 Every year, fresh sports scholarships of Rs. 3,600/- per annum each are provided to 300 students besides renewal of existing scholarships provided the holders continue to maintain a high level of achievement. The State-wise break-up of scholarships is given in **Appendix-G**.

3.5.7 The details of grants disbursed under this scheme are given in **Appendix-H**.

Assistance to National Sports Federations

3.6.1 These are autonomous organisations, which have been recognised in many disciplines of sports. There are 51 recognised (**Appendix-I**) National Sports Federations. The Indian Olympic Association is also treated as a Sports Federation for the purpose of support and assistance under this scheme.

3.6.2 The Sports Federations are financially assisted for conducting National Championships, organising coaching camps for preparing teams for participation in international tournaments and for participation of their teams in international tournaments. The Department also gives subsidy for the purchase of sports equipment by the National Sports Federations. Limited secretarial support is also given by way of reimbursement of the salary of the paid Joint/Assistant Secretary of the Federation.

3.6.3 The requests for assistance are processed according to the Guidelines laid down by the Department. These were formulated in 1988. The Committee headed by Director-General, SAI has been appointed to examine revision of the Guidelines.

3.6.4 During 1991-92, assistance of about Rs. 378 lakhs has been given to federations till January 31, 1992. This includes expenditure on Cultural Exchange Programmes/ Sports Protocols. 47 of proposals of federations for foreign exposure/visits were cleared at Govt. cost and 111 at 'No Cost to Govt'. The details of these proposals are given in **Appendices-J & K** respectively.

Promotion of Sports and Games in Schools through Prize Money

3.7.1 This scheme was introduced in 1986 with the objective of promoting sports in Schools. Cash prizes of Rs. 10,000/- each are awarded annually to Secondary/Higher Secondary Schools, which win the District Inter-School Tournaments conducted by School Games Federation of India in the disciplines of Athletics, Hockey, Basketball,

Volleyball (for Boys & Girls) and Football (for Boys only). Thus, in each district a maximum of Rs. 90,000/- is awarded each year to Schools. The cash amounts are required to be invested by the School in direct promotion of sports like improvement/construction of playgrounds, purchase of sports equipment etc.

3.7.2 The basic weakness is that all the Districts are unable to conduct the tournaments in all the disciplines. A large number of Schools, particularly in rural areas, are unable to participate due to lack of resources. For the same reasons they may not have teams in all the 9 disciplines of Sports. The status of women sports is even worse. Partly due to social reasons many schools do not have women teams.

3.7.3 Despite such obstacles, the scheme is being pursued through persuasion and motivation. It has been well received and has won widespread appreciation since Promotion of Sports at grass-roots is its strong point. A grant of Rs. 214 lakhs has been released to SAI in 1991-92 for disbursement under this scheme.

Cash Awards to Medal Winners in International Sports Events

3.8.1 Awards ranging from Rs. 50,000/- to Rs. 5 lakhs are given for winning medals in specified international sports events in all disciplines, which are included in the Olympics, Asian and Commonwealth Games. These awards are also given in the disciplines of Chess and Billiards/Snooker.

3.8.2 The basic objective of the Awards is to serve as an incentive to the achievers and as inspiration to other sports-minded youth. It is also intended to help sportspersons of outstanding excellence to be able to maintain themselves with dignity and continue to give their best in further pursuit of the sport of their choice.

3.8.3 These awards were introduced in 1986. The awards have been instrumental in injecting a burning desire among the sportspersons to give out their best in international sports events. So far, awards worth Rs. 209.28 lakhs have been distributed. This includes awards worth Rs. 39.62 lakhs disbursed on 12 January, 1992 to 49 persons. A list of these 49 persons alongwith the amount received by each is at **Appendix-L**.

Travel Grant to Sports Scholars/Research Workers

3.9.1 The Scheme of 'Travel Grant to Sports Scholars/Research Workers for undertaking Specialised Training/Research abroad' was introduced during the VII Five Year Plan in pursuance of the Resolution of National Sports Policy, 1984. The objective of this Scheme is to promote and encourage Research and Development in the field of Sports and Physical Education. Under this Scheme, the Department provides passage cost for International travel for attending important academic conferences, etc.

3.9.2 In the beginning the response under the Scheme was very encouraging since a larger number of applications were received especially for trips connected with seminars on sports subjects. This has now reduced, so much so that during 1990-91, only three scholars received this grant and in 1991-92, only one till February, 1992. Expanding the coverage of the Scheme to coaches/referees/umpires for undertaking trips abroad for academics/skill upgradation is under consideration.

National Welfare Fund for Sportspersons

3.10.1 The National Welfare Fund for Sportspersons and their families was created in 1982 primarily to assist outstanding sportspersons of yesteryears, who had won glory for the country in the international sports field but are unfortunately now living in indigent circumstances.

3.10.2 This financial support is generally in the form of monthly pension upto Rs. 1500/-. Lump-sum grants are also given for medical treatment.

3.10.3 The sportspersons suffering grievous or fatal injury in the course of participation in sports events or during training are also helped.

3.10.4 In the year 1991-92, 19 applications were favourably considered till the end of February 1992. Pension has been sanctioned to 9 cases and, in remaining cases, lumpsum grants have been given. The annual expenditure now is around Rs. 3.00 lakhs. Rs. 2,46,500 had been spent till the end of February 1992.

3.10.5 Govt. contributes annually a sum of Rs. 1.00 lakh, which has been enhanced to Rs. 2.00 lakhs in 1991-92. About Rs. 37.00 lakhs have been invested in Postal Term Deposits on which interest at a rate of 11.5% per annum is being received. There is no other income of the Fund.

3.10.6 The Fund has been able to discharge its social responsibility for sportspersons to a great extent. Many a sportsperson and their families have been saved from disaster and humiliation. They have gratefully acknowledged the support of the Fund. A large number of applications are now pouring in, including many which are ineligible. In deserving cases, the rules are relaxed to help them.

Arjuna Award

3.11.1 The Arjuna Award was instituted in 1961 as the highest national recognition of distinguished sportspersons. The awardee is given a bronze statuette of Arjuna, a Scroll and a cash award of Rs. 20,000/- alongwith a monogram, a blazer and a tie.

3.11.2 Nominations for the award are made by National Sports Federations and the awardees are selected by a Selection Committee constituted by the Department. To be eligible for this award, a candidate should have displayed outstanding performances at national and international levels consistently for the three years preceding the year of the award and excellence in the year of the award and should also have a high sense of discipline, sportsmanship and outstanding qualities of leadership.

3.11.3 So far 391 sportspersons have been honoured with the Arjuna awards. 12 sportspersons were given the Award for the year 1989 in the function held in Rashtrapati Bhawan on October 10, 1991. The list of these persons and their disciplines is given in **Appendix-M**. Since the Department is lagging one year behind in bestowing Arjuna awards, which are given calendar yearwise, it has been decided to hold two Award ceremonies in 1992—one each for giving awards for 1990 and 1991.

Fifth SAF Games

3.12.1 The 5th SAF Games were held in Colombo during December 22-31, 1991. A strongest ever contingent of 223 sportspersons/officials was sent at full cost of Govt. These Games are held once in two years among the SAARC countries.

3.12.2 India won 164 medals (64 Gold, 59 Silver, 41 Bronze) and remained on the top of the medal tally. The discipline-wise details about Indian participation and medals won are at **Appendix-N**.

3.13 Highlights of Achievements in Sports during the year 1991-92

ATHLETICS

- i) In the 9th Asian Track and Field Meet held at Kuala Lumpur during Oct., 1991, India won two Gold, 4 Silver and 2 Bronze medals.
- ii) In the 5th International Permit Meet held at New Delhi during Sept., 1991 India won 5 Bronze medals.

ARCHERY

In the 2nd Federation Cup International Archery Competition held at Calcutta during Dec., 1991 India won the Championship.

CANOEING & KAYAKING

In the Asian Canoe Championship held at Tokyo during Nov. 1991, Shri Johny Romal, an SAG trainee, won a Silver in 1000 mtr C-1, the first ever medal for the country.

CARROM

In the 1st World Carrom Championship held at Delhi during October, 1991, Indian men and women won the Individual and Team championships.

CHESS

Shri Vishwanathan Anand achieved a historic success by winning a very strong International Chess Tournament held at Italy during January, 1992.

CRICKET (MEN)

During the Indo-Australia test series held at Australia, Shri Kapil Dev became the 2nd player in world and 1st Indian to get 400 test wickets.

EQUESTRIAN

In the 8th Asian Show jumping Competition held at Japan during October 1991, Indian team won a Silver medal.

HANDBALL

Indian boys and girls handball teams got the 2nd position in the Commonwealth Junior Handball Championship held at New Delhi during August, 1991.

HOCKEY (MEN)

- i) Indian team participated in the Sultan Azlam Shah Hockey tournament at Malaysia during July-Aug. 91 and won the tournament.
- ii) Indian team participated in the Pre-Olympic Qualifying Tournament held at Auckland during October, 1991 and got 2nd position by virtue of which the team qualified for the Olympics 1992.
- iii) Indian team won the 6th Indira Gandhi International Hockey Tournament held at New Delhi during Jan. 1992.

JUDO

In the Asian Judo Championship held in Japan during November, 1991, Shri Sandeep Byala won a Bronze medal.

POWERLIFTING

- i) At the World Women Powerlifting Championship held in New Delhi during June, 1991, India came third as a team.
- ii) In the 9th World Jr. Powerlifting Championship held at Abidjan during September, 1991, Indian team won 1 Silver and 2 Bronze medals.

TENNIS

Shri Leander Paes won the Junior US Open Tennis Championship held in USA during September, 1991.

WEIGHTLIFTING

- i) In the Silver Dragon International Weightlifting Tournament held at Cardiff during August, 1991, Indian (Men) team won 3 Gold medals.
- ii) In the 4th (Women) & 5th (Men) Junior Asian Championship held in Indonesia during August, 1991 the Indian team won 3 Silver medals.
- iii) In the 5th World Women Weightlifting Championship held in Germany during Sept-Oct. 1991, Indian team won a Silver medal.

WRESTLING

- i) In the 4th Commonwealth Wrestling Championship held in New Zealand during October, 1991, the Indian team won 3 Gold, 1 Silver and 5 Bronze medals and secured 2nd position out of 8 countries.

- ii) In an international wrestling tournament held during August, 1991 in erstwhile USSR, Indian team won 7 Silver and 3 Bronze medals.
- iii) In the International Greeco style Junior Wrestling Tournament held in erstwhile USSR, Indian team won 1 Silver and 1 Bronze medals.

YACHTING

- i) In the World Enterprise Championship held at Bombay, the Indian team won the Championship.
- ii) In the 6th Asian Regatta Championship held at Hongkong during Oct., 1991, India won 1 Gold and 1 Silver medal.

SPORTS AUTHORITY OF INDIA

3.14.1 The Sports Authority of India (SAI) was set up by Government of India on March 16, 1984 as a Registered Society with the objective of promoting sports and games in the country and to manage, maintain and ensure proper use of various infrastructure and other sports facilities created for the Asiad 1982 at Delhi.

3.14.2 The Sports Authority of India has the following four functional wings with specific areas of action:-

- i) **Academic Wing** for training of coaches and for R & D in Sports, which is located at NSNIS, Patiala;
- ii) **Academic Wing** for physical education and R & D in physical education. This is at LNCPE, Gwalior and Trivandrum;
- iii) The **Operational Wing** for general sports promotion and spotting and nurturing of young talent; and
- iv) **TEAMS Wing** (Training of Elite Athletes and Management Support) for long term training of elite sportspersons and for preparing of national teams in specific disciplines for targetted international competitions.

3.14.3 The Regional Centres of erstwhile NSNIS, Patiala were restructured in 1987 and six Regional Centres of Sports Authority of India were set up — one each at Bangalore, Gandhinagar, Calcutta, Patiala, Delhi (temporary, to be located at Lucknow) and Imphal — to ensure effective implementation and coordination of the sports development programmes in different regions of the country. The Southern Centre at Bangalore is being developed as a Centre of Excellence in collaboration with Russia & other erstwhile republics of USSR and USA. SAI has two sub-Centres also at Guwahati under the North Eastern Centre and at Aurangabad under the Western Centre. A High Altitude Training Centre at Shillaroo (near Shimla) is also coming up.

3.14.4 Each Regional Centre is under the charge of a Regional Director and has an Advisory Committee to oversee and advise on the implementation of various schemes and programmes of SAI and Central Government in their respective regions. To improve the functioning of the Centres and to ensure expeditious disposal of cases, SAI has decentralised operations of its various schemes and programmes and had revised the delegation of powers to the Regional Directors in 1988 making them responsible for effective implementation of various schemes in their regions.

3.14.5 Apart from providing training to sportspersons to become coaches, the Regional Centres at Bangalore, Calcutta and Gandhinagar also train young talented children and have become centres for holding the State, regional and national level sport events and coaching camps. During the year under report, a large number of such meets and camps were held at these Centres. Further, Sports facilities are being created in phases at these Centres. Several facilities, which were started recently, have already been completed and have become functional or are about to become functional.

3.14.6 The Sports Authority of India has a number of Sports schemes/programmes, viz. National Sports Talent Contest (NSTC), the Special Area Games (SAG), Sports



भारतीय खेल प्राधिकरण की मुख्य योजनाओं में से एक "विशेष क्षेत्र खेल (एस.ए.जी.) योजना" है जिसके अन्तर्गत भौगोलिक क्षेत्र के विशिष्ट खेलों में प्रतिभावान बच्चों का पता लगाया जाता है और उनका पोषण किया जाता है।

ऊपर एस.ए.जी. केन्द्र, दिल्ली में "फेंसिंग" प्रशिक्षण का एक दृश्य।

(One of the notable schemes of Sports Authority of India is the 'Special Area Games (SAG) Scheme' under which talented children in sports peculiar to the particular geographical area are scouted and nurtured.

Above is a scene of 'Fencing' training in progress at the SAG Centre, Delhi.

Hostel Scheme, National Coaching scheme, etc., and is also responsible for implementation of various Central schemes, namely, the Sports Project Development Area (SPDA) scheme, Scholarships scheme, Promotion of Sports among Women, All India Rural Sports Tournament, etc.

Schemes like the NSTC, SAG, Sports Hostel have already started showing very encouraging results.

AT A GLANCE

3.14.7 The year 1991-92 witnessed a number of achievements/activities. Briefly, some of them are as under:—

Policy and Planning

- Budget Allocation of SAI for 1991-92 : $\left\{ \begin{array}{l} \text{Plan Rs. 26.78 crores} \\ \text{Non Plan Rs. 13.30 crores} \end{array} \right\}$
- Governing Body of SAI met on Jan. 27, 1992
- Finance Committee of SAI met on Aug. 28, 1991
- Conference of Directors of Sports of States/UTs held at regional level in June, 1991,
- SAI have been implementing about 60 Sports Protocol/Cultural Exchange Programmes.

New Initiatives

- 17th SAI Sports Hostel at Calicut was inaugurated on Sep. 7, 1991;
- 23 SPDA Centres became functional till Dec., 1991;
- A Scheme for raising of Boy's Sports Companies in the Army has been launched;
- Rural Sports Tournament has been re-named as **Dr. B.R. Ambedkar Tournament**.

Plan Schemes of SAI and Central Schemes

NSTC	— 66 schools have been adopted so far and as in Dec., 91, 1217 trainees have been admitted in these schools.	
Sports Hostel	— SAI has 17 Sports Hostels with 742 inmate students.	
SPDA	— There are 23 SPDA Centres having 576 trainees.	
Boys' Co. in Army	— There are 8 Centres with 271 boys.	
National Coaching Scheme	— Total strength of coaches as in Dec., 1991 is 1600.	
Dr. B.R. Ambedkar Tournament (1991-92)	Tournaments held in 12 disciplines in 3 Groups as follows:— Group-I — Rourkela (Orissa), 2-5 Jan., 92. Group-II — Sonapat (Haryana), 21-25 Jan., 92. Group-III — Lucknow (U.P.), 16-19 Feb., 92.	
Sports Festival for Women (1991-92)	— Group-I — Erode (TN), 30 Jan.-2 Feb., 92. Group-II — SAI South Centre, Bangalore, 1-4 Feb., 92.	
Sports festival for N-E region	— Imphal, 25-29 Feb., 92.	
Sports Academies	— Diploma Course in Coaching (1991-92)	
	No. of students (as in Dec., 91)	445
	No. of persons passed NIS Diploma (till 1990-91 Session)	9992
	Master's Course (1991-92)	
	No. of students	10

MAJOR SCHEMES OF SAI & CENTRAL GOVERNMENT

National Sports Talent Contest Scheme

3.14.8.1 The Scheme was introduced in 1985 to identify sports talent among school children (between the age group of 9-12 years) and nurture them for achievement in sports. Talent is scouted in 10 sports disciplines, viz. Athletics, Badminton, Basketball, Gymnastics, Hockey, Football, Swimming, Table-Tennis, Volleyball and Wrestling through talent contests comprising Motor Ability Tests. The contests are held every year at taluka & district levels and finally at regional level and children thus selected are admitted in SAI adopted schools where their board/lodging and tuition fees are met by SAI. SAI also provides coaches and financial assistance to school for development for sports infrastructure. The operation of the scheme is monitored by an Empowered Committee.

3.14.8.2 During the year under report, taluka & district level contests were held in Aug./Sep., 1991 and regional level contests were held in Nov., 1991.

3.14.8.3 There were a total of 1217 NSTC trainees (840 boys + 377 girls) as in Dec., 1991, in 66 SAI adopted schools.

3.14.8.4 NSTC trainees in various SAI adopted schools are exposed to various State/National/International championships and they have made their presence felt in these championships. During the year, NSTC trainees participated in a number of championships. Their achievements are given at **Appendix O**.

Special Area Games Scheme

3.14.9.1 The Scheme of promotion of Special Area Games was conceived by SAI at the time of formulation of the VII Five Year Plan (1985-90) with a view to scouting and nurturing natural talent for modern competitive games and sports from tribal, inaccessible, rural and coastal areas of the country. The Scheme also envisages tapping of talent from indigenous games and martial arts and also from regions which are either genetically or geographically advantageous for excellence in a particular sports discipline.

3.14.9.2 Selected children are subjected to an assessment coaching camp under experts and talent thus finally selected is admitted in one of the 11 SAG Centres, meant for the particular sports discipline, for long term training. These Centres are located in Delhi (for Archery, Football, Cycling and Fencing); Aizawl & Imphal (for Boxing, Wrestling & Judo), Ranchi (Hockey), Bangalore, Gandhinagar & Shillaroo (for Athletics), Mount Abu (for children selected under Height Hunt Project), Port Blair & Alleppey (for Rowing, Canoeing & Kayaking) and Tellicherry (for Gymnastics).

3.14.9.3 The trainees under various projects, particularly Archery, Canoeing/ Kayaking, have shown commendable performance in national & international championships. Major achievements of SAG trainees are given in **Appendix-P**.

National Coaching Scheme

3.14.10.1 This Scheme meets the requirement of coaches by various user agencies. Under the Scheme, coaches are made available to States/UTs for the requirements of Regional Coaching Centres (RCCs), District Coaching Centres (DCCs), University Field Stations (UFSs) and also to SAI Regional Centres, Academic Wing and in-house training centres such as Sports Hostels, SAG Centres, SAI adopted schools. Coaches are also made available to National Sports Federations/Associations for conducting coaching camps and tournaments, etc.

3.14.10.2 The total strength of coaches, as in Dec., 91, is 1600.

Sports Hostel Scheme

3.14.11.1 The Sports Hostel Scheme was introduced by SAI as a part of the 7th Five

Year Plan with the objective of enabling talented young State level players to live, study, work and play together for mutual benefit as well as for the development of individual and team excellence. Under the Scheme, concerned State Govt./UT have to make available only residential accommodation to accommodate 50 boys and 25 girls. The rest of the expenditure on furnishing and fittings and the recurring expenditure on board, equipments of standard, positioning of coaches, etc. are met by SAI.

3.14.11.2 During the year, the 17th SAI Sports Hostel was inaugurated on Sep. 7, 1991 at Calicut (Kerala). Thus, as on date, there are 17 Sports Hostels with a total of 742 sportspersons. Details are given in **Appendix-Q**.

Sports Project Development Area (SPDA) Scheme

3.14.12.1 SPDA Scheme was approved for implementation in 1987-88 with the objective of nurturing of talent within familiar surroundings and, accordingly, the project envisages a geographical area of 80-100 blocks in a State. For opening of SPDA Centres, the whole country has been divided into 78 projects, and sports complexes of Rs. 1 crores each are to be established in each Centre.

3.14.12.2 The break up of the 78 projects, State-wise, may be seen in **Appendix-R**. Though approved in 1987-88, the SPDA Centres could become functional only from June, 1991. As on date, there are 23 SPDA Centres with 576 trainees. There details are given in **Appendix-S**.

Scheme for raising of Boys' Sports Companies in the Army

3.14.13.1 The Governing Body of SAI, in its meeting held on Jan. 18, 1991, approved this scheme for implementation from 1991 session. Under the Scheme, which is an extension of the NSTC Scheme, 17 Boys' Companies will be raised in the army, in collaboration with Army HQ, with maximum intake of 2,000 boys by the middle of the VIII Five Year Plan. The identification of talent is mainly from rural, tribal and semi-urban areas and after identification, these boys are admitted in regimental centres having schools affiliated with CBSE. The emphasis on their training is mainly on sports specialisation alongwith basic education and military training so that on completion of 16 years, they can be inducted into the Army.

3.14.13.2 Under the Scheme, expenditure on board, tuition fee, coaching, etc. is borne by SAI. SAI also provides one time grant to army authorities for creation of sports infrastructure and purchase of essential sports equipment (upto Rs. 3 lakhs) and for training kit/aid (upto Rs. 1 lakh). Afterwards, annual maintenance grant of Rs. 50,000/- is given for maintenance of infrastructure and purchase of equipment.

3.14.13.3 As on date, 8 Centres have become functional with a total number of 271 boys as per details given in **Appendix-T**.

Scholarship Schemes

3.14.14.1 Under the Scheme, scholarships in the following categories are awarded every year:—

Category	No. of Scholarships	Amount per Annum (Rs.)
i) Under NSO programme	300	3600/-
ii) Sports Talent search scheme:		
a) National level	1200	2700/-
b) State level	2095	1800/-
iii) Promotion of Sports among Women:		
a) National Champion (Women)/ Women represented country in international competitions	30	3600/-
b) Women doing NIS diploma	10	1500/-
c) Women doing PH.D./M. Phil	5	1800/-

3.14.14.2 There is also a provision in the schemes for the renewal of scholarships for one year if the sportspersons continue to show progress.

3.14.14.3 About 12,000 applications under various categories have been received for award of scholarships for the year 1991-92. The applications are being scrutinised and categorised for placing before the Scholarship Selection Committee. These will be awarded before the end of the current financial year.

DR. B.R. Ambedkar Tournament

3.14.15.1 The All India Rural Sports Tournament has been renamed as Dr. B.R. Ambedkar Tournament to commemorate the centenary celebrations of Dr. B.R. Ambedkar. Dr. B.R. Ambedkar Tournament, for the year 1991-92, has been held as per the following schedule in, 12 sports disciplines, which have been divided into 3 groups.

Group	Venue	Period
I	Rourkela (Orissa)	2-5 Jan., 1992
II	Sonepat (Haryana)	21-25 Jan., 1992
III	Lucknow (U.P.)	16-19 Feb., 1992

Sports Festival for North-East Region

3.14.16.1 The 6th Sports Festival for North East Region was held at Imphal (Manipur) from Feb. 25-29, 1992.

Sports Academics

3.14.17.1 The Sports Authority of India has two Academic Wings:

- i) Academic Wing for training of sportspersons to become coaches and for conducting research & development in sports at NSNIS Patiala, Calcutta, Gandhinagar and Bangalore.
- ii) Academic Wing for Physical Education and R & D in physical education at LNCPE, Gwalior & Trivandrum.

NSNIS, Patiala

3.14.18.1 The Insitute offers the following Courses:-

- i) Diploma Course in Coaching — — 10 months duration
- ii) Master's Course — — — 22 months "
- iii) Certificate Course— — — 6 weeks "
- iv) Diploma in Sports Medicine— — — 1 year "
- v) Refresher Course for in service coaches.

3.14.18.2 The Faculty of Sports Sciences at the Institute conducts research on allied sports science and physical fitness and medico-physiological tests on international probables in various games and sports and sets norms for training and selection.

3.14.18.3 SAI Regional Centres at Gandhinagar, Calcutta and Bangalore also conduct Diploma Courses in Coaching. For the academic session 1991-92, a total number of 457 candidates were selected for admission to the Diploma Course at all the 4 Centres. This includes 31 foreign students. The total strength of students at all the Centres by the end of Dec., 91 was 445. As regards Master's Course, there were 10 students as in Dec., 91.

3.14.18.4 Under the Mass Sports Participation Programme, a Certificate Course of 6-week duration for physical education teachers and those having flair for games and sports is conducted every year. During the year 1991-92, the Course was conducted simultaneously at NSNIS, Patiala, Eastern Centre, Calcutta, Western Centre, Gandhinagar and at West Zone Training Centre, Aurangabad from May 17 to June 26, 1991. Alongwith this, a Special Certificate Course for Women physical education teachers in schools/colleges was also conducted. In all, 547 persons attended the Course.

3.14.18.5 NSNIS is the only Institute of its kind in the country for training of sportspersons to become coaches. Till 1990-91 session, it has trained 9992 sportspersons as coaches in various sports disciplines at Patiala and other Centres.

LNCPE, Gwalior and Trivandrum

3.14.19.1 Lakshmibai National College of Physical Education, Gwalior with its Regional College at Trivandrum constitutes the Academic Wing of SAI for Physical Education and R & D in physical education. The following Courses of study are available at LNCPE Gwalior:

- i) Bachelor of Physical Education (BPE)—3 year
- ii) Master of Physical Education (MPE)—2 year
- iii) MPE (Summer Courses)
- iv) M.Phil in Physical Education—1 year
- v) Orientation Courses for Pre-release Army Personnel—(2 courses in a year, each 4 months duration)
- vi) Facilities of Doctoral programme (Ph.D.)

3.14.19.2 For the academic session 1991-92, admissions to BPE-I and MPE-I were finalised in July, 1991 and a total number of 100 students (70 men + 30 women) in BPE-I and 42 students (26 men & 16 women) in MPE-I, were admitted. The total strength of students in all the courses during 1991-92 is 380 (263 men & 117 women).

3.14.19.3 LNCPE, Trivandrum, which was inaugurated in 1985, offers a 3 year course leading to Bachelor of Physical Education degree. During 1991-92, a total number of 107 students were on roll as per details given below:—

- BPE-I —37
- BPE-II —38
- BPE-III—32

3.14.19.4 A total number of 126 students have graduated from the College till 1991 session.

Preparation of National Teams

3.14.20.1 The Teams Wing of SAI is responsible for preparation of national teams for various international competitions. To prepare the teams, a detailed training plan is worked out in consultation with the respective national federations and foreign coaches/experts are invited under sports protocol/CEP, wherever feasible. In order to enable sportsmen/women to improve their standard, complete medical and physical fitness and skill tests are conducted periodically during coaching camps.

GENERAL

Governing Body of SAI

3.14.21.1 16th meeting of the Governing Body of SAI was held on 27 Jan '92 under the Chairpersonship of Ms. Mamata Banerjee, Union Minister of State for YA & Sports and Vice-Chairperson of the Governing Body of SAI.

Finance Committee of SAI

3.14.21.2 22nd meeting of the Finance Committee of SAI was held on 28 Aug '91 under the Chairmanship of Shri G.N. Tandon then Member-Finance and Dy. Chairman of the Finance Committee of SAI

Empowered Committee on Capital Projects

3.14.21.3 The 4th meeting of the Empowered Committee on Capital Projects of SAI was held on January 3, 1991 under the Chairmanship of the then Union Minister of State for HRD and Vice Chairman of the Governing Body of SAI.

Conference of Directors of Sports in States/UTS

3.14.21.4 To review the implementation of various sports schemes of SAI and that of Central Govt., a Conference of Directors of Sports in States/UTs is organised every year. During the year under report, region-wise meetings were organised as follows:-

Region	Venue	Date
States/UTs of South India	SAI South Centre, Bangalore	5 June '91
States/UTs of North India	Chandigarh	13 June '91
States/UTs of East/NE India	Calcutta	21 June '91
States/UTs of West/Central India	Goa	27 June '91

Deliberations of the Conferences were presided over by Director General, SAI. The next round of review meetings are scheduled for January-February, 1992.

Sports Protocol/Cultural/Exchange Programmes

3.14.22.1 The Department of Youth Affairs & sports have about 60 Sports Protocol and Cultural Exchange Programmes (CEP) under implementation with various countries. Sports Protocols CEPs list out various items relating to exchange of sportpersons, coaches-experts, equipment, sports literature, etc. in mutually agreed areas. Programmes are by and large being implemented as per agreed schedules.

3.14.22.2 During 1991, experts/coaches from USSR, China, USA, Japan, Germany and Korea visited India under Protocols/CEPs and other programmes. The visits of these experts have been very well received by our trainees. Details of experts who visited India during 1991 are given in **Appendix U**.

3.14.22.3 An SAI team visited Seychelles from May 14-26, 1991 to provide technical assistance in converting an ordinary football field into a synthetic hockey field under Indo-Seychelles CEP.

3.14.22.4 An SAI Hockey Coach, visited Namibia from May 30, 1991 for a period of six months on deputation, to formulate and implement a nation wide school hockey programme in Namibia.

3.14.22.2 The following experts/coaches of SAI were deputed to Bhutan for 3-weeks (5-23 Aug '91) on request of Govt. of Bhutan to train their physical education instructors:

- i) Dr. Rajinder Singh, Expert in Physical Education.
- ii) Shri H. S. Randhwa, Athletic Coach.
- iii) Dr. Montu Debnath, Gymnastic Coach.

Publications

3.14.23 During the year, the following publications were brought out:-

- i) NIS Scientific Journal,
- ii) NIS News Bulletin,
- iii) NIS Statistical Bulletin,
- iv) 'Modern Volleyball', a book by Hubert Dhanaraj,
- v) 10th, 11th, 12th & 13th volumes of SAI's quarterly Newsletter,
- vi) Journal of Physical Education and Sports Sciences, and
- vii) Annual Report of SAI 1989-90.

Exhibitions

3.14.24 Sports Authority of India participated in a science exhibition on the theme 'Value for New India' held at Teen Murti House, New Delhi from November 14-30, 1991 with the objective to exhibit team work, determination and courage through sports. SAI organised there an impressive display of sports goods and equipment. Pictorial, Audio and Video presentation of the activities of SAI like Bharatiyam and excellence of sportpersons in the sports arena, were also depicted in the Exhibition.



खेलों के क्षेत्र में भी भारत-चीन सम्बन्धों और सहयोग में विकास। 18 जुलाई 1991 को नई दिल्ली में 1991 के लिए प्रथम भारत-चीन खेल न्याचार पर हस्ताक्षर किए गए।

श्री टु गुवै, राजदूत (बाएं) असाधारण, चीन जनवादी गणतन्त्र और श्री एम.एम. राजेन्द्रन (दाएं) सचिव, युवा कार्यक्रम और खेल विभाग हस्ताक्षर करते हुए।

The improvement in India-China relations and cooperation reflected in the field of Sports also. The first Indo-Chinese Sports Protocol for 1991 was signed in New Delhi on July 18, 1991.

Signing, on the left is Shri Tu Guowei, Ambassador Extra-ordinary, Peoples Republic of China and, on the right is, Shri M.M. Rajendran Secretary, Deptt. of Youth Affairs and Sports.

international cooperation

Cultural Exchange Programmes/Sports Protocols/Indo-US Sub Commission

4.1 During the past year, there has been a noticeable increase in international exchange with other countries under the Cultural Exchange Programmes (CEPs) and Sports Protocols especially with USSR, China and Cuba, as a result of which coaches/experts in various disciplines were obtained to train our sportspersons.

(a) Cultural Exchange Programmes

In addition to implementation of ongoing exchange programmes with various countries, the Department has initiated implementation of new Cultural Exchange Programmes for 1991-94 with countries like Afghanistan, Belgium, France, Kuwait, Maldives, Syria, Zambia, Tanzania, Hungary, Mongolia, Jordan, etc.

(b) Sports Protocols

Implementation of ongoing Sports Protocols with countries like China, erstwhile USSR, Cuba and Mauritius has progressed satisfactorily. Fresh protocol with the Commonwealth of Independent States is being negotiated. Proposals for fresh Sports Protocols with Japan, Germany and China for 1992-93 are also under finalisation. Under the Indo-USSR Sports Protocol 1991, India had the benefit of services of Soviet coaches/experts in Athletics, Rowing, Weightlifting, Boxing, Wrestling, etc.

(c) Indo-US Sub-Commission Programme

Under this programme, US expert in Sports Psychology, Shri Jaffrey Simons, visited India from Jan. 17-Feb. 1, 1991 and imparted training to our sportspersons. Also, Shri Arvind Verma of India left for USA to join the American University to pursue higher studies.

(d) Continuing Cultural Exchange Programmes/Sports Protocols

- i) **Sports Protocols** with 3 countries, namely, Cuba, Czechoslovakia and Mauritius are being continued.
- ii) **Cultural Exchange Programmes** with 22 countries, namely, Afghanistan, Australia, Bangladesh, Belgium, Bulgaria, Cuba, Czechoslovakia, Egypt, Germany, Finland, South Korea, Kuwait, Maldives, Mauritius, Netherlands, Pakistan, Poland, Portugal, Seychelles, Spain, Tunisia and Yugoslavia are being continued.
- iii) **New Cultural Exchange Programmes** with 11 countries, namely, Colombia, Ghana, Hungary, Jordan, DPR Korea, Mongolia, Peru, Syria, Tanzania, Uganda and Zambia have been signed.
- iv) **New Sports Protocols** with 3 countries, namely, China, USSR, Yugoslavia have been signed.

Commonwealth Youth Programme

4.2.1 The establishment of a Commonwealth Youth Programme (CYP) was first proposed at the Commonwealth Heads of Government Meeting in 1969. The programme came into being in 1974 with the overall purpose of promoting the development of young men and women in the Commonwealth.

4.2.2 The Commonwealth Youth Programme has the following main objectives:

- i) to encourage and support the active participation of youth in the process of national development;
- ii) to give recognition to the contribution made by youth to the economic, social and cultural development in their society;
- iii) to promote productive activity in its widest sense, with a view to eliminating unemployment and alleviating its ill-effects;
- iv) to provide opportunities for increasing international understanding among youth;
- v) to promote and encourage activities in furtherance of the foregoing objectives.

4.2.3 The following activities constitute the core work method of CYP for achieving the above objectives:-

- i) **Training** – including Diploma level courses for youth and development workers; short courses, and distance learning initiatives;
- ii) **Support to youth projects** – through seed funding and technical assistance;
- iii) **Publications** – covering training materials, policy documents, and newsletters and relevant youth and youth work information;
- iv) **Youth exchange** – enabling young people to experience different countries and cultures;
- v) **Study fellowship** – assisting youth work officials to study areas of interest in different countries.

4.2.4 The headquarter of CYP is located at Commonwealth Secretariat, London. Besides, there are four Regional Centres located as under:-

- i) Lusaka (Zambia) for the African Region;
- ii) Chandigarh (India) for the Asian Region;
- iii) Georgetown (Guyana) for the Caribbean Region; and
- iv) Suva (Fiji) for the South Pacific Region.

4.2.5 The overall policy of CYP is established by the Commonwealth Youth Affairs Council which meets biennially. As per the decision of Commonwealth Youth Affairs Council (CYAC) meeting at Harare, (Zimbabwe) in June, 1990, the status of CYAC meeting has been raised to "Minister's level". The next meeting of CYAC, will be held in Maldives in May, 1992. The CYAC originally envisaged as a body of determining the policy of the Programme, has over the years evolved into a forum for exchange of ideas and national experiences between Ministers and senior policy makers. The policies decided by CYAC are implemented through the Committee of Management. At present, the Committee of Management consists of not more than 13 members selected from among participating governments, together with the Commonwealth Secretary General or his representative. The Regional Advisory Boards provide advice to the Regional Centres. As per the decision of CYAC meeting in Harare in 1990, the Youth Caucus came into existence to form a part of CYAC meeting to ensure effective youth representation and involvement in the decision-making structure.

4.2.6 The 10th meeting of the Commonwealth Youth Affairs Council held at Harare in May-June 1990, inter-alia, decided on the following as six common priority areas of work for June, 1990-May, 1996:-

- i) Enterprise and Youth Employment;
- ii) Young Women and Development;
- iii) Youth, Health and Welfare Issues (with particular reference to drugs including

- alcohol, AIDS and adolescent pregnancies);
- iv) Environment;
- v) Literacy; and
- vi) Youth Policy Development.

Besides, each Regional Advisory Board would establish priority areas which are unique and specific to young people and youth work-agencies in its region.

4.2.7 The programmes are mainly financed by member countries. As per decision taken in the Commonwealth Youth Affairs Council held in Apia (Western Samoa) in 1988 all member countries were urged to increase their contribution for giving new dimension to the Youth Programme in the Commonwealth. India agreed to increase her pledge money in CYAC meeting in Harare in 1990 and contributed £ 65,900 during 1991-92 which is more than 10% of the earlier contribution. Besides, as a host country for Regional Centre for Asian Region, India has provided building and basic infrastructural facilities for the Asia Centre at Chandigarh.

4.2.8 During the year 1991-92, the CYP Asia Centre, Chandigarh completed Fourth Distance Training Course in Youth Work in which 31 participants completed their course. Under the course, 2 Personal Contact Programmes (PCP) were organised for the participants at Pachmarhi (M.P.) and Tirupati (A.P.).

4.2.9 The CYP Asia Centre, Chandigarh has agreed to finance a project at Rawander Village, District Alwar (Rajasthan) for desilting and deepening of village tank, construction of check dams and tree plantation and has given Rs. 3.00 lakhs as initial grant for the project.

4.2.10 A 5-member Indian delegation attended the training course for Master Training in Self-employment and Entrepreneurship held at Kuala Lumpur (Malaysia) in April, 1991.

4.2.11 Secretary, Deptt. of Youth Affairs & Sports visited U.K. (London) to attend the meeting of the Committee of Management on May 21-22, 1991.

4.2.12 A 2-member Indian delegation attended CYP, RAB Meeting held at Brunei from December 6-15, 1991.

4.2.13 India, being the founder-member of the Commonwealth and also one of the leading developing countries, is fully committed to the aims and objectives of Commonwealth Youth Programme and actively supports all its programmes.

International Exchange of Youth Delegations

4.3 During 1991-92, the following youth exchanges took place:

- i) A 2-member French delegation visited India under Indo-French CEP regarding construction of Artificial Rock Climbing Wall by IMF in May-June 1991.
- ii) Indian delegation participated in International Youth Philatelic Exhibition held at Dusseldorf (Germany) from July 20-24, 1991.
- iii) A 3-member Indian delegation attended the 14th International Diabetes Federation in Washington (USA) in July-August 1991.
- iv) A 10-member Indian youth delegation visited Japan under South Asian Youth Invitation Programme organised by the Government of Japan from October 6-20, 1991.
- v) A 30-member teachers' delegation from various parts of the country visited Japan under 'Friendship Programme for 21st Century' organised by Government of Japan from 16th October to 12th November, 1991. The objective of the visit was to provide opportunity to the participants to see the development and special features of the education system in Japan and mutual exchange of views and experience and thereby to promote long-lasting relationship of peace and prosperity between Japan and the ASEAN countries.

- vi) The second Asian Rainbow Week function was organised from Nov. 14-20, 1991 by the Department in collaboration with Bal Bhavan Society, Baroda (Gujarat) on the theme of "Youth for Children". In the week-long programme, various sports and games, cultural activities, exhibition and symposium for children were organised. About 150 children from 9 countries visited the country and interacted with our children from different parts of the country.
- vi) A 9-member Indian delegation participated in 'Ship for the World Youth Programme' organised by the Govt. of Japan from 8th January to 11th March 1992. Under the programme, they visited Japan, Singapore, Colombo (Sri Lanka) Alexandria (Egypt), Muscat (Oman) and Barcelona (Spain) by ship. On board the ship, they participated in various activities such as conferences, seminars, debates, cultural programmes, etc.

United Nation Volunteers

4.4.1 As in all other endeavours of cooperation and goodwill, India participates very actively in the United Nations Volunteer (UNV) scheme of United Nations Development Programme (UNDP). India sends her specialists in various fields of activity like medicine, engineering, agriculture, etc. to the developing countries of Asia, Africa and Latin America to accelerate their development process. We also contribute financially to the Special Voluntary Fund of UNDP and our present contribution stands at US \$ 15,000/-. As on February 1, 1992, 92 specialist Indian volunteers are working abroad and 318 candidates are listed on UNV Roster awaiting assignment.

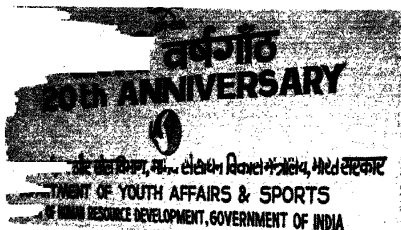
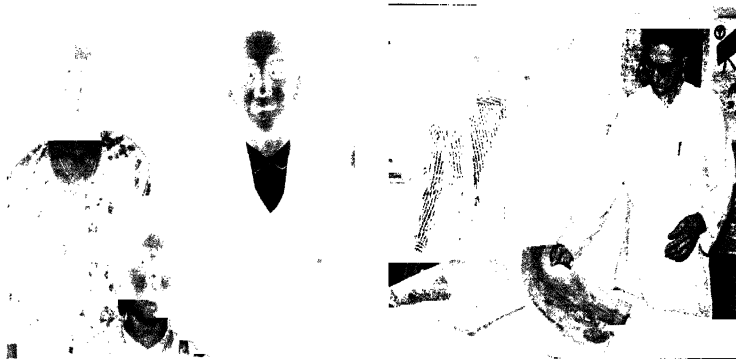
4.4.2 As the latest effort of our contribution to development activities in foreign countries, vigorous steps are underway to send volunteers (for assignment as polling officers, logisticians, procurement officers, storekeepers, transport officers, administrative and finance officers, computer programmers, vehicle mechanics, radio-operators, radio technicians, electricians and cartographers) to help in the reconstruction work in Cambodia commencing with democratic elections there.

4.4.3 Another segment of the UNV scheme envisages exchange of young volunteers between the countries of Asia and the Pacific region to work at grass-root levels with a view to helping and accelerating the local self-help efforts of backward, rural and slum areas in the participating countries. The present position (as on 1.1.1992) about such volunteers from India and in India is as under:-

Sl. No.	Country	Number of volunteers	
		From India to India	
1.	Bangladesh	2	9
2.	Indonesia	6	7
3.	Maldives	1	—
4.	Nepal	3	4
5.	Philippines	2	2
6.	Sri Lanka	6	6
		<hr/> 20	<hr/> 28

4.4.4 The UNV Scheme was established in 1971 and completed 20 years of its operations in 1991. The 20th Anniversary of this Scheme was celebrated throughout the world. India also took special initiatives to celebrate and commemorate the occasion. A **Poster Competition** was organised among the students of all Kendriya Vidyalayas throughout the country on the subject of 'Volunteerism'.

4.4.5 A total of about 1300 students from 181 schools participated in this competition. Three prizes of Rs. 1,000/-, Rs. 500/- and Rs. 250/- were awarded to the top 3 winners. In addition, 50 consolation prizes of Rs. 100/- each were also prescribed. However, the specially constituted selection committee for this purpose eventually recommended 94 entries for the consolation prize. The Committee consisted of the following:-



भारत हमेशा अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग और भाई चारे के मामले में अग्रणी रहा है। संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवक (यू.एन.वी.) योजना की 20वीं वर्षगांठ विश्वभर में 5 दिसम्बर, 1991 को मनाई गई। इस अवसर पर विभाग ने सभी केन्द्रीय विद्यालयों के छात्रों में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया।

1. तीनों पुरस्कार विजेता
2. प्रविष्टियों का मूल्यांकन करते हुए निर्णयकर्ता।
3. अन्तर्राष्ट्रीय स्वयंसेवक दिवस को मनाने के लिए समारोह तथा पुरस्कारों का वितरण।

1	2
3	

India has always been on the forefront in matters of international cooperation and goodwill. The 20th Anniversary of United Nations Volunteers (UNV) Scheme was celebrated the world over on December 5, 1991. To perpetuate the memory of the occasion, the Department organised a Poster Competition among the students of all Kendriya Vidyalayas.

1. The 3 Prize winners.
2. Judges evaluating the entries.
3. Function to celebrate International Volunteer Day and to distribute the prizes.

- i) Shri Jatin Das, a well-known Painter,
- ii) Shri Keshav Malik, former Secretary of Lalit Kala Academy and currently Art Editor of the Times of India, New Delhi; and
- iii) Shri Bhaskar Bhattacharji, Information Officer, UNDP, New Delhi.

4.4.6 As a token of recognition to all, it was decided that **Participation Certificates** will be awarded to all participants in the Competition irrespective of whether they won any established prize or not.

4.4.7 While the first 3 prizes consisted of especially selected trophies of almost equal prize (since the top 3 posters selected by the Committee were ranked by it as all equally good and entitled to equal prize), the Consolation Prize consisted of a **T-shirt** specially designed and prepared for the occasion.

4.4.8 Another special item of celebration was the combined **Poster** which was brought out by the Department in association with UNDP on which the 3 top-prize winning entries were depicted. Yet another item of the celebration was a souvenir book '**UNV and India**' specially produced for the occasion. This book gives complete and upto-date information about the UNV Scheme and India's participation in it.

4.4.9 December 5 is observed as the International Volunteers Day every year. This year, it was a special occasion and it was contemplated that our special programmes may conclude on this day. However, considering the ensuing 3rd Inter-Governmental Meeting on UNV Scheme in Kathmandu during December 1 to 6, 1991, the special function was organised in the UNDP premises, Lodi Estate, New Delhi on November 28, 1991. This was the occasion when the 3 top-prize winners were given the Awards and the Souvenir '**UNV and India**' was released. This occasion was duly covered by Doordarshan in a special TV programme. The event and this Department's active association in the UNV efforts were highly appreciated by the senior officials of UNDP present in the function.

organisation

Secretariat

5.1.1 The sanctioned strength of Department is 199. It consists of 17 Group 'A' (including among others, the Secretary, 2 Joint Secretaries, 3 Directors, 1 Programme Adviser, 1 Deputy Secretary, 10 Under Secretaries, 1 Principal Private Secretary to Secretary), 70 Group 'B' (19 Gazetted and 51 Non-gazetted), 81 Group 'C' and 29 Group 'D' posts. There are 34 persons belonging to Scheduled Castes (3 in Group 'A', 8 in Group 'B', 11 in Group 'C' and 11 in Group 'D') and 6 to Scheduled Tribes (1 in Group 'A', 3 in Group 'C' and 2 in Group 'D') and 14 persons belonging to Minority Communities (2 in Group 'A', 4 in Group 'B', 6 in Group 'C' and 2 in Group 'D').

5.1.2 Besides the above, there are 13 sanctioned posts in the Personnel Staff of the Minister of State for Youth Affairs and Sports.

5.1.3. The Administrative Chart of the Department is at **Appendix-'V'**.

Use of Hindi

5.2.1 The Official Language Implementation Committee was set up in the Department in July, 1983. Its quarterly meetings are held regularly and follow-up action is taken.

5.2.2 Constitution of an independent Hindi Consultative Committee for this Department and the Department of Women and Child Development is under consideration.

5.2.3 The quarterly Progress Reports of the Department are forwarded to the Department of Official Languages regularly and the shortcomings found on review of these reports are communicated to concerned Sections/units for further action. The quarterly Progress Reports received from subordinate offices of the Department are also reviewed and the discrepancies found therein are intimated for remedial action.

5.2.4 At present, there are 18 Devnagri (Manual) typewriters which are made available to all Sections and 11 bilingual electronic typewriters.

5.2.5 Short notes for OTA and supply of refreshment, stationery and various other items are generally put up in Hindi. Letters received in Hindi are replied in Hindi only, as per rule 5 of the Official Language Rules, 1976.

5.2.6 In 1991-92, 9 subordinate/autonomous offices were inspected by the officers of the Department for use of Hindi.

5.2.7 On September 16, 1991, 'Hindi Day' and thereafter the 'Hindi Week' upto September 20, 1991 were celebrated in the Department. The following competitions were held during the Hindi Week:-

- i) Hindi Essay Competition,

- ii) Hindi Typing Competition,
- iii) Hindi Slogan Competition,
- iv) Hindi Noting and Drafting Competition,
- v) Hindi Week Rajbhasa Awards.

The participants were given the cash awards of Rs. 500/-, 300/- and 200/- respectively for attaining Ist, IInd and IIIrd positions in the competitions.

5.2.8 Besides, an appeal was also issued by Ms. Mamata Banerjee, Minister of State for Youth Affairs and Sports to do maximum work in Hindi.

5.2.9 During 1991-92, 21 Hindi books worth Rs. 950/- were purchased.

5.2.10 In order to encourage the officers and staff to work in Hindi, Hindi periodicals like the Dharmayug, Saptahik Hindustan, India Today (Hindi), Sarita, Mukta, Manorama, Kadambini, Griha Shohha etc. are purchased and circulated.

5.2.11 Out of 17 subordinate offices, 8 offices have already been notified where more than 80% employees know Hindi.

5.2.12 Under Hindi Noting and Drafting Incentive Scheme issued by Department of Official Languages, 2 employees of the Department were given two first awards of Rs. 500/- each.

Publications and Library

5.3.1 New, updated editions of some schemes were produced for free distribution to all those who could make use of them. The Quarterly Newsletter of the Department named 'Youth and Sports' was also published for the first 2 quarters. As an experiment and with a view to enriching it and giving it a new look, it was envisaged that some youth volunteers of National Service Scheme may be associated in the production of this Newsletter. However, the experiment did not succeed. As a result, the last 2 issues of the year 1991 had to be dropped. Publication of the Newsletter will be resumed during the year 1992.

5.3.2 The Department has an informal Library where books and publications relevant to its subjects are stocked. It has a total of about 1500 books and publications out of which 53 were added during 1991-92, including 21 in Hindi.

Budget Allocations

5.4.1 The Revised Estimates for the year 1991-92 and Budget Estimates for 1992-93, Scheme-wise, are given in **Appendix 'W'**.

5.4.2 During the year 1991-92, the Department had a Plan provision of Rs. 75.56 crores and Non-Plan provision of Rs. 38.84 crores.

5.4.3 For the year 1992-93, the Department has been allocated Rs. 74.00 crores under Plan and Rs. 38.80 crores under Non-Plan. Of this, the Youth Welfare Schemes get Rs. 32.39 crores under Plan and Rs. 21.20 crores under Non-Plan. The Schemes of Sports and Physical Education have a Plan provision of Rs. 41.36 crores and a Non-Plan provision of Rs. 15.65 crores.

Social Mobilisation Campaign

5.5 The Department is chalking out a Social Mobilisation Campaign under which information will be disseminated through various instruments of media about the Schemes of the Department and the manner in which members of the public could take advantage of them. The following Schemes/projects have been identified for projection in the first instance:-

- i) **The Bharatiyam Programme:** It is a programme of mass physical exercises by children through which the virtues of discipline, unified coordinated action and physical fitness are inculcated in children.

- ii) Scouting and nurturing of talent by Sports Authority of India and the achievements of the selected children.
- iii) Availability of sports infrastructure developed with Government funds and the manner in which the public could benefit by them.
- iv) Projection of selected popular mother sports disciplines to inform and educate the people.
- v) Activities of selected successful Voluntary Sports Organisations like the gymnasium of Guru Hanuman.
- vi) Rules of popular games to educate the young minds and the people at large.
- vii) Projection of premier sports institutions established by SAI recently.
- viii) Development and Implementation of the National Youth Policy.
- ix) Regular and special camping programme of National Service Scheme.
- x) Rural Youth Programme of Nehru Yuva Kendras.
- xi) Special programmes organised under NYK system with reference to women.
- xii) Role of Youth Clubs in promoting social welfare.
- xiii) National Youth Awards.
- xiv) Activities of the programmes of international cooperation like Commonwealth Youth Programme, UN Volunteers, SAARC, etc.

Computerisation

5.6.1 National Informatics Centre has established a Computer Cell in the Department which is working in close coordination with the officials of the Department and has succeeded in developing useful databases. Effort is on to develop more analytical systems for quick decision making at higher levels. The following is the status of development of Information Systems and their utilisation.

National Service Scheme

5.6.2 a) *Consolidation of Accounts:* The release of grants to States/UTs from 1981 to 1991 and unspent balance for the conduct of NSS activities have been compiled and reports have been generated for quick follow up.

b) *NSS Information System:* The information system covering Data Entry, Validation and Updation with reports and queries have been developed for computerising half yearly progress reports received from various universities. The reports include details of functionaries, funds allocation and disbursement, details on the conduct of regular activities and special camps. The staff from Programme Adviser Cell have been trained for operation and usage of the software.

5.6.3 *Budget and Progressive Expenditure:* Design and development of software for the review of the budget and expenditure with details of Budget Estimates, Revised Estimates and Actual Expenditure for the current financial year has been attempted. The reports generated were very handy for the review meeting in knowing the status of expenditures under various schemes.

5.6.4 *Youth Schemes:* For assisting the Department in zone-wise analysis, the details on the release of grants and beneficiaries of the following Youth Schemes have been computed:

- i) Exhibitions for Youth,
- ii) Promotion of Adventure,
- iii) Youth Clubs,
- iv) NSVS,
- v) Training of Youth, and
- vi) National Integration.

On line query system has also been developed which will give State-wise and scheme-wise details. For Youth Hostels, details of financial assistance, status of construction and details of functionaries have been fed.

5.6.5 Documentation Assistance: The Department has been assisted in bringing out Agenda Papers and Minutes for State Ministers Conference and for drafting VIII Plan document and its annexures.

5.6.6 NICMAIL has been extensively used by the Department as a faster communication facility in information exchange with various State Govt. agencies, in acquiring latest information and status of implementation of various schemes like Sports Infrastructure. National Physical Fitness Corps. Quick responses have been obtained, helping in faster disposal of pending cases in certain areas.

5.6.7 Proposals received under the scheme 'Development of Sports Infrastructure' from various States have been computerised covering date of receipt of application, details of sponsor, project for which grant has been sought, action taken by the Department, etc. Information on pending cases have been sent to respective districts through NICNET to expedite the process of completion of construction. Parliament questions are also being answered by using computerised information system. Zone-wise reports have been generated to assist the Department in field inspections.

5.6.8 Information on proposals under 'Grants to Rural Schools' have been compiled and updated till date. Reports are generated thereon for approved, pending and rejected cases with reasons for rejections.

5.6.9 An on line information system for monitoring of grants to Sports Federations has been developed to have information on category, budgethead-wise grants sanctioned and released for different activities. Profile on each Sports Federation covering functionaries' details has also been computerised.

5.6.10 Protocols signed with different countries are being maintained in computer for their effective monitoring. Implementation status and follow up action in respect of each protocol is updated and reports are produced thereon, which are quite useful in discussing with foreign delegations.

5.6.11 Staff strength of the Department covering its allocated and filled strength for each section, number of posts vacant, employees posted against each post, their deputation details and group-wise employees' details have been compiled, which are supported with on line Employees Information System.

5.6.12 File Status Information System is being implemented in the Department for quick disposal of VIP references received from various quarters. The system supports the date of receipt of letter, date of action taken, references pending with a particular officer, and whether disposed of or not.

5.6.13 Analysis on Questionnaire for the NSS campers for Republic Day Parade, 1991 is made to measure the participants' skills and to evaluate their performance in the camp.

5.6.14 Data on Parliament Assurances have been compiled. Reports have been produced with their latest status. Payroll is being run every month to produce payslips and other schedules like licence fee, Central Government Employees Insurance Scheme, Postal Life Insurance, etc., as required by the Department.

5.6.15 Software packages developed for the Department as well as SAI schemes have been implemented in SAI Southern Regional Centre, Bangalore. Training has also been provided for the officials of the Centre on the operation of these packages. The scope of computerisation in other priority areas of the Centre have also been discussed with its Regional Director. The NIC State Centre, at Bangalore is assisting the SAI Regional Centre in the utilisation of these software packages and in providing software development support.

5.6.16 Computer Training programmes at different levels have been organised in the Department and at NIC Headquarters making them aware of the usage of computers in office automation. Training has also been organised on software packages implemented

in the Department for their smooth and effective operation. About 20 officials have received training on the usage of computers.

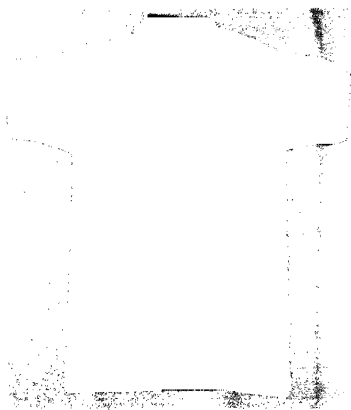
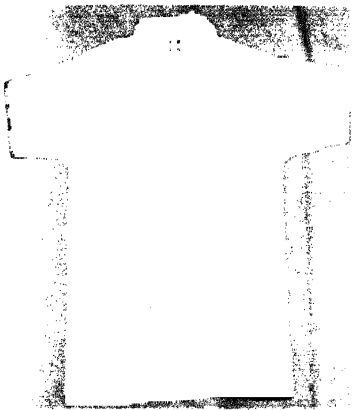
5.6.17 As per recommendations of NMCC Sports Working Group meetings, the twelve priority areas which have been identified for computerisation are being taken up in a phased manner. Proforma designed for building the Sportspersons Database have been discussed in detail for implementation.

5.6.18 The second NIC-Ministry Coordination Committee meeting was held under chairmanship of the Secretary of the Department to review the progress made in computerisation and to suggest future line of action.

5.6.19 Sports Authority of India was assisted in the usage of NIC software packages for the National Sports Talent Contest Scheme, Special Area Games, SAI Coaches Information System and SPDA Centres.

Impact of computerisation

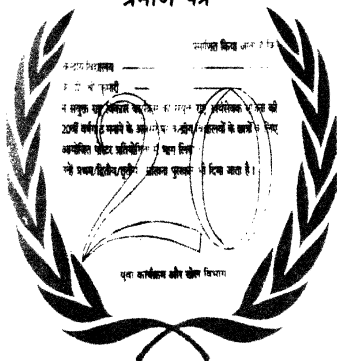
5.6.20 Management Information Systems developed in crucial areas, like sports infrastructure development, protocol exchanges, Grants to Sports Federations, National Service Scheme, Grants under youth welfare programmes helped in the effective organisation, retrieval and analysis of information, helping in the timely clearance of pending cases, answering Parliament questions and in reducing the considerable delay involved in manual operations. NICNET and NICMAIL are very handy in quick and economic communication, helping in useful information exchange with State Government Departments and other associated organisations. The computer training provided to the officials of the Department has resulted in multifaceted utilisation of software packages developed for the Department. It has been felt through discussions with State Govts of Madhya Pradesh and Karnataka that the Management Information Systems developed at the Central level for the Department could be implemented in all the States and UTs for utilisation by them, which will help in reducing the delay in utilisation of already developed systems and in avoiding duplication of efforts.



प्रधान मन्त्रा
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
(युवा कार्यक्रम और खेल विभाग)



प्रमाण-पत्र



दिनांक

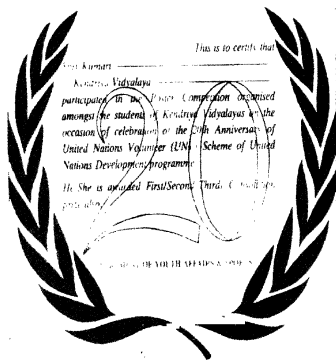
सं. १०५६/१११/२०११



Government of India
MINISTRY OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT
(Department of Youth Affairs & Sports)



Certificate



Date

New Delhi (India)

ऊपर से (बाएँ से दाएँ) : संयुक्त राष्ट्र स्वयंसेवकों (यू एन वी.) की 20वीं वर्षगांठ को मनाने के अवसर पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता के सभी सहभागियों को दिए गए सात्वता पुरस्कार के रूप में दी गई टी-शर्ट और प्रमाण पत्र की प्रतिमूर्ति (आगे और पीछे)।
From top (left to right): Fascimile (Front and back) of the T-Shirt given as Consolation Prize and certificate awarded to all the participants of the Poster Competition organised to mark the celebration of 20th Anniversary of United Nations Volunteers (UNV).

1. appendices

	Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
18.	General Sea Explorers Institute, Calcutta, (W.B.).	25,000/-	Programme of adventure.
19.	General Sea Explorers' Institute, Calcutta, (W.B.).	35,000/-	Promotion of adventure.
20.	Bharat Scouts and Guides, Calcutta.	3,700/-	Trekking expedition.
21.	Haryana Agriculture University, Hissar.	11,810/-	Trekking, study of flora and fauna, etc.
22.	NSS unit, Berhampore College, Murshidabad (W.B.).	3,090/-	Study of flora and fauna at Jaldapara national forest.
23.	S.M. College, Bhagalpur (Bihar).	3,500/-	To Meet the villagers of riots affected area.
24.	The Peakers, Asansol (W.B.)	1,310 -	Trekking to Gauri Kund.
25.	Arts, Science & Commerce College, Chopda, Distt. Jalgaon.	5,830 -	Trekking.
26.	BhadraKali Padahk, Distt. Hoogly (W.B.).	7,380 -	Trekking expedition in U.P.
27.	Shri Bhupinder Singh, Vikaspuri, New Delhi.	8,000 -	Trekking expedition in U.P.
28.	Bhoruka Mountaineering Trust, Calcutta.	7,50,000/-	Indian Everest Expedition.
29.	The Deputy Commissioner, Ropar (Punjab).	10,500 -	Trekking programme for Hemkunt Sahab.
30.	Yova Trekking Club, Jind, (Haryana).	19,734 -	Trekking expedition from Manali to Mayura (H.P.).
31.	Shri Surinder Kumar Bhandari, Chandigarh.	6,470/-	Trekking in H.P.
32.	Adventure Fellowship, New Delhi.	1,87,500/-	Mountaineering expedition to Mount Sagar Kangri-II.
33.	Kashmir Mountaineering Group, Srinagar (J&K).	2,438/-	Trekking in Jammu & Kashmir.
34.	Kamarhati Trekkers' Association, Calcutta.	2,447/-	Trekking expedition to Garhwal Hills.
35.	Bharat Scouts and Guides, New Delhi.	1,50,000/-	Repair of Tara Devi Camp Site, Shimli Hills.
36.	Don Bosco School, Cachar Hills, (Assam).	82,500/-	Establishment of a site camp.
37.	NSS Unit, SNDT womens University, Bombay.	5,400/-	Trekking programme
38.	Anchor, Calcutta.	3,120/-	Trekking expedition in U.P.

Sl. No.	Name of the organisation/Person	Amount released	Purpose
39.	French Mountaineering & Trekking Club, New Delhi.	6,900/-	Trekking expedition in U.P.
40.	Ms. Paramjeet Kaur, Meenakshi Garden, New Delhi.	2,572/-	Trekking expedition
41.	Sardar Patel University, Vallabh Vidyanagar (Gujarat).	14,340/-	Trekking programme in Markande Hills in H.P.
42.	Don-Bosco High School, Tura (Meghalaya).	1,61,000/-	Establishment of base camp and adventure camp.
43.	G.T. Base College, Pune.	5,775/-	Assistance for adventure camp.
44.	Rocks and Snow, Calcutta.	4,850/-	Trekking Programme in U.P.
45.	Lonavla Education Trust, Art and Commerce College, Pune (Maharashtra)	6,490/-	Trekking, mountaineering & rock climbing.
46.	The Himalaya Trotters, Bhadrakali, Hooghly (W.B.).	4,233/-	Trekking expedition in Sikkim Himalayas
47.	Churu Adventure & Cultural Society, Churu, (Rajasthan).	4,926/-	Trekking in Garhwal Himalaya
48.	Howrah Distt. Mountaineering and Trekker Association, Howrah.	1,600/-	Trekking in U.P.
49.	Zoomer, Calcutta.	2,700/-	Trekking in Garhwal
50.	NSS Unit, Gujarat Agr. University, Anand (Gujarat).	8,000/-	Trekking Programme to Mount Abu.
51.	Garhwal Badri-Kedar Youth Club. Chamoli, Garhwal.	8,460/-	Trekking to Kullu-Manali
52.	Bhavani College, Andheri, Bombay.	34,000/-	Study of flora and fauna
53.	Shri Prabir Dutta, Abinash Chandra Banerjee Road, Calcutta.	1,600/-	Trekking in Garhwal Hills.
54.	Sh. Vipen Chandra, Sarai Rohilla, New Delhi.	9,000/-	Cycle expedition to U.P and M.P.
55.	Shri Saswti Bhattacharya, Shalimar Bagh, Delhi.	6,225/-	Trekking to Annapurna Base Camp in Nepal Himalayas.
56.	Indian Mountaineering foundation, New Delhi.	95,400/-	Participating in UIAA Climbing World Cup, Tokyo.

	Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
57.	The Tramps, New Delhi.	7,970/-	Promotion of Adventure.
58.	Shri Jagmohan Singh, Vikas Puri, New Delhi.	3,528/-	Trekking to Manimahesh Bhawan (H.P.)
59.	Grameen Vikas Sanstha, Tilikilen, Delhi.	21,871/-	Trekking Garhwal Himalayas.
60.	Gandhigram Rural Institute, Dindigul Distt., (Tamil Nadu).	5,62,125/-	Construction of camping site at Gandhigram.
61.	Karimpur Bazar Morning Club, Distt. Nadia (W.B.).	1,800/-	Cycle expedition.
62.	University of Roorkee, Roorkee.	12,540/-	Himalayan Social Ecology Expedition.
63.	NSS Unit, S.V. University, Tirupati, (A.P.)	4,300/-	Trekking expedition.
64.	Assam Adventure Foundation, Guwahati, (Assam).	25,000/-	Mountaineering expedition to Peaks Mt. Meru North in Garhwal.
65.	NSS Unit, Loyala Academy, Secunderabad, (A.P.)	4,620/-	Cycling.
66.	Hans Raj College, Delhi.	15,750/-	Nature Camp for youth in Himalayas of Pauri (U.P.)
67.	Pioneers Adventure Society, Bikaner, (Rajasthan).	8,115/-	3 Trekking programmes
68.	Himalayas Lovers Association, Calcutta.	3,250/-	Trekking in Badrinarayan (Garhwal).
69.	Indian Mountaineering Foundation, New Delhi.	12,500/-	Promotion of adventure.
70.	M.P. Adventure & Exploration Institute, Bhopal.	33,285/-	2 Adventure programmes.
71.	Assam Adventure Foundation, Guwahati.	47,601/-	Trekking programmes.
72.	Youth hostel Association of India, 24, Pargannas, (W.B.).	8,000/-	Trekking
73.	Uttar Manas, Kutti.	8,778/-	Rock-climbing course.
74.	Jay Hind Arts & Sports Club, Thottuva, Anayadi. P.O. Kerala.	10,500/-	Cycle expedition.
75.	Chatterjeehat Govt. Quarters' Welfare Association, Howrah.	3,510/-	Trekking in U.P.

	Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
76.	NSS Unit-I, Mahatama Gandhi University, Kottayam.	9,900/-	Adventure programme.
77.	NSS Unit-I, Govt. Jr. College for Boys, Nalgonda.	3,360/-	Promotion of adventure.
78.	NSS Unit, Satavahans College, Vijayawada, (A.P).	4,680/-	Promotion of adventure.
79.	Govt. College for Women, Hyderabad (A.P.)	3,900/-	Promotion of adventure.
80.	Sea Explorers Institute, Calcutta.	75,000/-	Purchase of equipment.
81.	Sea Explorers Institute, Calcutta.	2,82,600/-	Rafting expedition from Calcutta to Singapore.
82.	Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi.	10,000/-	Nehru Memorial Lecture on, Nehru's Vision of Youth & Democracy in India.
83.	Youth Hostel & Association of India, New Delhi.	7,530/-	Organisation Himalayan Motor Bike Rally.
84.	Mountaineering Association, Krishnanagar (W.B.).	8,646/-	Trekking to Maikotli
85.	Crescent Club, Chittaranjan.	10,800/-	Rock-climbing.
86.	Himalayan Enjoys. Association, Chittaranjan.	18,750/-	Rock-climbing.
87.	Sea Explorers Institute, Calcutta.	25,000/- (IInd Instal- ment)	Sailing expedition from Calcutta to Andaman Island.
88.	Youth Hostels Association of India, Calcutta.	11,250/-	Adventure programme.
89.	Navjeevan Society, Amarvati.	24,000/-	Promotion-cum-integration.
90.	Assam Adventure Foundation, Guwahati.	1,74,825/-	Purchase of sports equipment.
91.	NAF 38, AWHO, Dehradun.	10,800/-	Training courses for youth
92.	Director, Youth Welfare, Jadavpur University, Calcutta.	15,300/-	Trekking prog. to Gangtok.
93.	Youth Adventure Centre, Patna University, Patna.	8,186/-	Study of flora of Garhwal
94.	NSS Unit, Tagore Science College, Pondicherry.	7,875/-	Cycling programme.

	Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
95.	Trained Social Workers Asscn., Kollam.	45,000/-	Cycle expedition.
96.	Himalayan Mountaineers Asscn., Calcutta.	3,365/-	Trekking to West Sikkim hills.
97.	NSS Unit, Calicut University, Malappuram (Kerala).	11,250/-	Adventure programme.
98.	Shri Surjeet Prashar & Party, New Delhi.	5,130/-	Trekking programme.
99.	Shri Gulab Singh & Party, Jama Masjid, Bulandshahar	5,970/-	Trekking programme.
100.	National Adventure Foundation, J.N. Stadium, New Delhi.	28,350/-	Adventure training camps for school children.
101.	SC/ST Research & Training Instt., Lucknow.	21,000/-	Adventure activities.
102.	National Adventure Foundation, New Delhi.	99,000/-	Organisation of two integration camps.
	Total	<u>36,27,731</u>	

Appendix-B

FUNDS RELEASED TO VARIOUS VOLUNTARY BODIES UNDER THE SCHEME 'PROMOTION OF NATIONAL INTEGRATION'

	Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
1.	Spic-Macay, New Delhi.	65,000/-	Cultural activities
2.	Sarvodaya Sansthan, Agra.	2,52,000/-	National Integration Camp
3.	Students Welfare University, Poona.	35,343/-	—do—
4.	Jagannath Sanskrit University, Puri.	27,500/-	—do—
5.	Sarvodaya Shiksha Avam, Samaj Kalyan Sansthan, New Delhi.	1,25,000/-	—do—
6.	Krishi Navyuvak Club, Chamba (HP).	52,500/-	—do—
7.	All India Women's Conference, New Delhi.	13,600/-	Seminar at Bangalore
8.	R.K. Mission, Bhubaneswar.	11,838/-	National Integration Camp

Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
9. Director, Youth Services & Sports, Shimla.	1,81,500/-	3 National Integration Camps
10. Delhi School of Social Work, University of Delhi, Delhi.	2,371/-	Inter-State Visit
11. Krishi Vidyapeeth, Akola.	90,300/-	National Integration Camp
12. Govt. College, Hooghly.	83,700/-	—do—
13. Jai Prakash Gram Kalyan Sanstha, Nanded (Maharashtra).	75,000/-	—do—
14. Oriental Voluntary Forum, Imphal.	27,500/-	Inter-State Visit —do—
15. Tarika Munch, Distt. Giridih, Bihar.	12,750/-	National Integration Camp
16. H.P. Krishi Vishwa Vidyalaya, Palampur (HP).	77,100/-	—do—
17. Malda College, Malda (W.B).	91,500/-	—do—
18. Vivekananda Kendra, Kanyakumari. (T.N.).	68,559/-	—do—
19. National Institute of Culture, N. Delhi.	93,000/-	—do—
20. Saga Yuvak Kendra, Kottayam.	19,000/-	Inter-State Youth Exchange
21. Dy. Commission, Ropar. Punjab.	59,250/-	—do—
22. Tagore Arts College, Pondicherry.	69,000/-	National Integration Camp
23. Ch. S.D. St. Theresa College, Elluru (AP).	76,500/-	—do—
24. Sambalpur University, Orissa.	76,500/-	—do—
25. Antar Bharati, Madurai.	67,000/-	—do—
26. Students Welfare, HAU, Hissar.	77,000/-	National Integration Camp
27. Rotary Club, Madras.	21,000/-	—do—
28. Indian Institute of Rural Research Centre, New Delhi.	2,45,000/-	—do—

Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
29. Vivekananda Kendra, Kanya Kumari.	1,63,050/-	Inter-State Youth Exchange Programme
30. International Centre for Study & Dance, Kerala.	590/-	National Integration Camp
31. Gandhi Darshan Kendra, Madras.	40,000/-	—do—
32. Don Bosco School, Halflong, North Cachar Hills, Assam.	73,000/-	—do—
33. Society for Promotion of Youth Masses, New Delhi.	63,000/-	—do—
34. Director Youth Services & Sports, Govt. of Punjab, Chandigarh.	40,264/-	Inter-State Youth Exchange Programme
35. SKVP & Dr. K.S. Raju Arts & Science College, Penugonda (AP).	76,500/-	National Integration Camp
36. Kerala Kalamandalam, Trichur.	4,454/-	—do—
37. Mysore University, Mysore.	83,000/-	—do—
38. Sri Aurobindo Society, Pondicherry.	58,800/-	2 National Integration Camps
39. Dayanand Kala Kendra, Goa.	28,000/-	Inter-State Youth Exchange Programme
40. Sewa Bharati, New Delhi.	75,000/-	National Integration Camp
41. Shyama Prasad Mukherjee College, New Delhi.	93,555/-	Lakshadweep tour
42. Children Temple, Naihati (W.B)	18,000/-	Foot March from Maharashtra to New Delhi
43. Gandhigram Rural Institute, Dindigul, (T.N.)	2,43,000/-	National Integration Camp
44. National Youth Project, New Delhi.	7,74,000/-	—do—
45. University of Kerala, Trivandrum.	7,500/-	—do—
46. Vishwa Sahitya Sansthan, New Delhi.	45,097/-	—do—
47. Society for Promotion of Youth Masses, New Delhi.	11,159/-	—do—

Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
48. Sri Aurbindo Education Society, New Delhi	37,500/-	—do—
49. Public Instruction Office, Bangalore.	67,500/-	—do—
50. Banaras Hindu University, Varanasi.	74,500/-	—do—
51. Bharat Scouts & Guides, New Delhi.	1,23,750/-	—do—
52. Sri Hanuman Vayayam Prasarak Mandal, Amravati (Maharashtra)	69,500/-	—do—
53. R.K. Mission, Narendrapur (W.B.)	1,12,000/-	—do—
54. Govt. Girls Sr. Sec. School, Rajouri Garden, New Delhi.	1,50,000/-	Inter-State Youth Exchange Programme
55. St. Anthony College, Shillong.	1,30,850/-	National Integration Camp
56. Bharat Scouts & Guides, New Delhi.	41,250/-	—do—
57. R.K. Mission, Bhubaneswar (Orissa).	11,838/-	3 National Integration Camps
58. Govt. College, Howly, Barpeta, Assam.	83,700/-	National Integration Camp
59. Delhi School of Social Work, New Delhi.	2,371/-	—do—
60. Jai Prakash, Gram Kalyan Sanstha, Nanded (Maharashtra)	75,000/-	—do—
61. Oriental Voluntary Association, Imphal	27,500/-	Inter-State Youth Exchange Programme
62. National Service Scheme, Punjab University, Punjab.	90,300/-	National Integration Camp
63. Poona University, Poona.	83,800/-	—do—
64. Delhi University, South Campus, New Delhi.	3,520/-	—do—
65. Observance of Sadbhawna Diwas	3,00,000/-	—do—
66. Sri Aurobindo Education Society, Auroville	2,52,000/-	—do—

Sl. No.	Name of the organisation/Person	Amount released	Purpose
67.	NSS Regional Centre, Bhavnagar University, Ahmedabad.	55,342/-	National Integration Camp
68.	St. Anthony College, Shillong.	1,30,850/-	—do—
69.	All India Cultural on Urban & Rural, New Delhi.	2,88,000/-	—do—
70.	Nehru Bal Sangh, New Delhi.	41,014/-	—do—
71.	Yuva Biradari, Bombay.	1,50,000/-	—do—
72.	National Service Scheme, Sri Venkateshawara University, Tirupati.	80,000/-	—do—
73.	Karayil Yuvajana, Kalyan Samiti, Cannanore Distt., (Kerala).	78,000/-	—do—
74.	Vivekananda Kendra, Kanyakumari, (T.N.)	3,57,000/-	—do—
75.	Bangwani Society, Nabadweep, (W.B.)	79,350/-	—do—
76.	Mahatma Gandhi University, Kottayam (Kerala)	85,750/-	—do—
77.	Gandhigram Rural Institute, Dindigul, (T.N.)	5,62,125/-	—do—
78.	Midnapore College, Midnapore, (W.B.)	90,000/-	—do—
79.	Calicut University, Calicut (Kerala)	66,892/-	—do—
80.	Gandhi Smriti & Darshan Samiti, New Delhi.	5,40,000/-	—do—
81.	Indian Instt. of Rural Research Centre, New Delhi.	41,500/-	—do—
82.	Vishwa Yuvak Kendra, New Delhi.	1,27,000/-	—do—
83.	Sardar Patel University, Vallabh Vidya Nagar, (Gujarat).	94,000/-	—do—
84.	University of Calcutta, Calcutta.	29,000/-	—do—
85.	All India Boy Scouts Association, New Delhi.	22,500/-	—do—

86. Sports & Youth Services Deptt., Bhubaneshwar, (Orissa).	2,50,000/-	—do—
87. Nehru Yuva Kendra, Mehboob Nagar (A.P.)	1,51,000/-	—do—
88. NSS Regional Centre, Bhavnagar University, Ahmedabad.	87,000/-	—do—
89. Govt. Girls Secondary School, Moti Nagar, New Delhi.	1,77,000/-	—do—
90. National Youth Projects, New Delhi.	1,21,640/-	—do—
91. Indian Classical Memorial & Cultural Organisation, New Delhi.	63,000/-	—do—
92. National Service Scheme, Madurai Kamraj University. Madurai (T.N.)	10,170/-	—do—
93. Youth Hostels Association of India, New Delhi.	1,48,500/-	—do—
94. Gandhi Darshan Kendra, Madras.	1,37,940/-	—do—
95. Jyoti Welfare Association, Hyderabad.	38,430/-	—do—
96. Bharat Scouts & Guides, New Delhi.	24,998/-	—do—
97. Samaj Bharati, Latur (Maharashtra)	31,350/-	—do—
98. Rajendra Institute of Educational Welfare, Halimpur, Sitamarhi (Bihar)	21,000/-	—do—
99. Nehru Yuva Kendra Sangathan, New Delhi.	9,05,000/-	Jawahar Cycle Yatra
100. Balkanji Bari International, Janak Puri, New Delhi.	31,750/-	Yuva Kavi Award
101. Sports Authority of India, New Delhi.	2,13,845/-	National Integration Camp
102. Jai Prakash Gram Kalyan Sanstha, Nanded (Maharashtra)	82,500/-	—do—
103. Bharat Scouts & Guides, New Delhi.	23,86,000/-	National Integration Camp and Inter-State Youth Exchange Programme
104. Jyoti Webler Association, Hyderabad.	38,430/-	Youth Festival

Sl. No.	Name of the organisation/Person	Amount released	Purpose
105.	Association of Indian Universities, New Delhi.	9,71,000/-	Four Zonal & One National Youth Festival
106.	Don Bosco College, Tura, (Meghalaya).	1,92,000/-	National Integration Camp
107.	R.K. Mission, Bhubaneswar.	45,000/-	—do—
108.	Youth Hostels Association of India, New Delhi.	5,73,750/-	Republic Day Camp
109.	Miranda House College, New Delhi.	15,510/-	National Integration Camp.
110.	St. Joseph's College, Darjeeling	18,774/-	Educational tour to Kerala
111.	Director, Youth Affairs & Sports, Imphal (Manipur).	1,08,000/-	National Integration Camp
112.	Sri Gandhi College, Sitapur.	76,800/-	—do—
113.	Sri Venkteswara College, New Delhi.	14,000/-	Study tour
114.	Rural Voluntary Youth Forum, Silchar, Cachar (Assam)	31,800/-	Youth meet
115.	Nehru Yuva Kendra, Mehbubnagar (A.P.).	34,310/-	—do—
116.	Director, Youth Affair & Sports, Govt. of Manipur, Imphal.	51,560/-	—do—
117.	Head of the Botany Deptt., Delhi University, Delhi.	2,500	—do—
118.	Sri Aurobindo Bhawan Trust, Krishnanagar, Nadia (W.B.)	75,000/-	National Integration Camp
119.	Balkanji Bari International, Janakpuri, New Delhi	5,000/-	Printing of Literature
120.	District Youth Coordinator, Nehru Yuva Kendra, Quilon (Kerala)	95,625/-	National Integration Camp
121.	Amravati University, Maharashtra.	86,250/-	—do—
122.	National Instt. of Women, Child & Youth Development, Nagpur.	9,550/-	—do—
123.	National Youth Project, Deen Dayal Upadhyay Marg, New Delhi.	3,00,000/-	—do—

Name of the Organisation	Amount released (Rs.)	Purpose
124. Youth Hostels Association of India, New Delhi.	6,45,000/-	Yuva Milap, National Integration Camp,
125. R.K. Mission, Ranchi, (Bihar).	18,750/-	National Integration Camp & National Youth Day
126. Youth for Disaster Preparedness, Orissa	26,250/-	National Integration Camp
127. R.K. Mission, Bhubaneswar (Orissa).	7,676/-	National Integration Camp
128. Dy. Programme Adviser, NSS Cell, New Delhi.	6,69,375/-	Earthquake relief camp-cum-National Integration Camp.
129. SVKP & Dr. K.S. Raju Art & Science College, Penugunde (AP)	76,500/-	National Integration Camp
130. NSS, L.N. Mithila University, Danapur (Bihar).	76,800/-	—do—
131. Karayil Yuvajana Samiti, Kerala.	18,750/-	Inter-State Youth Exchange Programme
132. R.K. Mission, Ranchi (Bihar).	9,687/-	National Integration Camp
133. Gandhi Darshan Kendra, Madras.	58,725/-	Inter-State Youth Exchange Programme
134. Sri Aurobindo International Instt. of Educational Research, Auroville, (T.N.).	7,250/-	National Integration Camp
135. District Collector, Moradabad (U.P.).	1,01,250/-	—do—
Total	<u>1,81,23,457</u>	

LIST OF NATIONAL YOUTH AWARD WINNERS

1985

1. **Smt. Sarva Sridevi**,
Secunderabad.
(Andhra Pradesh).
2. **Shri Maruthachalam Rengan**,
District Palghat.
(Kerala).
3. **Smt. Sandhya Narinder Ingale**,
Nagpur.
(Maharashtra).
3. **Shri Nabin Kumar Naik**,
District Sundergarh.
(Orissa).
5. **Shri Jaswinder Singh**,
District Ropar.
(Punjab).
6. **Shri Elumalai Mani**,
Madras.
(Tamil Nadu).
7. **Shri Satyanath Pathak**,
District Sultanpur.
(Uttar Pradesh).
8. **Shri Pill Tuki**,
District Lower Subansiri.
(Arunachal Pradesh).
9. **Shri Amar Vivek**,
Chandigarh.
10. **Shri Roque A.R. Dias**,
Tiswadi Taluka.
Goa.

VOLUNTARY YOUTH ORGANISATION

**Nava Pratibha Arts,
Sports & Cultural Association**,
Najakkanal, Krishnapuram,
Quilon-690 533.
(Kerala).

1986-87

1. **Km. Anil Dogra**,
District Hamirpur.
(Himachal Pradesh).
2. **Shri M.C. Hiremath**,
District Dharwad.
(Karnataka).
3. **Shri Ashokrao Kondiram Mane**,
District Kolhapur.
(Maharashtra).
4. **Shri Suresh Shetty**,
Bombay.
(Maharashtra).

5. **Shri Walkhom Ibohal Singh**,
Thoubale.
(Manipur).
6. **Shri S.K. Bhullar**,
Amritsar.
(Punjab).
7. **Shri Bibhuti Ranjan Mishra**,
District 24 Parganas.
(West Bengal).
8. **Shri Bimal Kumar Roy**,
South Andaman.
(A&N Islands).
9. **Shri Muthukrishnan
Bakthavachalam**,
Manavali Ariyankuppam,
Pondicherry.

VOLUNTARY YOUTH ORGANISATION

Youth Volunteer's Union,
Indo-Burma Road.
Thoubal-795 138.
(Manipur).

1987-88

1. **Km. Shahzada Aziz**,
Srinagar,
(Jammu & Kashmir).
2. **Shri Manik Deori**,
District Karbi Anglong.
(Assam).
3. **Km. Mamata Dey**,
Agartala.
(Tripura).
4. **Shri P. Natrajan**,
Tiruchirapalli.
(Tamil Nadu).
5. **Shri K.V. Gopinathan**,
District Cannanore.
(Kerala).
6. **Mohd. Emdadul Haque**,
District Burdwan.
(West Bengal).
7. **Shri L.G. Harsarandas**,
Bombay.
(Maharashtra).
8. **Shri Kishan Lal**,
District Lahaul and Spiti.
(Himachal Pradesh).
9. **Shri Mani Shankar**,
Delhi.
10. **Km. Subha Laxmi Naik**,
District Kalahandi.
(Orissa).

11. **Shri Ram Naresh Rawat**,
District Barabanki.
(Uttar Pradesh).
12. **Shri A.D. Sakharam**,
District Ratanagiri,
(Maharashtra).
13. **Km. Manisha Jayantilal Saha**,
District Panchmahal.
(Gujarat).
14. **Shri Parimal Tarua**,
Havelock Island.
South Andaman.
(Andaman and Nicobar Islands).
15. **Shri Stan Thekaekara**,
Therapally.
District Nilgiris.
(Tamil Nadu).

VOLUNTARY YOUTH ORGANISATION Dharamanandan Yubak Sangha (Orissa).

At. Sikipani,
P.O. Dharuadihi,
District Sundergarh,
(Orissa).

1988-89

1. **Shri Nilesh Desai**,
District Shabua
(Madhya Pradesh).
2. **Mhd. Saleem**
Mhd. Usman Ansari,
Dhule.
(Maharashtra).
3. **Shri D. Marie A. Liguori**,
Pondicherry.
4. **Shri M.P. Kamat**,
Goa.
5. **Ms. Kamikaben Navnitlal Dave**,
District Panchmahal.
(Gujarat).
6. **Shri Prakash Vaidya**,
P.O. Kakkalli,
Sirsi.
(Karnataka).
7. **Ms. Indulekha**,
District Kottayam.
(Kerala).
8. **Shri Santosh Kumar Pradhan**,
East Sikkim.
(Sikkim).
9. **Shri R. Valusamy**,
District Coimbatore.
(Tamil Nadu).
10. **Shri Rajesh Kumar**,
New Delhi.

11. **Ms. Leela Devi**,
District Sirmour.
(Himachal Pradesh).
12. **Shri A.K. Singh Atardah**,
District Muzaffarpur.
(Bihar).

VOLUNTARY YOUTH ORGANISATION

Jan Shiksha Evam Vikas Sangathan,
District Dungarpur.
(Rajasthan.).

1989-90

1. **Shri D. Vishwanath**,
District Karnool.
(Andhra Pradesh).
2. **Shri Dasyhant Kumar V. Bhatt**,
Surendranagar,
(Gujarat).
3. **Shri Shankar B. Hireraddy Avaradi**,
Belgaum.
(Karnataka).
4. **Ms. Marykutty Joseph**,
Wynad.
(Kerala).
5. **Shri Bawge Madhav Vishwanath**,
District Latur.
(Maharashtra).
6. **Ms. L. Lakshmi Devi**,
Imphal.
(Manipur).
7. **Shri U. Karunanithi**,
Eda Melaiyur.
8. **Shri Satnam Singh Sekhon**,
Kapurthala.
(Punjab).
9. **Ms. Iti Das**,
P.O. Keonjgargarh.
District Keonijhar.
(Orissa).
10. **Shri Shreedeeo Verma**,
District Muzaffarpur.
(Bihar).
11. **Shri Devi Bhaskar Pandey**,
Meerut (UP).
12. **Shri Anil Kumar Gupta**,
District Sawai Madhopur.
(Rajasthan).
13. **Shri Vinod Kumar Panwar**,
Delhi.
14. **Ms. S. Uma**,
Kanyakumari District.
(Tamil Nadu).
15. **Shri Ricky Lamba**,
Bhopal (M.P.).

VOLUNTARY YOUTH ORGANISATION

Shri Alagihari Tarun Sangha,
District Darrang
(Assam).

1990-91

1. **Shri B. Laxman Naik,**
Faluknuma.
Hyderabad. (A.P.).
2. **Dr. Keshav Malhotra,**
Chandigarh.
3. **Shri Yogesh A. Joshi,**
Panchmahal.
(Gujarat).
4. **Shri Mallesh Gopal thougule,**
Belgaum.
(Karnataka).
5. **Shri Gopal Agrawal,**
Gondia.
(Maharashtra).
6. **Shri Lakhichand Jain,**
Aurangabad.
(Maharashtra).
7. **Shri Ashok Kumar Dash,**
Distt. Dhenkanal.
(Orissa).
8. **Shri Gurmail Singh Bajwa,**
District Kapurthala.
(Punjab).

9. **Shri D.P. Choudhary,**
Distt. Bharatpur.
(Rajasthan).
10. **Shri Lakshman Singh,**
Jaipur.
(Rajasthan).
11. **Shri R. Mariappan,**
Rajapalayam.
(Tamil Nadu).
12. **Shri G. Pramod Kumar,**
Thiruvananthapuram.
(Kerala).
13. **Km. V.P. Rohenshilly,**
Tanjore Distt.
(Tamil Nadu).
14. **Shri M.I. Nabibullah,**
Padukkottai.
(Tamil Nadu).
15. **Shri Samir Kumar Nag,**
District Nadia.
(West Bengal).

VOLUNTARY YOUTH ORGANISATIONS

- i) **Indian National Sikh Youth Forum,**
160. Jeewan Nagar.
Near Jeewan Nursing Home.
Ashram, New Delhi.
- ii) **Sevavrata, West Bengal,**
P.O. Saragachi Ashram.
District Murshidabad.
(West Bengal).

RECOMMENDATIONS AND CONCLUSIONS OF THE 4TH NATIONAL CONFERENCE OF MINISTERS OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS

S P O R T S

1. **Single Agency for promotion of Sports at State level**

Most State Governments have Department of Youth Affairs and Sports to look after various activities of promotion of sports and games. Some State Governments also have Sports Authority at State level. Some more are thinking of having such a body at their State level. It was felt that a single agency for promotion of sports at State level will help in promoting sports in the States/U.Ts. in a more coordinated manner. Such an agency will also help to generate non-government resources.

It was explained that the concept of setting up Regional Offices of SAI is to decentralise the facilities for expert coaching and to conduct the academic courses nearer to the homes of sportspersons as also to facilitate consideration of proposals of State Governments at regional level. This was appreciated by the State Governments.

2. **Scheme of Grants to State Sports Councils, etc.**

The State Governments expressed that Government of India's assistance for creation of sports infrastructure should be more liberal and States should be provided assistance to complete the long pending projects. It was also suggested that the development works should not be hindered because of these pending projects and the new approach of Government of India to release grants after spending State Government's/sponsor's share needs to be reviewed.

The importance of fully utilising the infrastructure created was stressed and the State Governments agreed to take measures to optimally utilize sports infrastructure already created.

Realising that the status of pending projects in the States needs to be tackled in a result-oriented manner, it was decided that requests for enhancement of central assistance for only those projects where the first instalment of assistance has been availed of, will be considered on a case to case basis, provided further investment is proposed on essential playing facilities only. The enhancement of central assistance will not be considered where full central assistance (i.e. both the instalments as approved earlier) has been released.

3. **Grants to Rural Schools**

The Scheme was appreciated and the State Governments requested that the terms and conditions laid down in the scheme should be liberalised and assistance should also be made available to such schools which are not able to spend Rs. 15,000/- per annum on maintenance of sports infrastructure. For this purpose, it was suggested that the amount of Rs. 15,000/- be brought down.

4. **Scheme of Synthetic Tracks and Artificial Surfaces**

The State Governments requested that the quantum of assistance for this purpose should be increased because the cost of laying of synthetic track/artificial surfaces has increased due to recent devaluation of rupee. A suggestion was also given that Central Government's assistance should be 75% of the cost for laying of the first of such surfaces so as to encourage the States to having at least one surface in their States.

5. **Industrial Growth Centres**

The facilities and opportunities available were noted by the States.

6. **Sports Hostels.**

The position was noted by the State Governments.

7. Sports Project Development Area Scheme

The Scheme was appreciated by the State Governments who insisted that more and more such Centres should be made operational in their respective States.

8. Broad-basing of Sports Tournament Calendar at State level

The States expressed lack of resources for conducting tournaments at State level and requested for increased Central assistance.

9. Prize Money Scheme

It was suggested to conduct these tournaments by ensuring participation of schools in rural areas. The rural schools have failed to participate in large numbers as they have no funds to finance transportation and stay of their teams. It was also suggested that schools achieving 2nd/3rd position in District level tournaments should also be given incentive on a lesser scale.

10. Rural Sports

Some State Governments expressed that NYKs may not be able to do justice with this additional liability of implementation of the Scheme because of lack of State Governments' control over NYKs. However, the consensus was to let Nehru Yuva Kendra handle this activity.

11. Other Miscellaneous Schemes

The State Governments noted the contents of other various Schemes being, operated by Department of Youth Affairs and Sports and Sports Authority of India.

12. Indigenous Games and Martial Arts

A suggestion was given that Central assistance should be available at 50:50 for construction of a Centre for Martial Arts in Kerala.

13. Special Area Games

The State Governments appreciated the Scheme and gave suggestions for setting up Special Area Games Centres promoting specified sports in their States.

14. Coaching Camps for Juniors and Women at State level

It was suggested that State Governments should launch their own training programmes at State level to take care of all the needs of coaching and training of junior sportspersons. The State Governments requested that SAI's support should continue to be given for such coaching and coaches should be provided by SAI.

15. Proposal to bring Sports on the Concurrent List of Constitution of India.

The Sports Ministers from UP, West Bengal, Tamil Nadu etc. expressed their opposition to such a move although some other States like Mizoram supported such a move.

16. Other Issues

- i) The Sports Policy should be reviewed so as to remove gap between the urban sports and rural sports. Sports in rural areas should be given more attention so as to bring it on par with sports in urban areas.
- ii) Jobs should be guaranteed to all sportspersons. Sportspersons having position of being the first hundred in every sports discipline should have such guarantee.
- iii) Adventure sports like Ice-skating, Ice-hockey, etc. should be encouraged.
- iv) Winter Sports should not only be a tourism subject. The Sports Department should also recognise skiing as a adventure sport and this should also be included among the recognised sports.
- v) Every Primary School Teacher should get sports and physical education reorientation.
- vi) Every State should adopt one or two sports disciplines for giving thrust in that State. Land should be reserved for playgrounds, etc.
- vii) Department of Youth Affairs and Sports/Sports Authority of India should concentrate on promotion of sports by creation of sports infrastructure, etc. Other

ways of promoting sports, preparation of teams and their participation in national and international sports events should be the responsibility of State Sports Associations and National Sports Federations. The National Sports Federations should raise their own resources also.

Y O U T H

1. NYK Sangathan

Many States expressed the view that there is lack of coordination between the Kendras of the Sangathan and the respective State Government which is the main reason for the sangathan. Some States were of the view that one reason for this lack of coordination is that the District Organising Committee, though headed by the District Magistrate, does not have representatives of various Departments of State Government. Some States opined that Nehru Yuva Kendras should be placed under the administrative control of the Director of Youth Services of the respective State Governments.

The consensus that emerged in the Conference was that taking into account the fact that NYKS is an autonomous organisation and hence cannot be placed directly under the State authorities, better coordination monitoring of the work of the Nehru Yuva Kendra and its linkages with various other programmes of the State Government can be achieved by suitable arrangement with State level coordination Committee headed by the Minister incharge of Youth Services and Sport. It has also been decided that the District level Organising Committee of NYK Programmes be broad based by providing specific representation from sports culture and folk arts. This will give the district level Committee more representation to represent interests of youth. Consensus was also arrived on the necessity to establish at least one Kendra in each District immediately and Nehru Yuva Kendra in some blocks also where the districts are large in size and population.

The Department of Youth Affairs and Sports has projected requirements of funds to cover all the districts. It has also recommended to the Planning Commission for establishment of Youth Development Centres catering for a cluster of 10 to 15 villages and Nehru Yuva Kendras at the District level. The Centre will conduct programmes for personality development of youth, leadership training, skill development, and prepare them for self-employment.

2. National Service Scheme

In order to strengthen the NSS programmes it is most important that funds are directly released to the colleges (units) through a mechanism to be worked out in consultation with the State Governments. State Governments will have to immediately look into the position regarding the unutilised Central funds lying with them because of non-release of funds for NSS programmes. A consensus was arrived at that NSS and NCC should be strengthened and expanded in all the colleges and universities to benefit the youth.

3. Training of Youth

The Youth Development Centres to be established in the rural areas will take up training programmes for awareness generation, upgradation of skills and training for self-employment and finally entrepreneurial development in selected youth. For this, active cooperation of the State Governments, voluntary organisations and Youth Clubs will be necessary. State Governments have been requested to take up with various banks and financial institutions in their respective areas, to ensure prompt release of soft-loans in favour of youth for starting their own small enterprise and self-employment programmes. Ministry of Finance will be requested to relax norms regarding sanction of loans for the youth self-employment projects.

A suggestion was also made that financial assistance should be given to Youth Clubs, as youngsters are attached themselves to youth clubs realisation of advances will be better.

4. Linkages

In order to achieve the objective for developing the personality of youth, bring awareness among them and also to prepare them for self-employment it is important that various agencies working in the field of youth should coordinate and act together. It was recommended that a State level monitoring Committee/Coordination Committees will be established. This may be called as Youth Development Council which would consist of officials/non-officials/youth leaders/representatives of voluntary organisations to establish linkages and monitor various activities for youth. An active partnership between State and Central Government is essential in exploiting the full potential of youth and provide a new thrust to all the programmes meant for the youth.

POSITION OF SPORTS INFRASTRUCTURE PROJECTS FOR WHICH
CENTRAL ASSISTANCE WAS RENDERED

Appendix-F

Sl. No.	Name of the State	Total No. of projects approved	Estimated amount of projects (Cost of the projects)	Appr'd. amount of the projects	Cases		Cases		Total Amt. released	No. of projects completed	No. of cases in 2nd instl. yet to be pending	(Amount in Rupees)
					in which first instalment was released	in which second instalment was released	in which first instalment was released	in which second instalment was released				
1	Andaman & Nicobar	1	21.00000	17.00000	1	0.50000	1	0.50000	17.00000	0	0	0.00000
2	Andhra Pradesh	31	998.77195	192.54500	31	90.42500	10	61.57500	151.90000	0	21	40.54500
3	Assam	193	813.83421	273.80499	193	67.00700	10	12.13500	292.53100	0	183	71.30399
4	Bihar	20	682.12062	64.76024	20	38.09000	3	10.50000	48.50000	1	17	16.17024
5	Chandigarh	16	443.27800	120.81600	16	39.90800	1	60.00000	99.90800	0	15	20.90800
6	Diu & Daman	1	61.13000	61.13000	1	30.34000	0	0.00000	30.34000	0	1	30.39000
7	Delhi	2	56.91000	16.00000	2	8.00000	2	8.00000	16.00000	0	0	0.00000
8	Dadra & Nagar Haveli	1	7.77000	2.50000	1	1.09575	0	0.00000	1.09575	0	1	1.40425
9	Gujarat	41	441.00456	139.63600	41	95.86300	19	18.85200	114.71500	5	22	24.91000
10	Haryana	10	813.45507	320.15750	19	41.97550	3	27.32005	315.20375	0	7	4.93575
11	Himachal Pradesh	41	295.76413	152.14217	41	62.38000	36	73.15808	135.54858	7	5	16.59359
12	Karnataka	102	842.94855	187.56550	102	92.44825	26	24.85000	117.34325	2	76	70.11325
13	Kerala	17	228.84534	84.38000	17	43.56000	2	1.75000	45.30000	0	15	39.08000
14	Madhya Pradesh	115	3326.32060	330.91048	115	170.31750	38	98.10101	208.41931	5	77	62.49117
15	Maharashtra	82	659.28719	181.29280	82	91.37650	59	70.88610	162.26280	17	23	19.00000
16	Mizoram	12	219.45095	149.71900	12	43.74000	4	61.18000	106.91400	0	8	42.80000
17	Nagaland	159	4548.47365	465.14238	159	219.53889	111	136.56175	366.10014	41	48	49.95760
18	Nagaland Pradesh	85	101.05346	49.72703	85	88.12020	24	11.55303	49.72703	1	61	165.48510
19	Nagaland Pradesh	67	1508.88064	422.99595	67	210.37085	9	44.10000	267.33510	0	56	155.48510
20	Nagaland Pradesh	39	1041.13573	342.66510	39	131.66510	32	193.67160	325.33510	3	7	105.30000
21	Nagaland Pradesh	20	820.25952	58.10000	20	27.47685	29	7.50000	34.97885	0	19	24.12151
22	Nagaland Pradesh	156	3393.30955	428.77550	156	170.25600	29	114.14650	244.60250	0	127	144.17100
23	Nagaland Pradesh	153	753.50906	380.32900	153	280.05450	23	19.50000	319.55450	0	130	63.97450
24	Nagaland Pradesh	1	0.82000	0.20000	1	0.10000	1	0.10000	0.20000	1	0	0.00000
25	Nagaland Pradesh	101	3065.52094	554.66850	101	278.80935	18	60.93940	333.74875	8	83	216.91975
26	Nagaland Pradesh	39	159.22624	71.94700	39	36.23000	36	22.89000	59.08700	34	3	12.86000
27	Nagaland Pradesh	291	1747.07065	372.04250	291	268.74250	191	59.40840	329.15565	117	100	4.93855
28	Nagaland Pradesh	5	114.45600	39.50000	5	5.00000	5	24.50000	29.50000	0	0	10.00000
29	Nagaland Pradesh	93	1403.26600	462.21470	93	216.33760	79	155.53210	401.86970	49	14	0.00000
30	Nagaland Pradesh	135	1846.50636	1256.05536	135	277.67907	83	894.98537	1172.61444	2	52	8.24112
31	West Bengal	135	1846.50636	1256.05536	135	277.67907	83	894.98537	1172.61444	2	52	8.24112
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)	(11)	(12)	

PROGRESS OF SYNTHETIC TRACKS AND ARTIFICIAL SURFACES

S. No.	Project	Amount sanctioned-	Present status
		(Rs. in lakhs)	
Synthetic Tracks			
1	Synthetic Athletic Track at Salt Lake Stadium, Calcutta.	70.00	Completed.
2.	Synthetic Athletic Track at University Stadium Trivandrum.	50.00	Completed.
3.	Synthetic Athletic Track at Agricultural University, Hissar.	40.00	Under progress.
4	Synthetic Athletic Track at Ludhiana.	50.00	Under progress.
5.	Synthetic Athletic Track at Priyadarshini Park, Bombay.	50.00	Completed.
6.	Synthetic Athletic Track at Sports College, Lucknow	50.00	Under progress
7.	Synthetic Athletic Track at Kalinga Stadium, Bhubaneswar.	50.00	Sanctioned recently
Total		360.00	

Artificial Hockey Surfaces

1.	Artificial Hockey Surface at Sports College, Lucknow.	44.00	Completed.
2.	Artificial Hockey Surface at Shivaji Stadium New Delhi.	40.00	Completed
3.	Artificial Hockey Surface at Railway Stadium, Gwalior.	47.49	Completed
4.	Artificial Hockey Surface at Guru Nanak Dev University, Amritsar.	35.00	Completed
5.	Artificial Hockey Surface at Bombay Hockey Association Ground, Bombay.	35.00	Completed
6.	Artificial Hockey Surface at Jalandhar.	42.00	Work in progress.
7.	Artificial Hockey Surface at Ranchi (Bihar).	40.00	Under progress.
8.	Artificial Hockey Surface at Pimpri Chinchwad Municipal Corporation, Pune.	45.00	Completed.
9.	Artificial Hockey Surface at Bhopal	45.00	In progress.
10.	Artificial Hockey Surface at Chandigarh.	45.00	Completed.
11.	Artificial Hockey Surface at Rourkela (Orissa).	50.00	In progress.
12.	Artificial Hockey Surface at Polo Ground, Srinagar (Kashmir).	45.00	In progress.
13.	Artificial Hockey Surface at Rampur (U.P.)	45.00	In progress.
14.	Artificial Hockey Surface at Varanasi (U.P.)	45.00	In progress.
15	Artificial Hockey Surface at Hyderabad. (A.P.)	50.00	Sanctioned recently.
		669.00	

NATIONAL SPORTS ORGANISATION (N.S.O.) PROGRAMME
Details of Scholarships awarded/renewed during last 3 years

Sl. No.	State/UT	1988-89		1989-90		1990-91		Total
		Fresh	Renewal	Fresh	Renewal	Fresh	Renewal	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
STATES								
1.	Andhra Pradesh	7	7	13	2	13	3	45
2.	Arunachal Pradesh	—	—	—	—	—	—	—
3.	Assam	2	—	—	1	—	—	3
4.	Bihar	3	—	1	1	—	1	6
5.	Goa	2	—	4	—	3	—	9
6.	Gujarat	7	—	5	2	3	—	17
7.	Haryana	13	7	16	1	22	7	66
8.	Himachal Pradesh	2	—	1	—	1	—	4
9.	Jammu & Kashmir	1	1	4	1	2	3	12
10.	Karnataka	16	—	11	1	14	2	44
11.	Kerala	48	18	43	16	66	22	213
12.	Madhya Pradesh	13	3	29	2	10	7	64
13.	Maharashtra	37	17	50	20	45	25	194
14.	Manipur	5	8	22	5	19	11	70
15.	Meghalaya	—	—	—	—	—	—	—
16.	Mizoram	—	—	—	—	—	—	—
17.	Nagaland	—	—	—	—	—	—	—
18.	Orissa	—	—	3	—	6	—	9
19.	Punjab	56	11	38	15	55	15	190
20.	Rajasthan	2	—	2	—	—	3	7
21.	Sikkim	—	—	—	—	—	—	—
22.	Tamil Nadu	16	2	17	1	10	12	58
23.	Tripura	—	—	—	—	—	—	—
24.	Uttar Pradesh	12	2	7	3	4	1	29
25.	West Bengal	12	12	11	2	3	3	43
UNION TERRITORIES								
1.	Chandigarh	11	4	—	—	—	—	15
2.	Delhi	35	5	23	7	24	6	100
Total		300	97	300	80	300	121	1198

DETAILS OF GRANTS GIVEN FOR SPORTS IN UNIVERSITIES/COLLEGES

(Amounts in Rupees)

Year	U.G.C.	A.I.U	N.S.N.I.S.	Others	Total
1989-90	42,00,000	38,00,000	13,84,400	# 2,41,280	96,25,680
1990-91	Nil	30,37,000	4,85,824	* 8,258	35,31,082
1991-92 (Till date)	40,00,000	29,92,452	—	* * 4,60,000	74,52,452
G. Total	82,00,000	98,29,452	18,70,224	7,09,538	2,06,09,214

To J.N.U

* To A.M.U

* * To Anna University (Rs. 3.75.000)

To SAI (Rs. 85,000).

Grant given directly by Department of Youth
Affairs and Sports.



LIST OF NATIONAL SPORTS FEDERATIONS RECOGNISED BY THE DEPARTMENT OF YOUTH AFFAIRS & SPORTS

Sl.No.	Sport	Name of the Federation
1.	Aero Sports	Aero Club of India.
2.	Archery	Archery Association of India.
3.	Athletics	Amateur Athletic Federation of India.
4.	Atya Patya	Atya Patya Federation of India.
5.	Badminton	Badminton Association of India.
6.	Ball Badminton	Ball Badminton Federation of India.
7.	Baseball	Amateur Baseball Federation of India.
8.	Basketball	Basketball Federation of India.
9.	Billiards & Snooker	Billiards & Snooker Federation of India.
10.	Body Building	Indian Body Building Federation.
11.	Boxing	Indian Amateur Boxing Federation.
12.	Bridge	Bridge Federtion of India.
13.	Carrom	All India Carrom Federation.
14.	Chess	All India Chess Federation.
15.	Cycle Polo	Cycle Polo Federation of India.
16.	Cricket	Board of Control for Cricket in India.
17.	Cricket (Women)	Women's Cricket Association of India.
18.	Cycling	Cycling Federation of India.
19.	Equestrian	Equestrian Federation of India.
20.	Football	All India Football Federation.
21.	Golf	Indian Golf Union.
22.	Gymnastics	Gymnastics Federation of India.
23.	Handball	Amateur Handball Federation of India.
24.	Hockey	Indian Hockey Federation.
25.	Hockey (Women)	Indian Women's Hockey Federation.
26.	Judo	Judo Federation of India.
27.	Kabaddi	Amateur Kabaddi Federation of India.
28.	Karate-Do	All India Karate-Do Federation.
29.	Kho-Kho	Kho-Kho Federation of India.
30.	Motor Sports	Federation of Motors Sports Club of India.
31.	Polo	Indian Polo Association.
32.	Powerlifting	Indian Powerlifting Federation.
33.	Rifle	National Rifle Association of India.
34.	Rowing	Rowing Federation of India.
35.	Shooting Ball	Shootingball Federation of India.
36.	Softball	Softball Association of India.
37.	Squash Racket	Squash Racket Federation of India.
38.	Sports Council of Deaf	All India Sports Council of Deaf.
39.	Swimming	Swimming Federation of India.
40.	Table Tennis	Table Tennis Federation of India.
41.	Taekwondo	Taekwondo Federation of India.
42.	Tennis	All India Tennis Association.
43.	Tenni Koit	Tenni-koit Federation of India.
44.	Throwball	Throwball Federation of India.
45.	Volleyball	Volleyball Federation of India.
46.	Weightlifting	Indian Weightlifting Federation.
47.	Wrestling	Wrestling Federation of India.
48.	Wrestling (I.S.)	Indian Style Wrestling Federation of India.
49.	Yatching	Yatching Association of India.
50.	Kayaking & Canoeing	Indian Kayaking & Canoeing Association.
51.	Roller Skating	Roller Skating Federation of India.

PROPOSALS OF NATIONAL SPORTS FEDERATIONS CLEARED AT GOVT. COST**ARCHERY**

1. Participation of 6-member team in 1st Junior World Archery Championship, 1991 held at Norway from July 22-28, 1991.
2. Visit of 5-member team to participate in 36th World Archery Championship held at Krakow, (Poland) from August 17-25, 1991.
3. Participation of 6-member team in the 7th Asian Cup held at Manila, Philippines from October 12-16, 1991.
4. Holding of 2nd Federation Cup International Archery Tournament, 1991 at Calcutta from December 10-15, 91.

ATHLETICS

5. Participation of 12 players and 2 officials in 1st Asian Cross country Championship held at Fukuoka (Japan) on March 10, 1991.
6. Visit of 23-member team to Kuala Lumpur from October, 19-23, 1991 for participation in 9th Asian Track and Field Championship, 1991.

BADMINTON

7. Participation of 9-member Badminton team in the 2nd Sudhiramen Cup and 7th World Open Badminton Championship held at Copenhagen (Denmark) from May 1-12, 1991.
8. Participation of 12-member Badminton team to Malaysia, Indonesia and Singapore in Asian circuit tournament from June 30-July 21, 1991.
9. Participation of 15-member team in the Thomas Cup/Uber Cup preliminary round in Hong Kong from February 16-23, 1992.

BASKETBALL

10. Participation of 17-member (men) Basketball team in the 16th Asian Basketball Confederation (ABC) Championship held at Kobe (Japan) from August 22 to September 1, 1991.

BOXING

11. Participation of a 14-member team in Asian Invitation Boxing Championship held in Bangkok from July 15-16, 1991.

CHESS

12. Participation of a 7-member team in the 7th World Chess Championship for Boys and Girls (under 10, 12 & 14) held at Warsaw (Poland) from July 1-14, 1991.
13. Participation of a 5-member team in the World Chess Championship for Boys and Girls (under 16 & 18) held at Guarapuava, Parana, (Brazil) from July 19-30, 1991.
14. Participation of a 14-member team in the 78th British Chess Championship & Llyods Bank Masters Tournament held at Eastbourne, (England) and London from July 29 to August 10, 1991.
15. Participation of a 3-member team in the 14th Asian Junior Chess Championship held at Dubai, (United Arab Emirates) from September 16 to October 3, 1991.

16. Participation of a 6-member team in the 9th Asian Team Chess Championship held at Fenang, (Malaysia) from October 23 to November 4, 1991.
17. Holding of Asian Women's Chess Championship at Bhopal from October 17 to November 1, 1991.

CRICKET (WOMEN)

18. Visit of a 16-member team to Australia from January 20 to February 13, 1991.

CYCLING

19. Visit of a 16-member team to USSR for training-cum-competition from July 22, 1991 for two weeks.
20. Participation of a 13-member team in 15th Asian Cycling Championship and 2nd Asian Junior Cycling Championship held at Beijing from September 16-26, 1991.

EQUESTRIAN

21. Participation of a 7-member team in various one day events held in Australia from July 21 to August 25, 1991.
22. Participation of a 4-member team in Show Jumping Competition held at Huhhot (Peoples Republic of China) from August 14-19, 1991.
23. Participation of a 4-member team in 8th Asian Show Jumping Competition held in Tokyo (Japan) from October 18-21, 1991.

FOOTBALL

24. Visit of a 24-member Junior team to Bangladesh to play friendly matches from September 19, 1991 for 10 days.
25. Visit of a 20-member Senior team to Tanzania to play friendly matches from December 5-15, 1991.

HOCKEY

26. Visit of a 18-member team to Spain, Germany and Holland from May 24 to June 3, 1991 to play matches.
27. Visit of a 20-member Junior team to Bangladesh to play charity matches in 1st week of August, 1991.
28. Visit of a 20-member team to Australia and New Zealand for participation in the pre-Olympic Qualifying Tournament from October 1-28, 1991.
29. Holding of VI Indira Gandhi Memorial International Gold Cup Hockey Tournament at Delhi from January 11-19, 1992.

JUDO

30. Visit of a 11-member Indian Judo (Men & Women) team to Japan from November 6-10, 1991 for participation in Asian Judo Championship.

KAYAKING

31. Participation of Indian team in the 4th Asian Canoeing Championship held in Japan from November 8-10, 1991.

POWERLIFTING

32. Participation of a 4-member team in World Junior Powerlifting Championship, 1991 held at Abidjan (Ivory Coast) from September 4-7, 1991.

ROWING

33. Participation of a 16-member team in IV Asian Rowing Championship held at Toda, (Japan) during October 17-20, 1991.

SHOOTING

34. Participation of a 13-member team in 7th Asian Shooting Championship held at Beijing from September 15-23, 1991.

SPECIAL OLYMPICS

35. Participation of a team of mentally-retarded persons in the International Summer Special Olympic Games held at Minneapolis, (USA) from July 18-27, 1991.

TABLE-TENNIS

36. Participation of a 13-member team in the 10th Commonwealth Table Tennis Championship held at Nairobi, (Kenya) from April 14-21, 1991 and in the 41st World Table Tennis Championship held in Chiba City, (Japan) from April 24 to May 6, 1991.
37. Participation of a 7-member team in the 25th Olympic Summer Games Table Tennis Asian Qualifying Tournament held in Nigata City, (Japan) from February 27 to March 1, 1992.

WEIGHTLIFTING

38. Participation of a 5-member team in the 10th Silver Dragon International Tournament held in Cardiff/Wales from August 23-25, 1991.
39. Visit of 8 women weightlifters to Menads, (Indonesia) from August 24-30, 1991.
40. Visit of a 13-member team to USSR for participation in an international competition held from August 20-27, 1991.
41. Participation of a 5-member team in the 5th World (Women) and 64th World (Men) Weightlifting Championships held in Germany from September 27 to October 6, 1991.

WRESTLING

42. Participation of a 10-member team in Senior Greco-Roman Style Asian Wrestling Championship held at Tehran (Iran) from May 16-18, 1991.
43. Participation of a 16-member Free Style Wrestling team plus 3 International Referee/Judges in the World Cadet Wrestling Championship held at Alma (Canada) from June 13 to July 7, 1991.
44. Participation of a 16-member team in the Commonwealth Wrestling Championship held at Dusidin (New Zealand) from October 18-19, 1991.
45. Participation of a 7-member Indian Greco-Roman Junior team in International Junior Tournament held in Alma-Ata (USSR) from October 19-22, 1991.
46. Participation of a 15-member Free Style and Greco-Roman Style team in the XI International CAT "A" Wrestling Tournament held in Tehran from February 4-7, 1992.

YACHTING

47. Participation of a 6-member team in International Cadet Class 25th World Championship held in Buenos Aires, (Argentina) from December 13-31, 1991.

**PROPOSALS OF NATIONAL SPORTS FEDERATIONS CLEARED ON
"NO COST TO GOVT." BASIS****AERONCLUS**

1. Visit of President, ACI for attending the International Council Meeting of FIA on February 14-15, 1991.
2. Visit of President ACI to Paris for attending the International Council meeting of FAI on June 13-14, 1991.
3. Visit of Ms. Rachel Thomas to USSR for Parachuting practice for a period of 24 days.
4. Participation of Indian team in the World Cup of Parachuting Championships held at Jakarta from August 30 to September 8, 1991.
5. Visit of President ACI and Vice Chairman, ACI to Berlin for attending the 84th General Conference of FAI from September 29 to October 5, 1991.

ATHLETICS

6. Participation of 10-member Indian team in 53rd Singapore Open Track and Field Meet held at Singapore on August 3-4, 1991.
7. Holding of 5th IAAF Permit Meet in New Delhi on September 4, 1991.
8. Participation Visit of 7-member team in the 3rd IAAF World Athletic Meet held at Tokyo from August 24 to September 1, 1991.
9. Visit of 5-member team to Malaysia for participation in the 69th Open National Championship from September 11-13, 1991.
10. Holding of Pune International, 8th National Walk and Marathon Championships at Pune, on December 15, 1991.
11. Visit of 8-member team from Pakistan for participation in the Inter-Railway athletic meet at Madras from February 21-23, 1991.

BALLOONING

12. Participation of Indian team in the 10th World Hot Air Balloon Championship from August 10-18, 1991 in Canada.
13. Holding of 7th India International Ballooning Mela from October 24-31, 1991 at New Delhi, Damdama Lake (Haryana) and Mathura (U.P.).

BASKETBALL

14. Visit of 15-member Indian Railway basketball team to Bucharest, (Romania) for participation in the competition organised by International Railway Sports Unit (USIC) from July 15-21, 1991.

BOXING

15. Visit of 26-member Cuban boxing team to India for training at SAI's Centre, Bangalore from October 18 to November 10, 1991.

BRIDGE

16. Visit of Ladies team to Japan for participation in the World Bridge Championship at Yokahama, (Japan) from September 29 to October 11, 1991.
17. Holding of 6th Asian and Middle East Bridge Championship at New Delhi during July 7-16, 1991.

CARROM

18. Participation of 3-member Junior team in the International Triangular Youth Carrom Tournament held at the Male from February 4-7, 1991.

CHES

19. Holding of 11nd Goodricke International Open Chess Tournament at Calcutta from January 5-15, 1991.
20. Holding of World Chess Championship Candidates Match between V. Anand and Alexi Dreev of USSR from January 23 to February 2, 1991.
21. Holding of Alekhne Super Grandmaster Double Round Chess Tournament from January 21 to February 1, 1991 at Calcutta.
22. Participation of 3-member team in the International Chess Tournament held at Turkmen (USSR) from May 3-13, 1991.
23. Proposal for engaging a Second for Shri V. Anand in connection with his preparation for the World Quarter Final Match against Shri A. Karpov held during August, 1991 at Brussels.

CRICKET

24. Visit of Star Cricket Club, Bombay to U.K. to play friendly matches against Westminster School, London from June 4 to July 14, 1991.
25. Proposal of visit of President and Hony. Secretary, BCCI to London to attend the meeting of ICC held from July 8-11, 1991.
26. Visit of 12 players and one official from Pakistan to play benefit match at Hyderabad (India) on September 30, 1991.
27. Visit of 15-member team from Pakistan to India to play matches at New Delhi during October 1991.
28. Visit of 18-member team to Sharjah for participation in the Sharjah Championship held from October 17-25, 1991.
29. Visit of 19-member team to Australia from November 10, 1991 to February 18, 1992 to play test series.
30. Visit of South Africa Cricket team to India to play 3 one-day Internationals at Calcutta, New Delhi and Gwalior from November 9-15, 1991.
31. Visit of 19-member team to Australia and New Zealand for participation in the World Cup during February-March, 1992.

EQUESTRIAN

32. Visit of President, EFI to Japan to attend Annual General Assembly Meeting of Federation Equestrian International at Tokyo from March 20-23, 1991.
33. Participation of a 5-member team in Tent Pegging Demonstration in Gladstone, New Jersey, (USA) from October 7-14, 1991.
34. Holding of International Samsung Competition at Jaipur from October 12-13, 1991.
35. Holding of International Show Jumping Competition at Jaipur from October 12-13, 1991.
36. Holding of Continental Cup and visit of a team from Australia (one-day-event) at Bhopal from February 27 to March 1, 1992.

FOOTBALL

37. Holding of pre-Olympic (Group B) Qualifying Round Tournament at Hyderabad from August 4-12, 1991.
38. Visit of 25-member Indian Pre-Olympic Football team to Nepal for participation in friendly matches with Nepal from July 18-22, 1991.

39. Visit of 26-member team to Doha, (Qatar) for participation in friendly football matches from November 12-25, 1991.
40. Visit of East Bengal Club team to Bangladesh from November 1-3, 1991 and return visit of Bangladesh to India on November 10, 1991 in Calcutta for participation in friendly football matches.
41. Holding of DCM Football Tournament at Delhi from November 17 to December 2, 1991.
42. Holding of Cannanore Spirited Youths Golden Jubilee All India Football Tournament at Cannanore, (Kerala) from December 15-24, 1991.
43. Visit of USSR Railway football team to India to play with Indian Railways team at Madras from March 28-29, 1991.
44. Participation of Indian team in the World Tourism Day Invitation International Football Tournament held at Nepal from September 17-27, 1991.

GOLF

45. Participation of Indian Railway Golf team in the All Palustan Golf Team Championship and Palustan Railway Challenge Shield, 1991 held at Palustan Railway Golf Club, Lahore during November, 1991.
46. Holding of Indian Open Golf Championship at Delhi from March 21-24, 1991 as part of the Asian Golf Circuit.
47. Visit of a delegate to Kuala Lumpur for attending the meeting of the Asia Pacific Golf Confederation Circuit from February 24-27, 1991.
48. Holding of 13th Asia Pacific Junior Golf Championship from April 25-28, 1991 at Delhi Golf Club, New Delhi.
49. Visit of 2 junior golfers and 1 official to Chinese Taipei for participation in Doug Sandar Jr. International Asian Division Play Off held at Tamsui, (Chinese Taipei) from March 29 to April 2, 1991.
50. Visit of 4-member Indian Ladies Golf team to Seoul for participation in the 13th Amateur Ladies Asian Invitation Golf Team Championship for the Queen Sirikit Cup from May 16-18, 1991.
51. Visit of 3-member school team and 1 official to participate in the Annual Golf Foundation Team Championship for Schools International Finals held at Sunningdale, (England) from May 6-15, 1991.
52. Visit of 2-member team to Panang, (Malaysia) for participation in the Malaysian Amateur Golf Championship and international team match from May 9-12, 1991.
53. Visit of 2-member team to USA for participation in the 24th Annual Optimist Junior World Golf Championship held at San Diego, (California) from July 16-19, 1991.
54. Visit of 4-member team and one official to Singapore for participation in the Singapore Amateur Golf Championship and International match held from August 15-18, 1991.
55. Visit of 2-member IGU team to Kuala Lumpur for participation in the 10th Malaysian Junior Golf Team Championship held from August 20-21, 1991.
56. Participation of junior golf team in the 10th International Tapelina Golf Trophy for Boys (under 14 years) from September 5-6, 1991 in Italy.
57. Visit of 5-member team to Manila for participation in the Asia Pacific Amateur Golf Championship for Nomura Cup and visit of one delegate to attend the Biennial Meeting of APGC from November 15-24, 1991.

HANDBALL

58. Holding of Commonwealth Junior Handball Championship for Boys and Girls in New Delhi from August 6-13, 1991.

HOCKEY

59. Participation of 24-member Namdhari hockey team in the Gold cup Hockey Tournament held at Nairobi from March 23-31, 1991.
60. Visit of Italian hockey team to India from September 3-8, 1991.
61. Participation of a 20-member team in the 5-Nation Sultan Azlam Shah Cup Tournament held at Ipoh (Malaysia) from July 20 to August 3, 1991.
62. Visit of 20-member Kenya hockey team to India from August 12-24, 1991.
63. Visit of an Indian umpire for supervising the Olympic Qualifying Tournament at Auckland from October 13-28, 1991.
64. Holding of 8th All India Surjit Singh Memorial Hockey Tournament at Jalandhar from November 6-15, 1991.
65. Holding of Jawaharlal Nehru Hockey Tournament at New Delhi from November 14-28, 1991.
66. Holding of 4th Indira Gandhi International Gold Cup Women Hockey Tournament 1991 at Chandigarh from November 14-19, 1991.

BODY-BUILDING

67. Visit of Indian body-building (Men) team to South Korea for participating in the 27th Asian Body-Building Championship from September 12-16, 1991.

JUDO

68. Visit of the President and General Secretary of Judo Federation of India to Japan for attending the meeting of Judo Union of Asia.

KORFBALL

69. Holding of 2nd Asian Oceania Korfball Championship in New Delhi from January 23-25, 1992.
70. Visit of 15-member team in the World Korfball Championship held in Belgium from 1-7 April, 1991 and also for training from March 23-31, 1991.
71. Visit of President, Korfball Federation of India to Belgium for attending the Congress and Annual General Meeting of International Korfball Federation from April 2-5, 1991.

POLO

72. Holding of the International Polo Tournament by Government of Manipur as part of Centenary Celebrations of Manipur's War for Independence, from March 26 to April 2, 1991 at Imphal.
73. Participation of Indian Polo team in World Polo Championship (Zone 'E') in Malaysia from June 27 to July 14, 1991.

POWERLIFTING

74. Participation of a 25-member team in Oceania vs. Asia Powerlifting Championship, 1991 held at Auckland, (New Zealand) from March 29-31, 1991.
75. Holding of the World Women Powerlifting Championship at New Delhi from July 23-26, 1991.
76. Participation of a 11-member team in the World Senior Powerlifting Championships, 1990-91 held in Sweden from November 13-17, 1991.

SHOOTING

77. Visit of two officials of National Rifle Association of India to Peoples Republic of China for participation in the 7th Asian Shooting championships held at Beijing from September 15-23, 1991.

SNOOKER

78. Visit of a 3-member team to Pakistan for participation in the 8th Asian Snooker Championship, 1991 held at Karachi from June 26 to July 5, 1991.
79. Holding of 1991 World under-21 Snooker Championship at Bangalore from July 7-20, 1991.
80. Hosting of World Open Billiards Championship, 1991 from July 25-30, 1991 at New Delhi.
81. Holding of Gold Flake International Snooker Master, 1991 Championship at Bangalore from August 14-20, 1991.
82. Visit of a 3-member Snooker team to Bangkok (Thailand) for participation in the World Snooker Championship, 1991 from October 25 to November 10, 1991.
83. Holding of World Professional Snooker Senior Championship at New Delhi from September 4-7, 1991.

SOFTBALL

84. Participation of a 23-member team in the 5th Asian Women Softball Championship held at Jakarta from August 3-9, 1991.

TABLE TENNIS

85. Participation of a 12-member Indian team in the 11th PyongYong International Tournament held in DPR Korea from August 3-11, 1991.
86. Participation of a 7-member team in the 1st International Junior Table Tennis Tournament held in Tehran from August 10-14, 1991.
87. Visit of a 4-member team to Philippines for participation in the 9th Asian Cup Table Tennis Tournament from September 26-28, 1991.

TAEKWONDO

88. Holding of high level Taekwondo (Korean Martial Art) Demonstration by Korean experts, headed by Secretary General of the Asian Taekwondo Union, at FICCI (Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry) Auditorium, New Delhi on August 16, 1991.

TENNIS

89. Proposal to hold Davis Cup (First Round) matches between India and Indonesia at Jaipur from March 29-31, 1991.
90. Holding of Standard Chartered Indian Open Tennis Tournament at Bombay from April 8-14, 91.
91. Holding of Davis Cup Tie by NEC (2nd Round) between India and South Korea at Delhi from May 3-5, 1991.
92. Holding of NEC World Youth Cup Tournament (Qualifying Round) at Bombay from May 6-15, 1991.
93. Visit of 8-member team to Barcelona, (Spain) for participation in the World Youth Cup by NEC (Final) 1991 from September 11-15, 1991.
94. Holding of ITF Coaching Workshop at Bombay from September 3-15, 1991.
95. Holding of tennis coaching camps at Chandigarh, Calcutta, Cochin, Pune and New Delhi from Sept. 30-Oct. 20, 1991.
96. Visit of 7-member team to Brazil from September 20-22, 1991 for participation in Davis Cup tie between India and Brazil at Sao Paulo.

VOLLEYBALL

97. Participation of Secretary General, Volleyball Federation of India (VFI) in the AVC Rules Games Committee meeting in Shanghai on March 14, 1991.
98. Participation of Shri B.S. Adityan, Member of the Board of Administration of Federation Internationale De-Volléyball and Shri K. Murugan, Chairman Rules Games Committee of Asian Volleyball Confederation, in the meeting of Executive Committee and Board of Administration in Lausanna (Switzerland) from April 18-24, 1991.
99. Participation of two Indian delegates in the 11th AVC Board of Administration meeting held at Dubai from April 26-27, 1991.
100. Visit of a 17-member Bangladesh Volleyball (Men) team to India from May 8-15, 1991 for participation in the test matches.
101. Participation of Secretary General, VFI in the 6th Asian (Women) Volleyball Championship held at Bangkok from September 12-22, 1991 to act as a member of the General Committee for the Championship.
102. Invitation to 16-member Bangladesh Volleyball (Men) team to play matches in India during July 25-Aug. 5, 1991.
103. Participation of 17-member Indian Women's Volleyball team in the VI Asian Senior Women Volleyball Championship held at Bangkok (Thailand) during September 14-29, 1991.
104. Visit of Shri B.S. Adityan & Shri K. Murugan to Bangkok for attending 9th AVC General Assembly Meeting held on September 11, 1991.

WRESTLING

105. Hosting of Senior Asian Wrestling (Free Style) Championship at New Delhi from April 17-19, 1991.
106. Participation of 3-International Referee/Judges in a Wrestling clinic held in Canada on July 1, 1991 during World Cadet Wrestling Championship.

YACHTING

107. Holding of Asia-Pacific Laser Regatta Championships at Hussain Sagar Lake, Hyderabad from Aug. 29-Sept. 8, 1991.

**LIST OF SPORTSPERSONS GIVEN SPECIAL AWARDS ON
JANUARY 12, 1992 FOR WINNING MEDALS IN
INTERNATIONAL SPORTS EVENTS**

Sl. No.	Name	Name of Event	Medal	Total Amount of Award (Rs).
1	2	3	4	5
ATHLETICS				
1.	Ms. Ashwani Nachappa	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	Gold Medal (400 M)	50,000
2.	Ms. K. Saramma	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	i) Gold Medal (400 M) ii) Bronze Medal (400 M)	1,00,000
3.	Ms. Shiny Wilson	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	i) Gold Medal (400 M) ii) Gold Medal (400 M) iii) Silver Medal (800 M)	2,25,000
4.	Ms. V. Dhanlakshmi	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	Gold Medal (400 M)	50,000
5.	Ms. L. Leelama	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	Silver Medal (10,000 M)	75,000
6.	Ms. Molly Chacko	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	Silver Medal (3000 M)	75,000
7.	S.Shri Shakti Singh	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	Silver Medal (Discuss Throw)	75,000
8.	Sucha Singh	IX Asian Track & Field Meet, Oct.-91	Bronze Medal (20 km. Walk)	50,000
BILLIARDS & SNOOKER				
9.	Yasin Merchant	8th Asian Snooker Championship-91	Silver Medal	75,000
EQUESTRIAN				
10.	Adhiraj Singh	Asian Show Jumping Championship, Oct.-91	i) (Silver Medal) (Individual event) ii) Silver Medal (Team event)	1,25,000
11.	J.S. Ahluwalia	Asian Show Jumping Championship, Oct.-91	Silver Medal (Team event)	50,000

Sl. No.	Name	Name of Event	Medal	Total Amount of Award (Rs).
1	2	3	4	5
12.	Comdt. Naresh Tahlen	Asian Show Jumping Championship, Oct.-91	Silver Medal (Team event)	50,000

HOCKEY

13.	S/Shri Pargat Singh (Captain)	3rd Asian Cup, Delhi-Dec 89	Silver Medal (Team Event)	18,750
14.	Ajit Lakra	— Do —	Silver Medal (Team Event)	18,750
15.	Ashish Balal	— Do —	— Do —	18,750
16.	Ashok Kumar	— Do —	— Do —	18,750
17.	Balwinder Singh	— Do —	— Do —	18,750
18.	B.K. Subramani	— Do —	— Do —	18,750
19.	Dhanraj Pillai	— Do —	— Do —	18,750
20.	Edgar Mascarenhas	— Do —	— Do —	18,750
21.	Jagbir Singh	— Do —	— Do —	18,750
22.	Jagdev Singh	— Do —	— Do —	18,750
23.	Judo Felix	— Do —	— Do —	18,750
24.	Mark Patterson	— Do —	— Do —	18,750
25.	R.P. Singh	— Do —	— Do —	18,750
26.	Surjit Singh	— Do —	— Do —	18,750
27.	Thoiba Singh	— Do —	— Do —	18,750
28.	Vivek Singh	— Do —	— Do —	18,750

SHOOTING

29.	Shri Ashok Pandit	Asian Shooting Championship-1991	i) Central Fire Pistol Bronze Medal ii) (Standard Pistol) Bronze Medal	1,00,000
-----	-------------------	----------------------------------	---	----------

TABLE TENNIS

30.	Ms. B. Bhubaneshwari	X Commonwealth Table Tennis Championship- 91	Silver Medal (Women's Double)	56,250
31.	Shri Kamlesh Mehta	— Do —	i) Silver Medal (Men's Single) ii) Bronze Medal (Mixed Double)	1,12,500
32.	Ms. Mantu Ghosh	—Do—	i) Silver Medal (Women's Double) ii) Bronze Medal (Mixed Double)	93,750
33.	Shri Arun Jyoti Barua	—Do—	Bronze Medal (Men's Double)	37,500
34.	Shri Chetan P. Babber	—Do—	Bronze Medal (Mixed Double)	37,500

Sl. No.	Name	Name of Event	Medal	Total Amount of Award (Rs).
1	2	3	4	5
WEIGHTLIFTING				
35.	Ms. Chaya Adak	Women's Asian Weightlifting Championship-91	Silver Medal (52 kg)	75,000
36.	Ms. M. Kunjarani	—Do—	Silver Medal (44 kg)	75,000
WRESTLING				
37.	Shri Appalal Sheikh	Commonwealth Wrestling Championship-91	Gold Medal	1,00,000
38.	Shri Ombir Singh	i) —Do— ii) 7th Asian Free Style Wrestling Championship-91	Gold Medal Silver Medal	1,75,000
39.	Shri Sanjay Kumar	Commonwealth Wrestling Championship-91	Gold Medal	1,00,000
40.	Shri Ashok Kumar	—Do—	Silver Medal	75,000
41.	Shri Jagdish	7th Asian Free Style Wrestling Championship-91	Silver Medal	75,000
42.	Shri Anil Kumar	Commonwealth Wrestling Championship-91	Bronze Medal	50,000
43.	Shri Dharamvir Singh	—Do—	Bronze Medal	50,000
44.	Shri Satyawar	—Do—	Bronze Medal	50,000
45.	Shri Shamsher Singh	—Do—	Bronze Medal	50,000
46.	Shri Subhash Verma	i) Commonwealth Wrestling Championship-91 ii) 7th Asian Free Style Wrestling Championship-91	Bronze Medal Bronze Medal	1,00,000
YACHTING				
47.	Lt. T. Tarapore	World Enterprise Championship-91	Gold Medal	3,75,000
48.	Lt. K.S. Rao	World Enterprise Championship-91	Gold Medal	3,75,000
CHESS				
49.	Shri D. Barua	International Grand master-91		2,00,000
			Total	36,62,500

Appendix-M

(Para 3.11.3)

LIST OF RECIPIENTS OF THE ARJUNA AWARD, 1989 (Given on 10th October, 1991)

Sl. No.	Sports	Name of Awardee
1.	Archery	Shri Shyam Lal
2.	Athletics	Smt. Mercy Kuttan
3.	Billiards & Snooker	Shri Yasin Merchant
4.	Boxing	Shri Gopal Dewang
5.	Cricket	Shri Madan Lal
6.	Football	Shri Subrato Bhattacharjee
7.	Gymnastics	Km. Krupali Patel
8.	Hockey	Shri Pargat Singh
9.	Table Tennis	Smt. Niyati Shah
10.	Volleyball	Shri Abdul Basith
11.	Weightlifting	Km. Jyotsna Dutta
12.	Wrestling	Shri Satyawar

Appendix-N

(Para 3.12.2)

PARTICIPATION AND PERFORMANCE OF INDIA IN 5th SAF GAMES (Colombo, December, 1991)

Sl. No.	Discipline	Strength of the Contingent			Medals won		
		Sports-persons	Officials	Total	Gold	Silver	Bronze
1.	Athletics	49	7	56	10	17	10
2.	Basketball	12	1	13	1	0	0
3.	Boxing	12	4	16	1	5	5
4.	Football	18	2	20	0	0	0
5.	Shooting	20	3	23	8	6	5
6.	Swimming	21	3	24	16	13	9
7.	Table Tennis	9	2	11	6	6	5
8.	Tennis	12	1	13	3	2	4
9.	Volleyball	24	4	28	1	1	0
10.	Weightlifting	10	3	13	18	9	3
11.	IOA	—	6	6	—	—	—
TOTAL		187	36	233	64	59	41

ACHIEVEMENTS OF SAI's NSTC TRAINEES DURING APRIL-DEC., 1991

Discipline	Name of Trainee	School	Championship	Achievement
ATHLETICS	Ashwani	Sanjeevan Vidyalaya, Panchgani	Jr. State level Athletic Meet, Jalgaon (6-9 Oct. '91)	II-100 m
	Swati	—do—	—do—	I-100 m
	Leena Chavan	—do—	—do—	I-600 m
	Hemlata	Sri Sarda Vidyalaya	Jr. State Meet, Krishnagiri (TN) (Oct. 13, '91)	I-800 m II-400 m
	Manoj		Jr. State Meet, Jabalpur (10 Oct. 1991)	I-600 m & 600 m
				I-600 m
			West Zone Jr. Meet, Ajmer	II-100 m
	Subhas Patil	Pravara Public School, Parvananagar	3rd inter zonal Junior Athletic Meet, New Delhi (Oct. 31-Nov. 1, 1991)	III-100 m Hurdle
	Manoj	ILN Schoo. BHEL Bhopal	—do—	II-600 m III-Long jump
	Leena	Sanjeevan Vidyalaya	—do—	III-600 m
	Swati	Panchgani	—do—	I-100 m
	Harbhushan Singh	Taluqdar College, Lucknow	—do—	I-Long jump
	Bina Mala	GV Raja School	—do—	III-800 m
	Longa Marandi	BS High School, Sundergarh	—do—	I-High jump
BADMINTON	Suvir Sharma	Army Public School, New Delhi	12th Mini School Games Trivandrum (April 17-20 '91)	Gold medal
	Praveen Kumar	—do—	—do—	Gold medal
	Vishal Sharma	Shivalik Public School, Chandigarh	—do—	Bronze medal
FOOTBALL	Khangi Pau	—do—	—do—	—do—
	Gurminder Singh	—do—	—do—	—do—
	Silvani Reverdo	St. Anthony's High School, Goa	Asian School Football Championship, Kaula Lumpur (Malaysia) (June 10-20 '91)	Represented the country
	Teams	St. Ignatius High School, Gumla	Football Tournament, New Delhi (Sept. 25-27 '91)	Won the Tournament
		Bidhan Nagar High School, Calcutta	—do—	
		Tashi Namgyal Academy, Gangtok	—do—	
	Teams	St. Ignatius High School, Gumla	Subroto Mukherjee Cup, Football Tournament, New Delhi (Oct. 2-15 '91)	
		Tashi Namgyal Academy, Gangtok	—do—	
		St. Anthony's High School, Goa	—do—	
		Bidhan Nagar High School, Calcutta	—do—	Runners up
	Bhaichung Bhutia	Tashi Namgyal Academy	—do—	Best Player of the Tournament. 7 NSTC footballers were also selected for Subroto Mukherjee Scholarship

GYMNASTICS	Anil Kumar	MLN School of Sports, Rai	12th Mini School Games, Trivandrum (17-20 April '1991)	Gold-Roman Ring, Vaulting Horse & Horizontal bar
	Sagar Kulkarni	Sanjeevan Vidyalaya, Panchgani	—do—	Bronze-Floor exer. Bronze-Roman Ring & Parellel Bar
	Nilak Kailas	Pravara Public School, Pravaranagar	—do—	SILVER-Vaulting Horse Silver-Rommel Horse
	SB Seeta Laxmi	Sarda Girls Mr. Sec. School, Salem (TN)	—do—	Bronze Parellel Bar Bronze-Vaulting Horse & Balancing beam
	Tapan Das	Umakant Academy School, Agartala	5th Sub-Jr. National Gynmastics championship, Cuttack (Aug. 30-Sept. 2, '91)	Gold-Roman Ring Silver-Vaulting Horse
	N. Kailas	Pravara Public School	—do—	Gold-Vaulting Horse
	Sagar Kulkarni	Sanjeevan Vidyalaya	—do—	Bronze-Vaulting Horse
	Kavari Saha	MLN School of Sports, Rai	Federation Cup, Cuttack (Sept. 5-6 '91)	Silver-Vaulting Horse
	Chander Dev Singh	—do—	—do—	Participation
	Sumana Das	—do—	—do—	Participation —do—
HOCKEY	Teams	BS High School Sundergarh	All India Mohan Singh Hockey Tournament, New Delhi (Sept. 21-29, '91)	Runner up
		CRZ Sr. Sec. School, Sonapat		—
		Udai Pratap Inter College, Varanasi		Won the Tournament
		Govt. HS School, Tanda Urmar (Pb)		—
	Teams	Bhonsale Military School Nasik	Sub-Jr. Jawaharlal Nehru Tournament, New Delhi (22 Oct.-2 Nov. '91)	Participation
		Shivalik Public School, Chandigarh		—do—
		Victoria Boys High School, Kurseong		—do—
		St. Ignatius High School, Gumla	—do—	—do—
		St. Joseph's India High School, Bangalore	—do—	—do—
		MLN School of Sports, Rai	—do—	—do—
		CRZ High School, Sonapat	—do—	—do—
		St. Anthony's High School, Goa	—do—	Won the tournament
	Teams	Bhonsale Military School, Nasik	Junior Nehru Hockey Tournament, New Delhi (Nov. 2-14, '91)	Participation
		Shivalik Public School, Chandigarh		—do—
		St. Ignatius High School, Gumla		—do—
		CRZ High School, Sonapat	—do—	3rd Place
		SGN Khalsa Sr. Sec. School,	—do—	Participation

Udai Pratap Inter College, Varanasi			—do—	Won the tournament
SWIMMING	N. Sushima Singh	Sanjeevan, Vidyalaya, Panchgani	8th Sub-Jr. National Aquatic Championship Panaji-Goa. (10-14 July '91)	Gold-50 m Breast St. & created new national record of the event.
	Bhanu Sachdeva	Army Public School, New Delhi	Asian Pacific Age Group Invitation Swimming Meet, Singapore (Sept' 91)	Silver medal
			Sr. National Aquatic Championship, Trichur (Nov. 12-17, '91)	Gold-200 m Back St. Bronze-100 m
SWIMMING			SAF Games, Colombo (Dec. 23-31, 1991)	Gold-200 m back stroke (New meet record)
	Bhanu Sachdeva	Army Public School, New Delhi	37th National Games Aquatic Championship, Panaji (Goa) (9-14 Nov. '91)	Silver-100 metre back stroke Silver-400 m Ind. Medlay & 100 m Back St.
	Ajit Bedi	—do—	—do—	Gold-200 m Back St. Bronze-100 m Back St.
	Tapan Das	Taldi Mohan Chand High School	—do—	Gold-100 m Butter fly.
	Tapan Halder	—do—	—do—	Gold-400 m F-style
	Km. Swagata Base	—do—	—do—	Bronze-800 m
				Silver-200 m & 100 m Breast St.
	Km. Nanda	—do—	—do—	Bronze-200 m Ind. medlay & 50 m F/style
	Km. VS Saini	Modal Girls School, Trichur	—do—	Bronze-100 m Breast St. Silver-200 m Breast St.
	Km. Usha	—do—	—do—	Bronze-100 m Butter fly
	Km. Geeta Arya	Air Force Bal Bharati School, New Delhi	—do—	Bronze-200 m Butter fly & 400 m Ind. Medlay
	Amit Singh	Colvin Taluqdar College, Lucknow	—do—	Bronze-High Board Diving
	Ms. Shababi Bano	MKP Inter College, Dehradun	10th Electra Gold Cup Prize Money Table Tennis Tournament Meerut (July, 1991)	I-Sub-Jr. Singles
	Leena Bhola	Mother's International, New Delhi	—do—	II-Jr. Singles
			SN Jauhar Faquir Memorial Table Tennis Tournament, New Delhi (15-20 April, 1991)	Won the Title
TABLE-TENNIS				

	Ritu Bhola Anupam kanesar	—do— Don Bosco School Guwahati	—do— Jr. International Invitation TT Tournament Tehran (Iran) (10-14 Aug. '91) Inter Institutional TT Championship, New Delhi (Sept. 17-22, '91) —do—	Runners up Gold-Team event Gold-Doubles event Bronze-Singles Gold-Men's Doubles Gold-Mixed doubles
	Leena Bhola	Mother's International, New Delhi	—do—	
	Ritu Bhola Leena Bhola	—do—	10th Electra Gold Cup Prize Money TT Tournament, Meetur	II-Jr. doubles
	Ritu Bhola	—do—	Jr. National TT Championship, New Delhi (Dec. '91)	Won the Championship
WRESTLING	Jai Bhagwan	Bhupal Noble H. Sec. School, Udaipur	World Cadet Wrestling Championship, Alma (Canada) (30 June-6 July '91) —do—	Silver-40 kg wt. cat. Participation
	Subhash Chander	CRZ Sr. Sec. School, Sonepat	—do—	
	Mukesh	Shivalik Public School, Chandigarh	International Invitation Wrestling Championship, Makhachkat (USSR) (Aug. 20-27 '91)	Bronze- 62 kg. wt. cat.
	Shamsher Singh	—do—	Commonwealth Games, New Zealand (Oct. '91)	Bronze- 82 kg. wt. cat.
	Rajender Singh	—do—	12th Jr. National Wrestling Championship Jind (Haryana) (Dec. 22-26 '91)	Bronze-58 kg. cat. (G/R)
	Mukesh	—do—	—do—	Bronze-68 kg. cat. (F/S)
	Mohd. Subhan	CRZ Sr. Sec. School, Sonepat	—do—	Bronze-50 kg. cat. (G/R)
	Pawan Kumar	—do—	—do—	Silver-81 kg. cat. (G/R)
	Ram Narain	Govt. Multipurpose High School, Indore	—do—	Silver-46 kg. cat. (F/S)
	Subhas Chander	SGN Khalsa School, Sriganga Nagar (Raj)	—do—	Gold-46 kg. cat. (F/S)

ACHIEVEMENTS OF SAI's SAG TRAINED SPORTSPERSONS

DISCIPLINE	CHAMPIONSHIP	GOLD	SILVER	BRONZE	REMARKS
ATHLETICS	Inter State Athletics Meet Gandhinagar from 8.3.91 to 10.3.91	—	1	7	
	Inter Zonal Athletic Championship held on October, 1991	12	1	2	Siddi Athletes of Bangalore Centre created 8 National Records.
	Charminar Challenge Inter- national Marathon at Pune held on 15.12.91	—	—	—	Rigzin Angmo of Shillaroo Centre came IV in Women's Section.
	Cross Country at Lucknow held on Jan. '91	—	1	—	Shillaroo team came second.
	All India Rath Marathon held on 17.2.91	1	1	0	
	All India Jr. Athletic Championship at Jammu held on 18-19 Sept. 1991	3	4	3	
BOXING	XV YMCA All India Boxing Championship at Delhi held on 1-8 March, 1991	7	5	1	
	Sub-Junior National Boxing Championship at Ambala held on 21.11.91 to 25.11.91	3	2	3	
CYCLING	Sub-Junior National Cycling Championship at Delhi held on 13-14 Feb. 1991	7	1	3	
	All India Road Cycling Championship at Calcutta held on 3rd March, 1991	—	1	7	
	Senior National Cycling Championship at Bombay	1	4	3	
ARCHERY	1st World Jr. Archery Championship at Norway held on 17-25 Aug. '91	—	—	—	4 SAG Archers represented India.
	Federation Cup at Calcutta held on 18.12.1991- January 1992	2			Team Gold
	National Archery Championship held in January 1991	8	6	8	
	Invitational Prize Money Archery Tournament at Jamshedpur held in March '91				
WATER SPORTS	1st Asian Ground Prix Marathon at Roorkee held on 10-12 Nov. '91	1	2	1	
	Asian Rowing Championship at Japan held on 8-10 Nov. '91	—	1	—	Johny Romal of Port- Blair Centre won the Medal first ever by an Indian.
	Combined National Marathon at Port Blair held on 8-9 Feb. '91	2	2	—	
	National Rowing Championship at Madras held in 14th July. 1991	2	—	—	
	Jr. Rowing National Championship at Calcutta held on 15-18 Aug. '91	—	—	1	Alleppey Centre won the team championship

HOCKEY	Senior National Hockey Championship at Gurgaon (Haryana) held on Feb. '91 All India Sanjay Gandhi Junior Hockey tournament at New Delhi held on 14th October, 1991	Girls team of Ranchi centre reached upto quarterfinals. SAG Ranchi Centre team won the tournament.
FOOTBALL	Asian School Games at Kuala Lumpur held on 10-22 June, 1991	Seven boys of SAG Delhi Centre participated.

Appendix-Q

(Para 3.14.11.2)

NUMBER OF SPORTSPERSONS RECEIVING TRAINING UNDER THE SPORTS HOSTEL SCHEME OF SAI

Sl.	State/U.T.	Name of Sports Hostel	Number of Inmates	
			Boys	Girls
1.	Andhra Pradesh	Secunderabad	57	Nil
2.	Assam	Guwahati	22	7
3.	Chandigarh	Chandigarh	Nil	60
4.	Goa	Panaji	37	7
5.	Gujarat	Gandhinagar	29	4
6.	Haryana	Bhiwani	48	Nil
7.	Himachal Pradesh	Bilaspur	27	Nil
8.	Karnataka	Bangalore	56	7
9.	Kerala	Calicut	16	3
10.	Maharashtra	Kandivali	37	11
11.	Manipur	Imphal	21	21
12.	Nagaland	Dimapur	29	Nil
13.	Orissa	Cuttuck	64	10
14.	Rajasthan	Alwar	32	Nil
15.	Tamil Nadu	Madras	28	Nil
16.	West Bengal	Calcutta	61	14
17.	West Bengal	Siliguri	30	4
Total:			594	148
Grand Total:			742	

Appendix-R

(Para 3.14.12.2)

ESTIMATED NUMBER OF SPDAs IN THE ENTIRE COUNTRY

Sl. No.	State/U.T.	Number of Districts	Number of Blocks	Number of SPDAs proposed
STATES				
1.	Andhra Pradesh	22	330	4
2.	Arunachal Pradesh	9	48	1
3.	Assam	17	135	2
4.	Bihar	39	590	7
5.	Goa	1	10	1
6.	Gujarat	19	218	3
7.	Haryana	12	100	1
8.	Himachal Pradesh	12	69	1
9.	Jammu Kashmir	14	119	2
10.	Karnataka	20	174	2
11.	Kerala	14	151	2
12.	Madhya Pradesh	45	459	6
13.	Maharashtra	29	298	4
14.	Manipur	8	30	1
15.	Meghalaya	5	30	1
16.	Mizoram	3	20	1
17.	Nagaland	7	25	1
18.	Orissa	13	314	4
19.	Punjab	12	118	2
20.	Rajasthan	27	237	3
21.	Sikkim	4	4	1
22.	Tamil Nadu	19	384	5
23.	Tripura	3	18	1
24.	Uttar Pradesh	57	895	11
25.	West Bengal	15	341	4
UNION TERRITORIES				
26.	A & N Islands	2	5	1
27.	Chandigarh	1	1	1
28.	D & N Haveli	1	1	1
29.	Daman & Diu	2	2	1
30.	Lakshadweep	1	5	1
31.	Delhi	1	5	1
32.	Pondicherry	4	6	1
ALL INDIA		438	5147	78

Appendix-S

(Para 3.14.12.2)

NUMBER OF SPORTSPERSONS RECEIVING TRAINING UNDER SPDA CENTRES OF SAI

Sl.	State/UT	No. of Inmates		Total Boys & Girls (State-wise)
		Boys	Girls	
	Andhra Pradesh			
1.	Eluru	26	—	B – 49
2.	Nizamabad	11	2	G – 2
3.	Kurnol	12	—	<hr/> 51 <hr/>
	Bihar			
4.	Gumla	28	—	B – 40
5.	Ranchi	12	—	G – —
				<hr/> 40 <hr/>
	Goa			
6.	Fatorda Sports Complex	26	—	B – 26
	Gujarat			
7.	Rajkot	18	3	B – 33
8.	Devgarh Baria	15	—	G – 3
				<hr/> 36 <hr/>
	Haryana			
9.	Kurukshetra	38	—	B – 38
	Karnataka			
10.	Dharwal	14	—	B – 24
11.	Medikeri	10	8	G – 8
				<hr/> 32 <hr/>
	Kerala			
12.	Quilon	51	—	B – 51
13.	Trichur	—	36	G – 36
				<hr/> 87 <hr/>
	Madhya Pradesh			
14.	Sehore	15	—	B – 90
15.	Dhar	31	—	<hr/>
16.	Jabalpur	44	—	
	Punjab			
17.	Ludhiana	33	—	B – 50
18.	Patiala	17	4	G – 4
				<hr/> 54 <hr/>

Rajasthan				
19.	Jodhpur	22	—	B – 35
20.	Ajmer	13	12	G – 12
				<hr/> 47
Tamil Nadu				
21.	Salem	37	—	B – 37
22.	Nagercoil	—	10	G – 10
				<hr/> 47
Uttar Pradesh				
23.	Kashipur	28	—	B – 28
Total		<hr/> 501	<hr/> 75	
Grand Total		<hr/> 576		

Appendix-T

(Para 3.14.13.3)

NUMBER OF SPORTSMEN RECEIVING TRAINING UNDER THE BOYS SPORTS COMPANIES IN THE ARMY

Sl.No.	State/U.T.	Name of Regimental Centre	Number of Inmates
1.	Andhra Pradesh	ARTY Regimental Centre, Hyderabad	41
2.	Bihar	Sikh Regimental Centre. Ramgarh	33
3.	Delhi	Raj Rifle Regimental Centre, Delhi Cantt.	30
4.	Himachal Pradesh	14, GTC Regimental Centre, Subathu	33
5.	Maharashtra	BEG Centre at Kirkee,	31
6.	Meghalaya	Assam Regimental Centre, Shillong	43
7.	Madhya Pradesh	1 STC, Regimental Centre, Jabalpur	36
8.	Uttar Pradesh	Kumaon Regimental Centre, Ranikhet	24
Total:			<hr/> 271

**FOREIGN EXPERTS/COACHES WHO VISITED INDIA
(Jan-Dec., 1991)**

Name	Arrived on	Period
Dr. Jafferey Simens (Sports Psychologist from USA)	17.1.91	5 week
Shri Li Deyang (Table Tennis coach from China)	13.1.91	one year
Shri Mitsutaka Aba (Judo coach from Japan)	16.4.91	one year
Prof. S. Reshan (Russian expert from Central Scientific Research Institute)	23.5.91	2 weeks
Shri Pierre Sewald (Rowing coach from German)	17.7.91	1 month
Shri Zoubernig (Cycling coach from USSR)	25.9.91	one year
Shri Tregulov (Fencing coach from USSR)	17.10.91	one year
Shri Roundnitsky (Greco-Roman Wrestling coach from USSR)	17.10.91	one year
Shri Volkov (Boxing coach from USSR)	14.11.91	one year
Shri Y.U. Borisov (Expert in Mass Sports Formation from USSR)	30.11.91	2 months
Shri Byunghyun Kim (Director, Sports & Social Sciences, Republic of Korea)	1.12.91	25 days

ADMINISTRATIVE CHART

(As on March 21, 1992)

MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT

(Shri Arjun Singh)

MINISTER OF STATE (Youth Affairs & Sports)

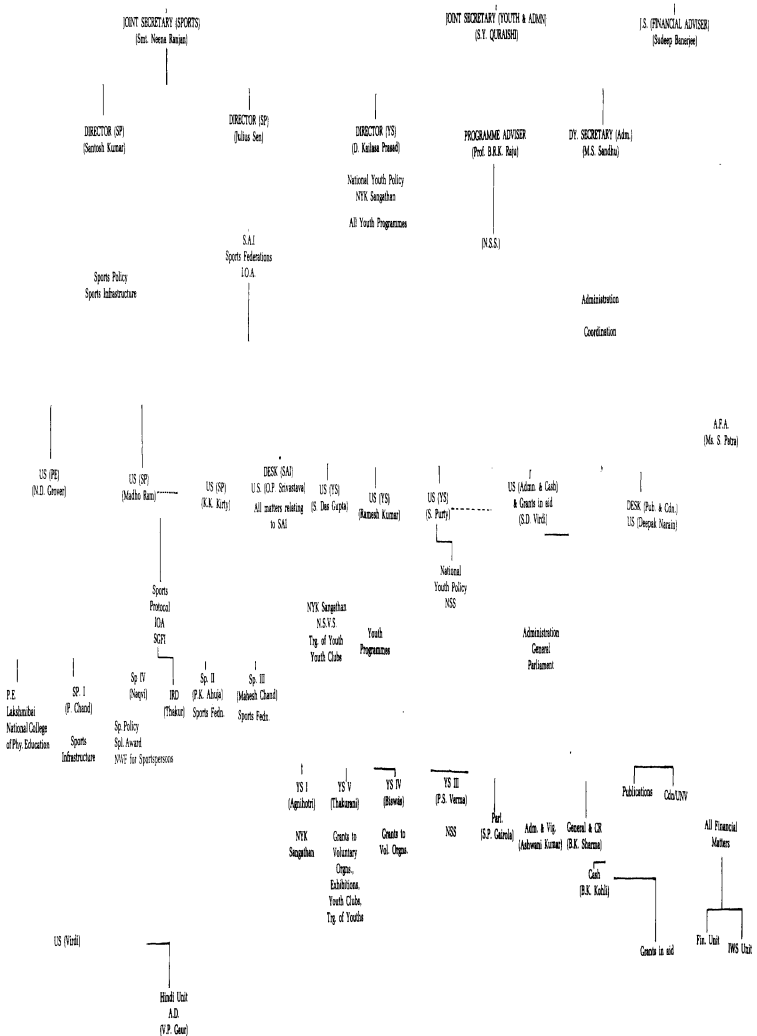
(Ms. Mamata Banerjee)

Secretary

(M.M. Rajendran)

Appendix-V

(Para 5.1.3)



Appendix-W

(Para 5.4.1)

SCHEMEWISE DETAILS OF FINANCIAL ALLOCATIONS For 1991-92 and 1992-93

(Rupees in Lakhs)

Sl. No.	Name of the Scheme	Revised Estimates 1991-92		Budget Estimates 1992-93	
		Plan	Non-Plan	Plan	Non-Plan
I.	YOUTH WELFARE SCHEMES				
1.	National Service Scheme	674.00	442.00	987.00	440.00
2.	Nehru Yuva Kendra Sangthan	319.00	603.00	900.00	603.00
3.	Assistance to Voluntary Organisations	28.00	1.50	55.00	1.50
4.	Promotion of Adventure Activities	50.00	21.00	150.00	20.75
5.	Establishment and development of Mountaineering Institutes	11.00	10.00	30.00	10.00
6.	Scouting and Guiding	55.00	12.00	88.00	12.00
7.	National Service Volunteers Scheme	88.00	10.30	180.00	10.50
8.	National Integration Programme	185.00	20.00	270.00	19.75
9.	Exchange of Youth Delegation	15.00	—	25.00	—
10.	Exhibitions for Youth	16.00	—	30.00	—
11.	Youth Hostels	124.00	—	210.00	—
12.	Commonwealth Youth Programme	3.00	30.10	3.00	30.10
13.	National Discipline Scheme	—	965.00	—	965.00
14.	Youth Clubs	15.00	—	50.00	—
15.	Programme of Training of Youth	80.00	—	120.00	—
16.	National Youth Award	10.00	—	10.00	—
17.	Contribution to United Nations Volunteer Programme	—	6.70	—	4.00
18.	UNV-DDS Volunteers deployed in India	—	2.40	—	2.40
19.	National Fitness Corps	—	1.00	—	1.00
20.	Special Scheme for Promotion of Youth Activities among Youth of Backward Tribes	80.00	—	100.00	—
21.	Compulsory National Service	1.00	—	1.00	—
22.	National Institute of Youth Development	1.00	—	20.00	—
23.	Evaluation	—	—	10.00	—
	Total Youth Welfare Schemes	1755.00	2125.00	3239.00	2120.00
II.	GAMES AND SPORTS				
1.	Sports Authority of India	2678.00	1330.00	2341.00	1330.00
2.	Grants to Universities & Colleges	151.00	—	250.00	—
3.	Grants to National Sports Federations	350.00	48.00	350.00	94.00
4.	Development of Sports through State Sports Councils, etc.	1000.00	—	624.00	—
5.	Incentives for Promotion of Sports activities	260.00	—	300.00	—
6.	Laying of Synthetic Tracks/Surfaces	100.00	—	100.00	—
7.	Exchange of Sports & Phy. Education Team Experts	100.00	—	50.00	—
8.	National Sports Championship for Women	—	55.00	—	60.00
9.	Physical Education	—	19.00	—	19.00
10.	Promotion of Sports among Women	—	—	3.00	—
11.	Sports Talent Search Scholarship Scheme	70.00	—	70.00	—
12.	Rural Sports Tournaments	—	32.50	—	53.00
13.	National Welfare Fund	—	2.00	—	2.00
14.	Arjuna Award	—	6.50	—	3.00
15.	Dronacharya Award	—	—	—	2.00
16.	Travel Grants to Sports Scholars	1.00	—	1.00	—
17.	Afro-Asian Games	—	1.00	—	1.00
	Transfer of Asiad Property	—	1.00	—	1.00
18.	Scholarships for Training of Specialists & outstanding Sports persons in Sports Adventure abroad	—	—	1.00	—

20. Special Scheme for Sports Activities among the Backward Tribes	—	—	40.00	—
21. Assistance to Sports Clubs	—	—	1.00	—
22. Evaluation	—	—	5.00	—
Total : Games & Sports	4710.00	1495.00	4136.00	1565.00
Total : Youth Affairs & Games & Sports	6465.00	3620.00	7375.00	3685.00
III. OTHER PROGRAMMES				
1. Expenditure on Seminars, Committees, Meetings etc.	—	25.00	—	25.00
2. Other Items	—	2.00	—	2.00
Total Other Programme	—	27.00	—	27.00
IV. SECRETARIAT—SOCIAL SERVICE	20.00	167.00	25.00	168.00
Grand Total :	6485.00	3814.00	7488.00	3880.00

ABBREVIATIONS

AIDS	Acquired Immune Deficiency Syndrome
AIU	Association of Indian Universities
A.P.	Andhra Pradesh
ASI	Archaeological Survey of India
BPE	Bachelor of Physical Education
CABE	Central Advisory Board of Education
CBSE	Central Board of Secondary Education
CD	Community Development
CEP	Cultural Exchange Programme
CYAC	Commonwealth Youth Affairs Council
CYP	Commonwealth Youth Programme
DG	Director General
DPR	Democratic People's Republic
H.P.	Himachal Pradesh
HRD	Human Resource Development
HRM	Minister of Human Resource Development
ICDS	Integrated Child Development Scheme
IG	Indira Gandhi
IIPA	Indian Institute of Public Administration
IOA	Indian Olympic Association
LNCPE	Lakshmibai National College of Physical Education
MOS	Minister of State
MPE	Master of Physical Education
MPFL	Mass Programme for Functional Literacy
NCC	National Cadet Corps
NIC	National Informatics Centre
NLM	National Literacy Mission
NPE	National Policy on Education
NSO	National Sports Organisation
NSNIS/NIS	Netaji Subhas National Institute of Sports
NSS	National Service Scheme
NSTC	National Sports Talent Contest
NSV	National Service Volunteer
NSVS	National Service Volunteer Scheme
NYK	Nehru Yuva Kendra
NYKS	Nehru Yuva Kendra Sangathan
R&D	Research and Development
RD	Republic Day
SAARC	South Asian Association for Regional Cooperation
SAF	South Asian Federation
SAG	Special Area Games
SAI	Sports Authority of India
SC/ST	Scheduled Caste/Scheduled Tribe
SPDA	Sports Project Development Area
TLC	Total Literacy Campaign

TOC	Training and Orientation Centre
TORC	Training Orientation and Research Centre
TV	Television
UEE	Universalisation of Elementary Education
UGC	University Grants Commission
UNDP	United Nations Development Programme
UNV	United Nations Volunteer
U.P.	Uttar Pradesh
US/USA	United States of America
USSR	Union of the Soviet Socialist Republics
UT	Union Territory
UTA	Universities Talk Aids
VIP	Very Important Person
W.B.	West Bengal
WHO	World Health Organisation
YA	Youth Affairs